



वनस्पति अन्वेषण

(शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित)

Plant Discoveries

(including algae, fungi & microbes)

2021

नवीन वंश, जातियाँ एवं नये अभिलेख

NEW GENERA, SPECIES AND NEW RECORDS

जून - June - 2022



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
Ministry of Environment, Forest & Climate Change



भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
BOTANICAL SURVEY OF INDIA

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
Botanical Survey of India



1890 ई. में स्थापित, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण वस्तुसूची, प्रलेखन, वर्गीकी शोध एवं पर्यावरण के प्रति जागरूकता द्वारा वन्य पादप विविधता के संरक्षण एवं सतत उपयोग हेतु वैज्ञानिक आधार प्रदान करते हुए राष्ट्र की सेवा में कार्यरत है।

1954 ई. में भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पुनर्गठन के बाद से विभाग के वैज्ञानिकों ने

- 01 नवीन कुल
- 47 नवीन वंश
- 1842 नवीन जाति, उपजाति एवं प्रभेदों का अन्वेषण किया।
वर्ष 2021 के दौरान भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संस्थानों के पादप वर्गीकरण वैज्ञानिकों ने
- 09 नवीन वंश,
- 185 नवीन जातियां
- 10 अवजातिय विशिष्ट वनस्पतिजात का भारत से विज्ञान हेतु नवीन अन्वेषण एवं
- 05 नवीन वंश, 113 नवीन जातियों तथा 07 अवजातिय विशिष्ट वनस्पतिजात के नवीन अभिलेखों का भारतीय वनस्पति हेतु अन्वेषण किया।

वर्ष 2021 के दौरान रोचक आंकड़ों में बागवानी, कृषि, औषधीय एवं सजावटी महत्व की वनस्पतियों की वन्य किस्मों जैसे बिगोनिया, इम्पेशियंस (बालसम), जिंजिबर्स, ऑर्किड की जातियों का अन्वेषण किया गया है। यह भी बताना आवश्यक है कि बीजीय पौधों के अन्वेषणों में आईयूसीएन श्रेणी तथा मानदंडों के अनुसार 22 नवीन प्रजाति को अतिलुप्तप्राय (सीआर), 01 लुप्तप्राय (ईएन), तथा संवेदनशील (वीयू) एवं अल्पचिन्तनीय (एलसी) के श्रेणी में 03 प्रजाति को रखा गया है।

Botanical Survey of India (BSI), established in 1890, serves the nation by providing scientific basis for conservation and sustainable utilization of wild plants through survey, inventory, documentation, taxonomic research and creating environmental awareness.

Since reorganization of BSI in 1954, the scientists of BSI have discovered

- 01 new family
- 47 new genera
- 1842 new species, subspecies, varieties and records

During 2021, the Plant Taxonomists of BSI and other institutes have discovered

- 9 new genera
- 185 new species
- 10 infra specific taxa as new to science from India
- 5 new genera, 113 new species, 7 infraspecific taxa as new records for Indian Flora.

Interestingly, this year's discoveries include wild relatives of much potential horticulture, agriculture, medicinal, ornamental plants such as Begonia, Impatiens (Balsams), Zingibers, Orchids etc.

It is also pertinent to mention that in seed plants discoveries, 22 new taxa have been assessed as Critically Endangered (CR), 01 as Endangered (EN), 3 each as Vulnerable (VU) and Least Concern (LC) category following the IUCN guidelines.

वनस्पति अन्वेषण 2021 (शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित) **Plant Discoveries 2021 (including algae, fungi & microbes)**

© भारत सरकार © Government of India

आई. एस. बी. एन ISBN : 978-81-956354-1-2

प्रकाशन: जून, 2022 Published: June, 2022

संपादन Edited & Compiled by

ए. ए. माओ, डी.के. अग्रवाला, एस.एस. दाश, ए.एन. शुक्ला एवं शिंजिनी मुखर्जी A. A. Mao, D. K. Agrawala, S.S. Dash, A.N. Shukla & Sinjini Mukherjee

सहयोग Assistance

कनाद दास Kanad Das

एम. पलनिसामी M. Palanisamy

रश्मि दुबे Rashmi Dubey

टी.ए.एम जगदीश राम T.A.M. Jagadeesh Ram

मोनालिसा दे Monalisa Dey

बृजेश कुमार Brijesh Kumar

सुकुमार भक्ता Sukumar Bhakta

हिंदी अनुवाद Hindi Translation

कैलाश प्रसाद कुशवाहा, एस. एल. मीणा एवं उदय वीर श्रीवास Kailash Prasad Kushwaha, S.L. Meena and Uday Veer Shrivastava

सर्वाधिकार सुरक्षित | इस प्रकाशन का कोई भी अंश कौपीराइट धारकों के बिना पुनर्प्रवर्तित पुनर्प्राप्ति पद्धति से भंडारण, किसी भी साधन या प्रणाली जैसे इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक रिकॉर्डिंग या अन्यथा संचारित नहीं किया जा सकता है |

All rights reserved. No part of this publication may be reproduced, stored in retrieval system or transmitted in any form or by any means electronic, mechanical, photocopying, recording or otherwise without the permission of the copyright owners.

मुख्य पृष्ठ/ छायाचित्र Cover page/ Photo

स्पैथोग्लॉटिस एफिनिस डे व्रीसे *Spathoglottis affinis* de Vriese

छाया चित्र: जीवन सिंह जलाल, भा.व.स., कोलकाता Photo by Jeewan Singh Jalal, BSI, Kolkata

प्रकाशक Published by

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सीजीओ कॉम्प्लेक्स Botanical Survey of India, CGO Complex

सॉल्ट लेक सिटी, कोलकाता-700064 Salt Lake City, Kolkata 700064

वेबसाइट : <http://bsi.gov.in> ई-मेल : publication.bsi@gmail.com

Website: <http://bsi.gov.in> Email: publication.bsi@gmail.com

मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
और
श्रम एवं रोज़गार
भारत सरकार



MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
AND
LABOUR AND EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA



भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV



संदेश

हमारा देश अद्वितीय जैव विविधता से सम्पन्न है जिसके परिणामस्वरूप इसे विश्व के विशाल जैव विविधता वाले देशों की श्रेणी में गिना जाता है। यह जैव विविधता हमें न केवल खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों एवं अन्य पारिस्थितिकी तंत्र से जुड़ी सेवाओं के लक्ष्यों को प्राप्त करने में सहयोग करती है बल्कि यह अंगारकाम्ल संतुलन प्राप्त करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। किसी भी देश कि समृद्ध जैव संसाधन तथा इससे जुड़े पारंपरिक प्रथाएँ देश के स्थायी पारिस्थितिकी और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। इस विविधता के सर्वोत्तम उपयोग के लिए इसके बारे में जागरूकता बहुत ही जरूरी है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण अपने सर्वेक्षणों और अन्वेषणों के माध्यम से इस देश में उपलब्ध पादप संपदा का प्रलेखन कर रहा है साथ ही उच्च कोटि के आधुनिक साधनों के माध्यम से पादप जातियों के पहचान करने में अग्रणीय है।

मुझे यह जानकार बहुत ही हर्ष हो रहा है कि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा 2007 से आरंभ की गई 'वनस्पति अन्वेषण' का पंद्रहवाँ अंक प्रकाशित किया जा रहा है। यह प्रकाशन भारत से ज्ञात विज्ञान के क्षेत्र में नवीन पादप जातियों या नवीन क्षेत्रपरक वितरण अभिलेखों के लिए एक सार-संग्रह का कार्य करेगा।

वर्तमान संकलन 'वनस्पति अन्वेषण 2021' में पिछले एक वर्ष के दौरान भारत से अन्वेषित 315 नवीन पादप एवं नवीन क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेख संकलित हैं। कुल नवीन पादपों में 135 आवृतबीजी, 4 पर्णांग, 9 हरितोद्भिद, 28 शैवाक, 98 कवक, 29 शैवाल तथा 12 जीवाणु सम्मिलित हैं। मैं आशा करता हूँ कि यह सभी हितधारकों, नीति निर्माताओं के लिए एक संदर्भ व सहायक पुस्तक का कार्य करेगी तथा आम जन के लिए देश के पादप विविधता कि स्थिति के आकलन करने में सहायक सिद्ध होगी।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के सभी सदस्यों को इस प्रकाशन को प्रस्तुत करने के लिए बधाई देता हूँ।

दिनांक: 27.05.2022

(भूपेन्द्र यादव)

मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
और
श्रम एवं रोज़गार
भारत सरकार



MINISTER
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
AND
LABOUR AND EMPLOYMENT
GOVERNMENT OF INDIA

भूपेन्द्र यादव
BHUPENDER YADAV



MESSAGE

Our country is blessed with enormous biological diversity making it one of the mega diversity countries in the world. The mesmerizing floristic diversity not only makes us prosperous for achieving food security, health care needs and other ecosystem services, but also contributes largely for carbon neutrality. The rich bio resource and associated traditional practices are responsible for sustainable development of ecological and economic growth of our country. It is imperative to understand the diversity for harnessing its potential at optimum. Botanical Survey of India has been engaged in documenting the country's flora through survey and exploration and identifying the plant species with modern analytical tools.

It is a matter of immense pleasure to know that Botanical Survey of India is publishing the fifteenth issue of 'Plant Discoveries' series which was started in 2007. This publication serves as a compendium of all plant species recorded from India as new to science or new distributional records.

The present compilation 'Plant Discoveries 2021' includes 315 new taxa and new distributional records discovered from India during past one year. It comprises 135 angiosperms, 4 pteridophytes, 9 bryophytes, 28 lichens, 98 fungi, 29 algae, and 12 microbes. This surely will serve as the referral book for all the stakeholders, policy makers in particular and the general public as a whole to update the status of countrywide plant diversity.

I congratulate the team from Botanical Survey of India for their significant contribution in bringing out this publication.

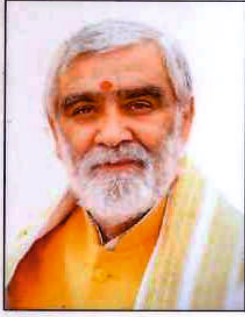
Date: 27.05.2022

(Bhupender Yadav)

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey



सत्यमेव जयते
आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः



राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
GOVERNMENT OF INDIA

संदेश

विश्व का 2.3 प्रतिशत भौगोलिक क्षेत्रफल होने के बावजूद भारत में विश्व की जैवविविधता का लगभग 8 प्रतिशत मौजूद है। 36 वैश्विक जैवविविधता वाले प्रमुख स्थलों में से 4 भारत में पाए जाते हैं।

भारत के अद्वितीय और विविध पारि-तंत्र जो कई भू-परिदृश्यों, नदियों तथा महासागरों तक फैले हैं, आर्थिक रूप से भी बहुमूल्य हैं। अन्न उगाने, जल को स्वच्छ करने और अन्य संसाधन प्रदान करने की क्षमता, उपयुक्त, विविधतापूर्ण पारि-तंत्रों पर निर्भर करती है। जैवविविधता का मूल्य, इसकी वाणिज्यिक उपयोगिता, पारिस्थितिक सेवाओं, सामाजिक और सौंदर्यपरक मूल्यों के संदर्भ में असाधारण है। जैवविविधता की हानि से वास्तव में आर्थिक विकास रूकता है और उसमें बाधाएं आती हैं। इसीलिए जैवविविधता के सर्वेक्षण, प्रलेखन और मानचित्रण, साथ ही इनके संरक्षण एवं संवर्धन तथा सतत उपयोग की योजना बनाने के लिए इसे आपातकालीन कार्यों के रूप में मान्यता दी गई है।

इस विषय के लिए पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक नोडल एजेंसी है, जिसका मुख्य सरोकार देश के विविधतापूर्ण पारि-तंत्र में किए गए व्यापक अन्वेषण कार्य के माध्यम से देश की वानस्पतिक संपदा के संबंध में अद्यतन जानकारी प्रदान करना है।

मुझे खुशी है कि वर्ष 2021 के दौरान भारत में पाई गई सभी नई प्रजातियों की खोजों और पौधों के नए वितरण अभिलेखों को संकलित करके भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा 'प्लांट डिस्कवरीज़ 2021' प्रकाशित किया गया है। मौजूदा संस्करण में, पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में खोजे गए 315 नए वर्गों और नए वितरण अभिलेखों के संबंध में सूचना प्रदान की गई है।

मैं, इस महत्वपूर्ण प्रकाशन के लिए एवं इसमें बहुमूल्य योगदान देने के लिए निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण और उनके वैज्ञानिक सहकर्मियों के अथक प्रयासों की सराहना करता हूँ। मुझे विश्वास है कि, यह पुस्तक न केवल वनस्पति प्रबंधकों के लिए, अपितु शिक्षाविदों एवं शोधकर्ताओं के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होगी।

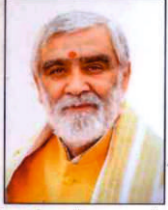
(अश्विनी कुमार चौबे)

कार्यालय: 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-20819418, 011-20819421, फैक्स: 011-20819207, ई-मेल: mos.akc@gov.in
Office : 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819418, 011-20819421, Fax: 011-20819207, E-mail : mos.akc@gov.in
कार्यालय: कमरा नं. 173, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष: 011-23380630, फैक्स: 011-23380632
Office : Room No. 173, Krishi Bhawan, New Delhi-110001, Tel. : 011-23380630, Fax : 011-23380632
निवास: 30, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-23794971, 23017049
Residence : 30, Dr. APJ Kalam Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-23794971, 23017049

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



अश्विनी कुमार चौबे
Ashwini Kumar Choubey



सत्यमेव जयते
आहारशुद्धौ सत्त्वशुद्धिः
स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

राज्य मंत्री
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन
उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण
भारत सरकार
MINISTER OF STATE
ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE
CONSUMER AFFAIRS, FOOD & PUBLIC DISTRIBUTION
GOVERNMENT OF INDIA

MESSAGE

India is home to nearly eight percent of global biodiversity on just 2.3 percent of global land area and it shares its territory with four of the 36 global biodiversity hotspots. India's unique and diverse ecosystems, distributed across many landscapes, rivers, and oceans are economically valuable too. The ability to grow food, filter clean water, and provide other resources depend on healthy, diverse ecosystems. The value of biodiversity in terms of its commercial utility, ecological services, social and aesthetic values is enormous. The loss of biodiversity actually constrains and counteracts economic development. Survey, documentation and mapping the biodiversity have therefore been rightly recognized as emergency tasks in order to plan its conservation and sustainable utilization.

A comprehensive survey and assessment of country's biological resources would provide the scientific information that is needed to develop appropriate strategies for its management and for sustainable use. Recognizing the value of the bio resources of our country, the government has promulgated laws and policies to protect plants and animals from extinction.

Botanical Survey of India, a premier research organization under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change is providing updated knowledge on the country's floristic wealth, through its extensive exploration work carried out across diverse ecosystem of the country. I am glad that one of the iconic publications "Plant Discoveries 2021" is brought out by Botanical Survey of India by compiling all the new species discoveries and new distributional records of plants reported from India during the year 2021. The present volume reports 315 new taxa and new distributional records discovered from India during past one year. It comprises 135 angiosperms, 4 pteridophytes, 9 bryophytes, 28 lichens, 98 fungi, 29 algae, and 12 microbes.

I congratulate the Director, BSI and his dedicated scientific team for their efforts to bring out this series of volume in best possible way. I am sure that, like earlier volumes, this Plant Discoveries 2021 will be highly appreciated and useful to all authorities, experts, professionals, general public and botanical fraternity on updating the plant diversity of our country.

(Ashwini Kumar Choubey)

कार्यालय : 5वां तल, आकाश विंग, इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-20819418, 011-20819421, फ़ैक्स: 011-20819207, ई-मेल: mos.akc@gov.in

Office : 5th Floor, Aakash Wing, Indira Paryavaran Bhawan, Jor Bagh Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-20819418, 011-20819421, Fax: 011-20819207, E-mail: mos.akc@gov.in

कार्यालय: कमरा नं. 173, कृषि भवन, नई दिल्ली-110001, दूरभाष: 011-23380630, फ़ैक्स: 011-23380632

Office : Room No. 173, Krishi Bhawan, New Delhi-110001, Tel.: 011-23380630, Fax: 011-23380632

निवास: 30, डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम रोड, नई दिल्ली-110003, दूरभाष: 011-23794971, 23017049

Residence : 30, Dr. APJ Kalam Road, New Delhi-110003, Tel.: 011-23794971, 23017049

लीना नन्दन
LEENA NANDAN

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND
CLIMATE CHANGE



प्राककथन

विविध स्थलाकृति, जलवायु की दशाओं, संस्कृति आदि के कारण भारत जैव विविधता के दृष्टिकोण से बहुत ही समृद्ध है। यह मानव को जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक समाग्रियाँ एवं सेवाएँ प्रदान करती है साथ ही यह सतत विकास के लक्ष्यों को प्राप्त करने में भी प्रत्यक्ष रूप से सहायक है। इसलिए इसका संरक्षण हमारे लिए अति आवश्यक हो जाता है।

देश में उपलब्ध वन्य पादप संपदा के विशाल भंडार के प्रलेखन के लिए तथा इसके संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिए लगातार सर्वेक्षण एवं अन्वेषण बहुत ही महत्वपूर्ण है। पर्यावरण, वन तथा जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के अधीन कार्यरत भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एक शीर्ष संस्थान है जो सर्वेक्षणों तथा अन्वेषणों के माध्यम से नियमित रूप से पादप संसाधनों के पहचान करने तथा इनके प्रलेखन में लगा हुआ है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा किए जा रहे अन्वेषणों के माध्यम से वानस्पतिक विविधता संबंधी तथ्यों को लगातार अद्यतन किया जा रहा है।

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा संकलित एवं प्रकाशित 'वनस्पति अन्वेषण 2021' निःसंदेह ही भारत के पादप विविधता के वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डालेगा। वर्तमान के इस खंड में 135 आवृतबीजी, 4 पर्णांग, 9 हरितोद्भिद, 28 शैवाक, 98 कवक, 29 शैवाल तथा 12 जीवाणु संकलित हैं।

मैं, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के निदेशक तथा इसके सदस्यों को 'वनस्पति अन्वेषण 2021' के इस मूल्यवान सार-संग्रह को प्रकाशित करने में किए गए समर्पित प्रयासों के लिए बधाई देती हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि संरक्षण से जुड़े प्राधिकारियों एवं पादप में रुचि रखने वालों को भारतीय पादप विविधता के अद्यतन सूचनाओं से लाभ प्राप्त होगा।

स्थान: नई दिल्ली

दिनांक: 27.05.2022

(लीना नन्दन)



इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011)-2081-9408, 2081-9308, फैक्स : (011)-2081-9238
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003, PH. : 011-2081-9408, 2081-9308, FAX : 011-2081-9238
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in

लीना नन्दन
LEENA NANDAN

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



सत्यमेव जयते

सचिव
भारत सरकार
पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय
SECRETARY
GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND
CLIMATE CHANGE



FOREWORD

India has magnificent biological diversity which can be linked to its diverse topography, climate / weather conditions, culture etc. For India, conservation of biodiversity is crucial not only because it provides several goods and services necessary for human survival and livelihoods, but also because it is directly linked with achievement of the Sustainable Development Goals.

Continuous surveys and explorations are of paramount importance for documenting the vast repository of wild plant resources of the country and ensuring their conservation. The Botanical Survey of India, an apex research organization under the Ministry of Environment, Forest and Climate Change is identifying and documenting the floral resources regularly, through surveys and explorations. Inventories of floral diversities are being progressively updated with several new discoveries by BSI.

The compilation 'Plant Discoveries 2021' brought out by Botanical Survey of India with compilation of the new species discovered, will undoubtedly shed light on the current status regarding the plant diversity of India. The present volume reports 135 angiosperms, 4 pteridophytes, 9 bryophytes, 28 lichens, 98 fungi, 29 algae, and 12 microbes.

I congratulate the Director, BSI and indeed the entire team, for their dedicated effort in bringing out this invaluable compilation of Plant Discoveries 2021. I am sure the botanical fraternity, conservation authorities, and plant enthusiasts will greatly benefit from the updated information on Indian plant biodiversity.


[Leena Nandan]

New Delhi, May 27, 2022



इंदिरा पर्यावरण भवन, जोर बाग रोड़, नई दिल्ली-110 003 फोन : (011)-2081-9408, 2081-9308, फैक्स : (011)-2081-9238
INDIRA PARYAVARAN BHAWAN, JOR BAGH ROAD, NEW DELHI-110 003, PH. : 011-2081-9408, 2081-9308, FAX : 011-2081-9238
E-mail : secy-moef@nic.in, Website : moef.gov.in



डा. ए.ए. माओ
निदेशक
Dr. A.A. Mao
Director

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण
Botanical Survey of India
E-mail : publication.bsi@gmail.com



प्रस्तावना | PREFACE

वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण उत्पन्न स्थिरता वर्ष 2021 में भी इसके नए तथा अपेक्षाकृत अधिक खतरनाक रूपों के साथ जारी रहा | फिर भी इस दौरान कोविड-19 के टिके उम्मीद की किरण बनकर आयी | वर्ष 2021 में कोविड-19 की दूसरी लहर ने अधिकांश अवधि तक व्याप्त होने के कारण इसने संपूर्ण देश में कार्य की गति को पुनः प्रभावित किया | यात्राओं पर प्रतिबन्ध होने के कारण पादप सर्वेक्षण एवं अन्वेषण की गति पूर्णतः बाधित हो गई | इस प्रतिकूल स्थिति में भी वैज्ञानिकों, शोधार्थियों, शिक्षार्थियों के दृढ़ता और लगनशीलता के कारण भारतीय फ़्लोरा के लिए नए जातियों तथा नए क्षेत्रात्मक वितरण के अभिलेखों का अन्वेषण हो सका तथा इसके कारण 315 पादपों का संकलन किया जा सका | यह संख्या सामान्य दशा के समय में किए गए नवीन अन्वेषणों की संख्या से किसी भी तरह से कम नहीं है | यह प्रेरणादायक, आशाजनक एवं इस कठिन समय में उम्मीद का स्रोत है | मुझे 'वनस्पति अन्वेषण' 2021 (शैवाल, कवक एवं जीवाणु सहित) के 15 वें संस्करण को विश्व पर्यावरण दिवस 2022 अवसर पर प्रस्तुत करते हुए हर्ष हो रहा है | यह एक वार्षिक संकलन श्रृंखला है | भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा वर्ष 2007 में आरंभ किया गया था और तब से इसका प्रकाशन प्रति वर्ष किया जा रहा है | ये नवीन अन्वेषण विभिन्न वैज्ञानिक जर्नलों में एकक शोधपत्रों के रूप में फैले होते हैं जिसे आमजन के लिए प्राप्त करना कठिन होता है | यह प्रकाशन एक ही जगह सभी सूचनाएँ उपलब्ध तो कराता है साथ ही यह हमारे देश में हो रहे वानस्पतिक शोध कार्यों के प्रति आम लोगों में जागरूकता फैलाने तथा विद्यार्थियों एवं शिक्षार्थियों को शिक्षित करने का महत्वपूर्ण कार्य भी करता है | प्रभावशाली प्रतिक्रियाओं के साथ वानस्पतिक बिरादरी द्वारा बहुत ही सराहा गया है |

अब चूँकि सम्पूर्ण विश्व महामारी से धीरे-धीरे निकल रहा है ऐसे में हमारा देश जैव विविधता तथा मानव स्वास्थ्य संबंधी; पारिस्थितिकी सेवा का उच्चतम उपयोग तथा पादप उत्पादों के उपयोग की नीति, और सबसे महत्वपूर्ण पादप विविधता के सभी उपलब्ध संसाधनों का एक सुगम प्रलेखन कार्यों पर केंद्रित करेगा | मुझे यह कहते हुए अति गर्व हो रहा है कि भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

The stagnancy imposed by COVID-19 outbreak in 2020 was continued in 2021 as well with the new variants and more virulence albeit with new ray of hope in the form of COVID-19 vaccines. The second wave which continued with the most of 2021 has again affected the movement in the entire country. The travel restrictions have prohibited full-fledged floristic survey & explorations. However, it is the perseverance of the scientists, Research Scholars academicians that this challenging time has again witnessed an overwhelming addition of 315 plant taxa to the Indian flora which were discovered as novel species or distributional novelty. This figure is nowhere less than the average number of new discoveries made from the country during the normal situation. This is inspiring, promising and acts as a source of optimism in this tough time.

I am elated to present the 15th edition of Plant Discoveries (including algae, fungi & microbes) on the occasion of World Environment Day 2022. This is an annual compendium series started by Botanical Survey of India (BSI) in the year 2007 and since then it is being published every year. These new discoveries remain scattered in individual papers in a vast array of scientific journals which is difficult for general public to explore. Apart from making all these info available at one place this publication is also intends to spread public awareness and educating the students & academicians about the floristic research happening in our country. This also acts as a ready reference to know the strength of national plant diversity. This has been highly appreciated with the overwhelming response from the botanical fraternity.

Now, as the world is gradually coming out of the pandemic, our country will focus on the areas pertaining

देश के शीर्ष एवं प्राचीनतम संस्थान होने के नाते यह देश के मूलस्थानिक तथा स्वदेशी पादप जातियों के विशिष्ट नामकरण प्रदान करने के साथ साथ इनके प्रलेखन अनवरत लगा हुआ है। अभी तक भारत से पुष्पीय पौधों, शैवालों, कवकों एवं जीवाणुओं सहित 55,000 से अधिक प्रजाति का प्रलेखन किया जा चुका है। जब तक जैव विविधता का महत्त्व आम जन को समझ में नहीं आ जाता तब तक यह महत्त्वहीन बनी रहेगी। पादप आधारित शोध के लिए उस पादप का पहचान करना प्राथमिक रूप से अनिवार्य है जिसपर यह शोध आधारित है। पूर्व के दिनों में आधारभूत संरचनाओं की कमी के कारण पादप जातियों के गहन विशेषताओं को आकृतिकीय-आण्विक स्तर पर जानने के सीमित अवसर उपलब्ध थे। आधुनिक समय ने यंत्रों के सुगमता के क्षेत्र में एक क्रांतिकारी प्रगति देखा है जिस प्रगति के कारण पादपों को नैनोकण या जीनोम स्तर पर अनावरण करना संभव हो सका है।

इन आधुनिक संसाधनों ने हम लोगों को पहले से भी और अधिक विश्लेषणपरक बना दिया है साथ ही ये नवीन जातियों के अन्वेषण को भी और अधिक सुगम बना दिया है और इसी के परिणामस्वरूप अनेक पादप जातियों को पहचान करने के कार्य में गति आयी है। यह भारतीय वनस्पति सम्पदा में प्रतिवर्ष अधिक संख्या में जुड़ने वाले नवीन अन्वेषणों से पता चलता है। ये नवीन अन्वेषण जीन पुल में शामिल पादप जातियों के समुच्चय को प्रदर्शित करता है जिसका उपयोग अनेक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए किया जा सकता है। इनका उपयोग अन्न के वन्य रूपों या औषधीय पादपों या आर्थिक महत्त्व के जातियों के रूप में किया जा सकता है। निश्चय ही यह खाद्य सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं के लिए नए द्वार खोलेगा। इसलिए हमारे लिए जैव विविधता के महत्त्व को समझना अति आवश्यक है। हम लोगों को पादप विविधता, उनके उपलब्धता, क्षेत्रपरक वितरण की रूपरेखा एवं उपयोगिता पर प्रामाणिक डाटाबेस निर्माण करने की आवश्यकता है। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण लगातार कार्य कर रही है और प्रति वर्ष इस सार-संग्रह का प्रकाशन इस दिशा में उठाया गया एक कदम है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण द्वारा जैव विविधता अधिनियम 2002 में निर्दिष्ट हितों की रक्षा के लिए सम्पूर्ण प्रयास करने के बावजूद भी वाउचर प्रतिरूपों को इस वर्ष भी निर्दिष्ट पादपालयों में संग्रहित ना करने का प्रचलन अभी भी जारी है लेकिन यह उम्मीद है कि आने वाले वर्षों में यह प्रचलन अवश्य ही सकारात्मक रूप से बदलेगा और वाउचर प्रतिरूपों को विशिष्ट स्थान प्राप्त हो पाएगा तथा भविष्य के संदर्भों के लिए ये उपलब्ध हो पाएंगे।

पूर्व प्रकाशित अंकों की भांति "वनस्पति अन्वेषण 2021" वर्ष 2021 में अन्वेषित और प्रकाशित नए भारतीय वनस्पति पर विभिन्न स्रोतों से प्राप्त आंकड़ों का संकलन है (विगत वर्षों के कुछ आंकड़े भी हमें अभी उपलब्ध हुए हैं)। इसमें सम्मिलित किये गए वानस्पतिक सूचनाएं तथा कुछ छायाचित्र एकटा बोटैनिक हंगेरिका, एकटा फायटोटैक्स जियोबोटैनिका, एडेनसोनिया एल्गी, एनल्स बॉटनिसि फेनेसी, एंटनी वन ल्यूवेनहोक, एशियन जर्नल ऑफ कन्जर्वेशन बायोलॉजी, बायोडायवर्सिटी, बायोडायवर्सिटी रिसर्च एंड कंजर्वेशन, बायोइंफोलेट, ब्लूमिया, बोटैनिक मेरिना, क्रिप्टोगैम बायोडायवर्सिटी एंड एसेसमेंट, क्रिप्टोगैम मायकोलॉजी, कर्नेट रिसर्च इन

to biodiversity loss and human health; harnessing the ecosystem service and utilization policy of plant products, more prominently a comprehensive documentation of all the available resources of plant diversity. I feel extremely proud to say that Botanical Survey of India, being the premier and oldest research institute of the country to document its flora working relentlessly to assign correct names and finger prints to all the plant species native to and found in our country. So far more than 55000 plant taxa including the flowering plants as well as the algae, fungi and microbes have been recorded from India.

Biodiversity has very little significance unless its value remains understood. To be able to conduct any plant based research, the primary requirement is to identify the plant on which the research is being intended. In earlier days there were limited scopes for thorough characterization of plant species at morpho-molecular level due to lack of infrastructures. Modern day witness a revolutionary progress in sophistication of equipment which enables to decode even at the nanoparticle or at genome level. These modernizations enable us to be more analytical and in this process discovery of new species. And decoding of identity of many plant species has gained pace. This is reflected in the overwhelmingly good number of additions to Indian flora every year. These new discoveries represent a set of genepool that can be harnessed for many purposes, either as the wild relatives of crop plants or medicinal plants or any other economically important species. This will open up new vistas towards achieving food security and health care needs of our people. Therefore it is important for us to know what diversity is there at our disposal. We must also create an authentic data base on plant diversity, their occurrence, distribution pattern and the utilization. Botanical Survey of India is working relentlessly for achieving this goal and publication of this compendium every year is an important step forward in this direction.

The trend of not depositing the voucher specimens in the designated herbaria continues for this year as well despite the best efforts put by Botanical Survey of India for safeguarding the interest of Biological Diversity Act 2002. It is hoped that the trend will shift positively in the coming years and the voucher specimens will find their designated place and the available for future references.

Information and some of the photographs included in this book have been sourced from the papers published in Acta Botanica Hungarica, Acta Phytotaxa Geobotanica, Adansonia, Algae, Annales Botanici Fennici, Antonie van Leeuwenhoek, Asian Journal of Conservation Biology, Biodiversitas, Biodiversity

एन्वायरनमेंटल एंड एप्लायड मायकोलॉजी, करेंट साइंस, एडिनबर्ग जर्नल ऑफ बॉटनी, यूरोपियन जर्नल ऑफ फायकोलॉजी, यूरोपियन जर्नल ऑफ टैक्सोनॉमी, फेड्स रैपाटोरियम, एफईएमएस माइक्रोबायोलॉजी लेटर्स, फोर्टिया, फंगल डायवर्सिटी, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड एवोल्यूशन, गार्डेन्स बुलेटिन सिंगापुर, हावर्ड पेपर्स इन बॉटनी, इंडियन फर्न जर्नल, इंडियन फोरेस्टर, इंडियन हायड्रोबायोलॉजी, इंडियन जर्नल ऑफ फॉरेस्ट्री, इंडियन जर्नल ऑफ जियो मेरिन साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एडवांस्ड रिसर्च, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ लाइफ साइंसेस, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ सिस्टेमिक इवोल्यूशनरी माइक्रोबायोलॉजी, जर्नल ऑफ ब्रायोलॉजी, जॉर्डन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, जर्नल ऑफ एशिया पैसिफिक बायोडायवर्सिटी, जर्नल ऑफ फंजई, जर्नल ऑफ मायकोलॉजी, जर्नल ऑफ न्यू बायोलॉजिकल रिपोर्ट्स, जर्नल ऑफ थ्रेटेनेड टैक्सा, कवका, क्यू बुलेटिन, लंकरस्टरियाना, मंगोलियन जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेस, मायकोएशिया, मायकोकिज, मायकोलोजिया, मायकोलॉजिकल प्रोग्रेस, मायकोसाइंस, मायकोस्फेयर, मायकोटेक्सन, नेशनल एकेडमिक्स साइंस लेटर्स, नी बायो, निलंबो, नॉर्डिक जर्नल ऑफ बॉटनी, नोवा हेडविगिया, परसूनिया, फायटोकिज, फायटोटैक्सा, प्लांट आर्काइव्स, प्लांट साइंस टुडे, प्लांट सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन, प्लीयोन, रीडिया, रिकार्डियाना, साइंटिफिक रिपोर्ट्स, स्पीशीज, स्टडीज इन फंजई, ताइवानिया, डी जर्नल ऑफ इकोनॉमिक एंड टैक्सोनॉमिक बॉटनी, डी जर्नल ऑफ जैपनीज बॉटनी, डी जर्नल ऑफ माइकोलॉजी एंड प्लांट पैथोलॉजी, डी लाइकेनोलॉजिस्ट, ट्रापिकल प्लांट रिसर्च, टरजनिनोविया, टर्किश जर्नल ऑफ बॉटनी, वेजिटोस, वेविया: जर्नल ऑफ प्लांट टैक्सोनॉमी एंड जियोग्राफी इत्यादि में प्रकाशित शोध पत्रों से साभार ली गई है। मैं व्यक्तिगत तौर पर उपरोक्त सभी शोधपत्रों का शुक्रगुजार हूँ जिन्होंने अपने प्रकाशनों को हमारे साथ साझा किया है। साथ ही, मुझे पूरा विश्वास है कि भविष्य में भी हमें उनका सहयोग मिलता रहेगा। "वनस्पति अन्वेषण 2021" के प्रकाशन हेतु हमें मिले वानस्पतिक शोध समुदाय के सहयोग एवं पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के प्रति हम कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

Research & Conservation, Bioinfollet, Blumea, Botanica Marina, Botany Letters, Cryptogam Biodiversity and Assessment, Cryptogamie Mycologie, Current Research in Environmental & Applied Mycology, Current Science, Edinburgh Journal of Botany, European Journal of Phycology, European Journal of Taxonomy, Feddes Repertorium, FEMS Microbiology Letters, Fottea, Fungal diversity, Fungal Systematics and Evolution, Garden's Bulletin Singapore, Harvard Papers in Botany, Indian Fern Journal, Indian Forester, Indian Hydrobiology, Indian Journal of Forestry, Indian Journal of Geo Marine Sciences, International Journal of Advanced Research, International Journal of Life Science, International Journal of Systemic Evolutionary Microbiology, Journal of Bryology, Jordan Journal of Biological Sciences, Journal of Asia-Pacific Biodiversity, Journal of Fungi, Journal of Mycology, Journal of new biological reports, Journal of threatened Taxa, KAVAKA, Kew Bulletin, Lankersteriana, Mongolian Journal of Biological Sciences, MycoAsia, Mycokeys, Mycologia, Mycological Progress, Mycoscience, Mycosphere, Mycotaxon, National Academic Science Letter, Ne Bio, Nelumbo, Nordic Journal of Botany, Nova Hedwigia, Persoonia, Phytokeys, Phytotaxa, Plant archives, Plant Science Today, Plant Systematics and Evolution, Pleione, Rheedia, Richardiana, Scientific Reports, Species, Studies in Fungi, Taiwania, The Journal of Economic and Taxonomic Botany, The Journal of Japanese Botany, The Journal of Mycology and Plant Pathology, The Lichenologist, Tropical Plant Research, Turczaninowia, Turkish Journal of Botany, Vegetos, Webbia: Journal of Plant Taxonomy and Geography etc. I personally acknowledge them all for sharing these published research works and hope they will continue to do so in future. The support of the entire Botanical fraternity and Ministry of Environment, Forest and Climate Change in bringing out the Plant Discoveries 2021 is highly acknowledged.

ए.ए. माओ
निदेशक
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण

A.A. Mao
Director
Botanical Survey of India

परिचय | PREAMBLE

जैव विविधता सम्मलेन (सीबीडी) किसी क्षेत्र विशेष के पादप संपदा का सूचीकरण एवं प्रलेखन के महत्व पर बल देती है। किसी भी प्रजाति के संरक्षण एवं उसके सतत् उपयोगिता को समझना भी महत्वपूर्ण हो जाता है। किसी भी पादप का नामकरण उस पादप के विशिष्ट लक्षणों पर आधारित होता है और यह नामकरण प्रक्रिया का मुख्य हिस्सा है। पादप के पहचान की प्रामाणिकता इसके विशेषताओं के विश्लेषण का समानुपाती होता है। आधुनिक यंत्रों और तकनीकों के सुगम उपलब्धता ने पादप के पहचान एवं इसके संबंधों के विश्लेषण को अपेक्षाकृत सहज और आसान बना दिया है। पादप आधारित किसी भी प्रयोग के लिए उस प्रजाति का नाम जानना उससे संबंधी प्रयोग की प्रथम आवश्यकता है। भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण भारत में पादप संपदा के विधिवत प्रलेखन कार्य में लगा हुआ है तथा यह संस्थान भारत में पाए जाने वाले पादपों को उचित एवं सटीक पहचान प्रदान करता है। इसके द्वारा नियमित रूप से नवीन अन्वेषित जातियों एवं नवीन क्षेत्रात्मक वितरण का एक वार्षिक सार-संग्रह प्रकाशित किया जाता है जिससे न केवल संख्याओं का अद्यतन हो पाता है बल्कि यह समाज हित के लिए नवीन जीन पुल के अद्यतन में भी योगदान देता है।

नवीण प्रजाति का उद्भव जैव विवर्तन का पूरक है तथा यह नवीण प्रजाति के आरम्भ से विकसित होने के बीच के कड़ियों को जोड़ती है। जब भी किसी जाति का अध्ययन इसके क्षेत्रात्मक वितरण परिसर में किया जाता है तब इसके विविध प्रारूप के बीच संबंध स्थापित होने का संभावना प्रबल हो जाता है। ये विविधताएं विभिन्न समूहों के बीच क्रमिक विकासात्मक संबंध स्थापित करने का अवसर प्रदान करते हैं। जब अध्ययन कार्य पृथक स्तर पर किया जाता है तब विविध पादप विशेषताएं लोगों को नवीन जातियों के प्रकाशन को बढ़ावा देने का काम करता है जो अब विश्व स्तर पर बढ़ चूका है। इसके अतिरिक्त आधुनिक यंत्रों और तकनीकों ने जातियों को समझने के हमारे अवधारणाओं में क्रान्ति ला दिया है जिसके परिणामस्वरूप और भी अधिक जातियों की खोज या पूर्व में अन्वेषित जातियों के विलयन को बढ़ावा मिला है। हमारे पास पहले की तुलना में मूल स्थानिक पादपों के पादपभूगोल, फिनोलॉजी, पारिस्थितिकी तथा लोकवनस्पति विज्ञान से संबंधित पहले से भी ज्यादा सूचनाएं उपलब्ध हैं जो संरक्षण एवं सतत् उपयोगिता के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लेने में हमलोगों को सक्षम बनाता है।

भारत विश्व के वृहत् जैव विविधता के क्षेत्रों में से एक है जिसके अंतर्गत वैश्विक पादपजवत के 11.4 % से भी अधिक पादप शामिल हैं। इस विशाल विविधता को देश की स्थलाकृति, जलवायु एवं भौगोलिक दशाओं का ऋणी होना चाहिए। हमारे देश की विविधता का प्रसार समुद्र तल और नदी क्षेत्रों से लेकर पठारों, मरुस्थलों, मैंग्रोव स्थलों, द्वीपों एवं विशाल हिमालय तक है। वैश्विक जैव विविधता के होटस्पॉटों में भारत के चार क्षेत्र शामिल हैं: पश्चिमी घाट; हिमालय; इंडो -बर्मा एवं सुन्दरभूमि जो अपने समृद्ध पादप

The convention on Biological Diversity (CBD) emphasizes the importance of inventorization and documentation of floristic wealth of any region. It is also important to understand a species for its conservation and sustainable utilization. The science of naming a plant involves its identification through thorough characterization. The authenticity of identification is directly proportional to the resolution of characterization. With the increased sophistication of modern tools and techniques, analyzing the identity and relationship has become easier. Any plant based experiment primarily requires the name of the species on which the experiment is to be conducted. Botanical Survey of India has been engaged in systematic documentation of floristic wealth of India and provides correct identity to the plants occurring in our country. It also regularly publishes the annual compendium of new species and distributional novelties discovered from the country which not only update the numbers but also contribute a set of novel gene pool for the benefit of the society.

Speciation is complementary to evolution which is a continuous process and leaves many intermediates between the two extremes. When a species is studied across its range of distribution it is possible to establish a linkage of its variability. These variabilities provide opportunity to establish evolutionary relationship among the different groups. When studied in isolation the variable characters prompt people to publish new species which has been amplified now at the global scale. Moreover, the modern tools and techniques have revolutionized our understanding of species concept resulting in discovery of more species or merger of earlier established species. Further we are more informed now on the phytogeography, phenology, ecology & ethnobotany of native plants which has enabled us taking important decisions on their conservation and sustainable utilization.

India is one of the mega biodiversity centers of the world with more than 11.4 % of global flora. This huge diversity can be owed to the topography, climate and geographical position of the country. The extent of our country is varied from the sea level and river basins to the plateaus, deserts, mangroves, islands and the mighty Himalayas. India shares its territory in four global biodiversity hotspots: The Western Ghats; The Himalayas; Indo-Burma; and the Sundaland, signifying

विविधता के महत्त्व को बताता है | भारत सदियों पुरानी पादप एवं मानव के अंतर्सम्बंधों तथा पादप से जुड़े सर्वाधिक समृद्ध परंपरागत ज्ञान युक्त प्राचीनतम मानव सभ्यता में से एक है | वानस्पतिक दृष्टिकोण से देश के अधिकांश क्षेत्रों से अन्वेषण हो चुका है जिसके परिणामस्वरूप 55,000 पादप जातियों का विवरण उपलब्ध है और अभी भी अनेक क्षेत्रों में अन्वेषण अभी भी शेष है | नवीनतम अनुमान के अनुसार भारत की पादप विविधता में 55048 टैक्सा हैं जिसमें 21984 आवृतबीजी, 82 अनावृतबीजी, 1314 पर्णांग, 2800 हरितोद्भिद, 2989 शैवाक, 15602 कवक, 9008 शैवाल एवं 1269 जीवाणु शामिल हैं | वर्तमान में भारत से ज्ञात पादपों को समूहवार तथा भारतीय पादपों में उनके प्रतिशत योगदान को निम्नलिखित तालिका में दर्शाया गया है -

its rich floral diversity. India is also one of the oldest human civilizations with age long history of plant human interaction and also an extremely rich traditional knowledge associated with plants. While most of the area in the country are botanically explored resulting in more than 55000 plant species, still many more are yet to be discovered.

The latest estimate of Plant diversity in India stands at 55048 taxa including 21984 angiosperms, 82 Gymnosperms, 1314 Pteridophytes, 2800 Bryophytes, 2989 Lichens, 15602 Fungi, 9008 Algae and 1269 Microbes. The group wise current number of taxa known from India and their percentage contribution to the known Indian plants has been presented in the following table.

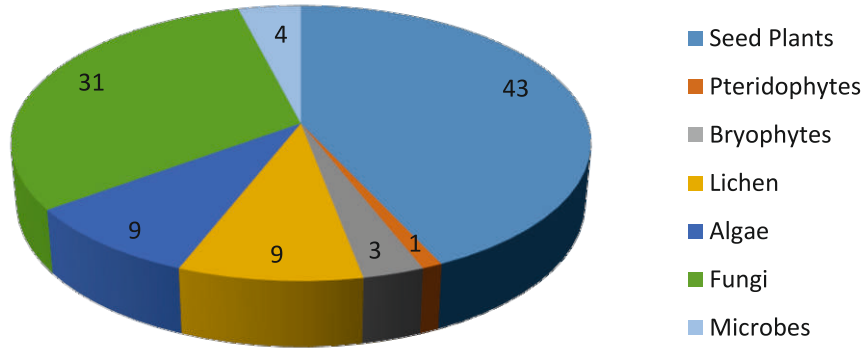
समूह Group	भारत में पादप की संख्या No. of taxa in India	पादप विविधता का प्रतिशत Percentage of plant diversity in India
विषाणु/बैक्टेरिया Virus/ Bacteria	1269	2.31
शैवाल/Algae	9008	16.36
कवक/Fungi	15602	28.34
शैवाक/Lichens	2989	5.43
हरितोद्भिद/Bryophytes	2800	5.09
पर्णांग/Pteridophytes	1314	2.39
अनावृतबीजी Gymnosperms	82	0.15
आवृतबीजी/Angiosperms	21984	39.94
कुल/Total	55048	100

वर्ष 2021 के दौरान, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण एवं अन्य संगठनों द्वारा 14 वंशों, 298 जातियों, 17 अवजातिय विशिष्ट पादपों का नवीन अन्वेषण भारतीय पादपजात के रूप में किया गया है | इनमें से 204 टैक्सा विज्ञान के लिए नए हैं तथा 125 पादप भारत से नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख के रूप में प्राप्त किए गए हैं | विविध राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय जर्नलों में प्रकाशित नवीन पादपों में 43% बीजीय पौधे, 31% कवक, शैवाल एवं शैवाक प्रत्येक में 9%, 4% जीवाणु जबकि 3% हरितोद्भिद तथा शेष 1% पर्णांग है | पादप वर्ग में सर्वाधिक अन्वेषण बीजीय पौधे में हुआ है जिसमें 61% द्विबीजपत्री तथा 39% एकबीजपत्री शामिल है |

वर्ष 2021 के दौरान पश्चिमी घाटों तथा पश्चिमी हिमालय से क्रमशः 23% एवं 21% तथा पूर्वी हिमालय से 11% अन्वेषण किए गए | इस अन्वेषण में पूर्वी तट तथा पश्चिमी तट से प्रत्येक का योगदान 10% है | इसके बाद पूर्वी घाट (8%), पूर्वोत्तर पर्वत श्रृंखला और पूर्वी समतल भूमि से प्रत्येक का 5%

During the year 2021, Scientists of BSI and other organizations have discovered 14 genera, 298 species, 17 infraspecific taxa as new to Indian flora. Of these 204 taxa are new to science and 125 taxa are new distributional record from India. 43% of novelties published in various National and International journals are of seed plants, 31% fungi, 9% each of algae and lichen, 4% microbes while 3% bryophytes and remaining 1% pteridophytes. Among Plant Groups seed plants contributed the maximum discoveries of which dicotyledons contribute 61% and monocotyledons 39%.

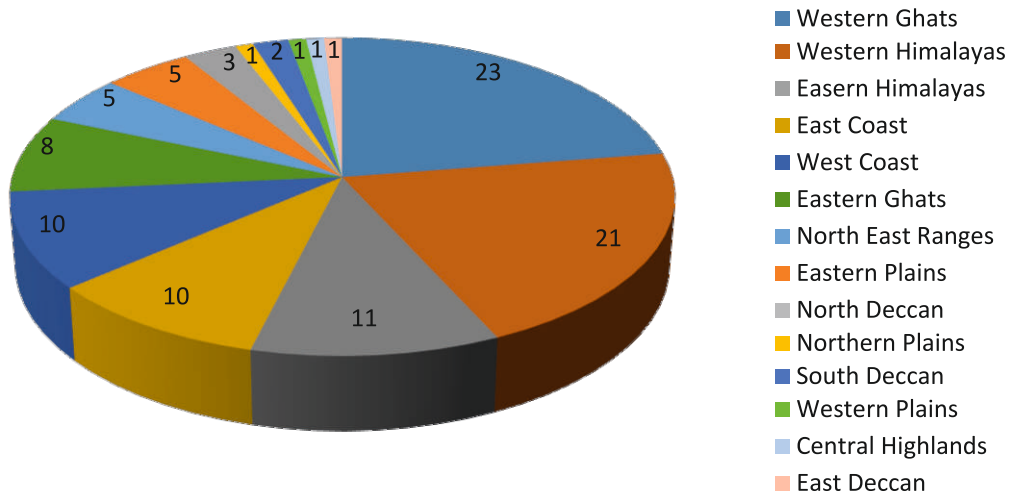
23% and 21% of total discoveries were made from Western Ghats and Western Himalayas respectively during the year 2021 followed by Eastern Himalayas (11%). East Coast and West Coast contribute 10% each. This is followed by Eastern Ghats (8%), North East



चित्र 1. वर्ष 2021 के दौरान विभिन्न पादप वर्गों का प्रतिशत योगदान
Figure 1. Percentage of contribution of different Plant groups during 2021

योगदान रहा। इसी प्रकार उत्तरी दक्कन का योगदान 3% तथा दक्षिणी दक्कन का योगदान 2% रहा। मध्य उच्चभूमि, उत्तरी मैदानों तथा पश्चिमी मैदानों का कुल अन्वेषणों में प्रत्येक का 1% का न्यूनतम योगदान रहा। कुल अन्वेषणों में 28% का योगदान पश्चिमी घाट, पूर्वोत्तर क्षेत्रों जैसे हॉटस्पोटों

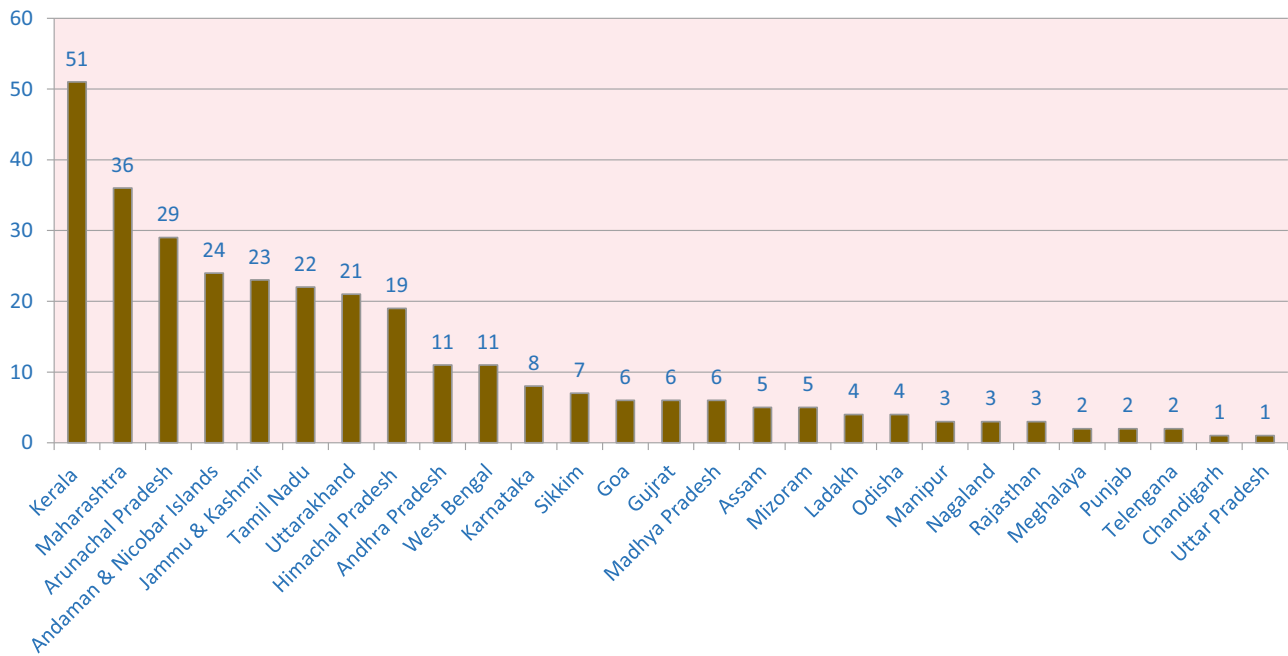
Ranges and Eastern Plains with 5% contribution each. North Deccan contributes 3% while South Deccan contributes 2%. Central Highland, East Deccan, Northern Plains and Western Plains contribute minimum with 1% each of total discoveries. The hotspot regions such as



चित्र 2 : वर्ष 2021 के दौरान भारत के विभिन्न पादप भौगोलिक क्षेत्रों के योगदान का प्रतिशत
Figure 2. Percentage of contribution from different phyto-geographical regions of India during 2021

का है। राज्यवार विश्लेषण के आधार पर केरल से सर्वाधिक 51 टैक्सा और इसके बाद महाराष्ट्र एवं अरुणाचल प्रदेश का अन्वेषण में योगदान रहा।

Western Ghats, North Eastern Regions have contributed 28% of total discoveries. In state wise analysis, maximum discoveries were made from Kerala with 51 taxa followed by Maharashtra and Arunachal Pradesh.



भारतीय राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से 2021 में वनस्पति अन्वेषण की संख्या
 NUMBER OF PLANT DISCOVERIES MADE FROM INDIAN STATES AND UTs DURING 2021



बीजीय पौधे / SEED PLANTS

Rosa macrophylla Lindl.

बीजीय पौधे / SEED PLANTS

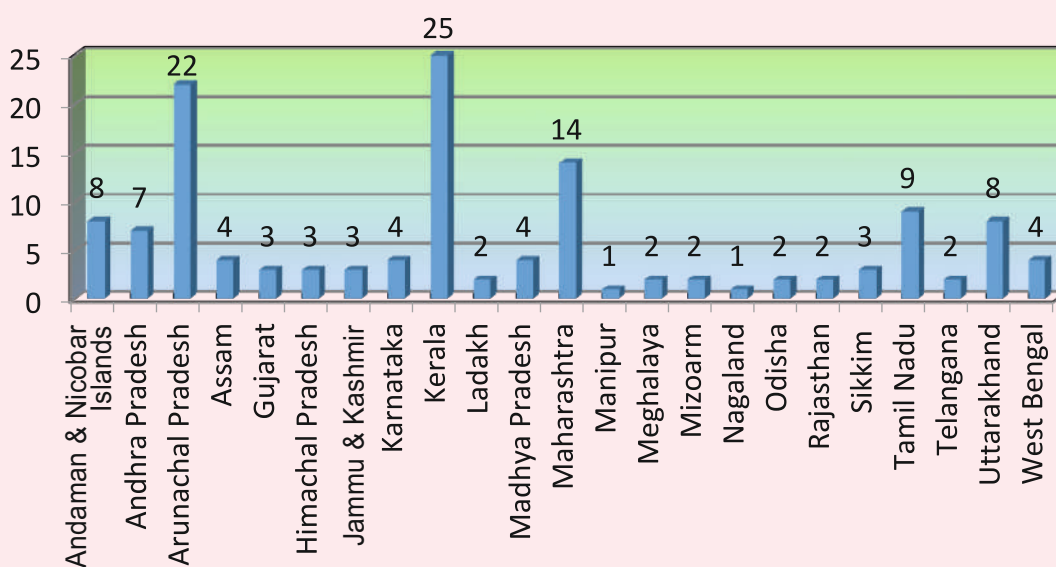
बीजीय पौधे (स्पर्मेटोफाइट्स) पृथ्वी के सबसे विकसित स्थलीय पौधे हैं तथा परंपरागत रूप में आवृतबीजी और अनावृतबीजी पुष्पीय पादपों में विभाजित है। हमारे वर्तमान ज्ञान के अनुसार भारत में आवृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 21,984 है, जबकि अनावृतबीजी जातियों की संख्या लगभग 82 है। भारतीय वनस्पतिजात में बीजीय पौधों का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा है।

इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी बाकी है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से विज्ञान के लिए 1 वंश, 90 जातियों तथा 9 प्रभेदों को अन्वेषित किया गया है, जिनमें एकबीजीपत्री की 52 जातियां और द्विबीजपत्री की 83 जातियां शामिल हैं। राज्यवार अंडमान एवं निकोबार एवं उत्तराखंड में प्रत्येक से 8, आंध्र प्रदेश से 7, अरुणाचल प्रदेश से 22, असम, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल में प्रत्येक राज्य से 4, गुजरात, हिमचाल प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर (संघ शासित) तथा सिक्किम में प्रत्येक राज्य से 3, केरल से 25, लदाख, मेघालय, मिज़ोरम, उड़ीसा, राजस्थान एवं तेलंगाना में प्रत्येक राज्य से 2, महाराष्ट्र से 14, तमिलनाडु से 9 तथा मणिपुर एवं नागालैंड से 1 जाति को अन्वेषित किया गया है। इसमें 31 नई जातियों तथा 5 अवजातिय टैक्सन के नए क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेखों को भारत से पहली बार अन्वेषित एवं वर्णित किया गया है।

Seed plants (Spermatophytes) are the most evolved land plants on earth and are traditionally divided into flowering plants (or angiosperms) and gymnosperms. In the present state of our knowledge India has about 21,984 species of angiosperms and 82 species of gymnosperms. The seed plant account for about 40 per cent of the total Indian flora. Many more are yet to be identified and described.

The collated information presented here for the year 2021 includes 1 genus, 90 species and 09 varieties as new to science from India (52 species of monocotyledons and 83 species of dicotyledons), State wise 8 each from Andaman & Nicobar Islands and Uttarakhand, 7 from Andhra Pradesh, 22 from Arunachal Pradesh, 4 each from Assam, Karnataka, Madhya Pradesh and West Bengal. 3 each from Gujrat, Himachal Pradesh, Jammu and Kashmir UT and Sikkim, 25 from Kerala, 2 each from Ladakh, Meghalaya, Mizoram, Odisha, Rajasthan and Telangana, 14 from Maharashtra, 9 from Tamil Nadu and 1 each from Manipur and Nagaland has been discovered.

This includes 31 species and 5 infraspecific taxon as new distributional records described first time for India during the year 2021.



भारतीय राज्यों एवं संघ शासित प्रदेशों से अन्वेषित बीजीय पौधों की संख्या
NUMBER OF SEED PLANTS DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs.

नवीन वंश / NEW GENUS



सेप्टेमेरेंथस एल. जे. सिंह, फेड्स रीपरटोरियम 132(3): 2. 2021 (लोरंथेसी)

इस नवीन वंश का अन्वेषण और वर्णन कोपेन हीट, ग्रेट निकोबार, अण्डमान निकोबार द्वीप समूह से किये गये प्ररुपीय जाति *सेप्टेमेरेंथस निकोबारिकस* एल.जे. सिंह के संग्रह के आधार पर किया गया है। इस कुल का नामकरण लेटिन शब्द 'सेप्टेम' से लिया गया है जिसका अर्थ है "सात", जो इसके पुष्पों के सात भागों में विभक्त होने को दर्शाता है।

Septemeranthus L.J. Singh, Feddes Repertorium. 132(3): 2. 2021 (Loranthaceae)

This new genus has been discovered and described based on type species *Septemeranthus nicobaricus* L.J. Singh distributed in Kopen Heat, Great Nicobar, Andaman & Nicobar Islands. The generic epithet derived from a Latin word 'Septem' meaning 'seven' for the 7-merous nature of flower.

नवीन जाति / NEW SPECIES



एकोनिटम सिक्कीमेंसिस हर्ष सिंह, आदित्य प्रधान व डी, अधिकारी, फाइटोटेक्सा 484(2): 208. 2021 (रेननकुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन सिक्किम के उत्तरी सिक्किम जिले के थांगू क्षेत्र के ऊपरी घास के मैदानों से 4585 मी. की ऊंचाई से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप को सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एल डब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण इसके उद्गम राज्य के नाम पर किया गया है। यह जाति आईयूसीएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) में मूल्यांकित किया गया है।

Aconitum sikkimensis Harsh Singh, Aditya Pradhan & D. Adhikari, Phytotaxa 484(2): 208. 2021 (Ranunculaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from alpine meadows of Upper Thangu area, North Sikkim at 4585 m altitude. The holotype and isotype are deposited in herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The species is named after the state of its occurrence. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



एग्लोनेमा मानबेन्द्रे डी.के. रॉय, एन ओड्यो, आर. लिटन व ए.ए.माओ, नेबायो 12(1):1. 2021 (अरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलोंग, मेघालय के उद्यान में उगाये गये पौधों से किये गये संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलोंग, मेघालय (एसएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण आसाम विश्वविद्यालय, सिलचर, आसाम के जैविक विज्ञानी एवं जैव सूचना विज्ञान के प्रोफेसर एवं प्रथम लेखक डी.के. रॉय के पथप्रदर्शक श्री मानबेंद्र दत्त चौधरी के सम्मान में किया गया है।

Aglaonema manabendrae D.K. Roy, N. Odyuo, R. Lytan & A.A. Mao, NeBIO 12(1): 1. 2021 (Araceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from cultivated plants in the Garden of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya. The Holotype and isotype are deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The species is named in honour of Prof. Manabendra Dutta Choudhury, Department of Life science and Bio-informatics, Assam University, Silchar, Assam, Mentor of the first Author (DKR).



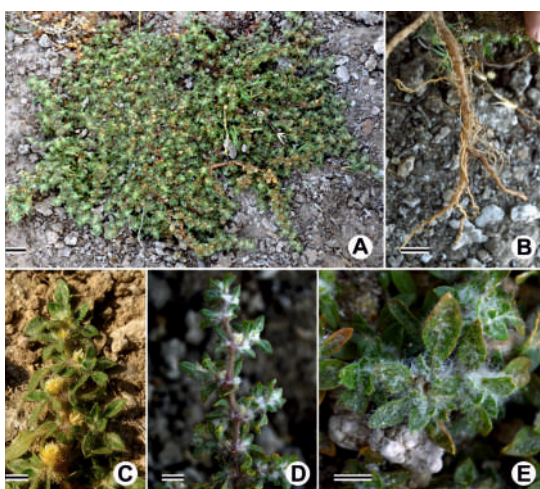
एलियम नेगियानाम ए. पांडे, के.एम. राय, मालव एवं एस. राजकुमार फायटोकिज 183: 80.2021(अमरिलिडेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 3000–4800 मी की ऊँचाई से उत्तराखंड में चमोली के चट्टानीय क्षेत्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को नेशनल हर्बेरियम ऑफ कल्टीवेटेड प्लांट्स, नई दिल्ली (एनएचसीपी), समरूपों को सीएएल में संग्रहित किया गया है। बीजों को नेशनल जीन बैंक, नई दिल्ली में संरक्षित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त पद 'नेगियानम' एलियम जाति जर्मप्लास्म के संग्रह एवं शोध में अपना जीवन समर्पित करने वाले प्रख्यात अन्वेषक डॉ. कुलदीप सिंह नेगी के सम्मान में किया गया है

Allium negianum A. Pandey, K.M.Rai, Malav & S.Rajkumar, PhytoKeys 183: 80.2021(Amaryllidaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from rocky areas of Chamoli, Uttarakhand at an altitude of 3000–4800 m. The Holotype is deposited in National Herbarium of Cultivated Plants, New Delhi (NHCP), Isotypes are in CAL, Seeds conserved in the National Gene bank, New Delhi. The specific epithet, 'negianum', is in honour of Late Dr. Kuldeep Singh Negi, an

eminent explorer who has dedicated his life in collection and research of indigenous Allium species germplasm.



अल्टरनेथेरा कन्हयी ए.जी. वंजारा, आई. कटारा एवं पी.एस. नागर, फाइटोटैक्सा 500 (1): 25.2021 (अमरेन्थेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन गुजरात के आणंद जिले के साबरमती मुहाना, मोटा कलोदरा में 9.144 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप वडोदरा के एम.एस. बड़ौदा विश्वविद्यालय(बीएआरओ), गुजरात के पादपालय में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण सर्वशक्तिमान भगवान कृष्ण नाम से किया गया है, जो कान्हा के नाम से लोकप्रिय हैं।

Alternanthera kanhae A.G.Vanzara, I. Katara & P.S. Nagar, Phytotaxa 500(1): 25. 2021 (Amaranthaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Sabarmati estuary, Mota Kalodara, Anand district, Gujarat at 9.144 m altitude. The holotype is deposited in the Herbarium, M.S. University of Baroda, Vadodara, Gujrat (BARO). The specific epithet is after the almighty Lord Krishna, who is popularly known as Kanha.



एनेमोन पिंडारिंसिस हर्ष सिंह एस.के. बारिक, फाइटोटैक्सा 516 (3): 289.2021 (रेनेनकुलेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन उत्तराखंड के पिंडारी घाटी, पश्चिमी हिमालय में 2434 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश(एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित किए गए हैं। इस जाति का विशिष्ट नामकरण 'पिंडारिंसिस' भारत के उत्तराखंड के पश्चिमी हिमालय के पिंडारी ग्लेशियर से लिया गया है।

Anemone pindariensis Harsh Singh & S.K. Barik, Phytotaxa 516 (3): 289. 2021 (Ranunculaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Pindari valley of Uttarakhand, Western Himalaya at 2434 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'pindariensis' is derived from the type locality Pindari glacier, Western Himalaya, Uttarakhand.



एग्रोस्टेमा क्वारान्टेना बालन व रॉबी, वेबबिया: जे. पीएल टेक्स. जियोग 76(1): 48. 2021 (रूबियेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोट्टायम जिले की वागामोन हिल्स से 1000 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप एमबीजीएच एमएच में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'क्वारान्टेना' उन लाखों लोगों के लिए एक समर्पण है, जिनमें प्रख्यात वनस्पतिशास्त्री और वैज्ञानिक शामिल हैं, जिन्होंने वर्ष 2020 में COVID-19 वायरस के कारण अपनी जान गंवाई है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार 'अपर्याप्त डाटा (डीडी)' श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Argostemma quarantena Balan & Robi, Webbia: J. Pl. Tax. Geog. 76(1): 48. 2021 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Vagamon Hills, Kottayam district, Kerala at 1000 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in MBGH, MH. The specific epithet 'quarantena' is a dedication to the lakhs of people including eminent

botanists and scientists who have lost their lives due to the COVID-19 virus in the year 2020. The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



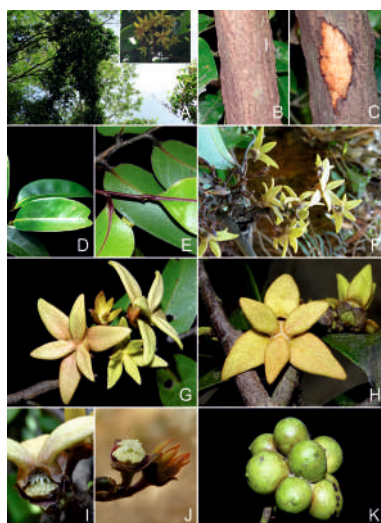
अरजाईरिया शरदचंद्रजी लवंड व शिम्पाले, रीडिया 30(1): 19. 2021 (कॉनवुलवुलेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के अलाटे कोल्हापुर जिले के सेक्रेड ग्रोव, आलमप्रभु से 788 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय हावडा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप एसयुके, बीएसआई में संग्रहित हैं। इसके नामकरण के विशिष्ट विशेषण "शरदचंद्रजी" श्री शरदचंद्रजी पवार, पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री, भारत सरकार के लिए भारतीय कृषि में उनके बहुमूल्य योगदान के लिए किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार 'अपर्याप्त डाटा (डीडी)' श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Argyreia sharadchandrajii Lawand & Shimpale, Rheedia 30 (1): 19. 2021 (Convolvulaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Sacred Grove, Alamprabhu, Alate Kolhapur district, Maharashtra at 788 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are deposited in SUK, BSI. The specific epithet is after Shri. Sharadchandraji Pawar, former Union

Minister of Agriculture, Government of India for his valuable contribution to Indian agriculture. The species has been assigned Data Deficient (DD) as per IUCN guidelines.

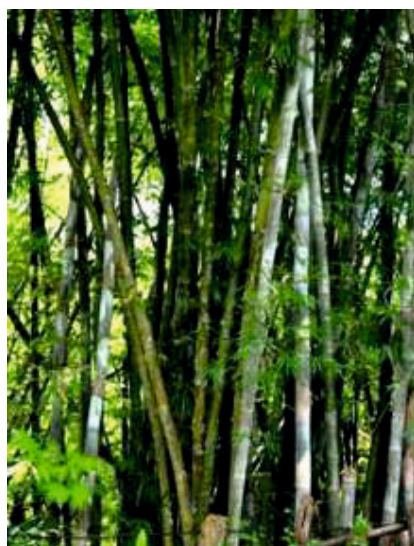


आर्टाबोट्रेस सेरीसस सुजाना व वाधयार, गार्ड. बुल. सिंगापुर 73(2): 462. 2021 (एनोनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले में अवस्थित स्वामीकुचिमलाई, कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य से 770 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप सीएएल में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'सेरीसस' इसकी पंखुड़ियां घनी एवं रेशमी होने के कारण किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Artabotrys sericeus Sujana & Vadhyar, Gard. Bull. Singapore 73(2): 462. 2021 (Annonaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Swamikuchimalai, Kanyakumari Wildlife Sanctuary, Kanyakumari District, Tamil Nadu at 770 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and isotype is in CAL. The specific epithet 'sericeus' is after densely sericeous petals of this species. The species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

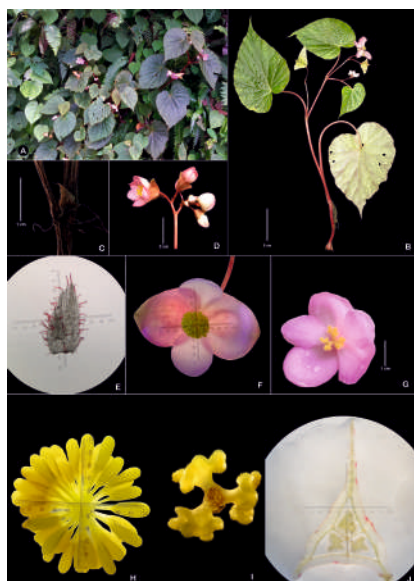


बंबुसा दापोरिजोआना नैथानी व कंडवाल, इंडियन फोरेस्टर, 147 (7): 687. 2021 (पोएसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम सियांग और ऊपरी सुबनसिरी जिलों से एकत्र किए गए पादपालय प्रतिरूप के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप और अपर प्ररूप देहरादुन पादपालय, एफआरआई, आईसीएफआई, उत्तराखंड (डीडी) में संग्रहित किए गए हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'दापोरिजियो' अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सुबनसिरी जिले में स्थित दापोरिजियो नामक स्थान के लिए किया गया है, जहां यह जाति आमतौर पर पाई जाती है।

Bambusa daporijoana Naithani and Kandwal, Indian Forester, 147 (7): 687. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on herbarium specimen collected from West Siang and upper Subansiri districts of Arunachal Pradesh. Holotype and paratype are deposited in Dehradun Herbarium FRI, ICFRE, Uttarakhand (DD). The specific epithet is after the place 'Daporjio', Upper Subansiri district of Arunachal Pradesh, where this species is commonly found.



बेगोनिया अहूएसिस पी.एल.शेरपा, आदित्य प्रधान एवं अरुण चेत्री, फाइटोटैक्सा 502 (3):289.2021 (बेगोनियेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन सिक्किम के पूर्वी जिले के अहू-यांगटम से 895 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, सिक्किम (बीएसएचसी) में संग्रहित किए गए हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण "अहू-यांगटम" इसके स्थानीय प्राप्ति के आधार पर है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Begonia ahoensis P.L. Sherpa, Aditya Pradhan & Arun Chettri, Phytotaxa 502 (3): 289. 2021 (Begoniaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Aho-Yangtam, East District, Sikkim at 895 m altitude. Holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Sikkim (BSHC). The specific epithet is after the name of the type locality (Aho-Yangtam). The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



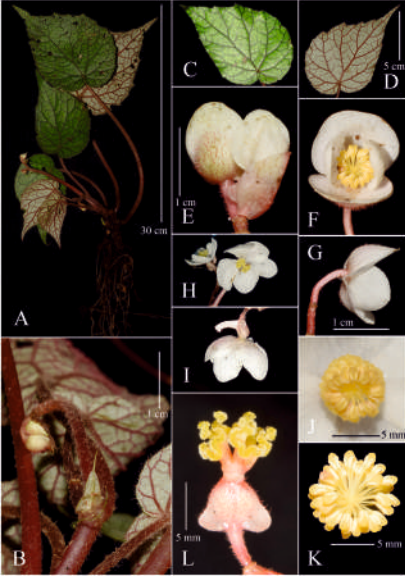
बिगोनिया अरुणाचलेंसिस डी.बोरा व वहलस्टीन, गार्ड. सिंगापुर बुलेटि. 73(2): 476. 2021 (बिगोनिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले के किमिन में 210 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण "अरुणाचलेंसिस" इसके प्राप्ति स्थल (अरुणाचल प्रदेश) होने के कारण किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अल्प संकटग्रस्त श्रेणी (एलसी) में मूल्यांकित किया है।

Begonia arunachalensis D.Borah & Wahlsteen, Gard. Bull. Singapore 73(2): 476. 2021 (Begoniaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kimin, Papum

Pare District, Arunachal Pradesh at an altitude 210 m. Holotype and isotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah West Bengal (CAL). The specific epithet is after type locality (Arunachal Pradesh). Provisional IUCN conservation status is of Least Concern (LC).

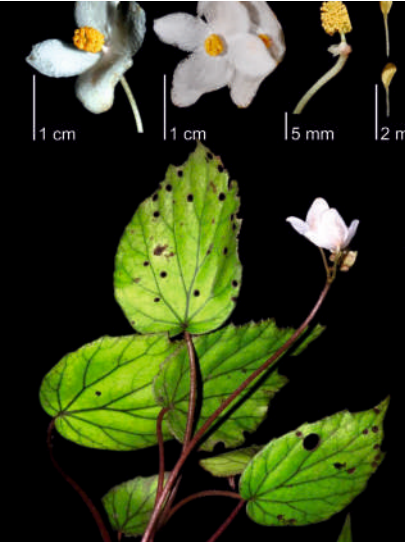


बिगोनिया केकरमोनिंगेंसिस तारम, डी.बोराह व एम. ह्यूजेस, फाइटोटैक्सा 494 (3): 270. 2021 (बिगोनिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के सियांग जिले के बाबुक, केकरमोनिंग से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) के पादपालय एवं सम प्ररूप एआरयूएन में संग्रहित हैं। इस नवीन जाति का नामकरण उसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “केकरमोनिंग” नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार संवेदनशील (वियू) श्रेणी के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Begonia kekarmonyngensis Taram, D.Borah & M.Hughes, Phytotaxa 494 (3): 270. 2021 (Begoniaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Babuk, Kekar Monying, Siang district, Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM) and isotype is in ARUN. The new species is named after its type locality (Kekar Monying). It is assessed as Vulnerable (VU) following IUCN guidelines.

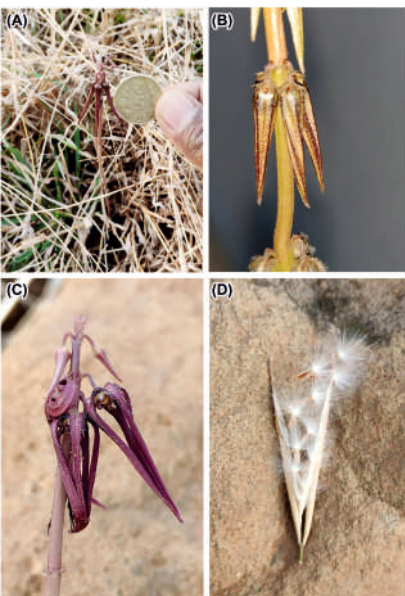


बिगोनिया पासीघाटेन्सिस डी.बोराह, तारम और वाह्लस्टीन, ताइवानिया 66(4): 450. 2021 (बिगोनिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग जिले के सिरकी झरने, पासीघाट से 210-500 मी. किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप और सम प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किए गए हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “पासीघाट, अरुणाचल प्रदेश” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल के नाम पर आधारित है।

Begonia pasighatensis D.Borah, Taram & Wahlsteen, Taiwania 66(4): 450. 2021 (Begoniaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Sirki Waterfalls, Pasighat, East Siang District, Arunachal Pradesh at 210-500 m altitude. Holotype and isotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after type locality (Pasighat, Arunachal Pradesh).

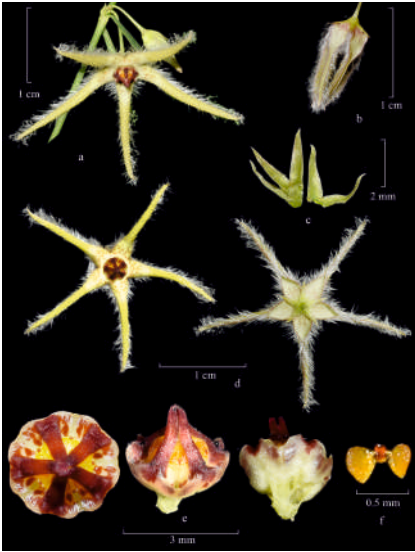


ब्रेचिस्टेल्मा अनंतगिरिऐन्से एल. परमेश, के.प्रसाद, सदास व ए. विजय, भास्कर रेड्डी, नॉर्डिक जे. बॉट. e03003.2021 (एपोसाइनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तेलंगाना के विकाराबाद जिले की अनंतगिरी पहाड़ियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्खन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना (बीएसआईडी) में एवं सम प्ररूप बीएसआईडी व उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद के विज्ञान महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “अनंतगिरी पहाड़ियों” के नाम पर आधारित है।

Brachystelma ananthagiriense L. Paramesh, K. Prasad, Sadas. & A. Vijaya Bhaskar Reddy, Nordic J. Bot. e03003.2021 (Apocynaceae)

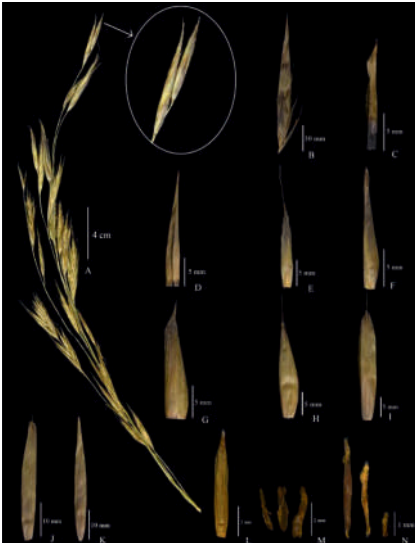
This new species has been discovered and described based on the collection made from Ananthagiri hills, Vikarabad district, Telangana. Holotype is deposited in Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in BSID and in Department of Botany, University College of Science, Osmania University, Hyderabad. The species is named after type locality (Ananthagiri hills).



ब्रैचिस्टेलमा तुमाकुरेंस गुन्डप्पा, श्रीगोश्यू, विश्वान. एवं वेणु, रीडिया 31(2): 48. 2021 (एपोसाइनेसी)
इस जाति का अन्वेषण और वर्णन कर्नाटक के तुमकुरु जिले के देवरायनदुर्ग से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति का मूल प्ररूप कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बैंगलोर, कर्नाटक (यूएसबी) एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल कर्नाटक के 'तुमकुरु' जिले के नाम पर रखा गया है।

Brachystelma tumakurensis Gundappa, Sringsw., Vishwan. & Venu, Rheedea 31(2): 48. 2021 (Apocynaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Devarayanadurga, Tumakuru district, Karnataka. Holotype is deposited in University of Agricultural Science, Bangalore, Karnataka (UASB) and isotype is in BSI. The species is named after the 'Tumakuru' district in Karnataka from where its type material was collected.

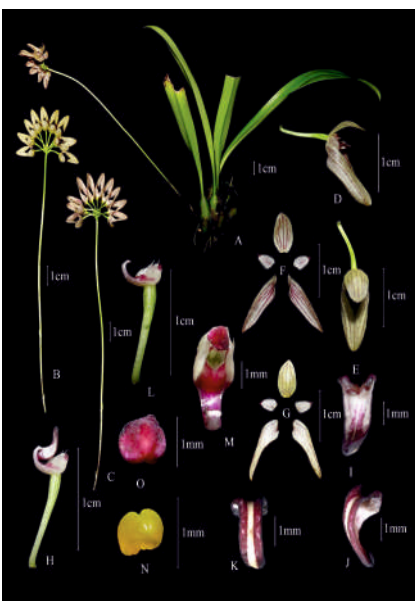


ब्रोमस हुसैनी पी. अग्निहोत्री व एस.आर. यादव, फाइटोटेक्सा 516 (1): 74. 2021 (पोएसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन उत्तराखंड के चमोली जिले की फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान से 3567 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप और सम प्ररूप को सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इसका नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण डॉ. तारिक हुसैन, पूर्व वैज्ञानिक, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के द्वारा एंजियोस्पर्म सिस्टमैटिक्स के क्षेत्र में किए गये महत्वपूर्ण योगदान के लिए किया गया है।

Bromus husainii P. Agnihotri & R. Yadav, Phytotaxa 516 (1): 74. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Valley of Flowers National Park, Chamoli district, Uttarakhand at 3567 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is after Dr. Tariq Husain, former Scientist, CSIR- National Botanical Research Institute, Lucknow for his significant contributions in the field of Angiosperm systematics.

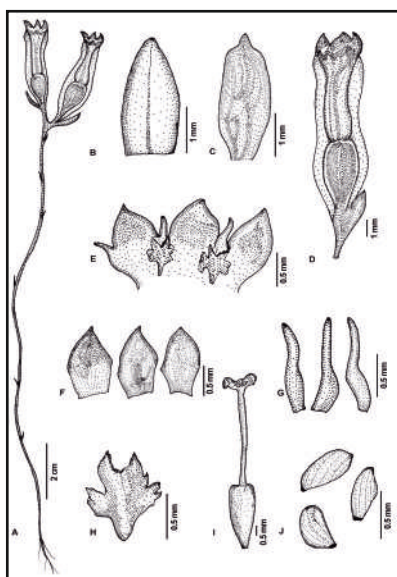


बल्बोफाइलम कारबियांग्लोंगेंसिस के. गोगोई व आर. होन्डीक, लंकैस्टेरियाना 21(3): 327. 2021. (ऑर्किडेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन असम के कार्बी आंगलॉग जिले के हैमरेन से 500 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर है। इस जाति का मूल प्ररूप ऑर्किड रिसर्च सेंटर, टिप्पी, अरुणाचल प्रदेश (ओएचटी) एवं सम प्ररूप द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय के रीजनल ऑर्किड जर्मप्लाज्म कंजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर (असम परिमंडल), असम (टीओएसईएचआईएम) के पादपालयों में संग्रहित है। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल पूर्वोत्तर भारत में असम के कार्बी आंगलॉग जिले को संदर्भित करता है।

Bulbophyllum karbianglongensis K. Gogoi & R. Hondiqui, Lankesteriana 21(3): 327. 2021. (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Hamren, Karbi Anglong District, Assam at 500 m altitude. Holotype is deposited in Orchid Research Centre Tipi, Arunachal Pradesh (OHT) and isotypes are in ASSAM, Orchid Society of Eastern Himalaya, Regional Orchid Germplasm Conservation Propagation Centre, Assam (TOSEHIM). The specific epithet refers to the type locality (Karbi Anglong district of Assam, in Northeast India).



बर्मानिया मुन्नारेंसिस दानी व नेम्पी, फाइटोटैक्सा 507 (1): 106. 2021 (बर्मेनियेसी)

इस नई जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के इडुक्की जिले के राजमाला, मुन्नार के रास्ते ± 1355 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रहण के आधार पर किया है। इस जाति का मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) के वनस्पति विज्ञान विभाग के पादपलय एवं सम प्ररूप (सीएएल) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके प्राप्ति स्थल (मुन्नार) के नाम पर आधारित है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अस्थायी रूप से अति विलुप्तप्राय (सीआर) के आधार पर मूल्यांकित किया गया है।

Burmannia munnarensis Dani & Nampy, Phytotaxa 507 (1): 106. 2021 (Burmanniaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made on the way to Rajamala, Munnar, Idukki district, Kerala at ± 1355 m altitude. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CAL) and isotype is in CAL. The species is named after type locality (Munnar). The species is provisionally categorized as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

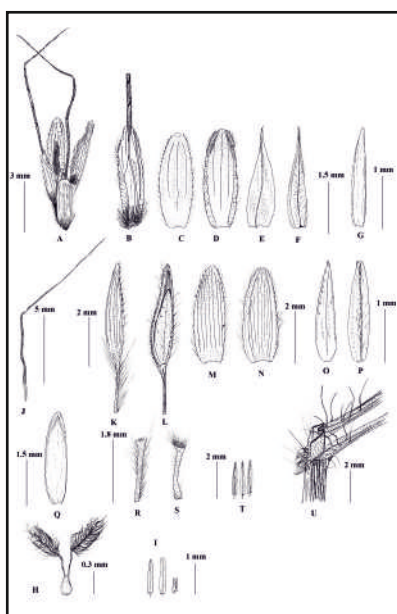


कैलामाग्रोस्टिस नंदादेवियेंसिस पी. अग्निहोत्री व डी. प्रसाद, फाइटोटैक्सा 505 (2): 222.2021 (पोएसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन उत्तराखंड के चमोली के नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व, फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, से 3438 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय एवं सम प्ररूप बीएसडी में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल (नंदा देवी बायोस्फीयर रिजर्व) के नाम पर आधारित है।

Calamagrostis nandadeviensis P. Agnihotri & D. Prasad, Phytotaxa 505 (2): 222. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Valley of Flowers National Park, Nanda Devi Biosphere Reserve, Chamoli, Uttarakhand at 3438 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotype is in BSD. The specific epithet is after the type locality (Nanda Devi Biosphere Reserve).



केपिलपेडियम मिस्त्री ए.पी. तिवारी एवं एस.एन. लांडगे, फाइटोटैक्सा 498 (1): 52. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन मध्यप्रदेश के होशंगाबाद जिले के बोरी वन्यजीव अभयारण्य में बोरी रेंज से 500 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएलएटी में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण (मिस्त्री) सेंट जेवियर्स कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के पूर्व सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. मानेक के. मिस्त्री के सम्मान में रखा गया है; जिन्होंने घास अध्ययन में उल्लेखनीय कार्य किया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा (डीडी) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Capillipedium mistryi A. P. Tiwari & S. N. Landge, Phytotaxa 498 (1): 52. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Bori Range, Bori Wildlife Sanctuary, Hoshangabad district, Madhya Pradesh at 500 m altitude. Holotype is in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype is in BLAT. The species is named in honour of Dr. Manek K. Mistry, former retired professor in Botany Department of St. Xavier's College for his remarkable studies in grasses. This species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



केपिलीपेडियम यशवंतराई तरबेज व पोल्दार, फाइटोटैक्सा 502 (2): 179. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन मध्य प्रदेश के अनूपपुर जिले के अमरकंटक से 1082 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया है। इसका जाति के मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएसआई, के, एसयूके में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'यशवंतराय' माननीय स्वर्गीय यशवंतराव चव्हाण, महाराष्ट्र के पहले मुख्यमंत्री एवं भारत के पूर्व उप प्रधान मंत्री के नाम पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा (डीडी) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Capillipedium yashwantraoi Tarbej & Potdar, Phytotaxa 502 (2): 179. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Amarkantak, Anuppur district, Madhya Pradesh at 1082 m altitude. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in BSI, K, SUK. The specific epithet 'yashwantraoi' is after Hon. Late Yashwantrao Chavan, first Chief Minister of Maharashtra and ex-Deputy Prime Minister of India. This species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



सेरोपीजिया अंसारियाना मरुग. व ए.ए. माओ, ताइवानिया 66(2): 122. 2021 (एपोसाइनेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन मिजोरम के चंफाई जिले के ब्लू माउंटेन वन क्षेत्र से 1250 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) के पादपालय एवं सम प्ररूप एमएच में संग्रहित हैं। इस नवीन जाति का नामकरण डॉ. एम.वाई. अंसारी के नाम पर उनके द्वारा भारतीय सेरोपीजिया पर उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए उनके सम्मान में किया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा (डीडी) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ceropogia ansariana Murug. & A.A. Mao, Taiwania 66(2): 122. 2021 (Apocynaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Blue Mountain Forest areas, Champhai District, Mizoram at 1250 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium, Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in MH. The new species is named in honour of Dr. M.Y. Ansari for his significant contribution on Indian *Ceropogia*. This species has been provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

चिलोस्चिस्ता कन्फ्यूसा एम. जे. मैथ्यू, जे. मैथ्यू, पी. एम. सलीम व स्लेच. एनल. बॉट. फेनिसी 58: 349. 2021 (ऑर्किडेसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोझीकोड जिले के कक्काडुम्पॉयिलसे 700 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप केयूबीएच कुभ में संग्रहित हैं। इनके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'कन्फ्यूसा' इस तथ्य को संदर्भित करता है कि यह जाति लंबे समय से गलत नाम सी. फैसियाटा के रूप में पहचानी जा रही थी।

Chiloschista confusa M. J. Mathew, J. Mathew, P. M. Salim & Szlach., Ann. Bot. Fennici 58: 349. 2021 (Orchidaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Kakkadumpoyil, Kozhikode District, Kerala at 700 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and isotype is in KUBH. The specific epithet 'confusa' refers to the fact that the species was long misidentified as *C. fasciata*.



काँरीनेंद्रा तेलंगानान्सिस जे. स्वामी व रासिंगम, ऐन्ल. बॉट. फेनिसी. 58:1. 2021 (क्लियोमेएसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन तेलंगाना के रंगारेडुडी जिले के राजेंद्र नगर मंडल से 551 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप और पैराटाइप बीएसआईडी में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल भारतीय राज्य तेलंगाना के नाम पर आधारित है।

Corynandra telanganensis J. Swamy & Rasingam, Ann. Bot. Fennici 58: 1. 2021 (Cleomaceae)

This species has been discovered and described based on samples collected from Rajendra Nagar Mandal, Rangareddy District, Telangana at 551 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes and paratype are in BSID. The species is named after the Indian state, Telangana, where it was found.



क्रेमेन्थोडियम इंडिकम डी. बोरा, आर. कुमार सिंह थुंगन, बायोडॉयवर्सिटास 22(3):1272. 2021 (ऐस्टेरेएसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के तवांग जिले की पेंगा-तेंग त्सो झील से 4100 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप एएसएसएएम में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'इंडिकम' मूल देश यानी भारत पर आधारित है।

Cremanthodium indicum D.Borah, R.Kr.Singh & Thungon, Biodiversitas 22(3):1272. 2021 (Asteraceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Penga-Teng Tso Lake, Tawang District, Arunachal Pradesh at 4100 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype is in ASSAM. The specific epithet 'indicum' is after its country of origin, India.

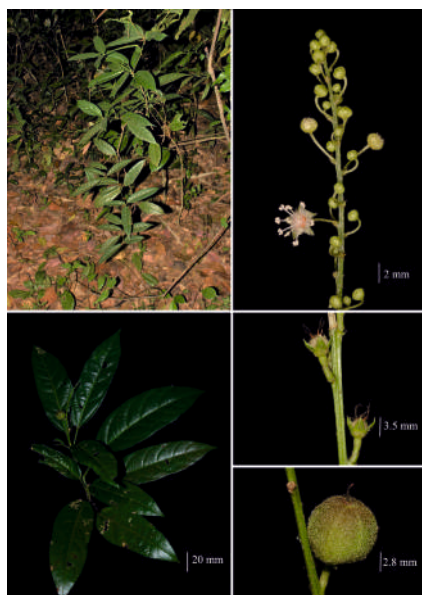


क्रोटालारिया लेमेल्लीफोर्मिस पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगांधर व एल.जे. सिंह, फाइटोटेक्सा 490 (1): 70. 2021 (फेबेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन आन्ध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के सदासिवकोना के पास से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त "लेमेल्लीफोर्मिस" लेमेल्लीफोर्म केलोसाइटिस के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Crotalaria lamelliformis P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar & L.J. Singh, Phytotaxa 490 (1): 70. 2021 (Fabaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Sadasivakona, Chittoor District, Andhra Pradesh. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL), West Bengal and isotype at BSID. The species epithet 'lamelliformis' is based on the lamelliform callosities. It has been categorized as Data Deficient (DD) based on the IUCN guidelines.



क्रोटॉन चक्रवर्तयी धाबक व नंदीकर, फेडेसरेपर्टोरियम 132 (4): 5. 2021 (यूफोर्बिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन कर्नाटक के उत्तर कन्नडा जिले में सिर्सी से कुम्टा रोड के बीच से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएसआइ, एनजीसीपीआर में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त “चक्रवर्तयी” भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के पूर्व वैज्ञानिक डॉ. तापस चक्रवर्ती द्वारा भारतीय क्रोटन पर किये गए वर्गीकी अध्ययन में किये गये उल्लेखनीय योगदान के आधार पर किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अल्प संकटग्रस्त श्रेणी (एलसी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Croton chakrabartyi Dhabak & Nandikar, Feddes Repertorium 132 (4): 5. 2021 (Euphorbiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Sirsi to Kumta Road, Uttara Kannada, Karnataka. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype is in BSI, NGCPR. The species epithet honours Dr. Tapas Chakrabarty (ex-scientist, Botanical Survey of India) for his significant contribution in the taxonomic studies on Indian *Croton*. The species is assessed as Least Concern (LC) following IUCN guidelines.

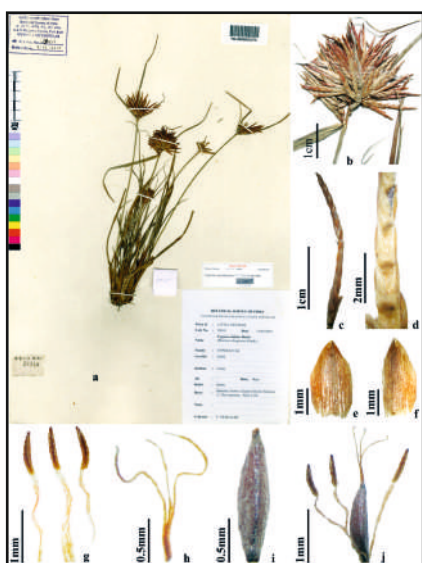


सायनोटिस डेकनेंसिस पी. युगांधर, पी. शिवरामकृष्ण, एन. सविथार व एल.जे. सिंह, नॉर्डिक जे. बॉट. e03324. 2021 (कॉमेलारनिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन आन्ध्र प्रदेश के चित्तूर जिले के निसानकादुर्गम पहाड़ियों से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में व सम प्ररूप पीबीएल में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशेषण 'डेकनेंसिस' प्रायद्वीपीय भारत के दक्कन क्षेत्र में इसकी उत्पत्ति को संदर्भित करता है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Cyanotis deccanensis P. Yugandhar, P. Sivaramakrishna, N. Savithamma & L.J. Singh, Nordic J. Bot. e03324. 2021 (Commelinaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Nissankadurgam hills, Chittoor District, Andhra Pradesh. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype at PBL. The species epithet 'deccanensis' refers to its occurrence in the Deccan region of Peninsular India. It has been categorized as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



साइपरस निकोबारिकस वी.पी. प्रसाद, निलम्बो 63(1): 256. 2021 (साइप्रेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल) के पादपालय में लेखकों द्वारा लिटिल निकोबार द्वीप से संग्रहित साइप्रेसी के नमूनों का अध्ययन करने के दौरान किया गया। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप पीबीएल में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “निकोबारिकस” भारत के केंद्र शासित प्रदेश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के निकोबार द्वीप समूह जो कि इस जाति के प्राप्ति स्थल है के लिए किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Cyperus nicobaricus V.P. Prasad, Nelumbo 63(1): 256. 2021 (Cyperaceae)

While studying the specimens of Cyperaceae in different Indian herbaria, authors came across this new species from Regional Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre (PBL), collected from Little Nicobar Island, Andaman and Nicobar Islands. The holotype and isotype are deposited in PBL. The specific epithet is after Nicobar Islands, Union Territory of Andaman and Nicobar Islands from where it was discovered. The species is assessed as Data Deficient (DD) as per IUCN guidelines.



डेंड्रोबियम गोपालानी एम. सुलेमान व मुरुगन, ताइवानिया 66(4): 557. 2021 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के अगस्त्यमाला आरक्षित जीवमंडल, अगस्त्यरकुडम से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप एमएच सीएएल में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट “विशेषण गोपालानी” भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोयंबटूर, तमिलनाडु के पूर्व वैज्ञानिक डॉ आर. गोपालन के द्वारा अगस्त्यमलई के वनस्पतियों में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए किया गया है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Dendrobium gopalanii M.Sulaiman & Murugan, Taiwania 66(4): 557. 2021(Orchidaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Agasthyarkoodam, Agasthyamala Biosphere Reserve, Thiruvananthapuram, Kerala. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in MH, CAL. The specific epithet is named after Dr. R. Gopalan, Ex-Scientist, Botanical Survey of India, Coimbatore, for his noteworthy contribution to the Flora of Agasthyamalai. The new species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



डेंड्रोफथोई लालजइ पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगांधर व जी.ए. इक्का, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स 14: 454.2021 (लॉरंथेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पिलपिलो, नानकॉरी समूह के द्वीपों से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप क्षेत्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल) में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “लालजइ” भारतीय वनस्पतिशास्त्री डॉ. लाल जी सिंह, संयुक्त निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के सम्मान में पुष्पीय पौधों के वर्गीकरण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Dendrophthoe laljii P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar & G.A. Ekka, J. Asia-Pacific Biodivers.14: 454. 2021 (Loranthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Pilpillow, Nancowry group of Islands, Andaman & Nicobar Islands, India. The holotype and isotypes are at from Regional Herbarium, Botanical

Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre (PBL). The species epithet is in honour of Indian Botanist, Dr. Lal Ji Singh, Joint Director, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre for his significant contributions to the taxonomy of flowering plants. It has been categorized as Data Deficient (DD) based on the IUCN guidelines.

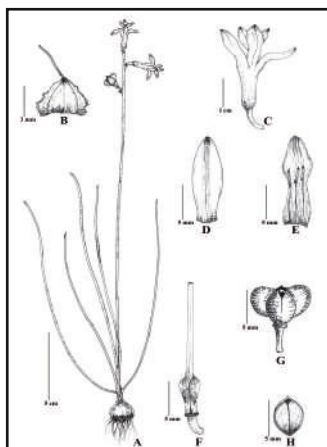


डेंटेल्ला सिलिंड्रिका एम.सी. नायक व एल.जे. सिंह, इंडियन जे. फोरेस्ट्री 43(4): 308. 2020 (रुबिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के डीएएम, लिटिल अंडमान के वन क्षेत्र से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप क्षेत्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल) से संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “सिलिंड्रिका” लैटिन शब्द 'सिलिंड्रिकस' से लिया गया है जिसका अर्थ 'बेलनाकार' होता है, यह फल के बेलनाकार आकार के लिए किया है।

Dentella cylindrica M.C. Naik & L.J. Singh, Indian J. Forestry 43(4): 308. 2020 (Rubiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from forest area of DAM, Little Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype and Isotype are deposited at Regional Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre (PBL). The species epithet is derived from the Latin word 'cylindricis' meaning 'cylindrical' for the cylindrical shape of fruit.

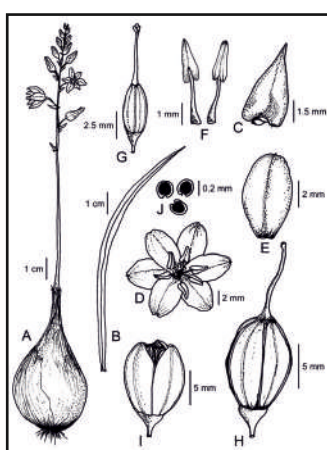


दीपकादि जानै-श्रीरंगै चंदोर, बोरुडे, भालेकर, माधव व गोसावी, फाइटोटैक्सा 524 (1): 38. 2021 (एस्पेरेगोसी)
 इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के नरवन गांव से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएसआई, के एवं एसयूके में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'जानै-श्रीरंगी' दो समकालीन मित्रों व पादप वर्गिकीविदों प्रो. (डॉ.) मालापति कुप्पुस्वामी जनार्थनम एवं प्रो. (डॉ.) श्रीरंगरामचंद्र यादव, गोवा विश्वविद्यालय एवं शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर द्वारा पश्चिमी घाट के संरक्षण एवं पौधों की विविधता के क्षेत्र में उनके विशिष्ट योगदान के लिए उनके सम्मान में है। इस जाति को आईयूसीएन दिशानिर्देशों अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Dipcadi janae-shrirangii Chandore, Borude, Bhalekar, Madhav & Gosavi, Phytotaxa 524 (1): 38. 2021 (Asparagaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Naravan village, Ratnagiri district, Maharashtra. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in BSI, K and SUK. The specific epithet 'janae-shrirangii' is in honour of

two contemporary friends' plant taxonomists, Prof. (Dr.) Malapati Kuppuswamy Janarthanam and Prof. (Dr.) Shrirang Ramchandra Yadav from Goa University and Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra respectively for their contribution in the field of plant diversity and conservation of Western Ghats. It is assessed here as Data Deficient (DD) pending further study.



ड्रिमिया जीवै करुप एवं वी.रविच., गार्ड. बुल. सिंगापुर 73(1): 210. 2021 (एस्पेरेगोसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडु के कन्याकुमारी जिले के दक्षिणी पश्चिमी घाट में अलमपराई पहाड़ियों से 600 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप को मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप श्री गणेशन पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मदुरा कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडु में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण "जीवै" डॉ सोलोमन जीवा, सहायक प्रोफेसर, वनस्पति विज्ञान विभाग, स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल के सम्मान में है। इस जाति को आईयूसीएन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Drimia jeevae Karupp. & V. Ravich., Gard. Bull. Singapore 73(1): 210. 2021 (Asparagaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Alamparai Hills in the Kanyakumari, Tamil Nadu at 600 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and isotypes are in Sri Ganesan Herbarium, Department

of Botany, The Madura College, Madurai, Tamil Nadu. The specific epithet honours Dr. Solomon Jeeva, Assistant Professor, Department of Botany, Scott Christian College, Nagercoil. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



एलियोकार्पस गाडगिलाई ए.एम. माया, वी. सुरेश व के. एम. पी. कुमार, फाइटोटैक्सा 489 (1): 88.2021 (एलियोकार्पेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के पलक्कड़ जिले के मट्टुमला, नेल्लियमपथी से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) में एवं सम प्ररूप सीएसआई, सीएमपीआर, केएफआरआई में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'गाडगिलि' श्री माधव धनंजय गाडगिल प्रसिद्ध भारतीय पारिस्थितिकीविद् एवं पश्चिमी घाट पारिस्थितिकी पैनल (डब्ल्यूजीईईपी) के मुखिया थे; उनके पश्चिमी घाट संवर्धन एवं पादप विविधता के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए प्रयोग किया गया है।

Elaeocarpus gadgilii A.M. Maya, V. Suresh & K.M.P.Kumar, Phytotaxa 489 (1): 88.2021 (Elaeocarpaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Mattumala, Nelliampathy, Palakkad District, Kerala. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu

(MH), isotypes are in CALI, CMPR, KFRI. The specific epithet 'gadgilii' is after Sri Madhav Dhananjaya Gadgil, an Indian ecologist and head of the Western Ghats Ecology Expert Panel (WGEEP), in recognition of his immense contributions towards conservation of Western Ghats.

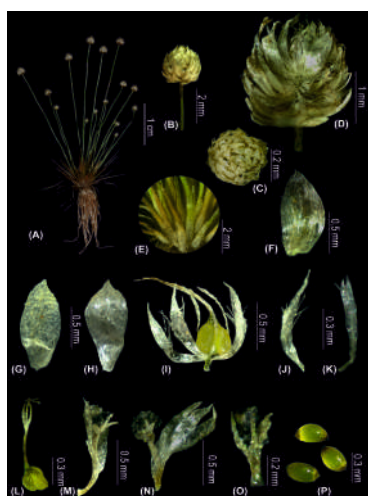


एरियोकॉलन मीनाचिलेंसे अनूप व रॉबी, एडिनबर्ग जे. बॉट 78, 336:2.2001 (ईरियोकुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोट्टायम जिले के इल्लीकल हिल्स, मीनाचिल में 1000 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप बीएएम, एमबीजीएच में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “मीनाचिलेंसे” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल के नाम से लिया गया है। इस जाति को आइयूसीएन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Eriocaulon meenachilense Anoop & Robi, *Edinburgh J. Bot.* 78, 336: 2. 2021. 2021 (Eriocaulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Illikkal Hills, Meenachil, Kottayam District, Kerala at 1000 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BAM, MBGH. The specific epithet is after type locality. According to IUCN criteria, the species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



एरियोकॉलन संज्जापाई एम. के. अखिल व नेम्पी, नॉर्डिक जे. बॉट. e03311.2021 (इरियोकुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के वायनाड जिले के पेरिया-चंदानाथोड रोड से 797 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) में एवं सम प्ररूप सीएएल में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “संज्जापै” भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के भूतपूर्व निदेशक डॉ. एम. संज्जापै जी के भारतीय टेक्सोनॉमी के क्षेत्र में किये गए विशिष्ट योगदान के लिए उनके सम्मान में प्रयोग किया गया है। इस नई जाति को आइसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Eriocaulon sanjappae M. K. Akhil & Nampy, *Nordic J. Bot.* e03311. 2021 (Eriocaulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Periya-Chandanathode road, Wayanad district, Kerala at 797 m altitude. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI), isotype is in CAL. The specific epithet is

in honour of Dr. M. Sanjappa, former Director of Botanical Survey of India, Kolkata for his valuable contributions to Indian Taxonomy. The new species is provisionally assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



युजेनिया पोक्कुदानी ए.एम. माया, के.एम. प्रभुकुमार व वी. सुरेश, फाइटोटैक्सा 502 (3): 283.2021 (मिटीएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के पलक्कड़ जिले के केशवनपारा, नेल्लियमपथी से 1002 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप सीएएलआई (केली) में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण एक पर्यावरण कार्यकर्ता स्वर्गीय श्री कालेन पोक्कुडन (1937–2015) के केरल में मैंग्रोव वनों की रक्षा और प्रसार में उनके योगदान के लिए उनके सम्मान में किया गया है। इस नई जाति को आइसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Eugenia pokkudanii A.M. Maya, K.M. Prabhukumar & V. Suresh, *Phytotaxa* 502 (3): 283. 2021 (Myrtaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Keshavanpara, Nelliampathy, Palakkad District, Kerala at 1002 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern

Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotype is in CALI. The specific epithet is after late Mr. Kallen Pokkudan (1937–2015), an environmental activist from Kerala for his contribution to protect and proliferate mangrove forests in Kerala. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

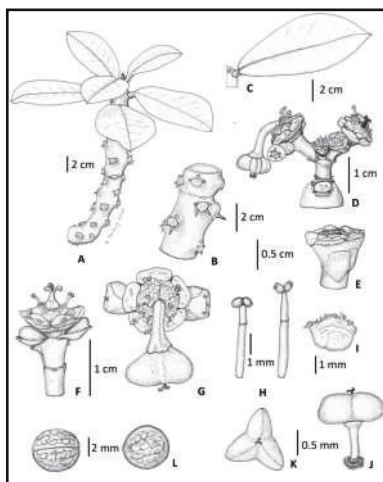


यूफोरबिया लक्ष्मीनरसिम्हानी मालपुरे, चंदोर, पी.एस. राउत व बी. डीजोंग, नॉर्डिक जे. बॉट. e3142.2021 (यूफोरबियेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के राजापूर, रत्नागिरी से 194 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएसआई, एसयूके, एमएच में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “लक्ष्मीनरसिम्हानी” पादप वर्गीकीविद् दिवंगत डॉ. पी. लक्ष्मीनरसिम्हन द्वारा भारतीय वनस्पति विज्ञान में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए नवीन जाति का नाम उनके नाम पर रखा गया है। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Euphorbia lakshminarasimhanii Malpure, Chandore, P. S. Raut and B.DeJong, Nordic J. Bot. e3142. 2021(Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Rajapur, Ratnagiri, Maharashtra at 194 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in BSI, SUK, MH. The species is named after the late plant taxonomist Dr. P. Lakshminarasimhan, for his significant contributions to Indian botany. The species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



यूफोरबिया सह्याद्रिका सरदेसाई और मालपुरे, फाइटोटैक्सा 500 (4): 286.2021 (यूफोरबियेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के हरिहरेश्वर से 53 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप बीएसआई, एसयूके में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'सह्याद्रिका' उत्तरी पश्चिमी घाटों के लिए है, जिन्हें लोकप्रिय रूप से “सह्याद्रि” के नाम से जाना जाता है। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Euphorbia sahyadrica Sardesai & Malpure, Phytotaxa 500 (4): 286. 2021 (Euphorbiaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Harihareshwar, Raigad district, Maharashtra at 53 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in BSI, SUK. The specific epithet 'sahyadrica' is after northern Western Ghats which are popularly known as the Sahyadris. The

species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



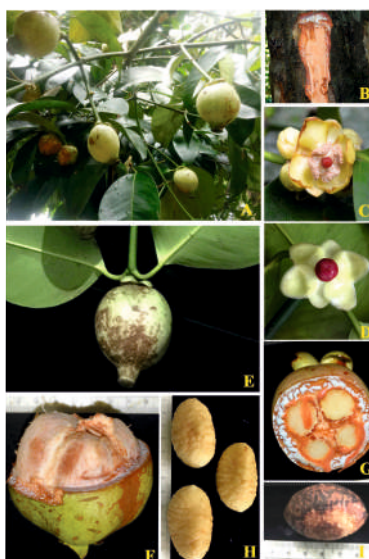
फ़िम्ब्रिस्टाइलस सुनीली सनीलकुमार एवं नित्या, फाइटोटैक्सा 527 (1): 83.2021 (साइप्रेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के पोनुमुडी से 1100 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप सीएएलआई, एसएनएमएच, सीएमपीआर में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “सुनीली” एसएनएम कॉलेज, मलियांकारा, केरल में वनस्पति विज्ञान के प्रोफेसर और अनुसंधान गाइड डॉ सीएन सुनीलके वनस्पति वर्गीकी में उनके विशिष्ट योगदान के लिए उनके सम्मान में किया गया है। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Fimbristylis sunilii Sanilkumar & Nithya, Phytotaxa 527 (1): 83. 2021 (Cyperaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Ponmudi, Thiruvananthapuram district, Kerala at 1100 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in CALI, SNMH, CMPR. The specific epithet is after Dr. CN Sunil, Professor and Research Guide of Botany, at

SNM College, Maliankara, Kerala for his contribution in plant taxonomy. The species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



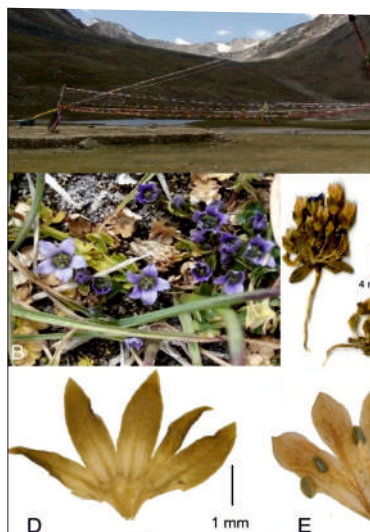
गार्सिनिया सिबेश्वरी पी. एस. शमीर, जे. सरमा, एन. मोहनन व ए. बेगम, फाइटोटैक्सा 507 (2): 192. 2021 (क्लूसियेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन असम के लखीमपुर जिले के दुलंग रिजर्व फॉरेस्ट से 110 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप एमएच, टीबीजीटी में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण उप-लेखक के पिता जी स्वर्गीय श्री सिबेश्वर सरमा के लिए किया गया है, जिन्होंने अपने पुत्र को मानव कल्याण के लिए विशेष रूप से वैज्ञानिक क्षेत्र में काम करने के लिए बिना शर्त प्रेरित एवं प्रोत्साहिक किया। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Garcinia sibeswari P. S. Shameer, J. Sarma, N. Mohanan & A. Begum, Phytotaxa 507 (2): 192. 2021 (Clusiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Dulang Reserve Forest, Lakhimpur District, Assam at 110 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in MH, TBGT. The specific epithet is after father of the second author, late Sri. Sibeswar Sarma, who provided unconditional encouragement and inspiration to his son to do works for human

welfare, especially in the scientific arena. The species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

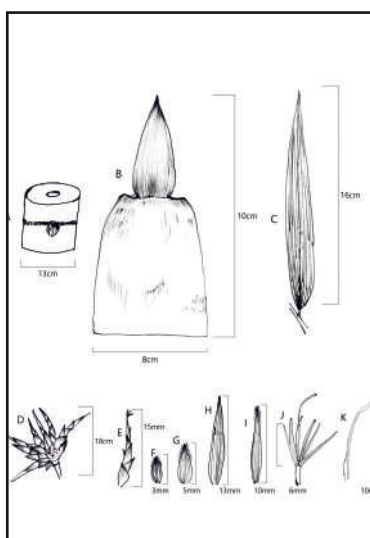


जैन्सियनैला देवेन्द्रै एम. शबीर व जे.के. तिवारी, ताइवानिया 66(1): 35. 2021 (जेंसियेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन लद्दाख के लेह जिले के उत्तरी पोल्, नुब्रा घाटी से 4757-4817 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय एवं सम प्ररूप एलडब्ल्यूजी और जीयूएच में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'देवेन्द्रै' प्रसिद्ध भारतीय पादप वर्गिकिक डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह के नाम पर है।

Gentianella devendrae M. Shabir & J. K. Tiwari, Taiwania 66(1): 35. 2021 (Gentianaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from North Polu, Nubra Valley, Leh district, Ladakh at 4757-4817 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG), isotypes are in LWG and GUH. The specific epithet 'devendrae' is after renowned Indian plant taxonomist Dr. Devendra Kumar Singh.



गिंगंटोक्लोआ गंगासिंघियाना नैथानी, चंद्रा, नेगी व जिनवाल, इंडियन जे. फोरेस्ट्री 44(1):12. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन उत्तराखंड के वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के अबॉरेटम कम्पार्टमेंट नं. 3 से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप पादपालय, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड (डीडी) में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण "गंगासिंघियाना" ब्रिटिश काल के प्रसिद्ध वनस्पति कलाकार राय बहादुर गंगा सिंह, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के नाम पर किया गया है।

Gingantochloa gangasinghiana Naithani, Chandra, Negi & Ginwal, Indian J. Forestry 44(1): 12. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from arboretum Compartment no. 3, Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand. The holotype is deposited in Herbarium, Forest Research Institute, Dehradun, Uttarakhand (DD). The specific epithet is after famous Botanical Artist of the British times, Rai Bahadur Ganga Singh of Forest Research Institute, Dehradun.



ग्लाइकोस्मिस नेल्लीयमपैथिएन्सिस जबीना व माया, फाइटोटैक्सा 496 (3): 270.2021 (रुटैसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल राज्य के पलक्कड़ जिले के नेल्लियमपथी पहाड़ियां, कुरीसुमाला से 950 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप एलडब्ल्यूजी, सीएएलआई में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “नेल्लीयमपैथिएन्सिस” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल केरल के पलक्कड़ जिले, नेल्लियमपथी पहाड़ी श्रृंखलाओं से लिया गया है।

Glycosmis nellyampathiensis Jabeena & Maya, Phytotaxa 496 (3): 270. 2021 (Rutaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Nellyampathy hills, Kurissumala, Palakkad district, Kerala at 950 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in LWG, CALI. The specific epithet is after the type locality (Nellyampathy hill ranges in Palakkad District, Kerala).



ग्लाइफोकलोआ श्रीरंगी के. प्रसाद, एस.नागराजू व चोरघे, नॉर्डिक जे. बॉट. e03103. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट में पुणे जिले के लेटराइट पठारों से 700 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बी.एस.आई) में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “श्रीरंगी” वनस्पति विज्ञान विभाग, शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर के प्रतिष्ठित आचार्य श्रीरंग रामचंद्र यादव के एंजियोस्पर्म वर्गीकी एवं जीनस ग्लाइफोकलोआ के क्षेत्र में उनके अविश्वसनीय योगदान के लिए रखा गया है। इस जाति को आइयूसीएन के दिशानिर्देशों के अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Glyphochloa shrirangii K. Prasad, S. Nagaraju & Chorgha, Nordic J. Bot. e03103. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from lateritic plateaus of Pune, Maharashtra at 700 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The species is named after honorary Emeritus Prof. Shrirang Ramchandra Yadav of Department of Botany, Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra for his incredible contribution in the field of angiosperm taxonomy and to the genus *Glyphochloa*. This species is to be treated as Data Deficient (DD) as per IUCN guidelines.



हेन्केलिया दासी ताराम, डी.बोराह, आर. कुमार सिंह व टैग, फेड्डेस रेपर्टोरियम 132:1. 2021 (जैसनेरिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले की जीरो वैली से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) एवं सम प्ररूप एआरयूएन में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. अभय प्रसाद दास, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, उत्तरी बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, दार्जिलिंग जिला, पश्चिम बंगाल के नाम पर उनके द्वारा पूर्वी हिमालय के एंजियोस्पर्म वर्गीकी में उनके अमूल्य योगदान के लिए किया गया है। इस जाति को आइयूसीएन के दिशानिर्देशों के अनुसार अनंतिम रूप से संवेदनशील श्रेणी (वीयू) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Henckelia dasii Taram, D.Borah, R.Kr.Singh & Tag, Feddes Repertorium 132: 1. 2021(Gesneriaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Ziro Valley, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. Holotype is deposited in Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in ARUN. The species is named after honorary Dr. Abhaya Prasad Das, Retired Professor, University of North Bengal, Siliguri, Darjeeling district, West Bengal, for his invaluable contributions to the

angiosperm taxonomy of Eastern Himalaya. The species is provisionally assessed as Vulnerable (VU) according to IUCN guidelines.



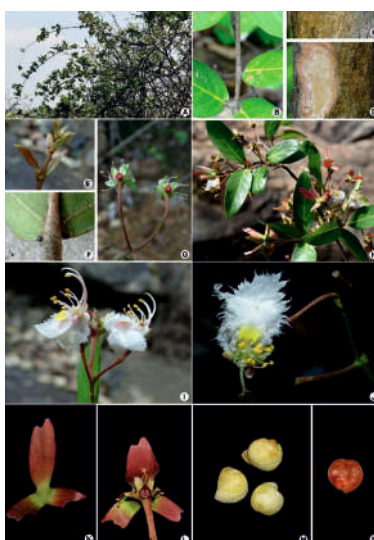
हैकिलिया लालाएनि तारम, डी. बोराह, टैग व आर.कुमार सिंह, फेडडेस रेपर्टोरियम 132:2. 2021 (जैसनेरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले के पोतिन से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप पूर्वी क्षेत्रीय केन्द्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) एवं सम प्ररूप एआरयूएन में संग्रहित है। इस जाति का नाम प्रकृतिवादी और संबंधित लेखक के पिता श्री लल्लन सिंह के नाम पर रखा गया है, जो 28 अप्रैल 2021 को कोविड-19 के शिकार हो गए थे। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार संवेदनशील श्रेणी (वीयू)के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Hencke lallanii Taram, D.Borah, Tag & R.Kr.Singh, Feddes Repertorium 132: 2. 2021(Gesneriaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Potin, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. Holotype is deposited in

Eastern Regional Centre, Botanical Survey of India, Shillong, Meghalaya (ASSAM), isotype is in ARUN. The species is named after Shri Lallan Singh, a naturalist and father of corresponding author, who became a COVID-19 victim on 28th April 2021. The species is provisionally assessed as vulnerable (VU) according to IUCN guidelines.



हिप्टेज लेक्सिपफ्लोरा सुजाना एवं वाध्यार, एन. बॉट. फेनिसी 58: 28. 2021 (माल्पीघियाएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण व वर्णन तमिलनाडु के थिरुनेवेली के कन्याकुमारी वन्यजीव अभयारण्य में कुथिरपंजन, शिवगामीपुरम से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप व पैराटाइप एमएच पादपालय में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'लेक्स' पुष्पक्रमों की व्यवस्था के लिए किया गया है। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति लुप्तप्राय (सीआर) के श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Hiptage laxiflora Sujana & Vadhyar, Ann. Bot. Fennici 58: 28. 2021 (Malpighiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kuthirapanjan, Sivagamipuram, Kanyakumari Wildlife Sanctuary, Thirunaveli, Tamil Nadu. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype and paratypes are in MH. The specific epithet is after lax arrangement of inflorescences. The provisional conservation status of new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



इंपेशिएन्स अच्युदानंदनी कुमार वी.एस.ए., एम.जी. गोविंद एवं सिंधु आर्या, फायटोकिज 180: 159.2021(बाल्समिनेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1200 मी की ऊँचाई से कल्लर वन क्षेत्र, थिरुवनंथपुरम, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, प्लांट सिस्टमैटिक्स एवं इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एन्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, करिमनकोड, थिरुवनंथपुरम, केरल (टीबीजीटी) तथा समप्ररूपों को एमएच, सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण पश्चिमी घाट विशेषकर मठिकेट्टन शोला के संरक्षण में अथक प्रयास करने एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले केरल के पूर्व मुख्यमंत्री श्री वी.एस. अच्युतानंदन के सम्मान में किया गया है। आईयूसीएन के मानदंडों के आधार पर इसे अति लुप्तप्राय (सीआर) के श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens achudanandanii Kumar V.S.A., M.G. Govind & Sindhu Arya, PhytoKeys 180: 159.2021(Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Kallar forest area, Thiruvananthapuram, Kerala at 1200 m altitude. The Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division,

Tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT) and isotypes are in MH, CALI. The specific epithet is named in honor of Mr. V.S. Achudanandan, former Chief Minister of Kerala for his ardent efforts in conservation of the pristine environment of Western Ghats, especially Mathikettan shola. This new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



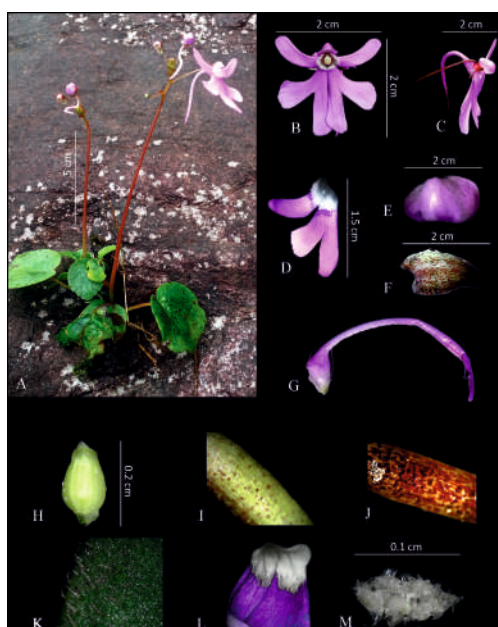
इंपेशिएन्स डानी एम जी गोविंद , सिंधु आर्या , वी. सुरेश एवं कुमार वी. एस. ए., फायटोकिज 180: 162.2021 (बाल्समिनेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 800 मी की ऊँचाई से केरल में इडुक्की के मुन्नार में उच्चभूमि स्थित झरने से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, प्लांट सिस्टमैटिक्स एवं इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एन्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, करिमनकोड, थिरुवनंथपुरम, केरल (टीबीजीटी) तथा समप्ररूपों को एमएच, सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण डॉ. मैथ्यु डैन, वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख, प्लांट जेनेटिक रिसोर्स डिविजन, जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एन्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, करिमनकोड, थिरुवनंथपुरम, केरल के सम्मान में उनके द्वारा पश्चिम घाट के आवृतबीजी के सिस्टमैटिक्स एवं संरक्षण में अभूतपूर्व योगदान के लिए किया गया है। आईयूसीएन के मानदंडों के आधार पर इसे अति लुप्तप्राय (सीआर) के श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens danii M.G. Govind, Sindhu Arya, V. Suresh & Kumar V.S.A., PhytoKeys 180: 162.2021 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on collection made along the streams of highland, Munnar, Idukki, Kerala at 800 m altitude. The Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT) and isotypes are in MH, CALI. The specific epithet 'danii' is in honor of Dr. Mathew Dan, Senior Scientist and Head, Plant Genetic Resource Division, Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala, for his immense contributions

in the field of systematics and conservation of angiosperms in the Western Ghats. This new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



इंपेशिएन्स शैलजेई सिंधु आर्या एवं कुमार वी. एस. ए., फायटोकिज 180: 166.2021 (बाल्समिनेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 800 मी की ऊँचाई से थिरुवनंथपुरम, केरल के सांगिली स्थित सदाबहार वन से सटे खड़े टिल्लों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, प्लांट सिस्टमैटिक्स एवं इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एन्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, करिमनकोड, थिरुवनंथपुरम, केरल (टीबीजीटी) तथा समप्ररूपों को एमएच, सीएएलआई में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण श्रीमती के.के. शैलजा, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री, केरल के सम्मान में उनके द्वारा अपने वैज्ञानिक सोच से केरल राज्य में महामारी की स्थिति को अपने प्रयासों से नियंत्रण करने के लिए किया गया है। आईयूसीएन के मानदंडों के आधार पर इसे अति लुप्तप्राय (सीआर) के श्रेणी में रखा गया है।

Impatiens shailajae Sindhu Arya & Kumar V.S.A., PhytoKeys 180: 166.2021 (Balsaminaceae)

This species has been discovered and described based on collection made along the cliffs associated with streams of evergreen forest, Sangili, Thiruvananthapuram, Kerala at 800 m altitude. The Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT) and isotypes are in MH, CALI. The

specific epithet is in honour of Mrs. K.K. Shailaja, former Health Minister of Kerala for her efforts to tackle various epidemic and pandemic situations in the state of Kerala through scientific temper. This new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



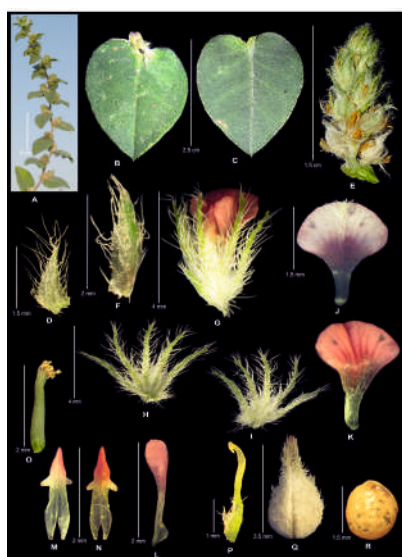
इम्पेसेन्स वैयापुरी करुप्प. एवं वी. रविच, स्पेसीज़ 22 (70): 343. 2021 (बाल्सामिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडू राज्य के नमक्कल जिले की कोल्ली पहाड़ियों से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडू (एमएच) एवं सम प्ररूप श्री गणेशन पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मदुरा कॉलेज, मदुरै, तमिलनाडू में संग्रहित हैं। नवीन जाति का नामकरण तमिलनाडू के नमक्कल जिले के पी. वेल्सुर के मानद वनस्पति विज्ञान शिक्षक और पर्यावरणविद् डॉ. एम. वैयापुरी के नाम पर रखा गया है। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति लुप्तप्राय (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Impatiens vaiyapurii Karupp. & V. Ravich, Species 22 (70): 343. 2021 (Balsaminaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kolli hills, Namakkal District, Tamil Nadu. Holotype is deposited in

Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and isotype is in Sri Ganesan Herbarium, Department of Botany, The Madura College, Madurai, Tamil Nadu. The new species is named after honorary botany teacher and environmentalist Dr. M. Vaiyapuri, of P. Velur, Namakkal district, Tamil Nadu. Provisional conservation status of this plant is suggested as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



इंडिगोफेरा जैसलमेरिका सी.एस. पुरोहित व आर.एन. कुल्लोली, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स.14: 628. 2021 (फैबेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन राजस्थान के जैसलमेर जिले के ब्रह्मसर धाम से 157.5 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, शुष्क अंचल क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान (बीएसजेओ) में संग्रहित हैं। नई जाति का नामकरण उसके स्थानीय प्राप्ति स्थल (जैसलमेर) के नाम पर किया गया है।

Indigofera jaisalmerica C.S. Purohit et R.N. Kulloli, J. Asia-Pacific Biodivers.14: 628. 2021 (Fabaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Brahmansar Dham, Jaisalmer, Rajasthan at 157.5 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Centre, Jodhpur, Rajasthan (BSJO). The new species is named after its type locality (Jaisalmer).



इश्चैमम एम्बोलिन्स एस.ए. बोकिल, दातार व आर.के.चौधरी, फाइटोटैक्सा 501 (1): 174. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के अंबोली घाट, सतौली, सिंधुदुर्ग से 85 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप अगर्कर पादपालय, अगर्कर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एचएमए) एवं सम प्ररूप एचएमए और बीएसआई में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल (अंबोली) के नाम पर किया गया है।

Ischaemum amboliense S.A.Bokil, Datar & R.K.Choudhary, Phytotaxa 501 (1): 174. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made at the base of Amboli Ghat, Satuli, Sindhudurg, Maharashtra at 85 m altitude. The holotype is deposited in Agharkar Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA), isotypes are deposited in AHMA and in BSI. The species is named after type locality (Amboli).

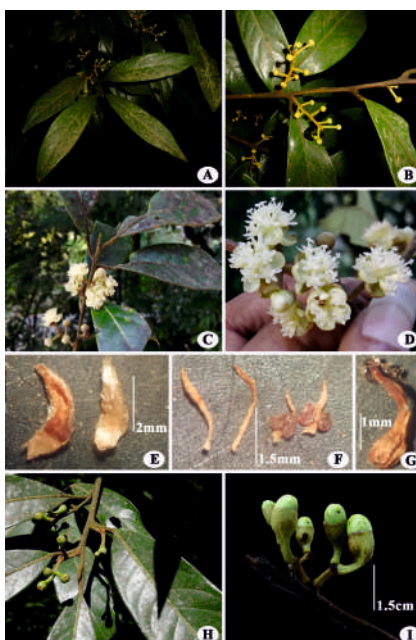


ईस्चेमम मिश्रत्राई एस. एन. लान्जे व शिन्दे, फाइटोटेक्सा 509 (3): 273. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के तिलारी घाट से 724 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप ब्लाटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र (बीएलएटी) में संग्रहित हैं। इसका नाम सेंट जेवियर्स कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. मानेक के. मिस्त्री द्वारा महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले की वनस्पतियों में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मान में रखा गया है। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Ischaemum mistryi S. N. Landge & Shinde, Phytotaxa 509 (3): 273. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Tilarai Ghat, Kolhapur district, Maharashtra state at 724 m altitude. Holotype and isotypes are in Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra (BLAT). The species is named in honour of Dr. Manek K. Mistry, former retired professor in Botany Department of St. Xavier's College for his remarkable contribution to the flora of Ratnagiri District, Maharashtra. The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



लिस्टिया अनामलयाणा रोबी एवं उदायन, एडिनबर्ग जे. बॉट. 78, आर्टिकल 373: 1.2021 (लौरैसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1000 मी की ऊंचाई से केरल में पालाक्कड जनपद के नेलियमपैथी पहाड़ियों के शीर्ष स्थित सदाबहार वन से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया जाता है। इसके मूलप्ररूप को मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच), समप्ररूपों को बीएएम, केएफआरआई में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल (अनामल्लई पहाड़ी पादपभौगोलिक क्षेत्र) पर आधारित है। आईसीयूएन मानदंडों के आधार पर इस जाति को अति लुप्तप्राय (सीआर) की श्रेणी में रखा गया है।

Litsea anamalayana Robi & Udayan, Edinburgh J. Bot. 78, Article 373: 1.2021 (Lauraceae)

This species has been discovered and described based on collection made from a hill top in evergreen forests of Nelliampathy hills, Palakkad district, Kerala at 1000 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in BAM, KFRI. The specific epithet is after the type locality (Anamalai hills phytogeographical zone). This new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

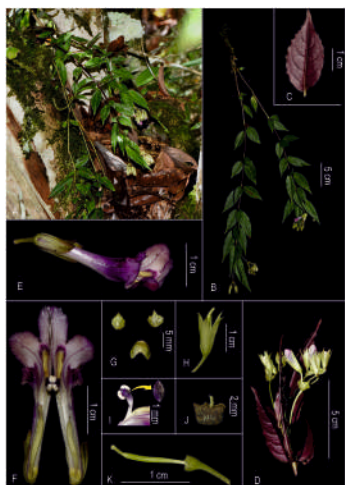


लोफोपोगोन प्रसन्नै के. प्रसाद, नागराजू, ए. नाराय, ए.एम. रेड्डी, शंकर राव एवं बी.आर.पी. राव, फाइटोटेक्सा 500 (3): 235. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम जिले के निगिडी वन से 458 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप को डेक्कन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद, तेलंगाना (बीएसआईडी) एवं सम प्ररूप सीएएल, बीएसआईडी व एसकेयू में संग्रहित हैं। इसका नाम भारत के एक प्रसिद्ध घास वर्गीकर डॉ. पी.वी. प्रसन्ना, वैज्ञानिक जी, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के नाम पर किया गया है।

Lophopogon prasannae K. Prasad, Nagaraju, A. Naray., A.M. Reddy, Sankara Rao & B.R.P. Rao, Phytotaxa 500 (3): 235. 2021 (Poaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Nigidi forest, Ananthapuramu district, Andhra Pradesh at 458 m altitude. Holotype is deposited in Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad, Telangana (BSID), isotypes are in CAL, BSID & SKU. It is named after Dr. P.V. Prasanna, Scientist G, Botanical Survey of India, a noted grass taxonomist from India.



लिसियनोटस जिरोनेसिस नेम्पी, निखिल, अमृता एवं अखिल, जे. एशिया-पैसिफिक बायोडाइवर्स 14:119. 2021 (जैसनेरिएसी)

इस नवीन जाति को अरुणाचल प्रदेश के लोअर सुबनसिरी जिले के जीरो से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) में एवं सम प्ररूप सीएएलमें संग्रहित हैं। इस नवीन जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “जीरो” के नाम पर किया गया है। आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार इस जाति को अस्थायी रूप से अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Lysionotus ziroensis Nampy, Nikhil, Amrutha & Akhil, J. Asia-Pacific Biodivers.14: 119. 2021 (Gesneriaceae)

Publication of this new species based on collection made from from Ziro, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. The holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI) and the isotype is in CAL. The new species is named after its type locality (Ziro). The species is provisionally assessed here as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



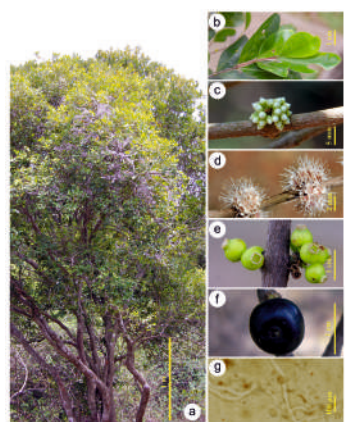
मधुका बालाकृष्णानी ई.एस.एस. कुमार, शैलजाकुमारी एवं शरीफ, फाइटोटैक्सा 510 (1): 79. 2021 (सेपोटेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोल्लम जिले के मरारीथोडम-मुझांगोडी से 40 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिवीजन, ट्राॅपिकल बॉटैनिकल गार्डन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, करीमकोड, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) एवं सम प्ररूप टीबीजीटी, एमएच में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण दिवंगत श्री बालकृष्ण पिल्लई (माडाथिनल टेक्कतिल,कोल्लम,केरल) के नाम पर उनके द्वारा इस जाति के पादपों को अपनी इमारत में “स्टार ट्री” के रूप में कई वर्षों तक संरक्षण प्रदान करने के लिये किया गया है। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय(सीआर) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Madhuca balakrishnanii E.S.S.Kumar, Shailajakumari & Shareef, Phytotaxa 510 (1): 79. 2021 (Sapotaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mararithottam-Muzhangodi, Kollam District, Kerala at 40 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram,

Kerala (TBGT) and isotypes are in TBGT, MH. The new species is named after Late Mr. Balakrishna Pillai (Madathinal Thekkathil, Kollam, Kerala) who preserved this tree species in his premises as 'star tree' for several years. This new species assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



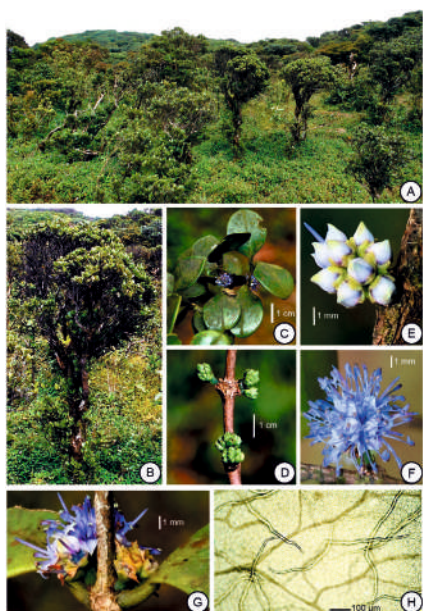
मेमेसिलॉन पेचाईमलयानम आर. राजेश, एमबी विश्वान. व आर. सीलमबरासन फाइटोटैक्सा 496(1): 69. 2021 (मेलास्टोमेटेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडू के तिरुचिरापल्ली जिले की पेचैमेलै पहाड़ियों से 850 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “पेचाईमलयानम” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल पेचैमेलै पहाड़ियों के लिए किया गया है। इस जाति को आईसीयूएन के दिशानिर्देशों अनुसार अति विलुप्तप्राय (सीआर) की श्रेणी में मूल्यांकित किया गया है।

Memecylon pachaimalayanum R. Rajesh, M.B. Viswan.& R. Silambarasan, Phytotaxa 496 (1): 69. 2021 (Melastomataceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Pachaimalai hills, Tiruchirappalli District, Tamil Nadu at 850 m altitude.

Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in Herbarium, Department of Botany, Bharathidasan University, Tiruchirappalli, Tamil Nadu. The specific epithet 'pachaimalayanum' refers to the type locality (Pachaimalai Hills). The species is assigned Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



मेमेसिलॉन विश्वनाथनी आर. राजेश पी. शक्तिदासन व सी. राजसेकर, वेबिया जे. प्लॉट.जियोज. 76(1): 72. 2021 (मेलास्टोमेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडु के तेनकासी जिले की वेनियांगल पोडावू, कदायम वन क्षेत्र से 1405 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप पादपालय क्यू हर्वेरियम इंग्लैंड, वनस्पति विज्ञान विभाग, भारतीदासन विश्वविद्यालय, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण भारतीदासन विश्वविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के आचार्य एम.बी. विश्वनाथन के द्वारा पादप वर्गीकी के क्षेत्र में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए उनके सम्मान में किया गया है।

Memecylon viswanathanii R.Rajesh, P.Sakthidhasan & C.Rajasekar, Webbia: J. Pl. Tax. Geog. 76(1): 72. 2021 (Melastomaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Vaniyangal podavu, Kadayam Forest Range, Tenkasi district, Tamil Nadu at 1405 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), isotypes are in K, Herbarium, Department of Botany, Bharathidasan University, Tiruchirappalli. The specific epithet is to honour Prof. M.B. Viswanathan, Department of Botany, Bharathidasan University, for his immense contribution to the field of Plant Taxonomy in India.



नेनोटिस प्रभुई सुनील, सलीम व रतीश, फाइटोटैक्सा 527 (3): 235.2021 (रुबिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के वायनाड जिले के चेम्बरा पीक से 1900 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रासपादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप एमएसएसएसएच, एसएनएमएच, सीएएलआई में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण डॉ. के.एम. प्रभुकुमार, एक प्रसिद्ध भारतीय वर्गीकरण वैज्ञानिक (वरिष्ठ वैज्ञानिक सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश) के द्वारा पश्चिमी घाट के फूलों के पौधों पर उनके मूल्यवान शोध एवं जैव विविधता व प्रकृति के संरक्षण में किये गये विशिष्ट योगदान के लिए उनके नाम से किया गया है। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Neanotis prabhuii Sunil, Salim & Ratheesh, Phytotaxa 527 (3): 235. 2021 (Rubiaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Chembra Peak, Wayanad district, Kerala at 1900 m altitude. The holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH) and isotypes are in MSSH, SNMH, CALI. The specific epithet is after Dr.K.M.Prabhukumar, a renowned Indian Taxonomist (Senior Scientist at CSIR-National Botanical

Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh) for his valuable research on flowering plants of Western Ghats and contributions to conservation of biodiversity and nature. This species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

ओबीरोनिया सिमिलिपलेंस एस. मिश्रा, निलम्बो 63 (2): 2. 2021 (ऑर्किडेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन ओडिशा के मयूरभंज जिले के मेघासानी, सिमिलिपाल वन से 1100 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं पैराटाइप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'सिमिलिपलेंस' इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल (सिमिलिपाल वन) को संदर्भित करता है।

Oberonia similipalense S. Misra, Nelumbo 63 (2): 2. 2021 (Orchidaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Meghasani, Similipal forest, Mayurbhanj district, Odisha at 1100 m altitude. Holotype and paratype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'similipalense' refers to the type locality (Similipal forest).

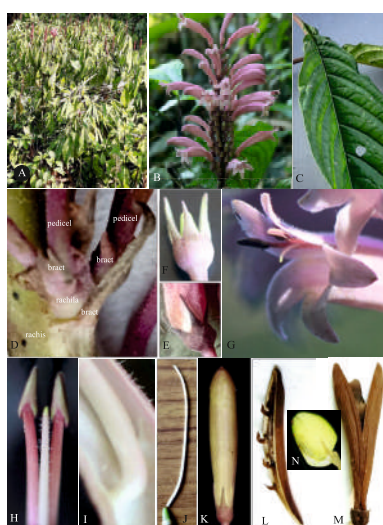


ओडिशा बोनाकोर्डेसिस के. प्रसाद, जलाल व अग्रवाल, निलम्बो 63 (2): 6. 2021 (ऑर्किडेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णनकेरल के तिरुवनंतपुरम जिले के बोनाकोर्ड, अगस्त्यमाला बायोस्फीयर रिजर्व, अगस्त्यकुडम के रास्ते में 641 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किये गए हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “बोनाकोर्ड, केरल” के नाम पर किया गया है। आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार इस नवीन जाति को अनंतिम रूप से अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) में मूल्यांकित किया गया है।

Odisha bonaccordensis K. Prasad, Jalal & Agrawala, Nelumbo 63 (2): 6. 2021(Orchidaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made on way to Agasthyakudam from Bonaccord, Agasthyamala Biosphere Reserve, Thiruvananthapuram district, Kerala at 641 m altitude. Holotype and Isotype are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). Specific epithet is after the type locality (Bonaccord, Kerala). The new species is assessed provisionally as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines

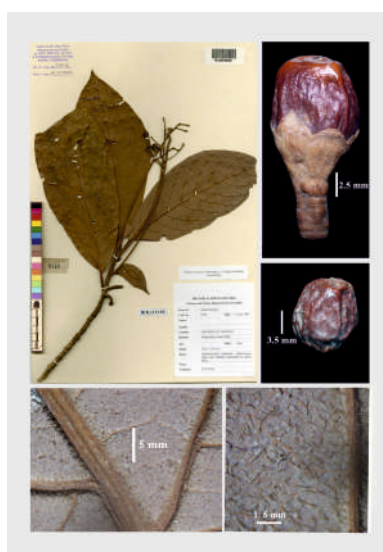


फ्लोगाकान्थुस चांगलेंजेसिस पी. लुंगापी, ए.वी. सिंह व ए.पी. दास, प्लेयॉनी 15(3): 449. 2021(एकेन्थसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लॉन्गटॉम- II, खरसांग, चांगलांग से 197 - 206 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप राष्ट्रीय केंद्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप एएसएसएएम में संग्रहित है। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'चांगलांगेसिस' इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल 'चांगलांग' जिले के नाम से किया गया है।

Phlogacanthus changlangensis P. Lungphi, A.V.Singh & A.P. Das, Pleione 15(3): 449. 2021(Acanthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Longtom-II, Kharsang, Changlang, Arunachal Pradesh at 197 – 206 m altitude. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). Isotype is in ASSAM. The species epithet 'changlangensis' is after type locality ('Changlang' district of Arunachal Pradesh).



फौवें निकोबारिका रासिंगम, एल.जे. सिंह व कार्थि, रीडिया 31(2): 53. 2021 (लॉरेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल), पोर्टब्लेयर के पादपालय में लिटिल अंडमान द्वीप की वनस्पतियों पर काम करते हुए, वरिष्ठ लेखक डी.के. होर ने ग्रेट निकोबार द्वीप के लाफुल उत्तर से लाई गई वनस्पतियों से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप क्षेत्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल ग्रेट निकोबार द्वीप के नाम पर किया गया है।

Phoebe nicobarica Rasingam, L.J. Singh & Karthig., Rheedea 31(2): 53. 2021 (Lauraceae)

While working on the flora of Little Andaman Island, the senior author came across the species collected by D.K. Hore from Laful north of Great Nicobar Island at the herbarium of the Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre (PBL), Port Blair. The holotype and isotype are deposited in Regional Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre (PBL). The species is named after the type locality Great Nicobar Island, Union Territory of Andaman and Nicobar Islands.



फाइलेन्थस पालकोन्डेन्सिस राजा कुलैइसव. व सरोजिन., नॉर्डिक जे. बॉट e03319. 2021 (फाइलेन्थेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन आंध्र प्रदेश के पलकोंडाराय मंदिर, कडपा से 189.67 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीयकेंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) एवं सम प्ररूप सीएएल, बीएसआईडी में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “पालकोंडा पहाड़ी” के नाम पर किया गया है।

Phyllanthus palakondensis Raja Kullayisw.&Sarojin.,Nordic J. Bot. e03319. 2021(Phyllanthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Palakondaraya temple, Kadapa, Andhra Pradesh at 189.67 m altitude. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH), Isotypes are in CAL, BSID. The species is named after the type locality (Palakonda hill).

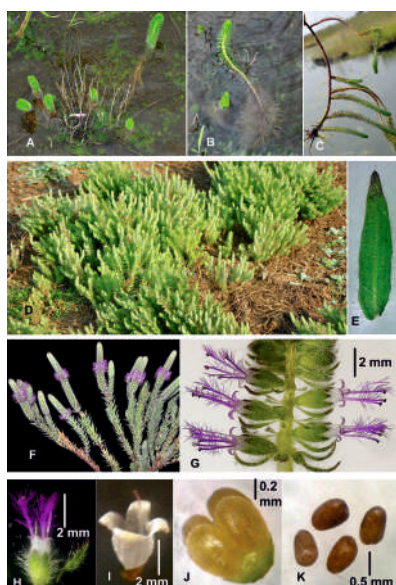


फाइलेन्थस सनातनधर्मी जे. मेथ्यू व योहान्नन, फाइटोटेक्सा 498 (4): 290.2021 (फाइलेन्थेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोझीकोड जिले के आरईसी पारा, वेल्लारीमाला के रास्ते में 2250 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण प्रतिष्ठित सनातन धर्म कॉलेज, अलाप्पुझा, केरल, के नाम पर किया गया है, जो इस वर्ष प्लेटिनम जयंती मना रहा है।

Phyllanthus sanatanadharmae J.Mathew & Yohannan, Phytotaxa 498 (4): 290. 2021 (Phyllanthaceae)

This species has been discovered and described based on collection made on the way to REC Para, Vellarimala, Kozhikode District, Kerala at 2250 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre Coimbatore, Tamil Nadu (MH). The specific epithet is after the prestigious Sanatana Dharma College, Alappuzha, Kerala, India, which is celebrating platinum jubilee this year.



पोगोस्टेमॉन जैतपुरेन्सिस चंदोरे व एस. आर. यादव, फाइटोटेक्सा 502 (1): 40.2021 (लेमिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के करेल से जैतापुर, राजापुर के पास किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप बीएसआई, के. ए. ए. ए. में संग्रहित किया गया है। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल के नाम पर किया गया है। इसे आईयूसीएन की दिशानिर्देश के अनुसार अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) के रूप में नामांकित किया गया है।

Pogostemon jaitapurensis Chandore & S.R.Yadav, Phytotaxa 502 (1): 40. 2021 (Lamiaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Karel, near Jaitapur, Rajapur, Ratnagiri District, Maharashtra. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotypes are in BSI, K, SUK. The specific epithet is after the type locality (Jaitapur in Ratnagiri district of Maharashtra). The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

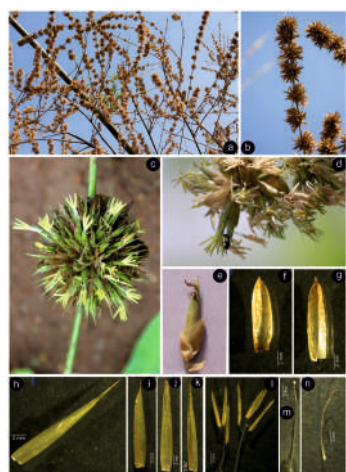


पॉलीकारपिया पालक्काडेन्सिस वी.एस.ए.कुमार, एस. आर्य एवं सुरेश, फाइटोटैक्सा 527 (2): 152.2021 (कार्योफाइलैसी)

इस जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के पलक्कड़ जिले के मालमपुझा से 160 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका जाति के मूल प्ररूप और सम प्ररूप यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल (यूसीबीडी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल पलक्कड़ जिला, केरल, के नाम से किया गया है। इस नवीन जाति का आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Polycarpaea palakkadensis V.S.A Kumar, S. Arya & Suresh, Phytotaxa 527 (2): 152. 2021 (Caryophyllaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Malampuzha, Palakkad district, Kerala at 160 m altitude. Holotype and Isotypes are deposited in Herbarium of University College, Thiruvananthapuram, Kerala (UCBD). The specific epithet is after the type locality (Palakkad district, Kerala). The new species is assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



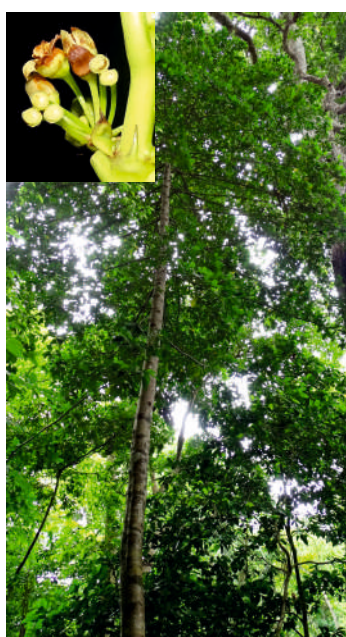
स्युडोक्सिटेननथेरा माधवी पी. टेताली, दातार, एस. टेताली, मुरलीधरन व आर. के. चौधरी, फाइटोटैक्सा 498 (3): 187. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के पुणे जिले के ग्राम शिरकोली, वेल्हे तालुका से 678 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप अगर्कर पादपालय, अगर्कर शोध संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) एवं सम प्ररूप सीएएल, बीएसआई में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “माधवी” आचार्य माधव गाडगिल जो कि भारत के एक प्रसिद्ध पारिस्थितिकीविज्ञ है जिन्होंने भारत में जैवविविधता संरक्षण के क्षेत्र में योगदान उन्हें बांस के पौधो के प्रति अत्यधिक लगाव उन्ही के सम्मान में इसका नाम उनके नाम से रखा गया है।

Pseudoxytenanthera madhavii P.Tetali, Datar, S.Tetali, Muralidharan & R.K.Choudhary, Phytotaxa 498 (3): 187. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Shirkoli village, Velhe Taluka, Pune district, Maharashtra at 687 m altitude. Holotype is deposited in Agharkar Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA) isotypes are in CAL, BSI. The specific epithet is after honorary

Prof. Madhav Gadgil, eminent Indian ecologist for his contribution in the field of Biodiversity and conservation in India and his affection towards bamboos.



पाइरोस्ट्रीया लालजी एम.सी. नाइक, अर्रीओला व एम. भीमलिंगप्पा एन. बॉट. फेनीसी 57: 336. 2020 (रूबिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह के दक्षिणी अण्डमान द्वीप के वान्दूर वनों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप क्षेत्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अण्डमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र (पीबीएल) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशेषण “लालजी” भारतीय वनस्पतिशास्त्री डॉ. लाल जी सिंह, संयुक्त निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान और निकोबार क्षेत्रीय केंद्र के सम्मान में फूलों के पौधों के वर्गीकरण में उनके महत्वपूर्ण योगदान के संदर्भ में दिया है। इस जाति को आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Pyrostria laljii M.C. Naik, Arriola & M. Bheemalingappa, Ann. Bot. Fennici 57: 336. 2020 (Rubiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Wandoor Forest, South Andaman Island, Andaman & Nicobar Islands. The holotype and isotypes are deposited in Herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India (PBL). The species epithet is in honour of Indian Botanist, Dr. Lal Ji Singh, Joint Director, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre for his significant contributions to the taxonomy of flowering plants. It has been categorized as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



रोट्टबोलिया हुसैनी पी. अग्निहोत्री एवं एस. त्रिपाठी फाइटोटैक्सा 507 (1): 99. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन जम्मू और कश्मीर के राखजगोह के नाथटोप से रामबन के रास्ते में 2077 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “हुसैनी” डॉ. तारिक हुसैन, पूर्व वैज्ञानिक, सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश के द्वारा एंजियोस्पर्म वर्गीकरण के क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के संदर्भ में दिया गया है।

Rottboellia husainii P. Agnihotri & S. Tripathi, Phytotaxa 507 (1): 99. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Rakh Jargoh, on the way to Nathatop, Ramban, Jammu and Kashmir at 2077 m altitude. Holotype and Isotype are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is named after Dr. Tariq Husain, former scientist, CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow for his contribution in the field of Angiosperm Taxonomy.

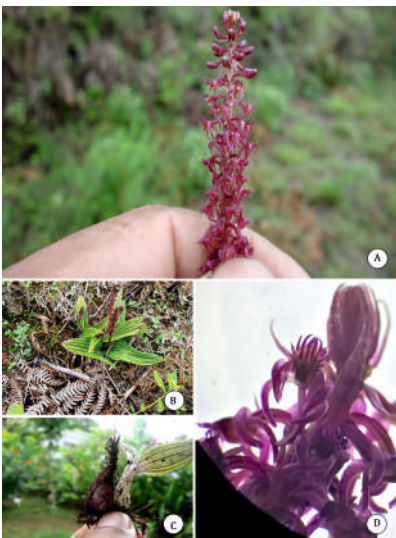


सौरोमाटम अरुणाचलेन्से यू.एल. तिवारी, आर. मैती एवं एस.एस. दास, निलम्बो 63(1): 3. 2021 (ऐरेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के पापुम पारे जिले से 272 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप और पैराटाइप अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण (एआरयूएन) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “अरुणाचलेन्से” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल अरुणाचल राज्य के नाम पर किया गया है।

Sauromatum arunachalense U.L. Tiwari, R. Maity & S.S. Dash, Nelumbo 63(1): 3. 2021 (Araceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Papum Pare district of Arunachal Pradesh at 272 m altitude. The holotype and paratype are deposited in herbarium of Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India (ARUN). The specific epithet is after the state Arunachal Pradesh, from where it was discovered.



सिडेंफिया मणिकठिला जे. मैथ्यु, पी एम सलीम एवं स्ला., बायोडाय. रिज. कंजरव. 64: 3, 2021 (ओर्किडेसी) इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन 1400 मी की ऊंचाई से राजमाला पहाड़ियों, इडुक्की जनपद, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया जाता है। इसके मूलप्ररूप को वनस्पति पादपालय, केरल विश्वविद्यालय, थिरुवनन्थपुरम (केयूबीएच), समप्ररूपों को एमएच में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद में प्रयुक्त पद 'मणिकठिला' केरल के परंपरागत कर्ण आभूषण मणिकठिला पर आधारित है।

Seidenfia manikathila J.Mathew, P.M. Salim & Szlach., Biodiv. Res. Conserv. 64: 3, 2021 (Orchidaceae)

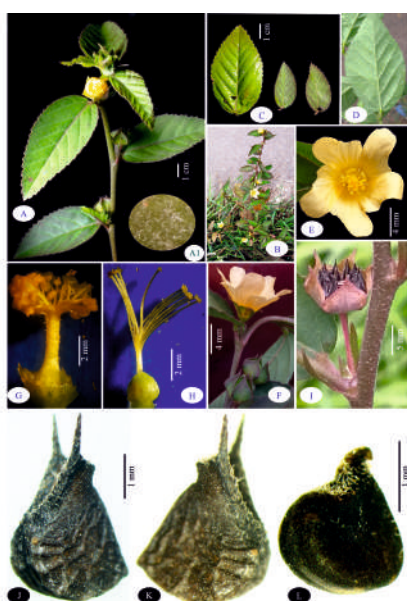
This new SPECIES has been discovered and described based on the collection made from Rajamala Hills, Idukki district, Kerala at 1400 m altitude. Holotype is deposited in Kerala University Botany Herbarium, Thiruvananthapuram (KUBH), isotype is in MH. The epithet 'manikathila' indicates resemblance of the lip of this species to the traditional ear ornament, 'Manikathila' of Kerala.

सेप्टेमेरान्थस निकोबारिकस एल. जे. सिंह फेड्डेस रीपर्टोरियम 132: 2. 2021 (लॉरेंथेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन कोपेन हीट, ग्रेट निकोबार, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका जाति के मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप पीबीएल में संग्रहित किया गया है। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण “निकोबारिकस” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल निकोबार द्वीप के नाम पर रखा गया है। इसे आईयूसीएन के दिशानिर्देश की आधार पर अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Septemeranthus nicobaricus L.J. Singh, Feddes Repertorium 132: 2. 2021 (Loranthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kopen Heat, Great Nicobar, Andaman & Nicobar Islands. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and isotype at PBL. The species epithet is named after the type collection locality, Nicobar Island. It has been categorized as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



साइडा केरलेंसिस ई. एस. कुमार, शैलजा, श्रीकला, पार्थिपन एवं आर. प्रकाशकुमार, फाइटोटैक्सा 508 (3): 290. 2021 (मालवेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के तिरुवनंतपुरम जिले के मारुथुर से 80 मी. की ऊंचाई से एवं ई. के. पी. टीबीजीटी पादपालय में संग्रहित प्रतिरूपों से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिवीजन, उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान और अनुसंधान संस्थान, करीमकोड, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) में एवं सम प्ररूप एमएच और सीएएल में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल के नाम पर किया गया है।

Sida keralensis E.S.S.Kumar, Shailaja, Sreekala, Parthipan & R.Prakashkumar, Phytotaxa 508 (3): 290. 2021 (Malvaceae)

This new species has been discovered and described based both on the herbarium specimens housed in E, K, P, TBGT and the collection made from Maruthur, Thiruvananthapuram district, Kerala at 80 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT) and isotypes are in MH and CAL. The species is named after type locality.



सोलेनम पुलनेएसिस सूसैराज, एडानसोनिया, सेर. 3, 43 (21): 236. 2021 (सोलेनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन तमिलनाडु के डिंडीगुल जिले के, पलानी हिल्स नेशनल पार्क, थोनीमलाई से 1300 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप रैपिनेट पादपालय, सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु (आरएचटी) में एवं सम प्ररूप एमएच में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “पलानी पहाड़ियों” के नाम पर किया गया है। इस नई जाति को आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) में मूल्यांकित किया गया है।

Solanum pulneyensis Soosairaj, Adansonia, sér. 3, 43 (21): 236. 2021 (Solanaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Thonimalai, Palani Hills National Park, Dindigul district, Tamil Nadu at 1300 m altitude. Holotypes are in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirapalli, Tamil Nadu (RHT), isotype is in MH. The species is named after the type locality (Palani hills). This novel species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.



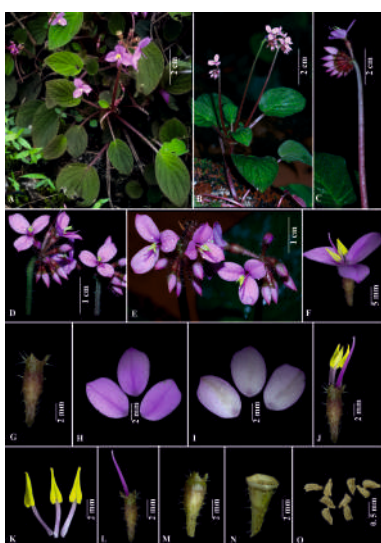
सोनेरिला कांजीलासेरिएंसिस अरुणराज, आर.रेशमा व विष्णुप्र., क्यु. बुले. 76:77. 2021 (मेलास्टोमैटेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के कोझीकोड जिले के कांजीलासेरी, चेमांचेरी से 13 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप पादपालय, प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिवीजन, उष्णकटिबंधीय वनस्पति उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, करीमकोड, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) में एवं सम प्ररूप टीबीजीटी, केएफआरआई में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल “कांजीलासेरी” के नाम पर किया गया है। आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार इस जाति को अनंतिम रूप से अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Sonerila kanjilasseriensis Arunraj, R.Reshma & Vishnupr., Kew Bull.76: 77. 2021(Melastomataceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kanjilasseri, Chemanchery, Kozhikode District, Kerala at 13 m altitude. Holotype is deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT), isotypes are in TBGT, KFRI. The species is

named after its type locality (Kanjilasseri). The species is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

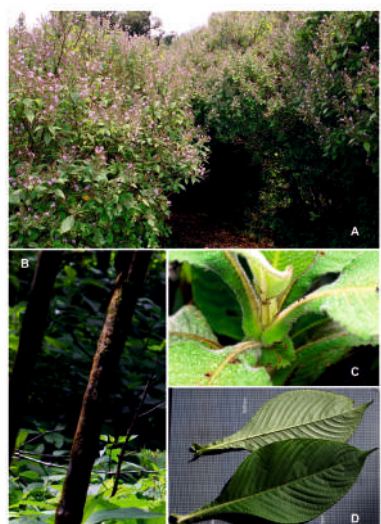


सोनेरिला लॉन्गिपेडनकुलाटा रेस्मी व नेम्पी, यू. जे. टैक्सॉन. 733:161. 2021 (मेलास्टोमैटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल के वायनाड जिले के कडुकुन्नू, बाणासुर पहाड़ियों से 1000 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय हर्बेरियम, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) में एवं सम प्ररूप एमएच में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'लॉन्गिपेडनकुलाटा' पुष्पक्रम के चारित्रिक रूप से लंबे पेडुनकुला को संदर्भित करता है। आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार इस जाति को अनंतिम रूप से अति विलुप्तप्राय (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Sonerila longipedunculata Resmi & Nampy, Eur. J. Taxon.733: 161. 2021 (Melastomaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kattukunnu, Banasura hills, Wayanad district, Kerala at 1000 m altitude. The holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI), isotype is in MH. Specific epithet 'longipedunculata' refers to the characteristically long peduncle of the inflorescence. Provisional conservation status of this plant is suggested as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

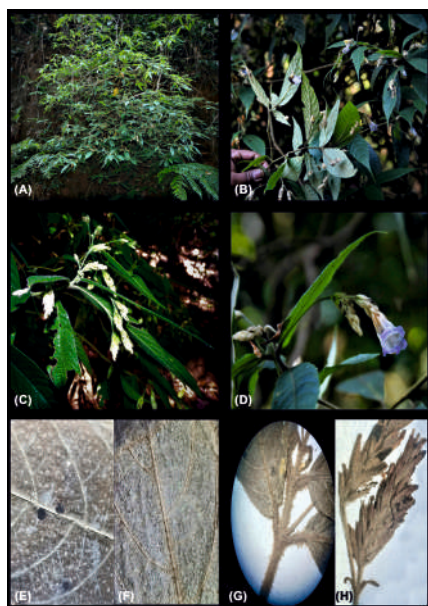


स्ट्रोबिलांथेस प्रदीपियाना बी. मणि, सिंज. थॉमस व ब्रिटो, फाइटोटेक्सा 512 (2): 98. 2021 (एकैथेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन केरल राज्य के इडुक्की जिले के वागवुरई, मुन्नार से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप रैपिनैट पादपालय, सेंट जोसेफ कॉलेज, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु (आरएचटी) एवं सम प्ररूप आरएचटी, एमएच में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण ए.के. प्रदीप (डब्लूडब्लूआई इनोवेटिव सॉल्यूशंस, कोट्टायम) द्वारा दक्षिण भारतीय स्ट्रोबिलेथेस में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए के लिए किया गया है।

Strobilanthes pradeepiana B. Mani, Sinj. Thomas & Britto, Phytotaxa 512 (2): 98. 2021 (Acanthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Vagavurai, Munnar, Idukki district, India. Holotypes are in Rapinat Herbarium, St. Joseph's College, Tiruchirapalli, Tamil Nadu (RHT), isotypes are in RHT, MH. The specific epithet is after A. K. Pradeep (WWI Innovative Solutions, Kottayam) for his outstanding contribution to south Indian *Strobilanthes*.

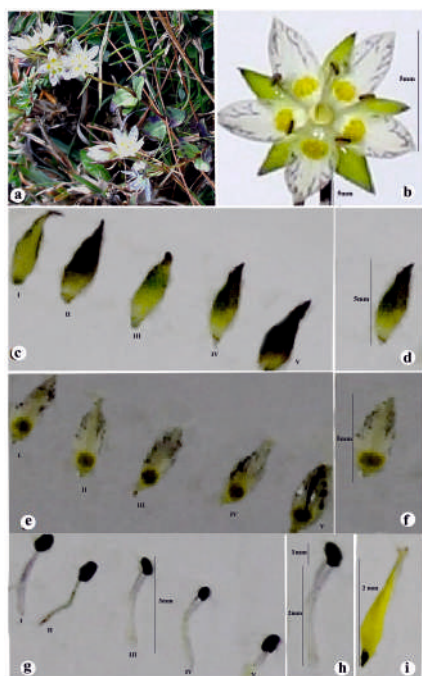


स्ट्रोबिलांथेस पुष्पागिरिऐंसिस समीर पाटिल, नॉर्डिक जे. बॉट. e03053. 2021 (एकैथेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन कर्नाटक के वनचल-कदमक्कल वन पथ, पुष्पागिरी वन्यजीव अभयारण्य, कोडागुसे 1036.2 मी. की ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) एवं सम प्ररूप सीएएल में संग्रहित हैं। इस नवीन जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल 'पुष्पागिरी वन्यजीव अभयारण्य' के नाम पर किया गया है, जहां यह व्यापक रूप से पाया जाता है।

Strobilanthes pushpagiriensis Sameer Patil, Nordic J. Bot. e03053. 2021 (Acanthaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Vanachal-Kadamakkal forest path, Pushpagiri Wildlife Sanctuary, Kodagu, Karnataka at an elevation of 1036.2 m. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI) and isotype is in CAL. The species is named after Pushpagiri Wildlife Sanctuary where it is widely found.



स्वर्तिया पटनीटोपियनसिस बिकर्मा सिंह, फाइटोटेक्सा 498 (4): 273. 2021 (जेन्सियानेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन जम्मू और कश्मीर केंद्र शासित राज्यके उधमपुर जिले के यथोचित रूप से पटनीटोप हिलसे 2202 मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप एवं सम प्ररूप जानकी अम्मल पादपालय, पादप सर्वेक्षण एवं पादपालय प्रभाग, भारतीय एकीकृत औषधि संस्थान, जम्मू-तवी, जम्मू और कश्मीर में संग्रहित किए गए हैं। इस नवीन जाति का नामकरण इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल "पटनीटोप हिल" के नाम पर किया गया है। आईयूसीएन के दिशानिर्देश अनुसार इस जाति को अति विलुप्तप्राय श्रेणी (सीआर) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Swertia patnitopiensis Bikarma Singh, Phytotaxa 498 (4): 273. 2021 (Gentianaceae)

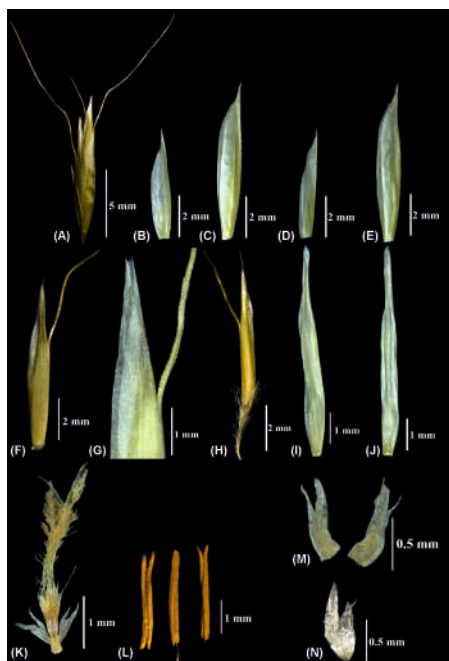
This new species has been discovered and described based on the collection made from Patnitop Hill proper, Udhampur District, Jammu Province, Jammu and Kashmir at 2202 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Janaki Ammal Herbarium, Plant Survey & Herbarium Division, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawi, Jammu and Kashmir (RRLH). The new species is named after its type locality (Patnitop Hill). The new species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines.

टोरेनिया सिलीगुरेंसिस ए. पाल व एम. चौधरी, एन. बॉट. फेनिसी 58: 237.2021 (लिनडरनियेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के राजा राममोहनपुर से 123 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, पश्चिम बंगाल (एनबीयू) के पादपालय में एवं पैराटाइप सीयूएच में संग्रहित किये गए हैं। इस नवीन जाति का नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'सिलीगुरिऐंसिस' भारत के पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सिलीगुड़ी उप-मंडल से लिया गया है जो कि इस जाति का स्थानीय प्राप्ति स्थल है।

Torenia siliguriensis A. Pal & M. Chowdhury, Ann. Bot. Fennici 58: 237. 2021 (Linderniaceae)

This species has been discovered and described based on samples collected from Raja Rammohanpur, Darjeeling District, West Bengal at 123 m altitude. The holotype and isotype are deposited in University of North Bengal Herbarium, West Bengal (NBU), Paratype is in CUH. The specific epithet 'siliguriensis' is derived from the type locality Siliguri sub-division of Darjeeling District, West Bengal.



ट्राइसेटोप्सिस पिर्पांजलेन्सिस डी. प्रसाद एवं पी. अग्निहोत्री, नॉर्डिक जे. बॉट. e03291. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के गुलाबा चेक पोस्ट, कोठी, मनाली के 3000 मी. ऊंचाई के शंकुधारी वन तल से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'पिर्पांजलेन्सिस' हिमालय के पीर-पंजाल रेंज से लिया गया है। आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Trisetopsis pirpanjalensis D. Prasad & P. Agnihotri, Nordic J. Bot. e03291. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from conifer forest floor of Gulaba check post, Kothi, Manali, Kullu, Himachal Pradesh at 3000 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet 'pirpanjalensis' has been derived from the Pir-Panjal range of Himalayas. It is provisionally assessed as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



त्ज़वेलेवियोकलोआ यादवी डी. प्रसाद व पी. अग्निहोत्री, नॉर्डिक जे. बॉट. e03291. 2021 (पोएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के रोहतांग दर्रा, मढ़ी, मनाली के रास्ते में 3450 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप और सम प्ररूप सीएसआईआर-राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'यादवी' प्रो. एस. आर. यादव जो कि एक अग्रणी घास वर्गीकरण विज्ञानी के नाम पर किया गया है। आईयूसीएन के दिशानिर्देश की अनुसार इस जाति को अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Tzveleviochloa yadavii D. Prasad & P. Agnihotri, Nordic J. Bot. e03291. 2021 (Poaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made on the way to Rohtang Pass, Marhi, Manali, Kullu, Himachal Pradesh at 3450 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow (LWG). The specific epithet 'yadavii' is after Prof. S. R. Yadav, a pioneer grass taxonomist. As per IUCN guidelines, it is provisionally assessed as Data Deficient (DD).



वाइकोआ सैह्याद्रिका नंदीकर व सरदेसाई, फाइटोटैक्सा 514 (3): 280. 2021 (एस्टरएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के पुणे जिले के भूशी बांध से तुंग हिल्स, लोनावाला से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं सम प्ररूप एएचएमए, बीएसआई, एनजीसीपीआर, एसयूके संग्रहित हैं। इसके नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'सैह्याद्रिका' भारत के पश्चिमी घाट जो कि इसका स्थानीय प्राप्तिस्थल है को दर्शाता है, जिसे 'सह्याद्री' भी कहा जाता है। आईयूसीएन के दिशा निर्देशों का पालन करते हुए नई जाति को अल्प संकटग्रस्त श्रेणी (एलसी) के रूप में मूल्यांकन किया जाता है।

Vicoa sahyadrica Nandikar & Sardesai, Phytotaxa 514 (3): 280. 2021 (Asteraceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Bhushi Dam to Tung Hills, Lonavala, Pune, Maharashtra. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in AHMA, BSI, NGCPR, SUK. The specific epithet 'sahyadrica' denotes type locality Western Ghats of India, which is also called 'Sahyadri'. The new species is assessed as Least Concern (LC) following the IUCN guidelines.



जिंजिबर केम्पानुलेटम टी. जयकर., ए. जोय., हरेश व एम. साबू, ताइवानिया 66(1): 109. 2021 (जिंजिबरेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश के लोअर दिबांग वैली जिले के चिडु से 400 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) एवं सम प्ररूप सीएएलमें संग्रहित है। इस जाति का नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'कैम्पैनुलेटम' एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है 'घंटी के आकार'। ये फूल के अग्रभाग (मुँह) का घंटी के आकार का होने के संदर्भ में किया गया है। इस नवीन जाति को संरक्षण स्थिति अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Zingiber campanulatum T.Jayakr., A.Joe, Hareesh & M.Sabu, Taiwania 66(1): 109. 2021 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Chidu, Lower Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at 400 m altitude. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI), isotype is in CAL. The specific epithet 'campanulatum' in Latin means 'bell-shaped' with reference to bell-shaped appearance of the mouth of the flower. The conservation status of new species remains data deficient (DD)



जिंजिबर कोर्नीजीरम टी. जयकर., ए. जो., हरेश व एम. साबू, ताइवानिया 66(1): 107. 2021 (जिंजिबरेएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण और वर्णन अरुणाचल प्रदेश राज्य के लोअर दिबांग वैली जिले के इडुलीसे 152 मी. ऊंचाई पर किए गए संग्रह के आधार पर किया है। इस जाति के मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) एवं सम प्ररूप सीएएलमें संग्रहित है। इस जाति के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'कोर्नीजीरम' एक लैटिन शब्द है, जिसका अर्थ "सींग" होता है; ऐसा फूल के सहदल सींग वाले होने के कारण रखा गया है। आईयूसीएन के दिशानिर्देशों का अनुसार इस नवीन जाति को संरक्षण स्थिति अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Zingiber cornigerum T.Jayakr., A.Joe, Hareesh, & M.Sabu, Taiwania 66(1): 107. 2021 (Zingiberaceae)

This species has been discovered and described based on collection made from Iduli, Lower Dibang Valley, Arunachal Pradesh at 152 m altitude. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI), isotype is in CAL. The specific epithet 'cornigerum' is after the horned bracteoles of the flower which in Latin means horn. The conservation status of new species remains Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

नवीनप्रभेद / NEW VARIETES

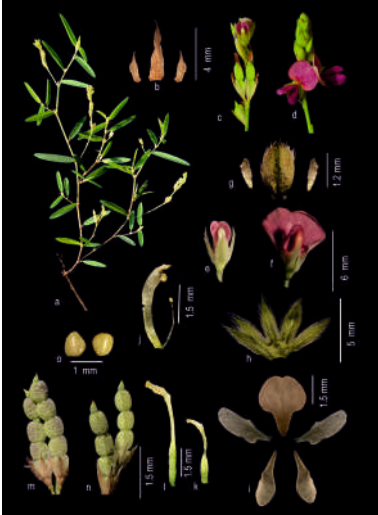


एलॉसीकार्पस टेट्रागोनोलोबस एडग्यू प्रभेद **फालकेटस** दालावी, ब्रह्महद, पीआर माने एवं एस आर यादव रीडिया 31(1): 26.2021 (फेबेएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इस जाति के मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप सीएएल, एसयूके, बीएसआई में संग्रहित हैं। इस नवीन प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'फेल्केटस' जिसका अर्थ है 'हंसियाकार' ऐसा फली केहंसिया यादात्रा के आकार का होने के कारण रखा गया है। आईयूसीएन के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस नए प्रभेद का मूल्यांकन अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में किया गया है।

Alysicarpus tetragonolobus Edgew. var. **falcatus** Dalavi, Bramhad., P.R.Mane & S.R.Yadav, Rheedeia 31(1): 26. 2021 (Fabaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Kolhapur district of Maharashtra. Holotype is in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in CAL, SUK, BSI. The varietal epithet 'falcatus' is after the falcate shape of the pods. The novel variety is assessed here as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



एलॉसीकार्पस टेट्रागोनोलोबस एडग्यू प्रभेद **माइक्रेन्थस** दालावी, माने एवं एस आर यादव रीडिया 31(1): 26.2021 (फेबेएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन महाराष्ट्र के कोल्हापुर जिले के उजलाईवाड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केन्द्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप सीएएल, एसयूके, बीएसआई में संग्रहित हैं। इस नवीन प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त विशिष्ट विशेषण 'माइक्रेन्थस' जो कि फूलों के कर्णिका (केलेक्स) के अंतर्गत फूलों के आकार में बहुत छोटे होने को दर्शाता है। आईयूसीएन के दिशा-निर्देशों के अनुसार इस नए प्रभेद का अनंतिम रूप से अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Alysicarpus tetragonolobus Edgew. var. **micranthus** Dalavi, Mane, & S.R.Yadav, Rheedeia 31(1): 26. 2021 (Fabaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Ujalaiwadi, Kolhapur district of Maharashtra. Holotype is in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in CAL, SUK, BSI. The varietal epithet 'micranthus' is after the character of the flowers, which is very small and included in the calyx. The novel taxon is assessed here as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.

character of the flowers, which is very small and included in the calyx. The novel taxon is assessed here as Data Deficient (DD) following IUCN guidelines.



ब्रेकीस्टेलम मेकुलेटम हुक. एफ. प्रभेद **ब्रेवीफ्लोरम** नागेंद्र, वी. नागराजू, ए.एम. रेड्डी और के.प्रसाद, रीडिया 31(1): 31. 2021 (एपोसाइनेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन आंध्र प्रदेश के अनंतपुरम जिले के निगिडी आरक्षित वन से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप डेक्कन क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हैदराबाद, तेलंगाना (बीएसआईडी) में एवं सम प्ररूप योगी वेमना पादपालय, योगी वेमना विश्वविद्यालय, कडपा में संग्रहित हैं। इस नवीन प्रभेद का नाम इसके छोटे फूलों के नाम पर रखा गया है। आईयूसीएन के दिशा-निर्देशों के अनुसार नए प्रभेद का आकलन आंकड़े अपर्याप्त डाटा श्रेणी (डीडी) के रूप में मूल्यांकित किया गया है।

Brachystelma maculatum Hook.f. var. **breviflorum** Nagendra, V.Nagaraju, A.M.Reddy & K.Prasad, Rheedeia 31(1): 31. 2021 (Apocynaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Nigidi Reserve Forest, Anantapuram district, Andhra Pradesh. Holotype is in Deccan Regional Centre, Botanical Survey of India, Hyderabad, Telangana (BSID), isotype is in Yogi Vemana Herbarium, Yogi Vemana University, Kadapa. This new variety is named after its shorter flowers. As per IUCN guidelines, the new taxon is assessed here as Data Deficient (DD).



कॉटलेया ग्रेसीलिस (एसएम) डैडी प्रभेद **हिस्पिडा** ऐश्वर्या एवं एम. साबू, ताइवानिया 66(1): 85. 2021 (जिंजिबरेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन पश्चिम बंगाल के कलिम्पोंग जिले में अलगढ़ रोडसे 1 किमी लावा की तरफ से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इस नवीन प्रभेद मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड (सीएएलआई) में संग्रहित है। इस नवीन प्रभेद की स्वभाव की विशेषता इसके बालों वाली प्रकृति को दर्शाता है।

Cautleya gracilis (Sm.) Dandy var. **hispida** Aishwarya & M.Sabu, Taiwania 66(1): 85. 2021 (Zingiberaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Algarh road to 1 km towards Lava, Kalimpong, West Bengal. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI). The varietal epithet denotes hairy nature of the habit.

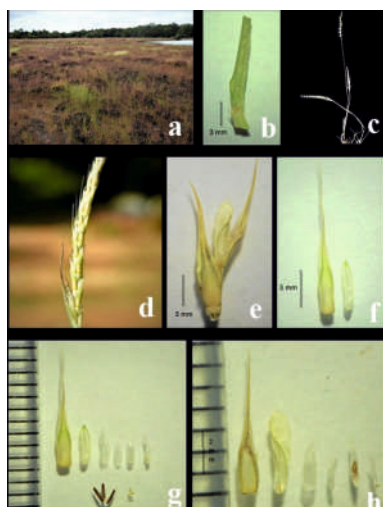


डायकेंथिम केरीकोसम (एल.) ए.केमस प्रभेद **बाइलोवम** वाईमहेश, रासिंगम व जेय. स्वामी, इंडियन जे. फोरेस्ट्री 43(2), 134. 2020 (पोएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन आंध्र प्रदेश के पूर्वी गोदावरी जिले के कोंडामोलु बीट, गोकावरम रेंज, पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान से 439 मी. की ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप बीएसआईडी में संग्रहित हैं। इस नवीन प्रभेद का नामकरण पेडिकेलड स्पाइकलेट्स के डीप बिलोबेड अपर लेम्मा के नाम पर रखा गया है।

Dichanthium caricosum (L.) A. Camus var. **bilobum** Y. Mahesh, Rasingam & J. Swamy, Indian J. Forestry 43(2), 134. 2020 (Poaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Kondamodalu Beat, Gokavaram Range, Papikonda National Park, East Godavari District, Andhra Pradesh at 439 m altitude. Holotype is in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in BSID. This new variety is named after deeply bilobed upper lemma of pedicelled spikelets.

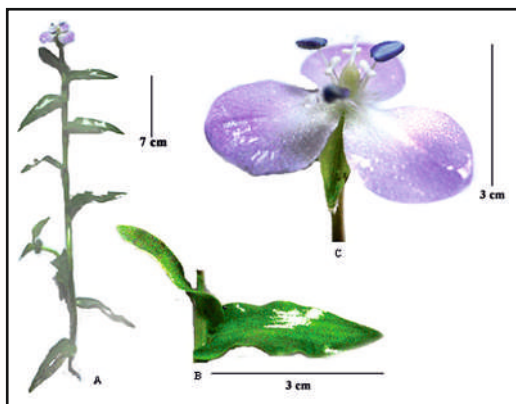


ग्लाइपोक्लोआ एक्व्यूमिनाटा (हेक.) क्लेटॉन प्रभेद **लैविस** अभिजीत एवं कृष्णमूर्ति, जर्नल ऑफ़ थ्रेटन टैक्सा, 13(11): 19636.2021 (पोएसी)

नई प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन कर्नाटक के उडुपी जिले के कमलशिले परी (लेटरिटिक पठार) से किए गए संग्रह के आधार पर आधारित है। इसका मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में एवं सम प्ररूप केयूएबी में संग्रहित हैं। इस नवीन प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त विशेषण 'लाविस' सेसाइल स्पाइकलेट की निचली चमक पर इसके चिकने अलंकरण होने के कारण किया गया है।

Glyphochloa acuminata (Hack.) Clayton var. **laevis** Abhijit & Krishnamurthy, Journal of Threatened Taxa, 13(11): 19636. 2021 (Poaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Kamalshile pari (lateritic plateau), Udupi district, Karnataka. Holotype is in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotype is in KUAB. The epithet 'laevis' is after its smooth ornamentation on the lower glume of sessile spikelet.



मरडेनिया ट्राइक्वेट्रा (वॉल एक्स सी.बी. क्लार्क) जी. ब्रुक्न. प्रभेद **आहुचावलेंस** कांगकन पागग एवं शशिन कुमार बोरठाकुर, फाइटोटेक्सा 525 (2): 163.2021 (कॉमीलाईनिएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन असम के उत्तरी लखीमपुर, अहुचल गांवसे किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। नवीन प्रभेद का मूल प्ररूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त “आहुचावलेंस” इसके स्थानीय प्राप्ति स्थल (आहुचल गांव, उत्तरी लखीमपुर, असम) के नाम पर किया गया है।

Murdannia triquetra (Wall. ex C.B. Clarke) G. Brückn. var. **ahuchawlense** Kangkan Pagag & Sashin Kumar Borthakur, Phytotaxa 525 (2): 163. 2021 (Commelinaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from North Lakhimpur, Ahuchawl Gaon, Assam. The

holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The varietal epithet is after the type locality (Ahuchawl Gaon, North Lakhimpur, Assam).

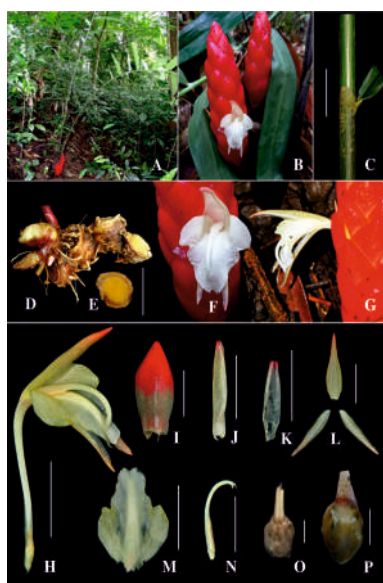


थोटिया शिवराजनी ए.एस.एस. कुमार ए.एस. खान एवं विनुवर प्रभेद अनमल्लयाना ए. नजरुदीन, जी. राज कुमारेत, एम.एल्लिस्टर, ईट. जे. एडव. रिस. 9(10), 1357.2021 (एरिस्टोलोचिएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन 1200 मी की ऊँचाई से तमिलनाडु में कोयंबटुर के सोलईकुरुकु से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया जाता है। इसके मूलप्ररूप एवं पैराप्ररूपों को पादपालय, प्लांट सिस्टमैटिक्स एवं इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्राॅपिकल बॉटनिक गार्डन एन्ड रिसर्च इंस्टिट्यूट, करिमनकोड, थिरुवनथपुरम, केरल (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है। इस प्रभेद का नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल (अनामल्लई पहाड़ियों) पर आधारित है। आईयूसीएन मानदंडों के आधार पर इस जाति को लुप्तप्राय (ईएन) की श्रेणी में रखा गया है।

Thottea sivarajanii E.S.S Kumar, A.E.S Khan & Binu var. **anamalaiana** A. Nazarudeen, G. Rajkumaret M. Alister, Int. J. Adv. Res. 9(10), 1357.2021 (Aristolochiaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Solaikuruku, Coimbatore, Tamil Nadu at 1200 m altitude. The holotype and paratypes are deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, tropical Botanic Garden & Research Institute, Karimancode, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The variety is named after the type locality (Anamalai hills). This new species assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines.



जिंजिबर नियोट्रन्केटम टी. एल. वु. के. लार्सन एवं टलैंड प्रभेद **रामसामी** लालरामन्ना जे. जैपनी. बॉट. 96(6): 322.2021 (जिंजिबेरेसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण और वर्णन उत्तर पूर्व राज्य मिजोरम के तामदिल के तामदिल लेक से 1 किमी दिलकान गाँव की तरफ से किये गए संग्रह के आधार पर आधारित है। नवीन प्रभेद का मूल प्ररूप कालीकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कालीकट विश्वविद्यालय, कोझीकोड, केरल (सीएएलआई) में एवं सम प्ररूप सीएएलमें संग्रहित हैं। इस प्रभेद के नामकरण में प्रयुक्त विशेषण “लालरामनघिंगलोवा और सामलियाना” इस प्रभेद को संग्रहितकर्ताओं के नामों के संयोजन का प्रतिनिधित्व करता है।

Zingiber neutruncatum T.L.Wu, K.Larsen & Turland var. **ramsawmii** Lalramngh., J. Jpn. Bot. 96(6): 322. 2021 (Zingiberaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from 1 km from Tamdil lake towards Dilkan village, Tamdil, Mizoram. The holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI) and isotype is in CAL. The varietal epithet represents the combination of the names of the collectors i.e. Lalramnghinglova and Sawmliana.

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

वंशपरक अभिलेख / GENERIC RECORDS

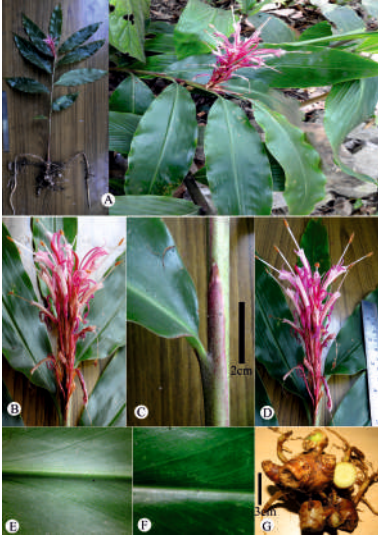


रेहडेरॉडेड्रोण हू (स्टायरैकेसी)

पूर्वतः दक्षिण-पूर्वी एशिया से ज्ञात इस वंश को अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले के चियांग ताजो ब्लॉक से किए गए संग्रह के आधार पर भारत में पहली बार रिपोर्ट किया गया है। इस वंश का प्रतिनिधित्व *रेहडेरॉडेड्रोण माइक्रोकार्पम* के.एम. फेंग एक्स टी.एल. मिंग प्रजाति द्वारा किया गया है। इसके नमूने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (एआरयूएन) एवं केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) के पादपालयों में जमा हैं। अभिलेख उमेशकुमार एल. तिवारी एवं सुधांशुशेखर दास ने नेलुम्बो 63(1):15.2021 में प्रकाशित किया है।

Rehderodendron Hu (Styracaceae)

This genus earlier known from SE Asia has been reported for the first time from India based on the collection made from Chiyang Tajo block, East Kameng district of Arunachal Pradesh. This genus is represented by species *Rehderodendron microcarpum* K.M. Feng ex T.L. Ming. The specimens are deposited in Herbarium Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN) and in Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Umeshkumar L. Tiwari and Sudhansu Sekhar Dash in Nelumbo 63(1): 15. 2021.



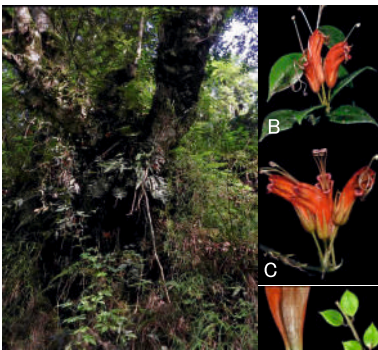
स्टैडिओचिलस आर. एम. स्मिथ (जिन्जिबेरेसी)

पूर्वतः म्यान्मार (काचिन राज्य) से ज्ञात इस वंश को भारत में सर्वप्रथम वोउशु गांव, तुएंगसांग जिला, नागालैंड से किए गए संग्रह के आधार पर रिपोर्ट किया गया है। इसके नमूने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) के पादपालय में जमा किए गए हैं। इस वंश का प्रतिनिधित्व *स्टैडिओचिलस बरमैनिकस* आर. एम. स्मिथ द्वारा किया गया है। अभिलेख डी. के. रॉय, आर. लिटन, डी. एल. बियाटे एवं एन. ओडियुओ ने टर्कजानिनोविया 24, 4:48. 2021 में प्रकाशित किया है।

Stadiochilus R. M. Sm. (Zingiberaceae)

This genus earlier known from Myanmar (Kachin State) has been reported for the first time from India based on the collection made from Woashu village, Tuengsang district, Nagaland. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This genus is represented by *Stadiochilus burmanicus* R. M. Sm. This has been published by D. K. Roy, R. Lytan, D. L. Biate, N. Odyuo in Turczaninowia 24, 4: 48. 2021.

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORDS



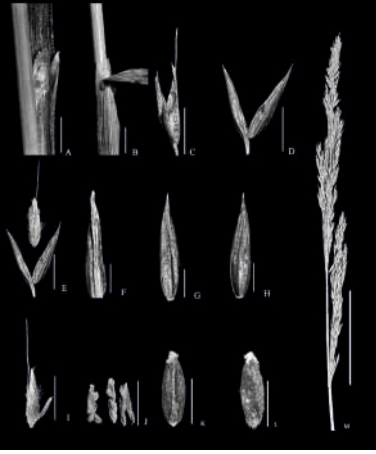
ऐस्कान्थस लाइनीएटस क्रेब (जैसनेरीऐसी)

पूर्वतः यह जाति दक्षिणी चीन, म्यांमार, थाईलैंड से ज्ञात थी, लेकिन हाल ही में भारत से सर्वप्रथम अरुणाचल प्रदेश के निचले सुबनसिरी जिले के “जीरो घाटी” से बने संग्रह के आधार पर प्रतिवेदित की गई है। जाति का मूल प्ररूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) के पादपालय में जमा किए गए हैं। अभिलेख मोमंग तारम व दीपांकर बोराह ने जैपने बॉट 96(1): 20.2021 में प्रकाशित किया है।

Aeschynanthus lineatus Craib (Gesneriaceae)

This species earlier known from Southern China, Myanmar, Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Ziro valley, Lower Subansiri District of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre,

Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Momang Taram and Dipankar Borah in J. Jpn. Bot. 96(1): 20. 2021.

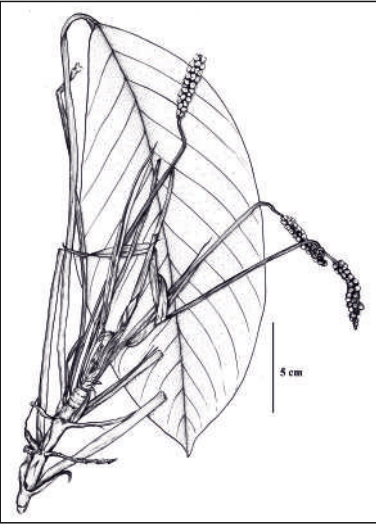


एग्रोस्टिस डसहंगेरिका (ताज़वेल्व)ताज़वेल्व (पोएसी)

इस जाति को मैकटोली ग्लेशियर ट्रेक, सुंदरहुंगा, बागेश्वर, उत्तराखंड से किये गये संग्रह के आधार पर भारत से पहली बार इस प्रजाति को प्रतिवेदित किया गया है। इसके नमूने सी.एस.आई.आर.राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तरप्रदेश (एल.डब्ल्यू.जी.) के पादपालय में संग्रहित किया गया। इसे हर्ष सिंह, दिलेश्वर प्रसाद, प्रियंका अग्निहोत्री व सरोजकांत बारिक ने जे जैपनी बॉट 96(4): 235.2021में प्रकाशित किया है।

Agrostis dshungarica (Tzvelev) Tzvelev (Poaceae)

This species has been reported for the first time from India based on the collection made from, Maiktoli Glacier Trek, Sunderdhunga, Bageshwar, Uttarakhand. The specimens are deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Harsh Singh, Dileshwar Prasad, Priyanka Agnihotri and Saroj Kanta Barik in J. Jpn. Bot. 96(4): 235. 2021.

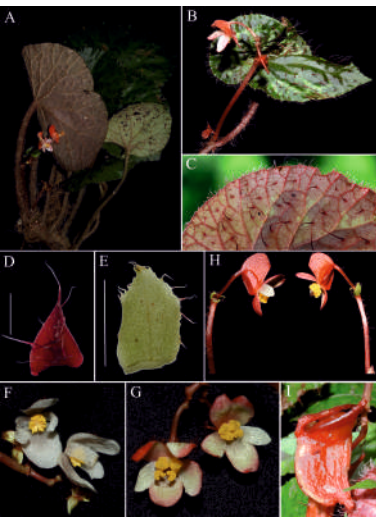


एनाडेज़म लेटिफोलियम हुक.एफ. (अरेएसी)

यह जाति पूर्वतः में चीन, भारत-चीन, इंडोनेशिया, मलेशिया और फिलीपींस से ज्ञात थी। अंडमान व निकोबार द्वीप समूह के “कच्छल द्वीप” से किये गये संग्रह के आधार पर इस प्रजाति को भारत में पहली बार प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के नमूने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान व निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) के पादपालय में संग्रहित किये गये है। अभिलेख एल. रासिंगम व के. कार्थिगेयन ने फाइटोटैक्सा 500 (2): 149.2021 में प्रकाशित किया है।

Anadendrum latifolium Hook.f. (Araceae)

This species earlier known from China, Indo-China, Indonesia, Malaysia and Philippines has been reported for the first time from India based on the collection made from Katchal Island of Andaman & Nicobar Islands. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman & Nicobar Islands (PBL). This has been published by Ladan Rasingam & Kaliyamurthy Karthigeyan in Phytotaxa 500 (2): 149. 2021.



बिगोनिया लिमप्रिचती इर्मर्च (बिगोनिएसी)

पूर्वतः यह जाति चीन के सिचॉन और युन्नान सेज्ञात थी। इस प्रजाति को अरुणाचल प्रदेश के ऊपरी सियांग जिले के कोमकार से किये गये संग्रहों के आधार पर भारत से सर्वप्रथम खोजा एवं प्रतिवेदित किया गया है। इसके नमूने केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल(सीएएल) में संग्रहित हैं। इस जाति की आईयूसीएन द्वारा प्रस्तावित संरक्षण स्थिति डेटा की कमी (डीडी) है। इस प्रजाति को भारत सेदीपांकर बोरा, मोमंगताराम व एरिक वाह्लस्टीन द्वारा बायोडिवर्. रेस. कंजर्व61: 29.2021में प्रकाशित किया गयाहै।

Begonia limprichtii Irmsch. (Begoniaceae)

This species earlier known from Sichuan and Yunnan in China has been reported for the first time from India based on the collection made from Komkar, Upper Siang district of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). Proposed IUCN Conservation status of the species is Data Deficient (DD). This has been published by Dipankar Borah, Momang Taram & Eric Wahlsteen in Biodiv. Res. Conserv. 61: 29. 2021.



बाल्बफिल्लम रिफ्लेक्सिपेटलम जे. डी. या, वाई. जे. गुओ व सी. लियू (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति को, भारत से सर्वप्रथम अरुणाचल प्रदेश के “जीरो घाटी”, निचले सुबनसिरी जिले के वन क्षेत्र से किए गए संग्रहों के आधार पर प्रतिवेदित किया है। इसके प्ररूपों को ऑर्किड रिसर्च सेंटर, टिप्पी, अरुणाचल प्रदेश (ओएचटी) एवं द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय के रीजनल ऑर्किड जर्मप्लाज्म कंजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर (असम परिमंडल), असम (टीओएसईएचआईएम) के पादपालयों में संग्रहित किया गया है। इसके अभिलेख को ख्यानजीत गोगोई व कोज रिन्या द्वारा रिचर्डियानामें 4: 10. 2020 में प्रकाशित किया है।

Bulbophyllum reflexipetalum J. D. Ya, Y. J. Guo & C. Liu (Orchidaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from forest area of Ziro Valley, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of The Orchid Research Centre, Tippi, Arunachal Pradesh (OHT) as well as The Orchid Society of Eastern Himalaya, Regional Orchid Germplasm Conservation and Propagation Centre (Assam Circle), Assam (TOSEHIM). This has been published by Khyanjeet Gogoi & Koj Rinya in Richardiana n. s. 4: 10. 2020.

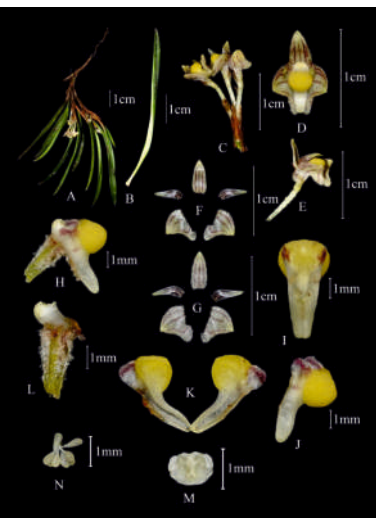


कैलामस आर्बोरिसेंस ग्रिफ. (अरेक्रेसी)

पूर्वतः म्यांमार व थाईलैंड से ज्ञात इस जाति को पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले के सितोंग क्षेत्र से किए गए संग्रहों के आधार पर भारत से सर्वप्रथम खोजा एवं प्रतिवेदित किया गया है। इस प्रजाति के प्ररूप उत्तर बंगाल विश्वविद्यालय, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल (एनबीयू) के वनस्पति विज्ञान विभाग के पादपालय में संग्रहित किये गये हैं। जाति के अभिलेख मंडल एस., बसु एस.के. एवं एम. चौधरी द्वारा रीडिया 31(2): 82. 2021 में प्रकाशित किया है।

Calamus arborescens Griff. (Arecaceae)

This species earlier known from Myanmar and Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Sittong area, Darjeeling district of West Bengal. The specimens are deposited in Herbarium of Department of Botany, North Bengal University, Siliguri, West Bengal (NBU). This has been published by Mondal S., Basu S.K. & M. Chowdhury in Rheedea 31(2): 82. 2021.



सेराटोस्टाइलिस सीयामेंसिस रॉल्फ एक्स डाउनी (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः यह जाति चीन, थाईलैंड, लाओस, वियतनाम से ज्ञात थी। भारत से सर्व प्रथम अरुणाचल प्रदेश के “जीरो घाटी”, निचले सुबनसिरी जिले के वन क्षेत्र से किए गए संग्रहों के आधार खोजा एवं प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्ररूप ऑर्किड रिसर्च सेंटर, टिप्पी, अरुणाचल प्रदेश (ओएचटी) एवं द ऑर्किड सोसाइटी ऑफ ईस्टर्न हिमालय, रीजनल ऑर्किड जर्मप्लाज्म कंजर्वेशन एंड प्रोपेगेशन सेंटर (असम परिमंडल), असम (टीओएसईएचआईएम) के पादपालयों में संग्रहित किया गया एवं अभिलेख ख्यानजीत गोगोई व कोज रिन्या द्वारा रिचर्डियाना 4: 135. 2020 में प्रकाशित किया है।

Ceratostylis siamensis Rolfe ex Downie (Orchidaceae)

This species earlier known from China, Thailand, Laos, Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from forest area of Ziro valley, Lower Subansiri district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of The Orchid Research Centre, Tippi, Arunachal Pradesh (OHT) as well as The Orchid Society of Eastern Himalaya, Regional Orchid Germplasm Conservation and Propagation Centre (Assam Circle), Assam (TOSEHIM). This has been published by Khyanjeet Gogoi & Koj Rinya in Richardiana n.s. 4: 135. 2020.



कमेलीना इरेक्टा एल. (कोमिलिनीएसी)

पूर्वतः यह जाति उष्णकटिबंधीय अफ्रीका, मध्य पूर्व और समशीतोष्ण एवं उष्णकटिबंधीय अमेरिका, थाईलैंड से ज्ञात थी। भारत से इसे आंध्र प्रदेश के, गुंटूर जिले के कोंडावीडु किले से किए गए संग्रहण के आधार पर खोजा एवं प्रतिवेदित किया गया है। इस प्रजाति के प्ररूप बीएसआई, बीएसआईडी, सीएएल, एनजीसीपीआर में संग्रहित किया गया है। इस जाति के अभिलेख को महेंद्रनाथ मिट्टा वमयूर डी. नंदीकर ने निलम्बो 63(2):15.2021. में प्रकाशित किया है।

Commelina erecta L. (Commelinaceae)

This species earlier known from tropical Africa, Middle East, and temperate and tropical America, Thailand has been reported for the first time from India based on the collection made from Kondaveedu fort, Guntur district, Andhra Pradesh. The specimens are deposited in BSI, BSID, CAL, NGCPR. This has been published by Mahendra Nath Mitta and Mayur D. Nandikar in Nelumbo 63 (2): 15. 2021.



सिटोसिया इन्ट्राना (रॉल्फ एक्स डाउनी) गैरे (ऑर्किडेएसी)

पूर्वतः यह जाति वियतनाम, थाईलैंड एवं लाओस से ज्ञात थी। भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के सेसा आर्किड अभयारण्य से लिए गए पादप प्ररूप आधार पर खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रारूपों को आर्किड रिसर्च सेंटर, टिप्पी, अरुणाचल प्रदेश (ओएचटी) में संग्रहित किया गया है। इसे ख्यान जीत गोगोई व जुमटर न्योरक द्वारा रिचर्डियाना एन.एस. 5: 345.2021 में प्रकाशित किया है।

Cyrtosia integra (Rolfe ex Downie) Garay (Orchidaceae)

This species earlier known from Vietnam, Thailand and Laos has been reported for the first time from India based on the collection made from Sessa Orchid Sanctuary, West Kameng district, Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in

Orchid Research Centre Tippi, Arunachal Pradesh (OHT). This has been published by Khyanjeet Gogoi & Jumter Nyorak in Richardiana n.s. 5: 345.2021.



डॉयोस्कोरिया ड्यूमेटोरम (कुंथ) टी. डूरंड व एच. शिन्ज़ (डायोस्कोरेएसी)

पूर्वतः यह प्रजाति नाइजीरिया, गैबॉन, उबांगी-शरी, जिम्बाब्वे, मोजाम्बिक, दक्षिण अफ्रीका, इथियोपिया, सेनेगल, कैमरून से ज्ञात थी, भारत से पहली बार ओडिशा के नयागढ़ जिले के संभव में रोहि बैंक गांव से किए गए संग्रह के आधार पर खोजा व प्रतिवेदित किया गया एवं जाति के प्रारूपों को अंबिका प्रसाद रिसर्च फाउंडेशन, ओडिशा (एपीआरएफएच) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसके अभिलेख को स्वेटा मिश्रा व संजीत कुमार ने स्पीसिज 22(69): 85. 2021 में प्रकाशित किया है।

Dioscorea dumetorum (Kunth) T. Durand & H. Schinz. (Dioscoreaceae)

This species earlier known from Nigeria, Gabon, Ubangi-Shari, Zimbabwe, Mozambique, South Africa, Ethiopia, Senegal, Cameroon has been reported for the first time from India based on the collection made from Rohibank village at Sambhav, Nayagarh district of Odisha. The specimens are deposited in Herbarium of Ambika Prasad Research Foundation, Odisha (APRFH). This has been published by Sweta Mishra, Sanjeet Kumar in Species 22(69): 85. 2021.



एरियोक्लोआ मेयेरियाना(नीस) पिलज. (पोएसी)

पूर्वतः अफ्रीका, एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस जाति को भारत से आचार्य जगदीश चंद्र बोस भारतीय वनस्पति उद्यान, शिबपुर, हावड़ा, पश्चिम बंगाल से किये गये संग्रह के आधार पर खोजा एवं प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के नमूने केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय , हावड़ा, पश्चिम बंगाल(सीएएल) में संग्रहित किया गया है एवं इस अभिलेख को श्राबस्ती दास, के. अलताफ अहमद कबीर व के. कार्तिगेयन ने निलम्बो 63(1): 28.2021में प्रकाशित किया है।

Eriochloa meyeriana (Nees) Pilg. (Poaceae)

This species earlier known from Africa, Asia and Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from Acharya Jagadish Chandra Bose Indian Botanic Garden, Shibpur, Howrah, West Bengal. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Shrabasti Das, K. Althaf Ahamed Kabeer and K. Karthigeyan in Nelumbo 63(1): 28. 2021.

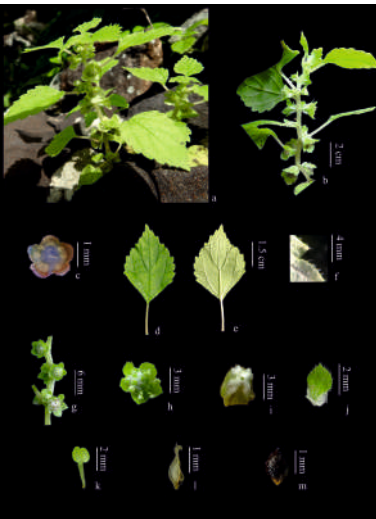


फेगोपायरम यूरोफायलम ब्यूरो एवं फ्रांच.) एच. ग्रास (पोलिगोनेसी)

पूर्व में दक्षिण एवं मध्य चीन से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार नामची, दक्षिण जनपद, सिक्किम से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया जाता है। इसके प्रतिरूपों को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। आईयसीएन मानदंडों के आधार पर इस जाति को अति लुप्तप्राय (सीआर) की श्रेणी में रखा गया है। इस शोध को दास एम. एवं एस.एस. दाश द्वारा रीडिया: 31(4): 301.2021में प्रकाशित किया गया है।

Fagopyrum urophyllum (Bureau & Franch.)H.Gross (Polygonaceae)

This species earlier known from south and central China has been reported for the first time from India based on the collection made from Namchi, South district, Sikkim. The specimens are deposited in Herbarium of Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). The species is assessed as Critically Endangered (CR) following IUCN guidelines. This has been published by Das M. & S.S. Dash in Rheedea: 31(4): 301.2021.

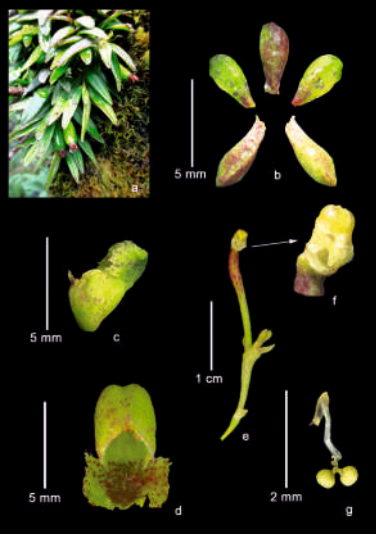


फोर्स्काओलिया विरिडिस एहरेनब एक्स वेब (अर्टीकीएसी)

पूर्वतः अंगोला, केपवर्दे, जिबूती, मिस्र, इरिट्रिया, इथियोपिया, केन्या, नामीबिया, ओमान, सऊदीअरब, सोकोट्रा, सोमालिया, सूडान, तंजानिया, यमन से ज्ञात इस जाति को भारत से गुजरात राज्य के कच्छ जिले की धिनोदर पहाड़ियों से सर्वप्रथम किए संग्रह के आधार पर खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रारूपों को महाराजा सियाजी राव विश्वविद्यालय बड़ौदा, वडोदरा, गुजरात के वनस्पतिविज्ञान विभाग के पादपालय (वीएआरओ) में संग्रहित किया गया है। इस प्रजाति अभिलेख को ठाकर के., पोकर आर., सुमरा के., नागर पी. व पी. जोशी द्वारा रीडिया 31(1): 35.2021 में प्रकाशित किया है।

Forsskaolea viridis Ehrenb. ex Webb (Urticaceae)

This species earlier known from Angola, Cape Verde, Djibouti, Egypt, Eritrea, Ethiopia, Kenya, Namibia, Oman, Saudi Arabia, Socotra, Somalia, Sudan, Tanzania, Yemen has been reported for the first time from India based on the collection made from Dhinodhar hills, Kachchh district of Gujrat. The specimens are deposited in Herbarium of Department of Botany, Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodra, Gujrat (BARO). This has been published by Thacker K., Pokar R., Sumra K., Nagar P. & P. Joshi in Rheedea 31(1): 35. 2021.



गैस्ट्रोचिलस येई जे. डब्ल्यू. ली व एक्स. एच. जिन (ऑर्किडेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति को भारत से सिक्किम के उत्तरी सिक्किम जिले के लाचुंग से कटाओ के रास्ते में किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार रिपोर्ट किया गया है। जाति के प्रतिरूप सिक्किम हिमालयी क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम (बीएसएचसी) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस प्रजाति का मूल्यांकन अंतर्राष्ट्रीय प्रकृति संरक्षण संघ (IUCN) के दिशानिर्देशों के अनुसार अति लुप्तप्रय (सीआर) के रूप में किया गया है। इस अभिलेख को दिनेश कुमार अग्रवाल, अविषेक भट्टाचार्य, जे.एस. जलाल व छाया देवरी ने निलम्बो 63(1): 30.2021 में प्रकाशित किया है।

Gastrochilus yei J.W. Li & X.H. Jin (Orchidaceae)

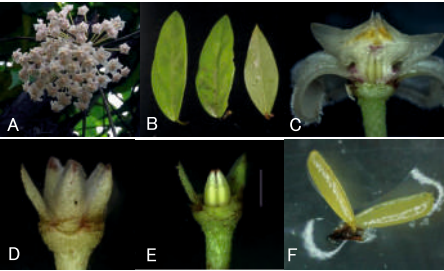
This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made on the way from Lachung to Katao, North Sikkim District of Sikkim. The specimens are deposited in Herbarium of Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok, Sikkim (BSHC). The species has been assessed as Critically Endangered following IUCN guidelines. This has been published by Dinesh Kumar Agrawala, Avishek Bhattacharjee, J.S. Jalal and Chaya Deori in Nelumbo 63(1): 30. 2021.

जेंटियाना प्रेटीकोला फ्रेंचेट (जेंटियानेसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस जाति को भारत से मणिपुर के सेनापति जिले की खुंघो पहाड़ियों से 2380 मी. ऊंचाई से किये गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रतिरूप एफ आरएलएच राष्ट्रीय पादपालय, बेंगलुरु, कर्नाटक में संग्रहित हैं। इस अभिलेख को धत्तचनमूर्ति, क्रेनी लोखो व एस. नूरुनिसा बेगम द्वारा इंडियन फोरेस्टर 147(12): 1239. 2021 में प्रकाशित किया है।

Gentiana praticola Franchet (Gentianaceae)

This species earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Khungho hills, Senapati district, Manipur at 2380 m altitude. The specimens are deposited in FRLH National Herbarium, Bengaluru, Karnataka. This has been published by N. Dhatchanamoorthy, Kreni Lokho, S. Noorunnisa Begum in Indian Forester, 147(12): 1239. 2021.



होया ओरियोजेना केर (एपोसॉयनेसी)

पूर्वतः चीन, थाईलैंड, म्यांमार व वियतनाम से ज्ञात इस जाति को भारत से अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी सियांग, पापुमपारे जिलों से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रतिरूप एचएयू के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख मिशेल रोड्डा, दीपांकर बोरा व मोमंग तारम ने जे. जैपेनी बॉट. 96(1): 25.2021 में प्रकाशित किया है।

Hoya oreogena Kerr (Apocynaceae)

This species earlier known from China, Thailand, Myanmar and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from East Siang, Papum Pare districts of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of HAU. This has been published by Michele Rodda, Dipankar Borah and Momang Taram in J. Jpn. Bot. 96(1): 25. 2021.



जैक्वेमोंटिया टैमनिफोलिया (एल.) ग्रिसेब. (कोन्वुल्वुलेसी)

पूर्वतः मस्कारेने द्वीपसमूह, मेडागास्कर, उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अमेरिका (अर्जेटीना से दक्षिणी संयुक्त राज्य अमेरिका), उष्णकटिबंधीय और दक्षिण अफ्रीका से ज्ञात इस जाति को भारत से गुजरात के पाटन जिले के ने दरागांव से पहली बार किए गए संग्रह के आधार पर प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रतिरूप गुजरात के वनस्पतिविज्ञान, एस.पी.टी.आर्ट्स एंड साइंस कॉलेज, गोधरा के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख पटेल पी.के. के द्वारा रीडिया 31(1): 39.2021 में प्रकाशित किया है।

Jacquemontia tamnifolia (L.) Griseb. (Convolvulaceae)

This species earlier known from Mascarene Islands, Madagascar, Tropical and Subtropical Americas (Argentina to Southern United States), Tropical and South Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Nedra village, Patan district of Gujarat. The specimens are deposited in Herbarium of Department of Botany, SPT Arts & Science College, Godhra, Gujarat. This has been published by Patel P.K. in Rheedeia 31(1): 39. 2021.



मेसा मेम्ब्रानेसिया अल्फोंस डी केंडोले (प्रारंभुलीएसी)

पूर्वतः दक्षिण मध्य और दक्षिण पूर्व चीन (गुआंगशी, हैनान और युन्नान), कंबोडिया और वियतनाम से ज्ञात यह जाति, भारत से मणिपुर के सेनापति जिले के करालेगांव से 1659 मी. ऊंचाई से पहली बार किए गए संग्रह के आधार पर खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इस जाति के प्रतिरूपों को औषधीय पादप राष्ट्रीय पादपालय (एफआरएलएच) में संग्रहित हैं। अभिलेख एन. धत्तचनमूर्ति, एस. नूरुन्निसा बेगम व क्रिनी लोखो ने रिचार्डियाना 5: 225.2021 में प्रकाशित किया है।

Maesa membranacea Alphonse de Candolle (Primulaceae)

This species earlier known from South Central and South East China (Guangxi, Hainan and Yunnan), Cambodia and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Karale village, Senapati district, Manipur at 1659 m altitude. The specimens are deposited in National Herbarium of Medicinal plants (FRLH). This has been published by N.

Dhatchanamoorthy, S. Noorunnisa Begum & Kreni Lokho in Richardiana n.s. 5: 225. 2021.

नियोपिक्रोरिजा मिनिमा आर.आर.मिल (प्लांटजिनिऐसी)

पूर्वतः भूटान (त्रोंगसा और बुमथांग जिलों) से ज्ञात इस जाति को भारत से अरुणाचल प्रदेश के क्यो-त्सो लेक, तवांग जिले के पास से 3820मी. ऊंचाई से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया है। इस जाति के प्रतिरूप राजीव गांधी विश्वविद्यालय, अरुणाचल प्रदेश के वनस्पतिविज्ञान विभाग के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख दीपांकर बोरा और राजीव कुमार सिंह ने मंगोलियाई जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल साइंसेज में प्रकाशित किया है।

Neopicrorhiza minima R.R. Mill (Plantaginaceae)

This species earlier known from Bhutan (Trongsa and Bumthang districts) has been reported for the first time from India based on the collection made near Kyo-tso lake, Tawang district, Arunachal Pradesh at 3820 m altitude. The specimens are deposited in Herbarium of Department of Botany, Rajiv Gandhi University, Arunachal Pradesh. This has been published by Dipankar Borah and Rajeev Kumar Singh in Mongolian Journal of Biological Sciences.

ओरोबैंक कुमाना वालरोथ (ओरोबैंकिएसी)

पूर्वतः पूर्वी यूरोप से साइबेरिया और पश्चिमी और उत्तरी चीन में जाना जाता था, भारत से हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले कुल्लू घाटी में स्थित आर्टेमिसिया समृद्ध पहाड़ी चरागाह, झिरीसे किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इस जाति के प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल(सीएल) एवं औषधीय पादप राष्ट्रीय पादपालय (एफआरएलएच) में जमा किये गये हैं। अभिलेख आशुतोष शर्मा, निधान सिंह, डी.एस. रावत व सोम दत्त शर्मा ने रिचार्डियानामें 5:193. 2021 प्रकाशित किया है।

Orobanche cumana Walroth (Orobanchaceae)

This species earlier known from Eastern Europe to Siberia and Western and Northern China has been reported for the first time from India based on the collection made from Artemisia rich hilly pastureland, Jhiri, Kullu valley (Mandi District), Himachal Pradesh. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and in National Herbarium of Medicinal plants (FRLH). This has been published by Ashutosh Sharma, Nidhan Singh, D. S. Rawat, Som Dutt Sharma in Richardiana n.s. 5:193. 2021.



फालेनोप्सिस विल्सोनी रॉल्फ (ऑर्किडेएसी)

पूर्वतः यह जाति चीन एवं संभवतः उत्तरी वियतनाम से जानी जाती थी। भारत से नागालैंड के जुन्हे भोटो जिले के किथसकिता से पहली बार किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप नागालैंड विश्वविद्यालय के पादपालय में जमा किए गए हैं। अभिलेख कम्बा जे. व सी.आर. देब द्वारा रिडिया 31(3):198.2021 में प्रकाशित किया है।

Phalaenopsis wilsonii Rolfe (Orchidaceae)

This species earlier known from China and likely from northern Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Kithsakita, Zunhebphoto district, Nagaland. The specimens are deposited in Nagaland University Herbarium. This has been published by Kamba J. & C.R. Deb in Rheedea 31(3): 198. 2021.



प्रेमना मईक्रंथा शॉअर (लैमियेएसी)

पूर्वतः इस जाति को सिलहट, बांग्लादेश से जाना जाता था, भारत से अरुणाचल प्रदेश के पक्के-के सांग जिले में से जोसा सर्कल से पहली बार किए गए संग्रह के आधार पर खोजी व प्रतिवेदित की है। इसके प्रारूप पतंजलि अनुसंधान संस्थान पादपालय, हरिद्वार, उत्तराखंड(पीआरएफएच) में जमा किए गये हैं। यह अभिलेख आचार्य बालकृष्ण, भास्कर जोशी, अनुपम श्रीवास्तव, राम शंकर, आकिब, राजेश कुमार मिश्रा, आशीष कुमार, संगम शर्मा, अमित कुमार व उदय भान प्रजापति ने इंडियन फॉरेस्टर 147 (4): 419.2021 में प्रकाशित किया है।

Premna micrantha Schauer (Lamiaceae)

This species earlier known from Sylhet, Bangladesh has been reported for the first time from India based on the collection made from Seijosa Circle in Pakke-Kessang district of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Patanjali Research Foundation Herbarium, Haridwar, Uttarakhand (PRFH). This has been published by Acharya Balkrishna, Bhasker Joshi, Anupam Srivastava, Rama Shankar, Aqib, Rajesh Kumar Mishra, Aashish Kumar, Sangam Sharma, Amit Kumar, Uday Bhan Prajapati in Indian Forester, 147 (4): 419. 2021.

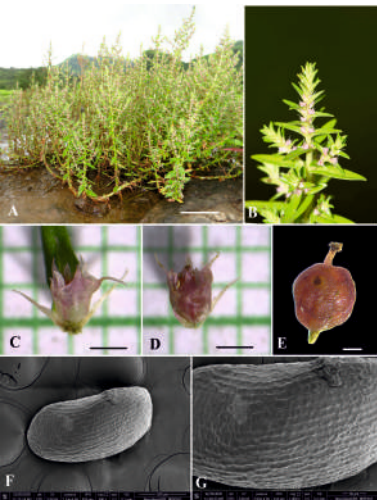


रेहडेरोंडेंड्रोन माइक्रोकार्पम के.एम. फेंग एक्स टी.एल. मिंग (स्टॉयरेकैएसी)

पूर्वतः यह जाति दक्षिण पूर्वी एशिया और मुख्य रूप से दक्षिणी चीन, म्यांमार, वियतनाम से ज्ञात थी। भारत से पहली बार अरुणाचल प्रदेश के पूर्वी कामेंग जिले के चियांग ताजो ब्लॉक से किए गए संग्रह के आधार पर खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके नमूने भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (एआरयूएन) के पादपालय एवं केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित हैं। इसे उमेश कुमार एल. तिवारी व सुधांशु शेखर दास ने निलम्बो 63(1):15.2021 में प्रकाशित किया है।

Rehderodendron microcarpum K.M. Feng ex T.L. Ming (Styracaceae)

This species earlier known from SE Asia and predominantly from south China, Myanmar, Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from Chiyang Tajo block, East Kameng district of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium, Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN) and in Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Umeshkumar L. Tiwari and Sudhansu Sekhar Dash in Nelumbo 63(1): 15. 2021.

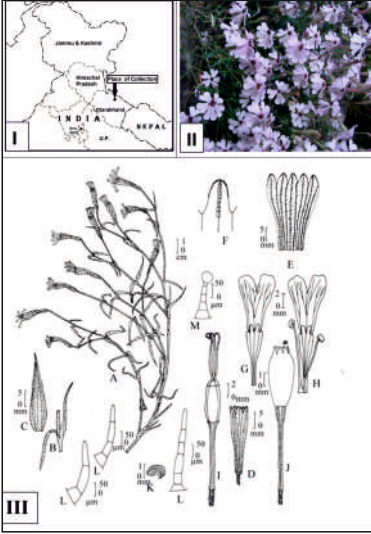


रोटाला जूनीपेरिना ए.फर्न (लिथ्रेएसी)

पूर्वतः यह जाति अफ्रीका (कांगो के पूर्वी ज़ैरे, जाम्बिया, मलावी) से ज्ञात थी। भारत से महाराष्ट्र के उत्तरी पश्चिमी घाट से किये गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके प्रतिरूप एस.पी.पी.यू.के पादपालय, अगरकर पादपालय, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (ए.एच.एम.ए.), केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में जमा किए गए हैं। इसे अरुण प्रशांत, ओशिन ए. शर्मा और मिलिंद एम. सरदेसाई ने फाइटोटैक्सा 514 (2): 168. 2021 में प्रकाशित किया है।

Rotala juniperina A. Fern. (Lythraceae)

This species earlier known from Africa (East Zaire of Congo, Zambia, Malawi) has been reported for the first time from India based on the collection made from northern Western Ghats, Maharashtra. The specimens are deposited in Herbarium of SPPU, Agharkar Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA), Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Arun Prasanth, Oshin A. Sharma & Milind M. Sardesai in Phytotaxa 514 (2): 168. 2021.



सिलीन इन्कारविफोलिया कार. एवं किर. (कैरियोफिल्लेसी)

पूर्वतः यह जाति चीन (दक्षिण-पूर्व झिंजियांग), किर्गिस्तान, कजाकिस्तान एवं रूस से ज्ञात थी। भारत से उत्तराखंड के चमोली के हनुमान चट्टी क्षेत्र से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय हर्बोरियम, पंतनगर, उत्तराखंड (जीबीपीयूएच) में संग्रहित हैं। इसे सतीश चंद्र व डी.एस. रावत ने नेटल. एकेड. साइ. लेट. 2020, <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00945-9> में प्रकाशित किया है।

Silene incurvifolia Kar.& Kir. (Caryophyllaceae)

This species earlier known from China (South-East Xinjiang), Kyrgyzstan, Kazakhstan, and Russia has been reported for the first time from India based on the collection made from Hanuman Chatti area of Chamoli, Uttarakhand. The specimens are deposited in Govind Ballabh Pant University Herbarium Pantnagar, Uttarakhand (GBPUH). This has been published by Satish Chandra, D. S. Rawat in Natl. Acad. Sci. Lett. 2020. <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00945-9>.

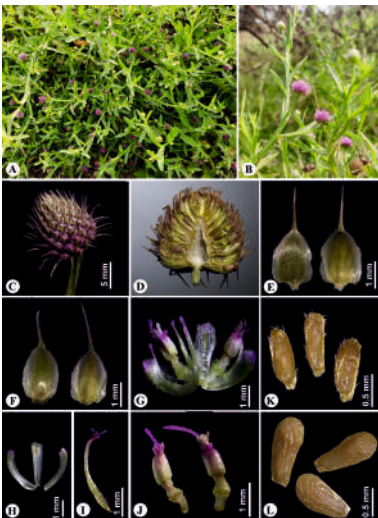


स्पैथोग्लॉटिस एफिनिस डे व्रीसे (ऑर्किडेएसी)

पूर्वतः इस जाति को पूर्व में बांग्लादेश, कंबोडिया, लाओस, मलेशिया, म्यांमार, थाईलैंड और वियतनाम से जाना जाता था। भारत से मेघालय की पश्चिमी जयंतिया हिल्स, कुडेंगथिमई गांव के पास, सुईसिंक्यु लिविंग रूटब्रिज से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (ए.एस.एस.ए.एम.) के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख जीवन सिंह जलाल, छाया देवरी, सी. मुरुगन, एन. ओडियू, बी.एस. खोलिया, डेविड लालसामा बियेते, एस. आर. तालुकदार और वाई. महेश ने निलम्बो 63 (2): 90. 2021 में प्रकाशित किया है।

Spathoglottis affinis de Vriese (Orchidaceae)

This species earlier known from Bangladesh, Cambodia, Laos, Malaysia, Myanmar, Thailand and Vietnam has been reported for the first time from India based on the collection made from West Jaintia Hills, near Kudengthymmai Village, Sui Synkew Living Root Bridge, Meghalaya. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). This has been published by Jeewan Singh Jalal, Chaya Deori, C. Murugan, N. Odyuo, B. S. Kholia, David Lalsama Biata, S. R. Talukdar and Y. Mahesh in Nelumbo 63 (2): 90.2021.



स्पैरेन्थस गोम्फ्रेनोइड्स हॉफमैन (कम्पोसिटी)

पूर्वतः यह जाति अफ्रीका (कांगो, केन्या, तंजानिया, युगांडा, जाम्बिया और जिम्बाब्वे) से ज्ञात थी, भारत से महाराष्ट्र के वबलवाड़ी, शिकारापुर, पुणे जिले से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके प्रतिरूप पुणे सावित्रीबाई फुले, विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र (एसपीपीयू) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बी.एस.आई) के पादपालयों में संग्रहित हैं। अभिलेख वर्षा वी. निंबालकर, ओशिन ए. शर्मा, मिलिंद एम. गिरधारी व मिलिंद एम. सरदेसाई ने फाइटोटैक्सा 514 (3): 298.2021 में प्रकाशित किया है।

Sphaeranthus gomphrenoides Hoffmann (Compositae)

This species earlier known from Africa (Congo, Kenya, Tanzania, Uganda, Zambia, and Zimbabwe) has been reported for the first time from India based on the collection made from Wablewadi, Shikrapur, Pune, Maharashtra. The specimens are deposited in Herbarium of Savitribai Phule Pune University (SPPU), Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). This has been published by Varsha V. Nimbalkar, Oshin A. Sharma, Milind M. Girdhari & Milind M. Sardesai in Phytotaxa 514 (3): 298. 2021.



स्टैडिओचिलस बर्मानिकस आर. एम. एसएम. (ज़िजिबेसी)

पूर्वतः म्यांमार (काचिन राज्य) से ज्ञात इस जाति को, भारत से नागालैंड के तुएंगसांग जिले के वोशुगांव से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएएम) के पादपालय में संग्रहित हैं। इस जाति को आईयूसीएन के वर्गीकरण मानदंडों के अनुसार नई प्रजातियों को लुप्तप्राय (ईएन) के रूप में मूल्यांकित किया गया है। अभिलेख डी.के.रॉय, आर.लिटन, डी.एल.बायेट व एन.ओडियुओ ने टर्कजानिनोविया 24, 4: 48.2021 में प्रकाशित किया है।

Stadiochilus burmanicus R. M. Sm. (Zingiberaceae)

This species earlier known from Myanmar (Kachin State) has been reported for the first time from India based on the collection made from Woashu Village, Tuengsang district, Nagaland. The specimens are deposited in Herbarium of Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The new species is assessed as Endangered (EN) following IUCN guidelines. This has been published by D. K. Roy, R. Lytan, D. L. Biate, N. Odyuo in Turczaninowia 24, 4: 48. 2021.

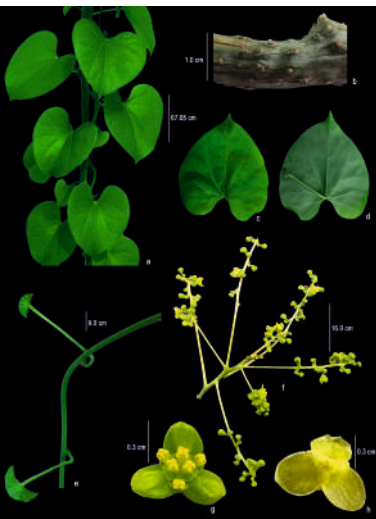


स्ट्रोबिलैन्थेस रेप्टन्स (जी.फॉरस्ट.) मोयलन एक्स वाई.एफ.डेंग एवं जे.आर.आई.वुड (एकैन्थेसी)

पूर्वतः ताइवान, जापान, सिंगापुर, इंडोनेशिया, फिलीपींस, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया, मेलानेशिया, न्यू कैलेडोनिया, पोपुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस जाति को, भारत से अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग जिले के टिप्पी से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महाराष्ट्र (एचबीएआरसी) के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख सरमाजे., बरभुइया एच.ए., डे एस. व सी.के. सालुंखे ने रिडिया 31(2): 58. 2021 में प्रकाशित किया है।

Strobilanthes reptans (G.Forst.) Moylan ex Y.F.Deng & J.R.I.Wood (Acanthaceae)

This species earlier known from Taiwan, Japan, Singapore, Indonesia, Philippines, Northern Australia, Melanesia, New Caledonia, Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on the collection made from Tippi, West Kameng district of Arunachal Pradesh. The specimens are deposited in Herbarium of Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra (HBARC). This has been published by Sarma J., Barbhuiya H.A., Dey S.& C.K. Salunkhe in Rheedia 31(2): 58. 2021.

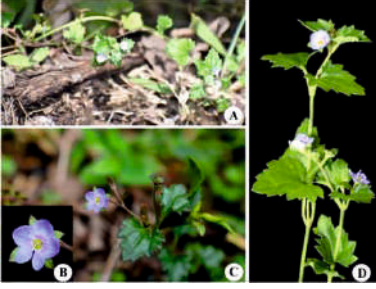


टिनोस्पोरा मेरिलियाना डायल्स (मैनीस्पर्मैसी)

पूर्वतः इस जाति को पूर्व में बोर्नियो, फिलीपींस सुलावेसी से दक्षिण पूर्वी एशिया से दक्षिण एशिया में जाना जाता था, भारत से मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के तेल्याबाबा वन रेंज से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) के पादपालय में जमा किए गए हैं। अभिलेख मिश्राएस., ख्रिस्ती एस.एम. व एस. रं ने रिडिया 31(2): 62. 2021 में प्रकाशित किया है।

Tinospora merrilliana Diels (Menispermceae)

This species earlier known from Southeast Asia to South Asia from Borneo, Philippines Sulawesi has been reported for the first time from India based on the collection made from Telyababa forest range, Burhanpur district, Madhya Pradesh. The specimens are deposited in Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). This has been published by Mishra S., Khristi S.M. & S. Ray in Rheedia 31(2): 62. 2021.



वेरोनिका प्लेबीया आर. बीआर (प्लांटागिनेसी)

पूर्वतः ऑस्ट्रेलिया (न्यू साउथ वेल्स, क्वींसलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया, तस्मानिया, विक्टोरिया, पश्चिमी ऑस्ट्रेलिया) से ज्ञात इस जाति को भारत से तमिलनाडु के नीलगिरी के मार्लिमंड झील से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोज व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) में संग्रहित हैं। अभिलेख रेखा जी. एवं के.ए. सुजाना ने इंडियन फॉरेस्टर, 147(7): 690. 2021. में प्रकाशित किया है।

Veronica plebeia R. Br (Plantaginaceae)

This species earlier known from Australia (New South Wales, Queensland, South Australia, Tasmania, Victoria, Western Australia) has been reported for the first time from India based on the collection made from Marlimund lake, Niligiri, Tamil Nadu. The specimens are deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). This has been published by Rekha G. and K. A. Sujana in Indian Forester, 147 (7): 690. 2021.

उपजाति अभिलेख / SUBSPECIES RECORDS

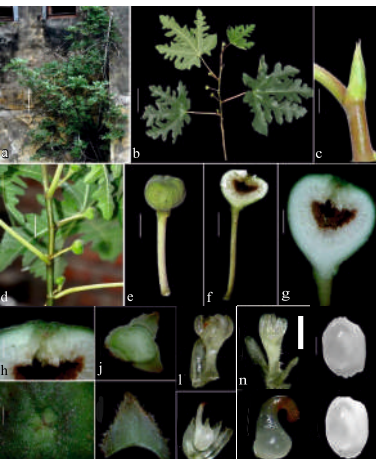


डेस्मोडियम हेटरोकार्पन एल. डी.सी. उपजाति **ओवलीफोलियम** (प्रेन) एच. ओहासी (फेबेसी)

पूर्वतः यह उपजाति उष्णकटिबंधीय दक्षिण पूर्व एशिया, चीन, श्रीलंका, म्यांमार, थाईलैंड, मलेशिया, फिलीपींस, इंडोनेशिया और प्रशांत द्वीप से ज्ञात थी। भारत से अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह के दक्षिण अंडमान के शोल बे, माउंट हैरियट, राइट मायो से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान व निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) के पादपालय में संग्रहित हैं। अभिलेख एम. चेन्ना केसावुलु नाइक व लालजी सिंह द्वारा स्पिसीज़, 22(69): 82. 2021 में प्रकाशित किया है।

Desmodium heterocarpon L. DC. subsp. **ovalifolium** (Prain) H. Ohashi (Fabaceae)

This sub species earlier known from Tropical Southeast Asia, China, Sri Lanka, Myanmar, Thailand, Malaysia, Philippines, Indonesia and Pacific Island has been reported for the first time from India based on the collection made from Shoal Bay, Mount Harriet, Write Myo, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in herbarium of Andaman and Nicobar Regional Centre, Botanical Survey of India, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). This has been published by M. Chenna Kesavulu Naik & Lal Ji Singh in Species 22(69): 82. 2021.



फाइकस जोहानिस बॉइस. उपजाति **अफगानिस्तानिका** (वर्ब) ब्रोविकज़ (मौरैसी)

पूर्वतः यह जाति अफगानिस्तान, ईरान, तदज़िकिस्तान, तुर्की, तुर्कमेनिस्तान और उजबेकिस्तान से ज्ञात थी। भारत से मध्यप्रदेश के बुरहानपुर एवं खंडवा जिले तथा महाराष्ट्र के भंडारा जिले से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजी व प्रतिवेदित की गई है। इसके प्रतिरूप भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र प्रयागराज, उत्तरप्रदेश के पादपालयों में संग्रहित हैं। अभिलेख शेख मुजफ्फर, अर्जुन प्रसाद तिवारी, प्रवीण चंद्र दुबे, जगन्नाथ विश्वनाथ गडपयाले और जन वेंकट सुधाकर ने जे. जैपनी. बॉट 96(1): 21. 2021. में प्रकाशित किया है।

Ficus johannis Boiss. subsp. **afghanistanica** (Warb.) Browicz (Moraceae)

This sub species earlier known from Afghanistan, Iran, Tadjhikistan, Turkey, Turkmenistan and Uzbekistan has been reported for the first time from India based on the collection made from Khandwa district and Burhanpur district of Madhya Pradesh and Bhandara district of Maharashtra. The specimens are deposited in herbarium of Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad, Uttar Pradesh (BSA) and Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). This has been published by Shaikh Mujaffar, Arjun Prasad Tiwari, Praveen Chandra Dubey, Jagannath Vishwanath Gadpayale & Jana Venkata Sudhakar in J. Jpn. Bot. 96(1): 21. 2021.

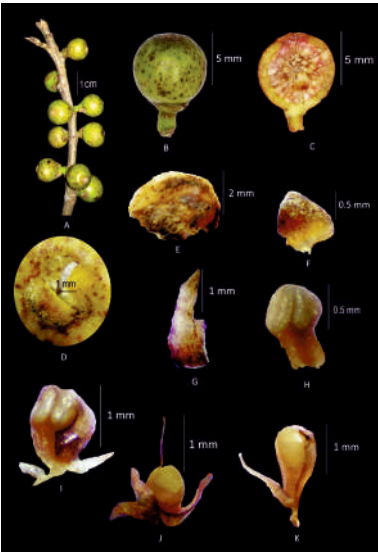
प्रभेदीय अभिलेख / VARIETAL RECORDS



सेफालांथेरा एरेक्टा (थुम्ब.) ब्लूम प्रभेद **अबलन्सीओलेटा** एन. पीयर्स एवं पी.जे. क्रीब (ऑर्कीडीएसी)
पूर्वतः भूटान से ज्ञात इस प्रभेद को भारत से उत्तराखंड के चमोली के घड़सारी मंडल के पास किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके प्रतिरूप केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) के पादपालय में संग्रहित हैं। यह प्रजाति क्षेत्रीय मूल्यांकन दिशानिर्देश (आईयूसीएन) के अनुसार लुप्तप्राय ° के रूप में मूल्यांकित की गई है। अभिलेख को मनोज सिंह, हरीशनेगी, जीवन सिंह जलाल व दिनेश कुमार अग्रवाला ने निलम्बो, 63(1): 21. 2021 में प्रकाशित किया है।

Cephalanthera erecta (Thunb.) Blume var. **oblanceolata** N. Pearce & P.J. Cribb (Orchidaceae)

This variety earlier known from Bhutan has been reported for the first time from India based on the collection made near Gharsari Mandal, Chamoli, Uttarakhand. The specimens are deposited in Herbarium of Central National Herbarium, Howrah, West Bengal (CAL). This variety is assessed as Endangered° as per the IUCN regional assessment guidelines. This has been published by Manoj Singh, Harish Negi, Jeewan Singh Jalal & Dinesh Kumar Agrawala in Nelumbo 63(1): 21. 2021.



फाइकस वारेन्स आइटन प्रभेद **डिस्पर्सि** चान्टारस. (मोरेसी)

पूर्वतः मलेशिया, इंडोनेशिया, पापुआ न्यू गिनी और पूर्वी ऑस्ट्रेलिया से ज्ञात इस प्रभेद को भारत से केरल में इडुक्की जिले के जंगलों से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। अभिलेख श्रीहरि सिवन नायर, कंदारुमदाथिल हैदर अमिता बच्चन व पदियारा जॉय एबिन ने बायोडिव. रेस. कंजर्व. में 63: 41. 2021 प्रकाशित किया है।

Ficus virens Aiton var. **dispersa** Chantaras. (Moraceae)

This variety earlier known from Malaysia, Indonesia, Papua New Guinea and East Australia has been reported for the first time from India based on the collection made from forests of Idukki district in Kerala. This has been published by Sreehari Sivan Nair, Kandarumadathil Hyder Amitha Bachan & Padiyara Joy Ebin in Biodiv. Res. Conserv. 63: 41. 2021.



जेंटियानोप्सिस पेलूडोसा (हुक. एफ.) मा प्रभेद **अल्पिना** टी. एन. एचओ (जैन्सीयानेएसी)

पूर्वतः चीन से ज्ञात इस प्रभेद को भारत में केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख के ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र से किए गए संग्रह के आधार पर पहली बार खोजा व प्रतिवेदित किया गया है। इसके नमूने कश्मीर पादपालय, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर (केएसएच) में संग्रहित हैं। अभिलेख बानू एस., गुलज़ार आर., इस्लाम टी., गनी ए. एच. व ए.ए. खुरू द्वारा रीडिया में 31(2): 72. 2021 प्रकाशित किया है।

Gentianopsis paludosa (Hook.f.) Ma var. **alpina** T.N.Ho (Gentianaceae)

This variety earlier known from China has been reported for the first time from India based on the collection made from Trans-Himalayan region of Ladakh. The specimens are deposited in Kashmir Herbarium, University of Kashmir, Jammu & Kashmir (KASH). This has been published by Banoo S., Gulzar R., Islam T., Ganie A.H. & A.A. Khuroo in Rheedeia 31(2): 72. 2021.



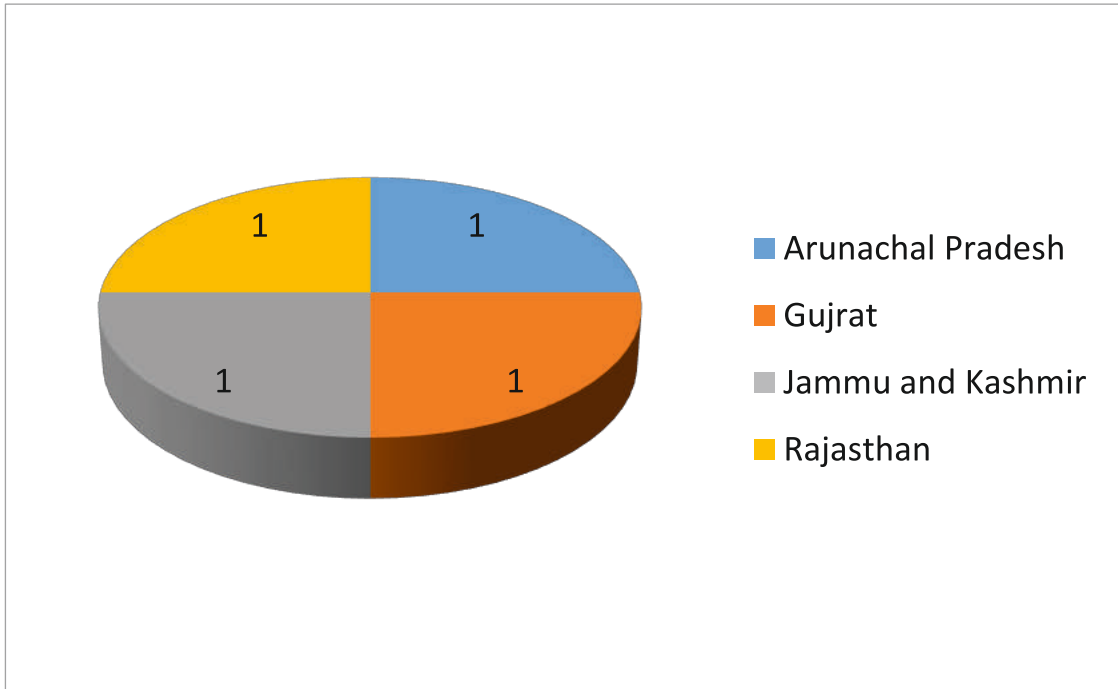
पर्णांग / PTERIDOPHYTES

Alsophila spinulosa (Wall. ex Hook.) Topyon

पर्णांग / FERN AND FERN-ALLIES

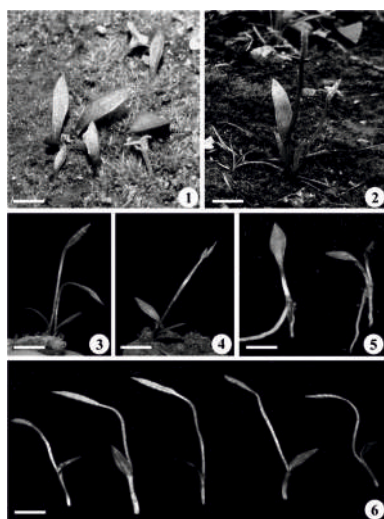
पर्णांग (टेरिडोफाइट्स) प्रायः विभिन्न प्रकार के प्राकृतवासों में पाए जाते हैं, ऐसी प्रतिकूल पर्यावरणीय प्राकृतवासोंमें भी, जहाँ सामान्यतः पुष्पीय पौधे नहीं पाए जाते, ये सफलतापूर्वक उगते हैं। भारतीय वनस्पतिजात में पर्णांग का लगभग 2.39 प्रतिशत हिस्सा है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय पर्णांगों की लगभग 1314 जातियाँ हैं एवं अनेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना वर्ष 2021 के दौरान भारत से 3 नवीन पर्णांग जातियों को विज्ञान के लिए सर्वथा नई जातियों के तौर पर अन्वेषण किया गया है। जिसमें गुजरात, जम्मू एवं कश्मीर तथा राजस्थान राज्य में प्रत्येक से 1 नवीन जाति अन्वेषित की गयी है। भारत के लिए 1 पर्णांग जाति को प्रथम बार नवीन क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेख के रूप में अरुनाचल प्रदेश से अन्वेषित एवं वर्णित किया गया है।

Ferns and Fern-allies (Pteridophytes) live in a wide variety of habitats and often succeed in places where environmental factors discourage growth of flowering plants. The Indian ferns account for about 2.39 per cent of the total Indian flora. In the present state of our knowledge India has about 1314 species of ferns and Fern-allies. Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for the year 2021 includes three new species described from India as new to science, which includes 1 species each from Gujrat, Jammu and Kashmir, Rajasthan. This also includes 1 species first time described as new distributional records for India during year 2021 from Arunachal Pradesh.



भारतीय राज्यों एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित पर्णांगों की संख्या
NUMBER OF FERNS AND FERN-ALLIES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन जाति / NEW SPECIES



ओफियोग्लोसम जयकृष्णोई एस. एम. पाटिल, एस.के. पटेल, रावले एवं के.एस. राजपूत इंडियन फर्न जे. 37:240. 2020 (ओफियोग्लोसेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन जंभुगोडा वन्यजीव अभयारण्य, लफिनि, गुजरात से समुद्र तल से लगभग 300 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस जाति के मूलप्ररूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) तथा समरूपों को बीएआरओ, एसयूके एवं बीएसजेओ में संग्रहित किया गया है। इस जाति का विशिष्ट नामकरण गुजरात के प्रख्यात वनस्पतिज्ञ एवं अग्रणीय पादप वर्गिकीविज्ञान शोधकर्ता तथा गुजरात के पादप वर्गिकीविज्ञान के जनक श्री जयकृष्णा इंंदरजी ठकर के नाम पर किया गया है।

Ophioglossum jaykrishnae S. M. Patil, S. K. Patel, Raole & K. S. Rajput, Indian Fern J. 37: 240. 2020 (Ophioglossaceae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Jambhughoda wildlife sanctuary, Lafni, Gujarat, at an altitude of 300 m. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL), isotypes are in BARO, SUK, BSJO. The specific epithet is named after father of plant taxonomy of Gujarat, Mr. Jaykrishna Inderji Thaker, a distinguished botanist and pioneer plant taxonomic researcher from Gujarat.



ओफियोग्लोसम त्रिलोकिनाथी बी.एल. यादव, एम.के. मेघवंशी, के. मीणा एवं सी.बी. गेना, साइंस रिपो. 11, 2021 (ओफियोग्लोसेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मैनुल क्षेत्र, चित्तोड़गढ़ जनपद, राजस्थान से 507 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) तथा समरूपों को मेवाड़ विश्वविद्यालय, चित्तोड़गढ़, राजस्थान के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण वी.एम. मुक्त विश्वविद्यालय, कोटा, राजस्थान के पूर्व कुलपति प्रो. त्रिलोकी नाथ भारद्वाज के सम्मान में किया गया है।

Ophioglossum trilokinathii B L Yadav, M K Meghvansi, K Meena & C B Gena, Sci. Rep. 11, 2021 (Ophioglossaceae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Mainal area, Chittorgarh district, Rajasthan at 507 m altitude. The Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical

Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL) and Isotypes are in BSJO and in Herbarium of Mewar University, Chittorgarh, Rajasthan. The species is named in honour of Professor Triloki Nath Bhardwaja Former Vice-Chancellor, V. M. Open University, Kota, Rajasthan.

पायरोजिया सारथालेंसिस सुमित सिंह, स्नेहा एवं बिकर्मा सिंह, फायटोटैक्सा 522 (3): 250. 2021 (पॉलीपोडिएसी)

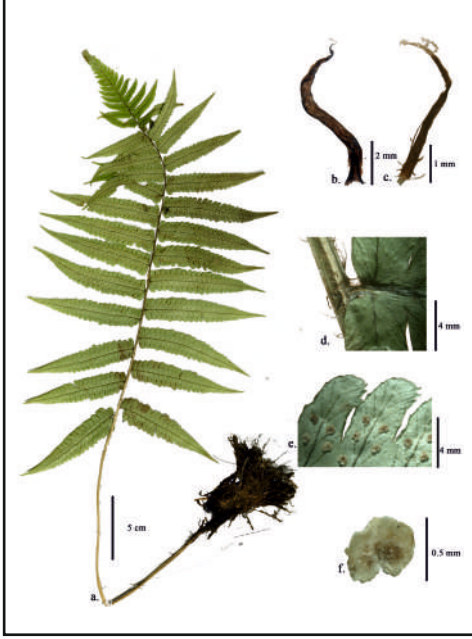
इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन बानी घाटी, कठुआ जनपद, जम्मू प्रांत, जम्मू एवं कश्मीर से 1422 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप एवं समरूप को जानकी अम्मल पादपालय, वनस्पति सर्वेक्षण एवं पादपालय प्रभाग, भारतीय समग्र औषधि संस्थान (पूर्व में आरआरएल से ज्ञात), जम्मू-तवी, जम्मू एवं कश्मीर (आरआरएलएच) में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण इसके मूलप्राप्ति स्थल बानी घाटी स्थित सारथल पहाड़ी के नाम पर आधारित है।

Pyrrosia sarthalensis Sumit Singh, Sneha & Bikarma Singh, Phytotaxa 522 (3): 250. 2021 (Polypodiaceae)

The species has been discovered and described based on the collection made from Bani Valley, Kathua District, Jammu Province, Jammu and Kashmir at 1422 m altitude. The holotype and isotype are deposited in Janaki Ammal Herbarium, Plant Survey & Herbarium Division, Indian Institute of Integrative Medicine (formerly RRL), Jammu-Tawi, Jammu and Kashmir (RRLH). The specific epithet is after the type locality (Sarthal Hill in the Bani Valley).

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORD

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORD



ड्रायोप्टेरिस लुनानेंसिस (क्राइस्ट) सी. चर. (ड्रायोप्टेरिडेसी)

पूर्व में भूटान, चीन, तिब्बत तथा जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार दिबांग वन्यजीव अभयारण्य, दिबांग घाटी, जनपद, अरुणाचल प्रदेश से लगभग 1900 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश (एआरयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को छांदम चंदा, क्रिस्टोफर रॉय फ्रेजर-जेकिन्स तथा विनीत कुमार रावत द्वारा जर्नल ऑफ थ्रीटेड टैक्सा, 13 (11): 19646. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Dryopteris lunanensis (Christ) C. Chr. (Dryopteridaceae)

This species earlier known from Bhutan, China, Tibet, Japan has been reported for the first time from India based on the collection made from Dibang Wildlife Sanctuary, Dibang Valley District, Arunachal Pradesh at an altitude of 1900 m. The specimen is deposited in Herbarium Arunachal Pradesh Regional Centre, Botanical Survey of India, Itanagar, Arunachal Pradesh (ARUN). This has been published by Chhandam Chanda, Christopher Roy Fraser-Jenkins & Vineet Kumar Rawat in Journal of Threatened Taxa, 13 (11): 19646. 2021.



हरितोद्भिद / BRYOPHYTES

Courtesy: Devendra Singh

हरितोद्भिद / BRYOPHYTES

वनस्पतिजात में उभयचर के रूप में ज्ञात, हरितोद्भिद हरित पादपों में आवृतबीजी वर्ग के बाद दूसरा सबसे बड़ा समूह तथा जैव विविधता का रोचक संघटक हैं। ये पादप लगभग सभी जलवायु परिस्थितियों में व्याप्त हैं तथा अंटार्कटिका महाद्वीप में पाये जाने वाले पादप समूहों में से एक है। भारत के कुल वनस्पतिजात में हरितोद्भिदों का लगभग 5.09 प्रतिशत हिस्सा है।

हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय हरितोद्भिदों की लगभग 2800 जातियाँ ज्ञात है।

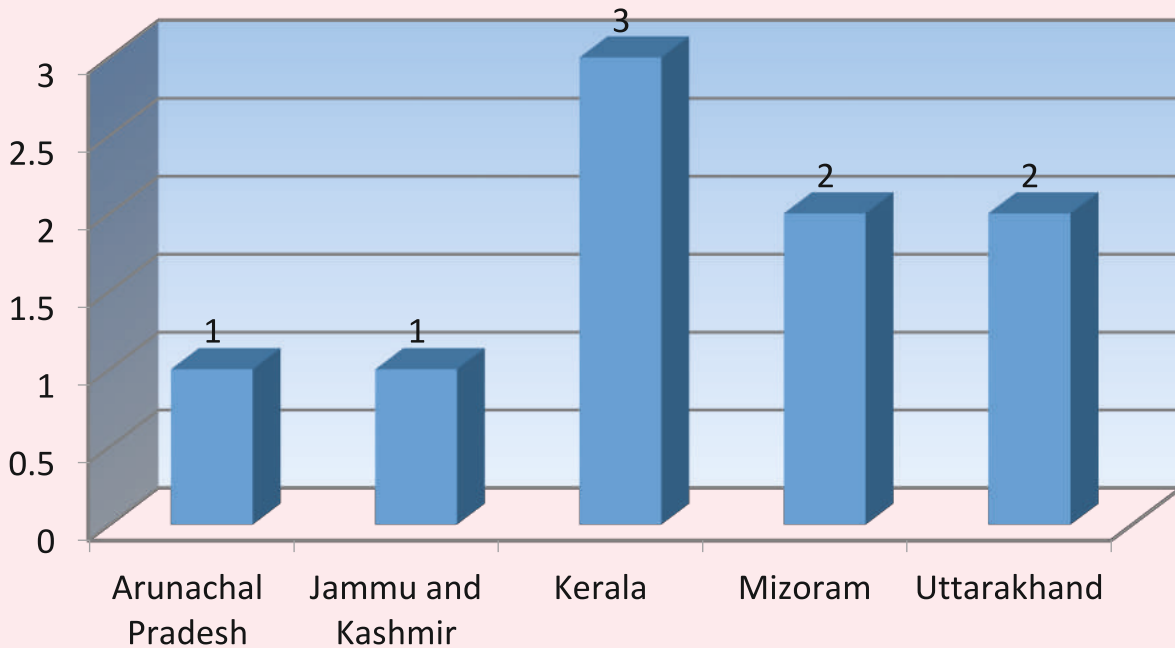
इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से 3 नई जातियाँ जिसमें मिज़ोरम से 2 जातियों तथा केरल से 1 जाति को विज्ञान के लिए नई जातियों के रूप में अन्वेषित किया गया है तथा केरल एवं उत्तराखंड से 2 जातियों तथा 6 जातियों (केरल एवं उत्तराखंड राज्य में प्रत्येक से 2, अरुणाचल प्रदेश तथा जम्मू एवं कश्मीर संघ-क्षेत्र राज्य में प्रत्येक से 1) नए अभिलेख को रूप में दर्ज किया गया है।

Bryophytes, the amphibians of the 'Plant Kingdom', and the second largest group of green plants next only to the angiosperms constitute a fascinating component of biodiversity and are widely spread in almost all climatic conditions. They are among the very few groups of plants found in Antarctica.

The Indian bryophytes account for about 5.09 per cent of the total plant species of India.

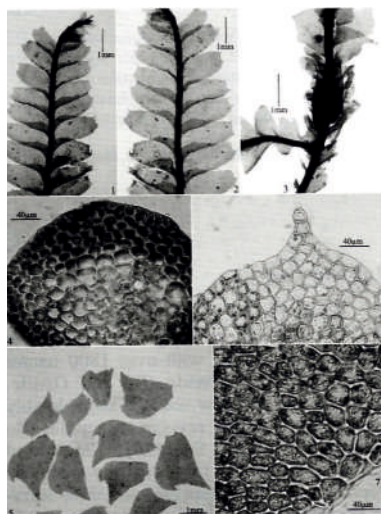
In the present state of our knowledge India has about 2800 species of bryophytes.

Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for year 2021 includes 3 new species (2 each from Mizoram and 1 from Kerala) as new to science from India) and 6 species (2 each from Kerala and Uttarakhand, 1 each from Arunachal Pradesh and Jammu & Kashmir UT) described as new distributional records for India.



भारतीय राज्यों एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित हरितोद्भिदों की संख्या
NUMBER OF BRYOPHYTES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन जाति / NEW SPECIES

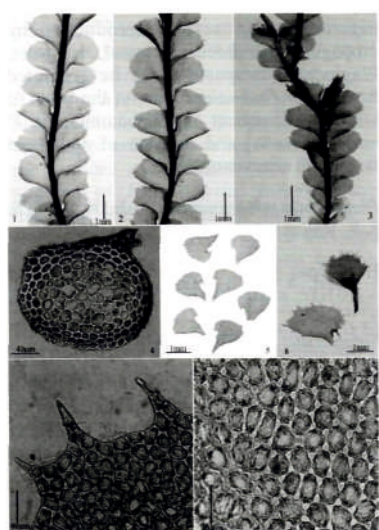


प्लेजियोचिला डेंपाएन्सिस सुशील कु. सिंह एवं के. के. रावत, एन. फोर., 28 (1 एवं 2): 2.2020 (प्लेगियोचिलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1731 मी की ऊँचाई से मिज़ोरम में ममित स्थित फुलडुंगसेई पर्वत श्रेणी, डेंपा बाघ अभयारण्य से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल डेंपा बाघ अभयारण्य पर आधारित है।

Plagiochila dampensis Sushil K. Singh & K. K. Rawat, Ann. For., 28(1 & 2):2.2020 (Plagiochilaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Phuldungsei range, Dampa Tiger Reserve, Mamit, Mizoram at 1731 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is after type locality (Dampa Tiger Reserve).



प्लेजियोचिला मिज़ोरमेन्सिस सुशील कु. सिंह एवं के. के. रावत, एन. फोर., 28(1 & 2): 3.2020 (प्लेगियोचिलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1731 मी की ऊँचाई से मिज़ोरम में आइज्वल स्थित तावि वन्यजीव अभयारण्य से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र, शिलांग, मेघालय (एएसएसएम) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण मिज़ोरम राज्य पर आधारित है जहाँ से इसे पहली बार ज्ञात किया गया था।

Plagiochila mizoramensis Sushil K. Singh & K. K. Rawat, Ann. For., 28(1&2):3. 2020 (Plagiochilaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Tawi Wildlife Sanctuary, Aizawl, Mizoram at 1731 m altitude. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya (ASSAM). The specific epithet is after the state (Mizoram) from where it was first reported.



रिक्सिया केरलेंसिस मंजु, चांदीनी, सुशील के. सिंह एवं के. पी. राजेश, द ब्रायोलोजिस्ट, 124 (3): 377. 2021. (रिक्किएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 15 मी की ऊँचाई से केरल में कोझिकोड़ जनपद के रामनाडुकरा में परतदार नमीयुक्त मिट्टी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को कालिकट विश्वविद्यालय पादपालय, वनस्पतिविज्ञान विभाग, कालिकट विश्वविद्यालय, कोझिकोड़, केरल (सीएएलआई), समप्ररूपों को जेडजीसी, बीएसडी में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण केरल राज्य पर आधारित है जहाँ से इसे पहली बार ज्ञात किया गया था।

Riccia keralensis Manju, Chandini, Sushil, K.Singh & K. P. Rajesh, The Bryologist, 124 (3):377. 2021 (Ricciaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from the damp soil in overlapping patches in pure population, Ramanattukara, Kozhikode district, Kerala at 15 m altitude. Holotype is deposited in Calicut University Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Kozhikode, Kerala (CALI), isotypes are in ZGC, BSD. The specific epithet is after the state (Kerala) from where it was first reported.

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

डिप्लेसियोले ज्यूनिया (स्पूस) सिफिन. (लेजैनिएसी)

पूर्व में अमेरिका एवं अफ्रीका महादेशों, एशिया के कुछ भागों से ज्ञात इस नवीन वंश का पता भारत में पहली बार केरल के पलक्कड़ एवं वायनाड जनपदों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस वंश को *डिप्लेसियोलेज्यूनिया कैविफोलिया* स्टेफ. एवं *डिप्लेसियोलेज्यूनिया कोबरेंसिस* गॉट्सचे एक्स स्टेफ. के रूप के नाम से जाना जाता है। इसके प्रतिरूप को जमोरियंस गुरुवायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे वी.के. चांदनी, टी.पोक्स एवं सी.एन. मंजू द्वारा एकटा बॉट. हंग 63 (3-4): 285. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Diplasiolejeunea (Spruce) Schiffn. (Lejeuneaceae)

This genus, earlier known from America and African continents and some parts of Asia has been reported first time from India based on the collection made from Palakkad and Wayanad districts of Kerala. The genus is represented by *Diplasiolejeunea cavifolia* Steph. and *Diplasiolejeunea cobrensis* Gottsche ex Steph. The specimens are deposited in Herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by V. K. Chandini, T. Pócs and C. N. Manju in Acta Bot. Hung. 63(3-4): 285. 2021.

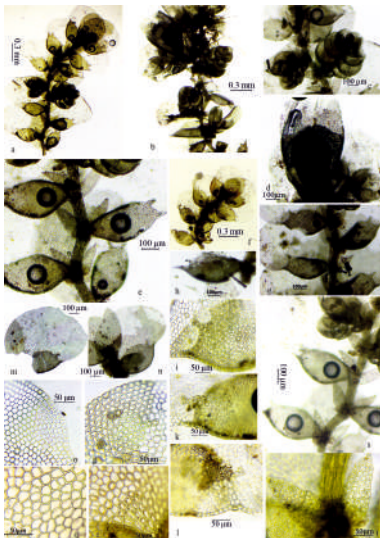
जिमनोकोलिया (डुमोर्ट.) डुमोर्ट. (एनास्ट्रोफाइलेसी)

पूर्व में अंटार्कटिक, चेक गणराज्य, डेनमार्क, फिनलैंड, इटली, जापान, नार्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, रूस, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, तुर्की एवं संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस नवीन वंश का पता भारत में पहली बार 640-800 मी की ऊंचाई से पश्चिमी हिमालय में उत्तराखंड के नैनीताल स्थित काठगोदाम-रानीबाग साल वन क्षेत्र से प्राप्त जिमनकोलिया ईनफ्लाटा (हाड्स.) डुमोर्ट. के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को हरितोद्भिद पादपालय, सीएसआईआर राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्ल्यूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे ऋचा आर्या, मनीषा भंडारी, एस.डी. तिवारी, प्राची जोशी द्वारा करेंट साइंस 121 (4): 475. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Gymnocolea (Dumort.) Dumort. (Anastrophyllaceae)

This genus, earlier known from Europe and USA has been reported first time from India based on the collection made along Kathgodam-Ranibagh sal forest area, Nainital, Uttarakhand at 640-800 m altitude. The genus is represented by *Gymnocolea inflata* (Huds.) Dumort. The specimen is deposited in Bryophyte Herbarium, CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Richa Arya, Manisha Bhandari, S. D. Tewari, Prachi Joshi in Curr. Sci. 121(4): 475. 2021.

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORD

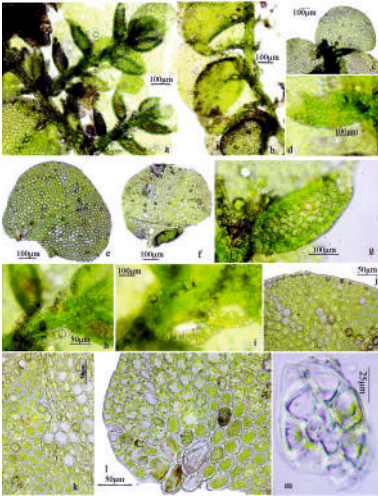


डिप्लेसियोलेज्यूनिया कैविफोलिया स्टेफ. (लेज्यूनिएसी)

पूर्व में कंबोडिया, चीन, जावा, सुमात्रा, लुजोन, मलेशिया, श्रीलंका, ताइवान, न्यू कैलिडोनिया, वियतनाम, लाओस, थाईलैंड, फिलिपींस, आस्ट्रेलिया, मेलनेशिया, वेस्ट इंडिज, सेंट्रल अमेरिका, मेक्सिको, दक्षिण अमेरिका, अफ्रीका के संपूर्ण उष्णकटिबंधीय क्षेत्रों, मेडागास्कर एवं मस्केरीन द्वीपों से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार लगभग 1000 मी की ऊंचाई से केरल के पलक्कड़ जनपद स्थित पूचिप्पारा, पराठोड, साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को जमोरियंस गुरुवायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे वी.के. चांदनी, टी.पोक्स एवं सी.एन. मंजू द्वारा एकटा बॉट. हंग 63 (3-4): 286. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Diplasiolejeunea cavifolia Steph. (Lejeuneaceae)

This species, earlier known from Cambodia, China, Java, Sumatra, Luzon, Malaysia, Sri Lanka, Taiwan, New Caledonia, Vietnam, Laos, Thailand, Philippines, Australia, Melanesia, West Indies, Central America, Mexico, South America, all over tropical Africa, Madagascar and the Mascarene islands has been reported first time from India based on the collection made on the way to Poochippara, Parathode, Silent Valley National Park, Palakkad district, Kerala at an altitude of 1000 m. The specimen is deposited in Herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by V. K. Chandini, T. Pócs and C. N. Manju in Acta Bot. Hung. 63(3-4): 286. 2021.

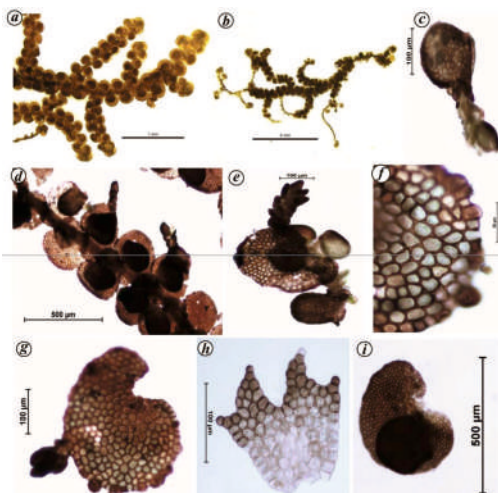


डिप्लेसियोलेज्यूनिया कोबरेसिस गॉट्सचे एक्स स्टेफ. (लेज्यूनिएसी)

पूर्व में क्यूबा, गुयाना, ब्राजील, पश्चिम अफ्रीका (घाना, सिएरा लियोन), पूर्वी अफ्रीकी द्वीपों, मेडागास्कर, चीन, वियतनाम, थाईलैंड एवं मलेशिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 750 मी की ऊंचाई से केरल में वायनाड जनपद के कुरुवा द्वीप से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को जमोरियंस गुरुवायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसे वी.के. चांदनी, टी.पोक्स एवं सी.एन. मंजू द्वारा एक्टा बॉट. हंग 63 (3-4): 289. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Diplasiolejeunea cobrensis Gottsche ex Steph. (Lejeuneaceae)

This species, earlier known from Cuba, Guyana, Brazil, West Africa, East African islands, Madagascar, China, Vietnam, Thailand, Malaysia has been reported for the first time from India based on the collection made from Kuruva dweep, Wayanad district, Kerala at an altitude 750 m. The specimen is deposited in Herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by V. K. Chandini, T. Pócs and C. N. Manju in Acta Bot. Hung. 63(3-4): 289. 2021.



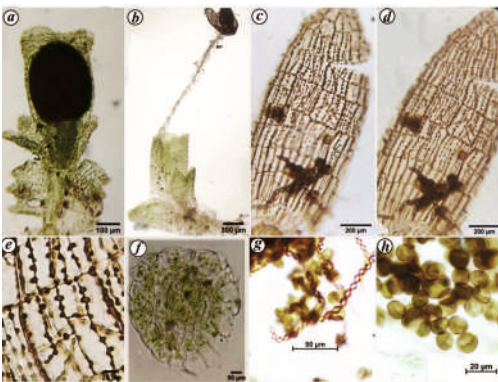
फ्रुलानिया बोलांडेरी ऑस्टिन (फ्रुल्लानिएसी)

पूर्व में उत्तरी अमेरिका, यूरोप एवं एशिया (जापान एवं रूस), मलेशिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार लगभग 2966 मी की ऊंचाई से अरुणाचल प्रदेश में तवांग के तवांग बौद्धमठ के निकट एक पेड़ के छाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को हरितोद्भिद पादपालय, सीएसआईआर राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कृष्णा कुमार रावत, विनय साहु, राम्या रंजन पॉल एवं सौमित के. बेहरा द्वारा करेंट साई. 121 (10): 1279. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Frullania bolanderi Austin (Frullaniaceae)

This species, earlier known from North America, Europe and Asia has been reported first time from India based on the collection made from tree bark, near Tawang monastery, Tawang, Arunachal Pradesh at 2966 m altitude. The specimen is deposited in Bryophyte Herbarium, CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Krishna Kumar

Rawat, Vinay Sahu, Ramya Ranjan Paul and Soumit K. Behera in Curr. Sci. 121(10) 1279. 2021.



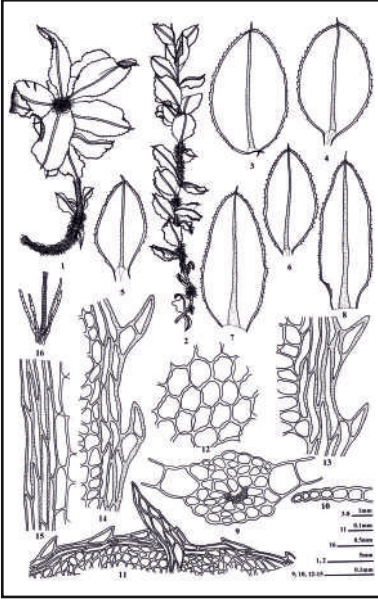
जिम्नोकोलिया इन्फ्लैटा (हुड्स.) डुमोर्ट (एनास्ट्रोफिलेसी)

पूर्व में अंटार्कटिक, चेक गणराज्य, डेनमार्क, फिनलैंड, इटली, जापान, नार्वे, पोलैंड, पुर्तगाल, रूस, स्वीडन, स्विट्जरलैंड, तुर्की एवं संयुक्त राज्य अमेरिका से ज्ञात इस नवीन उपजाति का पता भारत में पहली बार 640-800 मी की ऊंचाई से पश्चिमी हिमालय में उत्तराखंड के नैनीताल स्थित काठगोदाम-रानीबाग साल वन क्षेत्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को हरितोद्भिद पादपालय, सीएसआईआर राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इसे ऋचा आर्या, मनीषा भंडारी, एस.डी. तिवारी, प्राची जोशी द्वारा करेंट साईस 121 (4): 475. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Gymnocolea inflata (Huds.) Dumort. (Anastrophyllaceae)

This species, earlier known from Antarctica, Czech Republic, Denmark, Finland, Italy, Japan, Norway, Poland, Portugal, Russia,

Sweden, Switzerland, Turkey and USA has been reported first time from India based on the collection made along Kathgodam-Ranibagh sal forest area, Nainital, Uttarakhand, Western Himalaya at 640-800 m altitude. The specimen is deposited in Bryophyte Herbarium, CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Richa Arya, Manisha Bhandari, S. D. Tewari, Prachi Joshi in Curr. Sci. 121(4): 475. 2021.

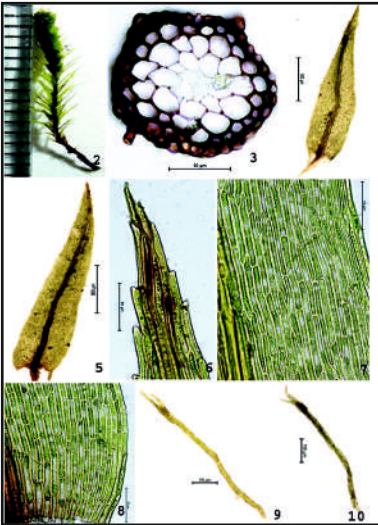


फ्लेजियोनियम इंसिग्नी (मिट.) टी. जे. कोप. (निएसी)

पूर्व में उत्तरी अमेरिका (कनाडा, कैलिफोर्निया, यूएसए) से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार लगभग 2121 मी की ऊंचाई से पश्चिमी हिमालय स्थित जम्मू और कश्मीर स्थित गुलमर्ग के मिट्टी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को हरितोद्भिद पादपालय, सीएसआईआर राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है | इसे इच्छा ओमर, गीता अस्थाना एवं आशीष कुमार अस्थाना द्वारा नेश. एकेड. साई. लेट., 2020 <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00961-9> में प्रकाशित किया गया है |

Plagiomnium insigne (Mitt.) T. J. Kop. (Mniaceae)

This species, earlier known from North America has been reported first time from India based on the collection made from soil, Gulmarg, Jammu & Kashmir at 2121 m altitude. The specimen is deposited in Bryophyte Herbarium, CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Ichha Omar, Geeta Asthana & Ashish Kumar Asthana in Natl. Acad. Sci. Lett., 2020. <https://doi.org/10.1007/s40009-020-00961-9>.



पोहलिया ल्युकोस्टोमा (बोस्च एवं संडे लेक.) एम. फ्लिस्च. (ब्रिएसी)

पूर्व में चीन, पूर्व सोवियत संघ रूस, जापान, नेपाल, इंडोनेशिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 2136 मी की ऊंचाई से पश्चिमी हिमालय स्थित उत्तराखंड के उत्तरकाशी जनपद में जुड़ा ताल के मार्ग पर गोविंद वन्यजीव अभ्यारण्य से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को हरितोद्भिद पादपालय, सीएसआईआर राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है | इसे आशीष कुमार अस्थाना तथा विनय साहु द्वारा नेलुम्बो खंड. 63 (1): 199. 2021 में प्रकाशित किया गया है |

Pohlia leucostoma (Bosch & Sande Lac.) M. Fleisch. (Bryaceae)

This species, earlier known from China, Former USSR, Japan, Nepal, Indonesia has been reported first time from India based on collection made on way to Juda Tal, Govind Wildlife Sanctuary, Uttarkashi district, Uttarakhand at an altitude of 2136 m. The specimen is deposited in Bryophyte Herbarium, CSIR National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Ashish K. Asthana and Vinay Sahu in Nelumbo Vol.63(1): 199. 2021.



शैवाक / LICHEN

Courtesy: Nayaka S.

शैवाक/ LICHEN

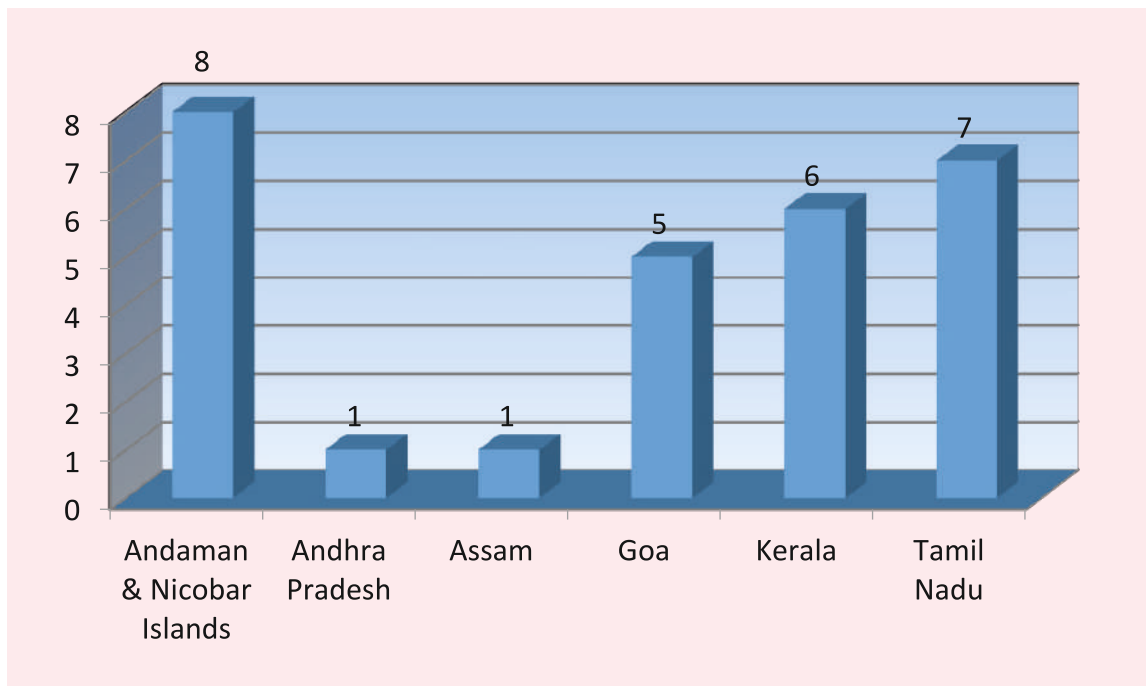
शैवाक, कवक एवं सामान्यतः हरे शैवालों अथवा सायनोजीवाणु जैसे प्रकाश संश्लेषी सहयोगी के साथ सहजीवी संबंध बनाते हैं। शैवाक वैसे तो व्यापक रूप में पाये जाते हैं फिर भी इनकी कई जातियाँ पर्यावरणीय विक्षोभों के प्रति संवेदनशील होती हैं, जिसके फलस्वरूप इका उपयोग वायु प्रदूषण प्रभाव के आंकलन में किया जा सकता है। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 5.43 प्रतिशत हिस्सा शैवाकों का है। हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय शैवाक की लगभग 2989 जातियाँ हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से एक नए वंश, 27 नए जातियों तथा 1 प्रभेद को प्रथम बार नवीन क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेखों के रूप में अन्वेषित एवं वर्णित किया गया है जिसमें अंडमान एवं निकोबार से 8, तमिलनाडु से 7, आंध्र प्रदेश तथा असम राज्यों में प्रत्येक से 1, गोवा से 5 तथा केरल से 6 नवीन अन्वेषित टैक्सा शामिल हैं।

Lichens are symbiotic association of a fungus with a photosynthetic partner usually a green alga or cyanobacterium. Lichens are widespread; however, many species are sensitive to environmental disturbances and may be useful in assessing the effect of air pollution. Lichens have also been used in making dyes and perfumes as well as in traditional medicines.

The lichens account for about 5.43 per cent of the total Indian Flora.

In the present state of our knowledge India has about 2989 species of lichens.

Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for the year 2021 includes 1 genus, 27 species and 1 variety described as new distributional records for India (This includes 8 taxa from Andaman & Nicobar Islands, 7 from Tamil Nadu, 1 each from Andhra Pradesh and Assam, 5 from Goa, 6 from Kerala).



भारतीय राज्यों एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित शैवाकों की संख्या
NUMBER OF LICHENS DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORD वंशपरक अभिलेख / GENERIC RECORD



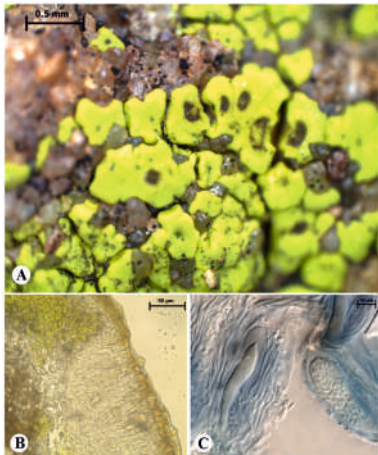
जैपविएला प्रिंटजेन (लेकैनोरेसी)

पूर्व में यूरोप, मैक्रोनेशिया एवं पूर्वी उत्तरी अमेरिका के अप्पलेशियन पर्वतों से ज्ञात इस नवीन वंश का पता भारत से पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस वंश को जे. तवारेसियाना (एच. मैग्न.) प्रिंटजेन उपजाति द्वारा निरूपित किया जाता है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस.के., नतेसन एस., संकर के, डेविड एम.एल.आर एवं उप्रेति डी.के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 209. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Japewiella Printzen (Lecanoraceae)

This genus earlier known from Europe, Macaronesia and the Appalachian Mountains of Eastern North America has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The genus is represented by species *J. tavaresiana* (H. Magn.) Printzen. This has been published by Nayaka S, Joseph S, Rajaram S K, Natesan S, Sankar K, David M L R and Upreti D K in Studies in Fungi 6(1): 209. 2021.

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORDS



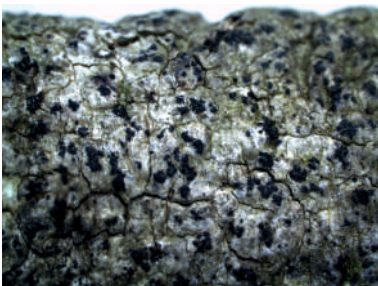
एकेरोस्पोरा कॉटिगुआ एच. मैग्न. (एकेरोस्पोरेसी)

पूर्व में पश्चिमी उत्तरी अमेरिका एवं मेक्सिको से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 500-1000 मी की ऊंचाई से आंध्र प्रदेश में पूर्वी घाटों के हिललोक्स में पड़े बालुई चट्टानों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय तथा अन्य प्रतिरूपों को पादप एवं शैवाक पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, योगी वामना विश्वविद्यालय, कड़पा, आंध्र प्रदेश में संग्रहित किया गया है। इस शोध को सतीश मोहाबे, गंगाधर पांडवा, अंजलि देवी बी., ए. मधुसूधना रेड्डी द्वारा क्रिप्टोगैम बायोडायवर्सिटी एंड एसेसमेंट 5(1): 2. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Acarospora contigua H. Magn. (Acarosporaceae)

This species earlier known from western North America and Mexico has been reported for the first time from India from exposed sandy rocks in hillocks of the Eastern Ghats in Andhra Pradesh between altitudes 500–1000 m. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research

Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and other specimens are deposited at Plant & Lichen Herbarium, Department of Botany, Yogi Vemana University, Kadapa, Andhra Pradesh. This has been published by Satish Mohabe, Gangadhar Pandava, Anjali Devi B., A. Madhusudhana Reddy in Cryptogam Biodiversity and Assessment 5(1): 2. 2021.

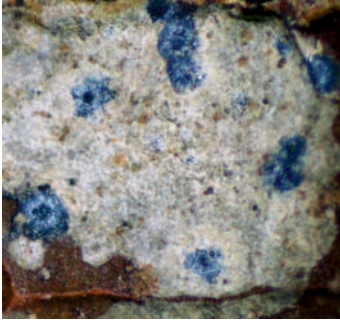


आर्थोनिया एट्रा (पर्स.) ए. स्निड (आर्थोनिएसी)

पूर्व में एशिया, अफ्रीका, आस्ट्रेलिया, यूरोप, मैक्रोनेशिया, उत्तरी एवं दक्षिणी अमेरिका से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस.के., नतेसन एस., संकर के, डेविड एम.एल.आर एवं उप्रेति डी.के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 207. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Arthonia atra (Pers.) A. Schneid. (Arthoniaceae)

This species earlier known from Asia, Africa, Australia, Europe, Macaronesia, North and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S, Joseph S, Rajaram S K, Natesan S, Sankar K, David M L R and Upreti D K in Studies in Fungi 6(1): 207. 2021.

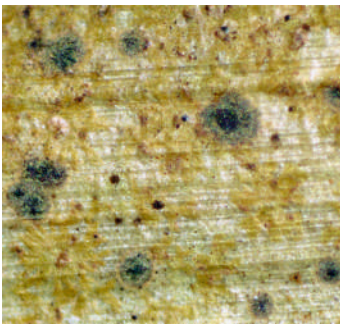


आर्थोनिया सिएनिया मुल्ल. अर्ग. (आर्थोनिएसी)

पूर्व में मध्य एवं दक्षिण अमेरिका तथा फिलीपीन्स से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में मध्य अंडमान के पल्लोब द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 353.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Arthonia cyanea Müll. Arg. (Arthoniaceae)

This species earlier known from Central and South America and Philippines has been reported for the first time from India based on collections made from the Parlob island, Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 353. 2020.



आर्थोनिया मिरा आर. संत. (आर्थोनिएसी)

पूर्व में मध्य एवं दक्षिण अमेरिका, दक्षिण अफ्रीका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन उपजाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में दक्षिण अंडमान के बारातांग द्वीप स्थित नायडेरा चूनापत्थर गुफाओं से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 354.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Arthonia mira R. Sant. (Arthoniaceae)

This species earlier known from Central and South America, South Africa, and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Nayadera Limestone caves, Baratang Island, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 354. 2020.

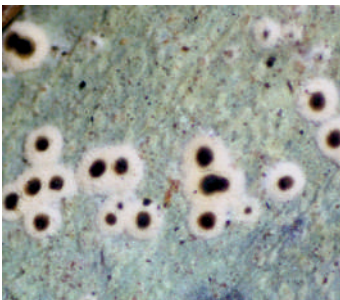


एस्ट्रोथेलियम एलबोवेरुकोईडिज एप्टरूट (ट्रायपेथेलिएसी)

पूर्व में इंडोनेशिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार असम में कोकराझार जनपद के उल्टापानी वन प्रक्षेत्र से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझार, असम (बीयू) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को दैमारि आर., इसलरी पी., ब्रह्मा एस., बासुमतरी एस. गोस्वामी जे.पी. नायका एस. एवं जोसेफ एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 345. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Astrothelium alboverrucoides Aptroot (Trypetheliaceae)

This species earlier known from Indonesia has been reported for the first time from India based on collections made from the Ultapani Forest Range, Kokrajhar district of Assam. The specimens are deposited in the Herbarium of Department of Botany, Bodoland University Kokrajhar, Assam (BU). This has been published by Daimari R., Islary P., Brahma S., Basumatary S., Goswami J. P., Nayaka S. and Joseph S. in Studies in Fungi 6(1): 345. 2021.



बायसोलोमा डिस्कोर्डॉस (वैन.) झालबर (पिलोकार्पेसी)

पूर्व में मध्य एवं दक्षिण अमेरिका, इंडोनेशिया, जमैका, मेडागास्कर एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में दक्षिण अंडमान द्वीप के माउंट हेरिएट राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 354.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Byssoloma discordans (Vain.) Zahlbr. (Pilocarpaceae)

This species earlier known from Central and South America, Indonesia, Jamaica, Madagascar and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from Mount Harriet National Park, South Andaman Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 354. 2020.



इंटैरोग्राफा बार्टलेटी सिरस (रोजेलेसी)

पूर्व में न्यूजीलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में मध्य अंडमान के पार्लोब द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 354.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Enterographa bartlettii Sérus. (Roccellaceae)

This species earlier known from New Zealand has been reported for the first time from India based on collections made from the Parlob island, Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the

Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 354. 2020.



ग्राफिस ब्रेविकार्पा एम. नकन, काशीव. एवं के.एच. मून (ग्राफिडेसी)

पूर्व में ओसिनिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस.के., नतेसन एस., संकर के, डेविड एम.एल.आर एवं उप्रेति डी.के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 209. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Graphis brevicarpa M. Nakan., Kashiw. & K.H. Moon (Graphidaceae)

This species earlier known from Oceania has been reported for the first time

from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S., Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 209. 2021.

हेरपोथालॉन क्वीन्सलैंडीकम (एलिक्स) एलिक्स (आर्थोनिएसी)

पूर्व में आस्ट्रेलिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह के निकोबार द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 355.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Herpothallon queenslandicum (Elix) Elix (Arthoniaceae)

This species earlier known from Australia has been reported for the first time from India based on collections made from the Nicobar Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimens are deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 355. 2020.



जैपविएला तवारेसिआना (एच. मैग्न.) प्रिंटजेन (लेकानोरेसी)

पूर्व में यूरोप, मैक्रोनेशिया एवं पूर्वी उत्तर अमेरिका के अप्पलेशियन पर्वतों से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस.के., नतेसन एस., संकर के, डेविड एम.एल.आर एवं उप्रेति डी.के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 209. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Japewiella tavaresiana (H. Magn.) Printzen (Lecanoraceae)

This species earlier known from Europe, Macaronesia and the Appalachian Mountains of Eastern North America has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S., Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 209. 2021.



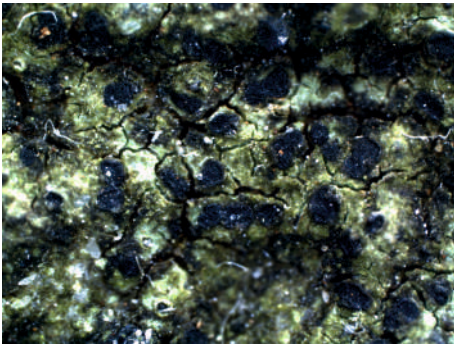
मालमिडीया ट्रेटियाना काल्ब एवं मोंगक (मालमिडीएसी)

पूर्व में थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में अंडमान द्वीप के रुटलैण्ड द्वीप स्थित आर.एम. पॉइंट वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 354.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Malmidea tratiana Kalb & Mongk. (Malmideaceae)

This species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the R. M. Point Forest, Rutland Island, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands

(PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 355. 2020.



माइकेरिया इरेटिका (कोर्ब.) हर्टेल, रामबोल्ड एवं पिट्सचम (पिलोकार्पेसी)

पूर्व में इंग्लैंड, स्कॉटलैंड, आयरलैंड, मध्य यूरोप, उत्तरी अमेरिका, आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस. के., नतेसन एस., संकर के., डेविड एम. एल. आर. एवं उप्रेति डी. के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 209. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Micarea erratica (Körb.) Hertel, Rambold & Pietschm. (Pilocarpaceae)

This species earlier known from England, Scotland, Ireland, Central Europe, North America, Australia and New Zealand has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S., Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 209. 2021.

2021.



ओसेलुलेरिया अल्बोमैकुलाटा हेल (ग्राफिडेसी)

पूर्व में श्रीलंका, क्यूबा एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार रोजमाला, कोल्लम, केरल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1): 216. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Ocellularia albomaculata Hale (Graphidaceae)

This species earlier known from Sri Lanka, Cuba and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the

Rosemala, Kollam, Kerala. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium of Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 215. 2021.



ओसेलुलेरिया आस्कीडीओडिया हेल (ग्राफिडेसी)

पूर्व में सेशल्स, श्रीलंका, न्यू कैलेडोनिया एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 360 मी की ऊंचाई से थट्टेक्कड पक्षी अभयारण्य, एर्णाकुलम, केरल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1):

Ocellularia ascidioidea Hale (Graphidaceae)

This species earlier known from Seychelles, Sri Lanka, New Caledonia and Thailand has been reported for the first time from India based on

collections made from the Thattekkad Bird Sanctuary, Ernakulam, Kerala, at an altitude of 360 m. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium of Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 216. 2021.



ओसेलुलेरिया कन्नेलिएंसिस हेल (ग्राफिडेसी)

पूर्व में श्रीलंका से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 400 मी की ऊंचाई से केरल में थ्रिसुर के वझाचल स्थित पेरिंगोल्कुथु से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1): 216. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Ocellularia kanneliyensis Hale (Graphidaceae)

This species earlier known from Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from the Peringolkuthu,

Vazhachal, Thrissur, Kerala, at an altitude of 400 m. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium of Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 216. 2021.



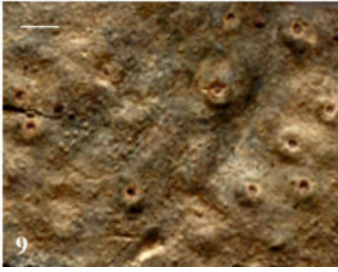
ओसेलुलेरिया मोनोस्पोरोडीज (नील.) हेल (ग्राफिडेसी)

पूर्व में न्यूजीलैंड, श्रीलंका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 220 मी की ऊंचाई से केरल में थ्रिसुर के वझाचल स्थित नदी के किनारे से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1): 216. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Ocellularia monosporoides (Nyl.) Hale (Graphidaceae)

This species earlier known from New Zealand, Sri Lanka and Thailand has

been reported for the first time from India based on collections made from the Riverside, Vazhachal, Thrissur, Kerala, at an altitude of 220 m. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 216. 2021.



ओसेलुलेरिया पेटुसरीफ़ोर्मिस (लेट.) जाल्बर. (ग्राफिडेसी)

पूर्व में फिलीपींस, श्रीलंका एवं थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार रोजमाला, कोल्लम, केरल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रोपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1): 218. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Ocellularia pertusariiformis (Leight.) Zahlbr. (Graphidaceae)

This species earlier known from Philippines, Sri Lanka and Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from the Rosemala, Kollam, Kerala. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 218. 2021.



ओसेलुलेरिया रिक्नोपोरा हेल (ग्राफिडेसी)

पूर्व में श्रीलंका से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 400 मी की ऊंचाई से थट्टेक्कड पक्षी अभयारण्य, एर्णाकुलम, केरल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) तथा प्लांट सिस्टमेटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रोपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान, तिरुवनंतपुरम, केरल (टीबीजीटी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को बीजू एच., सबीना ए. एवं नायका एस. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6(1): 218. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Ocellularia rhicnopora Hale (Graphidaceae)

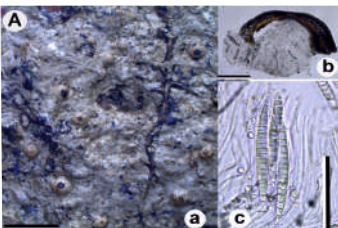
This species earlier known from Sri Lanka has been reported for the first time from India based on collections made from the Thattekkad Bird Sanctuary, Ernakulam, Kerala, at an altitude of 400 m. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow Uttar Pradesh (LWG) and in the Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). This has been published by Biju H., Sabeena A. and Nayaka S. in Studies in Fungi 6(1): 218. 2021.

ओपेग्राफा हेलियाब्रवोआ हेररा-कंपोस एवं लुकिंग (रोजेलेसी)

पूर्व में मेक्सिको से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में मध्य अंडमान के पर्लोब द्वीप से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ़ फॉरेस्ट्री 43(4): 353. 2020 में प्रकाशित किया गया है।

Opegrapha heliabravoae Herrera-Campos & Lüicking (Roccellaceae)

This species earlier known from Mexico has been reported for the first time from India based on collections made from the Parlob island, Middle Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 355. 2020.

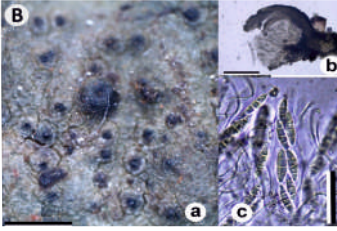


पोरिना एक्सर्टा मूल. अर्ग. (पायरेनुलेसी)

पूर्व में थाईलैंड, क्रिशमस आईलैंड, द नॉर्दन टेरिटोरी, पूर्वी क्वींसलैंड, ताइवान एवं ताहिति से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार 100 - 200 मी की ऊंचाई से कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, दक्षिण गोवा, गोवा के टर्मिनेलिया पेनीकुलाटा रोथ से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पल्लवी रंदिवे, गौरव के. मिश्रा, संजीवा नायका, डी.के. उप्रेति एवं एम.के. जनार्थनम द्वारा प्लांट साइंस टुडे 8(4): 892. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Porina exserta Müll. Arg. (Pyrenulaceae)

This species earlier known from Thailand, Christmas Island, the Northern Territory, Eastern Queensland, Taiwan and Tahiti has been reported for the first time from India based on collections made from the bark of *Terminalia paniculata* Roth in Cotigao Wildlife Sanctuary, south Goa, Goa between 100– 200 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pallavi Randive, Gaurav K. Mishra, Sanjeeva Nayaka, D. K. Upreti & M. K. Janarthanam in Plant Science Today 8(4): 892. 2021.



पोरिना सियामेंसिस पी.एम. मैकार्थी (पायरेनुलेसी)

पूर्व में थाईलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार लगभग 200 मी की ऊँचाई से कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, दक्षिण गोवा, गोवा में एक खुले, स्पष्ट दिखाई देने वाले चट्टान से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पल्लवी रंदिवे, गौरव के. मिश्रा, संजीवा नायका, डी.के. उप्रेति एवं एम.के. जनार्थनम द्वारा प्लांट साइंस टुडे 8(4): 892. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Porina siamensis P. M. McCarthy (Pyrenulaceae)

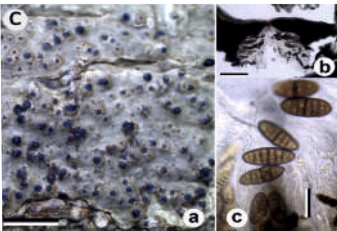
This species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on collections made from an open, exposed rock in Cotigao Wildlife Sanctuary, south Goa, Goa at 200 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pallavi Randive, Gaurav K. Mishra, Sanjeeva Nayaka, D. K. Upreti & M. K. Janarthanam in Plant Science Today 8(4): 892. 2021.

पोरिना सबर्गिलेसिया (मूल. अर्ग.) पोरिनेसी

पूर्व में आस्ट्रेलिया एवं न्यूजीलैंड से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस, जोसेफ एस, राजाराम एस के, नतेसन एस, संकर के, डेविड एम एल आर एवं उप्रेति डी के द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 211. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Porina subargillacea Müll. Arg. (Porinaceae)

This species earlier known from Australia and New Zealand has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S, Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 211. 2021.

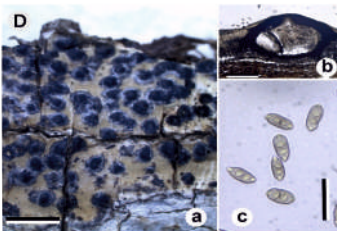


पायरेनुला डिसिमुलांस (मूल. अर्ग.) आर.सी. हैरिस (पायरेनुलेसी)

पूर्व में उत्तर एवं दक्षिण अमेरिका से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार गोवा विश्वविद्यालय परिसर, उत्तरी गोवा, गोवा से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पल्लवी रंदिवे, गौरव के. मिश्रा, संजीवा नायका, डी.के. उप्रेति एवं एम.के. जनार्थनम द्वारा प्लांट साइंस टुडे 6(1): 211. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Pyrenula dissimulans (Müll. Arg.) R.C. Harris (Pyrenulaceae)

This species earlier known from North and South America has been reported for the first time from India based on collections made from the Goa University campus, North Goa, Goa. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pallavi Randive, Gaurav K. Mishra, Sanjeeva Nayaka, D. K. Upreti & M. K. Janarthanam in Plant Science Today 8(4): 894. 2021.

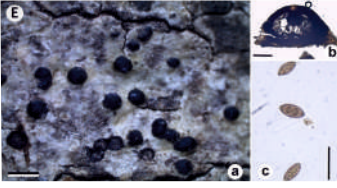


पायरेनुला पायरेनएस्ट्रोस्पोरा एप्टूट (पायरेनुलेसी)

पूर्व में पप्पुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार लगभग 200 मी की ऊँचाई से कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, दक्षिण गोवा, गोवा के टेक्टोना ग्रांडिस एल. एफ. रॉक के पेड़ के छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पल्लवी रंदिवे, गौरव के. मिश्रा, संजीवा नायका, डी.के. उप्रेति एवं एम.के. जनार्थनम द्वारा प्लांट साइंस टुडे 8(4): 894. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Pyrenula pyrenastrospora Aptroot (Pyrenulaceae)

This species earlier known from Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from tree bark of *Tectona grandis* L.f., rock in Cotigao Wildlife Sanctuary south Goa, Goa at 200 m altitude. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pallavi Randive, Gaurav K. Mishra, Sanjeeva Nayaka, D. K. Upreti & M. K. Janarthanam in Plant Science Today 8(4): 894. 2021.

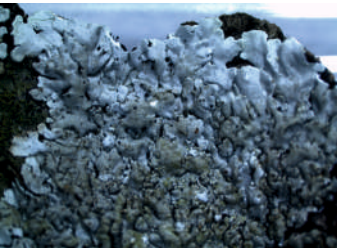


पायरेनुला राइनोडाइनोस्पोरा एप्टरूट (पायरेनुलेसी)

पूर्व में पपुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार कोटिगाओ वन्यजीव अभयारण्य, दक्षिण गोवा, गोवा के फाइक्स बंगालेंसिस एल. के पेड़ के छाल से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को पल्लवी रदिवे, गौरव के. मिश्रा, संजीवा नायका, डी.के. उप्रेति एवं एम.के. जनार्थनम द्वारा प्लांट साइंस टुडे 8(4): 894. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Pyrenula rinodinospora Aptroot (Pyrenulaceae)

This species earlier known from Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from the bark of *Ficus benghalensis* L. in Cotigao Wildlife Sanctuary south Goa, Goa. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Pallavi Randive, Gaurav K. Mishra, Sanjeeva Nayaka, D. K. Upreti & M. K. Janarthanam in Plant Science Today 8(4): 894. 2021.

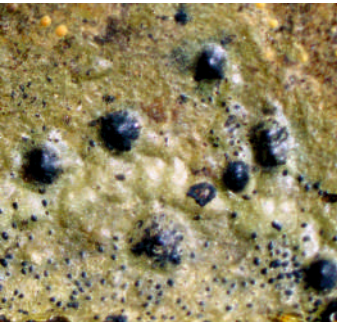


पायक्सिन स्मिद्वि वैन. (कैलिसिएसी)

पूर्व में आस्ट्रेलिया, एशिया एवं पपुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस. के., नतेशन एस., संकर के., डेविड एम. एल. आर. एवं उप्रेति डी. के द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 211. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Pyxine schmidtii Vain. (Caliciaceae)

This species earlier known from Australia, Asia and Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S., Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 211. 2021.



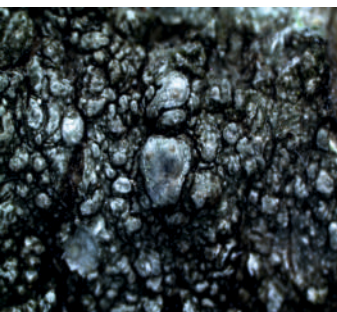
स्ट्रिगुला मैक्रोकार्पा वैन. (स्ट्रिगुलेसी)

पूर्व में मध्य एवं दक्षिण अमेरिका, नाइजेरिया, फिलीपींस एवं युगांडा से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में अंडमान द्वीप के रुतलेण्ड द्वीप स्थित आर.एम. पॉइंट वन से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर (पीबीएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को जगदीश राम एवं सिन्हा द्वारा इंडियन जर्नल ऑफ फारेस्ट्री 43(4): 356.2020 में प्रकाशित किया गया है।

Strigula macrocarpa Vain. (Strigulaceae)

This species earlier known from Central and South America, Nigeria, Philippines and Uganda has been reported for the first time from India based on collections made from the R. M. Point Forest, Rutland Island, Andaman Islands, Andaman and Nicobar Islands. The specimen is deposited in the Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman and Nicobar Regional Centre, Port Blair, Andaman and Nicobar Islands (PBL). It has been published by Jagadeesh Ram & Sinha in Indian Journal of Forestry 43(4): 356. 2020.

प्रभेदीय अभिलेख / VARIETAL RECORDS

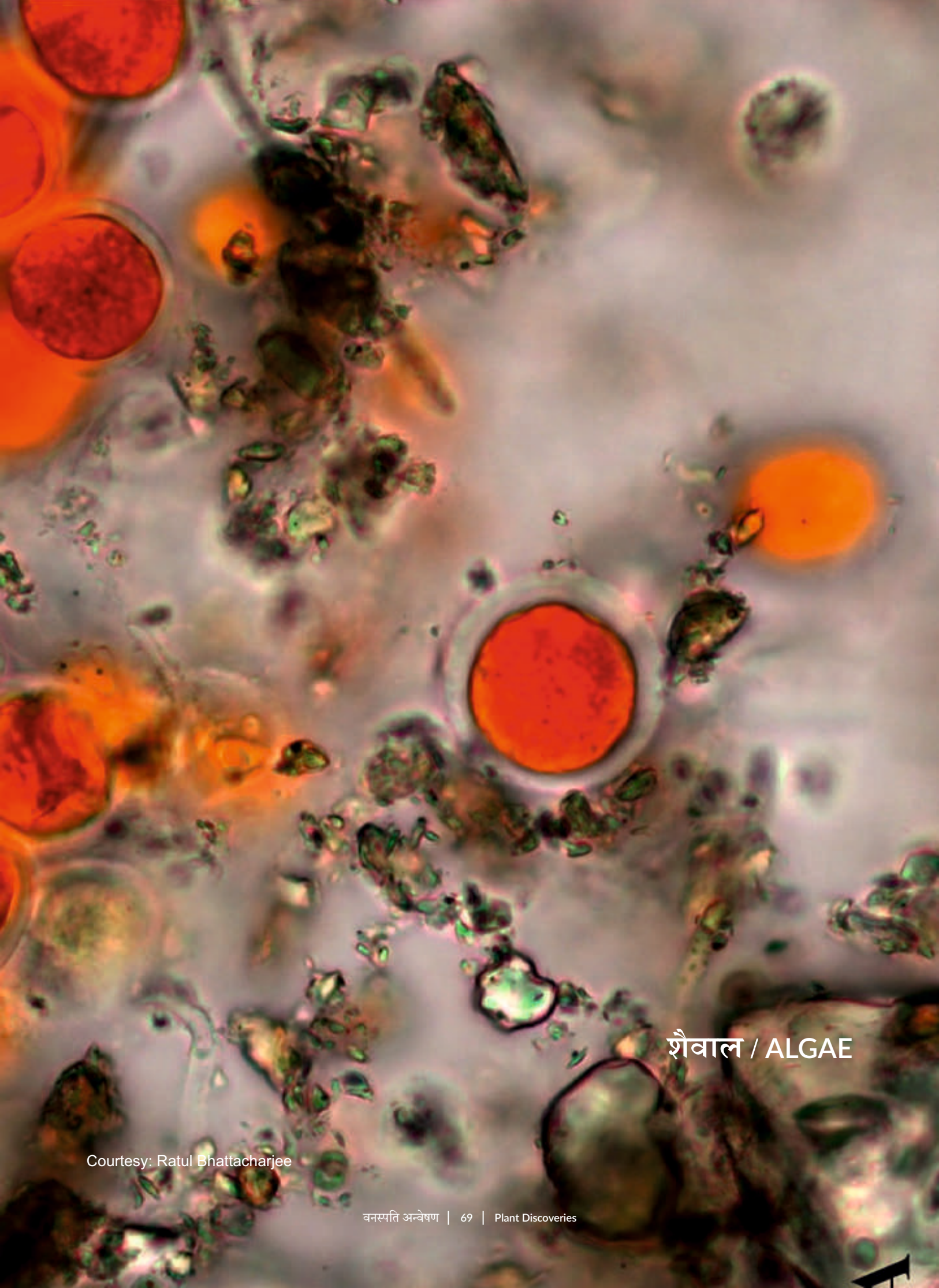


पर्टुसरिया साइकाट्रायकोसा मूल. अर्ग. प्रभेद डेफिसिएंस ए. डब्लू. आर्चर, एलिक्स एवं स्ट्रेमम (पर्टुसरिएसी)

पूर्व में पपुआ न्यू गिनी से ज्ञात इस नवीन प्रभेद का पता भारत में पहली बार तमिलनाडु में डिंडिगुल जनपद के सिरुमलाई पहाड़ियों से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों को राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इस शोध को नायका एस., जोसेफ एस., राजाराम एस. के., नतेशन एस., संकर के., डेविड एम. एल. आर. एवं उप्रेति डी. के. द्वारा स्टडीज इन फंगी 6 (1): 211. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Pertusaria cicatricose Müll. Arg. var. deficiens A.W. Archer, Elix & Streimann (Pertusariaceae)

This variety earlier known from Papua New Guinea has been reported for the first time from India based on collections made from the Sirumalai hills, Dindigul district of Tamil Nadu. The specimens are deposited in the Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). This has been published by Nayaka S., Joseph S., Rajaram S. K., Natesan S., Sankar K., David M. L. R. and Upreti D. K. in Studies in Fungi 6(1): 211. 2021.



शैवाल / ALGAE

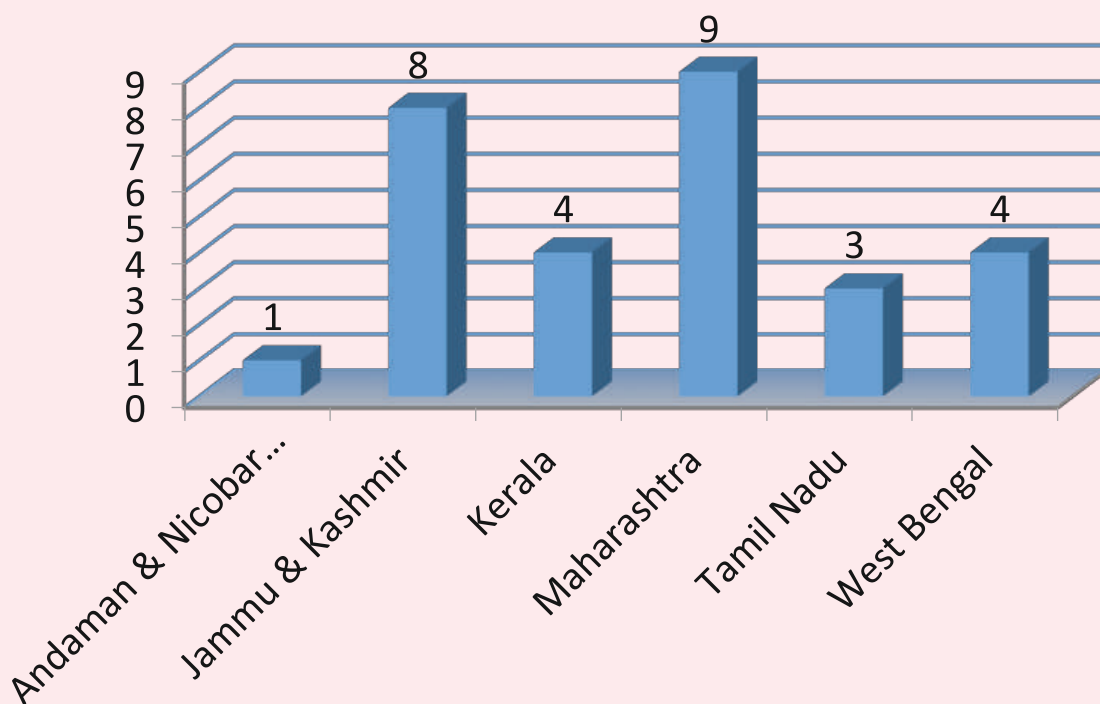
Courtesy: Ratul Bhattacharjee

शैवाल/ALGAE

शैवाल एककोशीय से बहुकोशीय संरचना वाले सरल, प्ररूपी तौर स्वपोषी जीव का विशाल एवं विविधतापूर्ण समूह है। विश्व स्तर पर शैवालों का अत्यधिक दोहन होने के साथ ही भारत में भी शैवालों के बारे में जानकारी में लगातार गुणात्मक वृद्धि हो रही है। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 16.36 प्रतिशत हिस्सा शैवालों का है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय शैवालों की लगभग 9008 जातियाँ हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से 2 नवीन वंश और 17 नवीन जातियों को विज्ञान के लिए नए जातियों के रूप में अन्वेषित किया गया। राज्यवार विश्लेषण में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से 1 जाति, तमिलनाडु से 3 जातियों, केरल से, 4 पश्चिम बंगाल से 4 जातियों, महाराष्ट्र से 9 जातियों एवं जम्मू तथा कश्मीर संघ-क्षेत्र से 8 जातियों का अन्वेषण हुआ है तथा भारतीय वनस्पतिजात में पहली बार 11 जातियों तथा 1 प्रभेद को नए क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेख में सम्मिलित किया गया है।

Algae are large and diverse group of simple, typically autotrophic organisms from unicellular to multicellular forms. Though algae are becoming more and more open to exploitation worldwide, knowledge on algae in India increasing tremendously in recent times. The Indian algae account for about 16.36 per cent of the total species of the India. In the present state of our knowledge India has about 9008 species of algae. Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for year 2021 includes 2 new genera and 17 new species as new to science from India.

State-wise analyses shows (1 species from Andaman & Nicobar Islands, 3 from Tamil Nadu, 4 each from Kerala and West Bengal, 9 from Maharashtra and 8 from Jammu & Kashmir UT) has been discovered and described. This includes 11 species and 1 variety first time described as new distributional records for India during the year 2021.



भारतीय राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों से अन्वेषित शैवालों की संख्या
NUMBER OF ALGAE DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन वंश / NEW GENERA

एरोफायलम चक्रवर्ती एवं मुखर्जी, फायटोटैक्सा 522 (3): 182. 2021 (ओकुलाटेलेसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन भारत स्थित सुंदरवन के लोथियन द्वीप से प्राप्त *एरोफायलम फासिकुलेटम* चक्रवर्ती एवं मुखर्जी के आधार पर किया गया है। इसका नाम *एरोफायलम* ग्रीक भाषा के एरो तथा फायलम पर आधारित है जिसका अर्थ क्रमशः अर्थ 'हवा' और 'तंतु' होता है तथा यह नाम इसके घुमावदार स्थान पर पाए जाने वाले गैसीय पुटिकाओं की उपस्थिति के कारण रखा गया है।

Aerofilum Chakraborty et Mukherjee, Phytotaxa 522 (3): 182.2021 (Oculatellaceae)

This new genus of cyanobacteria has been discovered and described based on type species *Aerofilum fasciculatum* Chakraborty et Mukherjee, collected from Lothian Island of the Indian Sundarbans. The generic epithet '*Aerofilum*' is derived from two Greek words, 'Aero' which means 'air' as the strain possesses gas vesicles (aerotopes) and 'filum' which means 'filament'.

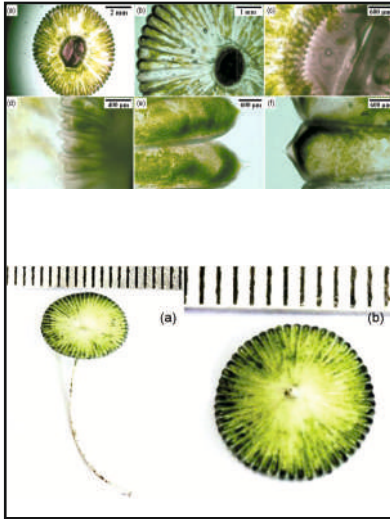
कोंसट्रिक्टिफायलम चावदार एवं अन्य सभी, एफईएमएस माइक्रोबायोलॉजी लेटर्स 368: 9. 2021 (नोस्टोकैसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन भारत में महाराष्ट्र के सातारा में कराद स्थित मलकापुर गाँव में पानी से भरे गन्ने के खेत से प्राप्त *कोंसट्रिक्टिफायलम कारदेन्स* के आधार पर किया गया है। इसका नामकरण इस वंश के संकुचित धागे सदृश्य रूप पर आधारित है।

Constrictifilum Chavadar et al., FEMS Microbiology Letters 368: 9.2021(Nostocaceae)

This new genus of cyanobacteria has been discovered and described based on type species *Constrictifilum karadense* Chavadar et al. collected from a water-logged sugarcane field located in the Malkapur village, Karad, Satara, Maharashtra. The generic epithet refers to constricted thread like appearance of the genus.

नवीन जाति / NEW SPECIES



एसिटैबुलेरिया जलकन्याकेइ सैनी, मधु, कोहली एवं अन्य सभी, इंड. ज. जियो. मार. सा. 50 (09): 706. 2021.

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से प्राप्त अंतर्ज्वारीय चट्टानों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एचएमए) में संग्रहित है। इसके विशिष्ट नामकरण में संस्कृत के जलकन्या का प्रयोग इसके ऊपरी हिस्से में जलपरी के छतरी जैसी सुन्दर आकृति की उपस्थिति है।

Acetabularia jalakanyakae Saini, Madhu, Kohli et al., Ind. J. Geo Mar. Sc. 50 (09): 706. 2021.

This species has been discovered and described based on collection made from intertidal rocks at Port Blair, Andaman and Nicobar Islands. The holotype is deposited in the Herbarium of the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). Specific epithet '*jalakanyakae*' means mermaid in Sanskrit to indicate the aesthesis of the cap that resembles mermaid's umbrella.

एरोफायलम फासिकुलेटम चक्रवर्ती एवं मुखर्जी, फायटोटैक्सा 522 (3): 182. 2021 (ओकुलाटेलेसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत स्थित सुंदरवन के लोथियन द्वीप से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एपी 3 बी) को माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन (एमसीसी), भारत में परिग्रहण संख्या एमसीसी 3478 से संग्रहित किया गया है। इसके विशिष्ट नामकरण में प्रयुक्त फासिकुलेटम शब्द इसके वृद्धि के पैटर्न को दर्शाता है जो गुच्छों के सदृश्य होते हैं।

Aerofilum fasciculatum Chakraborty et Mukherjee, Phytotaxa 522 (3): 182. 2021 (Oculatellaceae)

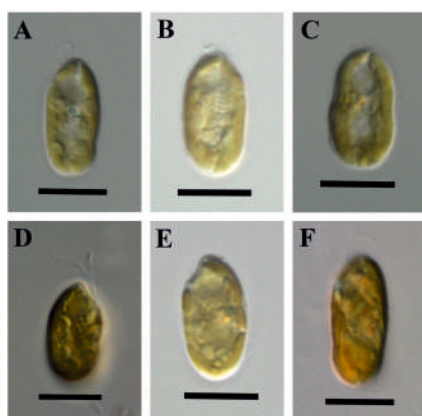
This new species of cyanobacteria has been discovered and described based on collection made from Lothian Island of the Indian Sundarbans. The holotype (AP3b) is deposited in the Microbial Culture Collection (MCC), India having accession number MCC 3478. The specific epithet '*fasciculatum*' refers to the growth pattern of the strain which is like that of a cluster or fascicles.

कोंसट्रिक्टिफायलम करादेन्स चवादार एवं अन्य सभी, एफईएमएस माइक्रोबायोलॉजी लेटर्स 368: 9. 2021 (नोस्टोकैसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र के सातारा में कराद स्थित मलकापुर गाँव में पानी से भरे गन्ने के खेत से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एमसीसी 4007) को नेशनल सेंटर फॉर माइक्रोबियल रिसोर्स (एनसीएमआर), नेशनल सेंटर फॉर सयेल साइंस, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त पद 'करादेन्स' इसके मूल स्थानीय आवास कराद पर आधारित है।

Constrictifilum karadense Chavadar et al., FEMS Microbiology Letters 368: 9. 2021(Nostocaceae)

This new species of cyanobacteria has been discovered and described based on collection made from a water-logged sugarcane field located in the Malkapur village, Karad, Satara, Maharashtra. The holotype (MCC 4007) is deposited in the National Centre for Microbial Resource (NCMR), National Centre for Cell Science, Pune, Maharashtra. The specific epithet 'karadense' is after the type locality (Karad).

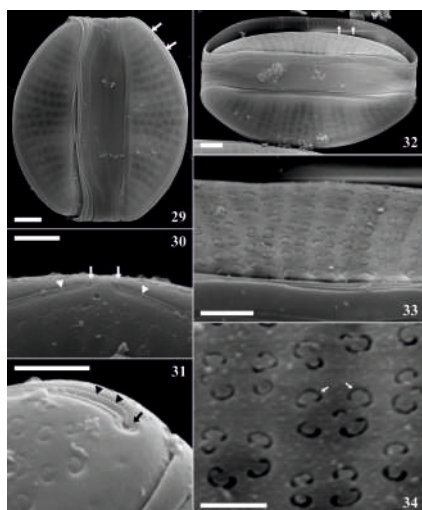


क्रिप्टोमोनास इंडिका गुसेव, बी. कार्थिक, मार्टीनेको, शकुरीना एवं कुलीकोव्स्की, फायटोटैक्सा 518 (4): 264. 2021

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन घाटकरवाडी जलाशय, अजारा तहसिल, महाराष्ट्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एचएमए) में संग्रहित है। इस जाति का नामकरण 'भारत' देश पर आधारित है जहाँ से यह पहली बार ज्ञात हुआ।

Cryptomonas indica Gusev, B. Karthick, Martynenko, Shkurina et Kulikovskiy, Phytotaxa 518 (4): 264. 2021.

This species has been discovered and described based on collection made from Ghatkarwadi Reservoir, Ajara Tehsil, Maharashtra. The holotype is deposited in the Herbarium of the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). The species name is derived from 'India', the country from which it was first reported.



एपिथेमिया अघरकरी ए. विगणेश्वरन, जे.पी. कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक, फायटोटैक्सा 518 (4): 264. 2021 (रोपलोडिऐसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 574 मी. की ऊंचाई पर मुला नदी, मुल्शी, पुणे, महाराष्ट्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र स्थित हर्बेरियम ऑफ़ महाराष्ट्र एसोसिएशन (एचएमए) में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण पुणे, महाराष्ट्र स्थित अघरकर अनुसंधान संस्थान के निदेशक एवं प्रख्यात वनस्पतिज्ञ प्रो. एस.पी. अघरकर के सम्मान में उनके द्वारा पादप भूगोल के क्षेत्र में दिए गए योगदानों के लिए किया गया है।

Epithemia agharkarii A. Vigneshwaran, J.P. Kociolek & B. Karthick, Phytotaxa 489 (2): 172.2021 (Rhopalodiaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Mula River, Mulshi, Pune, Maharashtra at 574 m altitude. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). The specific epithet is dedicated to Professor S.P. Agharkar, founding Director of the Agharkar Research Institute of Pune and a remarkable botanist, for his immense contribution to the field of Phytogeography.

यूरीहेलिनेमा पालुस्ट्रिस चक्रबर्ती एवं मुखर्जी, फायटोटैक्सा 522 (3): 182. 2021 (प्रोकलोरोट्राईकेसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत स्थित सुंदरवन के सागर द्वीप से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एपी3) को माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन (एमसीसी), भारत में परिग्रहण संख्या एमसीसी 3172 से संग्रहित किया गया है। इसके विशिष्ट नामकरण में 'पालुस्ट्रिस' इसके दलदलीय आवास को दर्शाता है जहाँ से इसे संग्रहित किया गया था।

Euryhalinema pallustris Chakraborty & Mukherjee, Phytotaxa 522 (3): 182.2021(Prochlorotrichaceae)

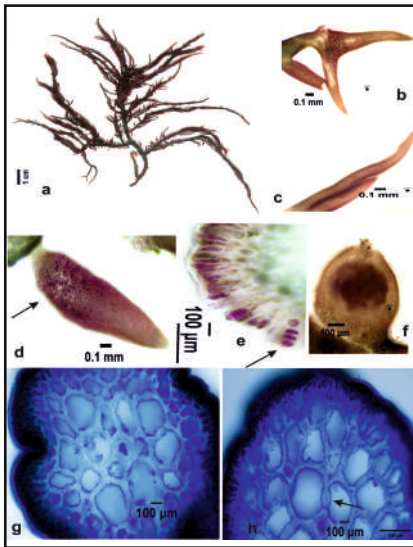
This new species of cyanobacteria has been discovered and described based on collection made from Sagar Island of the Indian Sundarbans. Holotype (AP3) deposited and cryopreserved in Microbial Culture Collection (MCC), India bearing an accession number MCC3172. The specific epithet '*pallustris*' indicates the swampy habitat of the strain from where it was collected.

हिपिनिया बुलाटा पी. कुंडु एवं एफ. बास्ट, बॉटनिका मरिना 64 (2): 144. 2021 (सिस्टोक्लोनिएसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कन्याकुमारी, तमिलनाडू से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण इसके बुलेट वृद्धि पर आधारित है, जो मुड़े हुए शाखाओं में सिमटी हुई प्रतीत होती है।

Hypnea bullata P. Kundu et F. Bast, Botanica Marina 64(2): 144. 2021 (Cystocloniaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Kanyakumari, Tamil Nadu. Holotype is deposited in Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet '*bullata*' is after its bullate growth habit, closely puckered appearance with creeping branches.

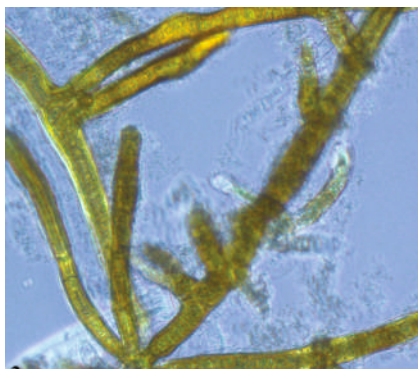


हिपिनिया इंडिका पी. कुंडु एवं एफ. बास्ट, बॉटनिका मरिना 64 (2): 143. 2021 (सिस्टोक्लोनिएसी)

सायनोबैक्टीरिया के इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कन्याकुमारी, तमिलनाडू से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, राष्ट्रीय वानस्पतिक अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण भारत देश पर आधारित है जहां से इसका संग्रह किया गया है।

Hypnea indica P. Kundu et F. Bast, Botanica Marina 64(2): 143. 2021 (Cystocloniaceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Kanyakumari, Tamil Nadu. Holotype is deposited in Herbarium, National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is after the country, India from where it was collected.

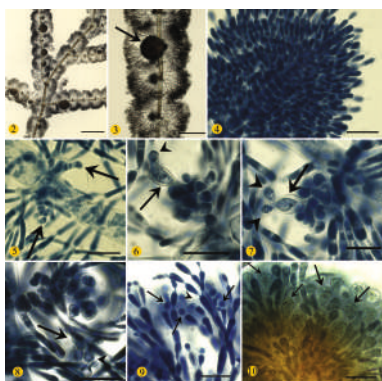


इनिंगैनेमा सह्याद्रेंसिस वाई. माल्टसेव एवं कुलिकोवस्की, यूरोपियन जर्नल ऑफ फायकोलॉजी <https://doi.org/10.1080/09670262.2020.1834147>. 2021 (सायटोनेमेटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र के पश्चिमी घाट के उत्तरी भाग स्थित जलप्रपात से थोड़ी दूरी पर उपवायुवीय चट्टानीय अंश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को (एमजेड- आईएसी) को पादपालय, अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में 'सह्याद्रेंसिस' 'सह्याद्रि' पर आधारित है जो पर्वत श्रेणी पश्चिमी घाट का दूसरा नाम है।

Ingingainema sahyadrensis Y.Maltsev & Kulikovskiy, European Journal of Phycology, <https://doi.org/10.1080/09670262.2020.1834147>. 2021 (Scytonemataceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from subaerial outcrops not far from the waterfall at the northern part of the Western Ghats, Maharashtra. Holotype (MZ-lac9) is deposited in Agharkar Research Institute Herbarium, Pune, Maharashtra (AHMA). The specific epithet '*sahyadrensis*' is after Sahyadri, which is another name of the mountain range Western Ghats.



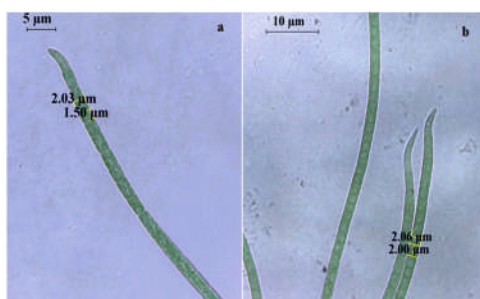
कुमानोआ चौगुलेई जयलक्ष्मी एवं जोस जॉन, फायकोलोजिया, <https://doi.org/10.1080/00318884.2021.1924511> (बैट्राकोस्पामेंसी)।

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल के एर्नाकुलम जनपद स्थित पेरियार नदी की एक बड़ी सहायक नदी इदामलयर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु (एमएच) में संग्रहित हैं। इस जाति का नामकरण शैवालीय विशेषकर अल्वजीय जल लाल अध्ययन में योगदान देने वाले सावित्री फुले पुणे, विश्वविद्यालय, भारत के वनस्पतिशास्त्र के सेवानिवृत्त प्रोफेसर भूपाल चौगुल को समर्पित है।

Kumanoa chaugulei Jayalakshmi & Jose John, Phycologia <https://doi.org/10.1080/00318884.2021.1924511>

This new species has been discovered and described based on collection made from Idamalayar, a major tributary of the River Periyar, Ernakulam District,

Kerala. Holotype is deposited in Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). The specific epithet is dedicated to Bhupal Chaugule, retired Professor of Botany at the Savitribai Phule Pune University, India, for his contributions to algal studies, especially on Indian freshwater red algae.

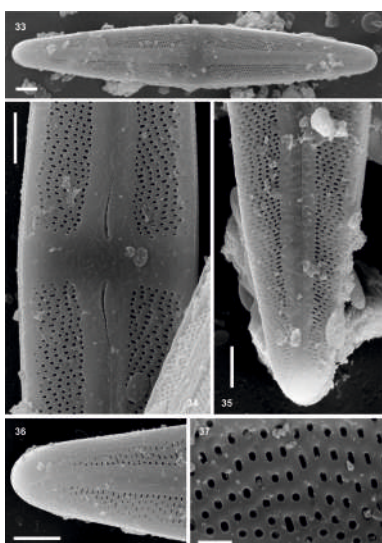


ऑक्सिनेमा एस्टुएरी चक्रवर्ती एवं मुखर्जी, फायटोटैक्सा 374 (1): 35. 2018 (माइक्रोकोलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन भारत स्थित सुंदरवन के लोथियन द्वीप से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एपी17) को माइक्रोबियल कल्चर कलेक्शन (एमसीसी), भारत में परिग्रहण संख्या एमसीसी 3478 के साथ संग्रहित एवं निम्नताप में परिरक्षित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त 'एस्टुएरी' यह बताता है कि यह जाति भारत में सुंदर वन स्थित अंतर्ज्वारीय क्षेत्रों के ज्वारनदमुखीय वातावरण में पाया जाता है।

Oxynema aestuarii Chakraborty & Mukherjee, Phytotaxa 374 (1): 35. 2018 (Microcoleaceae)

This new species of cyanobacteria has been discovered and described based on collection made from Lothian Island of the Indian Sundarbans. Holotype (AP17) deposited and cryopreserved in Microbial Culture Collection (MCC), India, bearing an accession number MCC 3874. The specific epithet 'aestuarii' indicates the occurrence of the species in the estuarine environment of intertidal areas of the Indian Sundarbans.

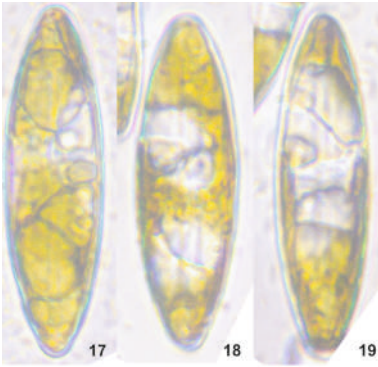


स्टौरौनेइस बाहल्सी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक फोटेआ, ओलोमाउक, 21 (2): 222. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 691 मी की ऊंचाई से महाराष्ट्र के वरांधा घाट रोड पर स्थित एक गुफा से निकलने वाले एक बहुत ही ऊंचाई पर स्थित जलप्रपात से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम डॉ. लोरेन बाहल्स (मोंटाना, यूएसए) को समर्पित है जिन्होंने उत्तर अमेरिका के उत्तरी चट्टानीय क्षेत्रों के स्टौरौनेइस वंश के शोध-कार्य में बड़ा योगदान दिया है।

Stauroneis bahlsii Wadmare, Kocielek et B.Karthick, Fottea, Olomouc, 21(2): 222.2021(Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from High altitude waterfall site located at Varandha Ghat road, Maharashtra at 691 m altitude. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). The specific epithet is dedicated to Dr. Loren Bahls from Montana, USA, for his immense contribution to the genus *Stauroneis* in the Northern Rockies of North America.

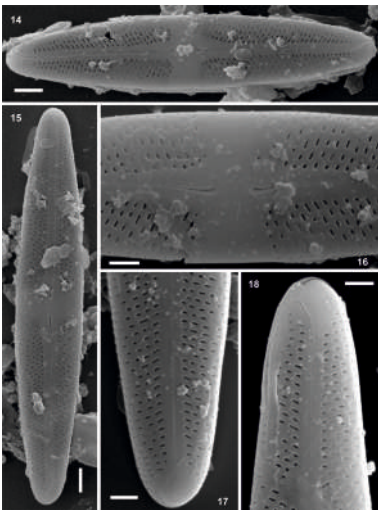


स्टौरौनेइस बर्ती वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक यूरोपियन जर्नल ऑफ फायकोलॉजी <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 151 मी की ऊंचाई से महाराष्ट्र के बेसाल्ट मंजारे पठार से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण डॉ. बर्त वान डि विजवर, मेसी वानस्पतिक उद्यान, बेल्जियम को समर्पित है जिन्होंने स्टौरौनेइस वंश (विशेषकर अंटार्कटिक से) के विविधता के संबंध में हमारे समझ को बढ़ाने में बहुत योगदान दिया है।

Stauroneis bartii Wadmare, Kociolek & B. Karthick, European Journal of Phycology <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Low altitude basalt Manjare plateau, Maharashtra at 151 m altitude. Holotype is deposited at the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). This specific epithet is dedicated in the Dr. Bart Van de Vijver, Meise Botanical Garden, Belgium, for his contributions to our understanding of the diversity of the genus *Stauroneis*, especially from Antarctica.

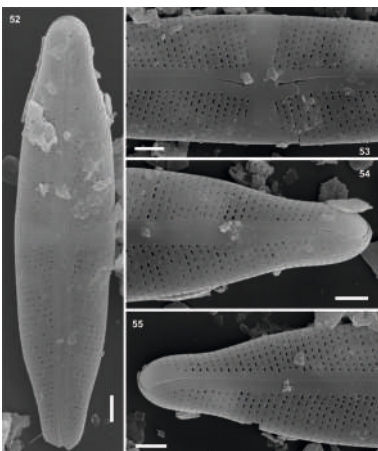


स्टौरौनेइस दातरी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक फोटेआ, ओलोमाउक, 21 (2): 221. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 691 मी की ऊंचाई से महाराष्ट्र के वरांधा घाट रोड पर स्थित एक गुफा से निकलने वाले एक बहुत ही ऊंचाई पर स्थित जलप्रपात से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम उत्तरी पश्चिमी घाट के पुष्पीय पौधों पर शोध कार्यों में योगदान देने वाले अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे के डॉ. मंदार दातर को समर्पित है।

Stauroneis datarii Wadmare, Kociolek et B.Karthick, Fottea, Olomouc, 21(2): 221.2021(Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from High altitude waterfall site located at Varandha Ghat road Maharashtra at 691 m altitude. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). This specific epithet is dedicated to Dr. Mandar Datar, Agharkar Research Institute, Pune, for his contributions to the flowering plants of Northern Western Ghats.

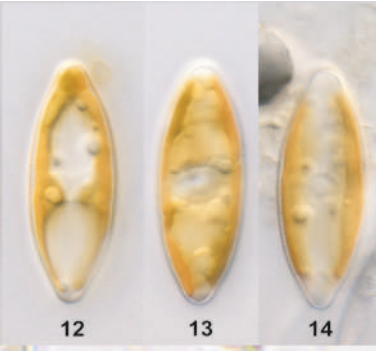
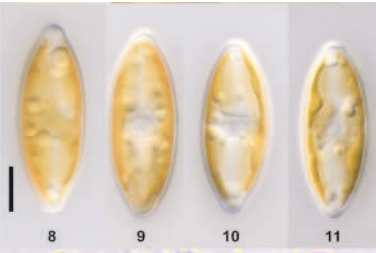
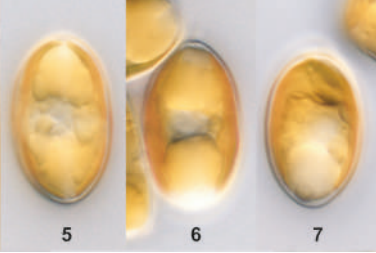
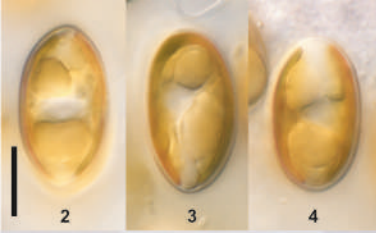


स्टौरौनेइस हेमिल्टनी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक फोटेआ, ओलोमाउक, 21 (2): 226. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1224 मी की ऊंचाई से महाराष्ट्र के सतारा के निकट कास पठारीय सुरक्षित क्षेत्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एएचएमए) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम डॉ. पॉल हेमिल्टन (म्यूजियम ऑफ नेचर, ओटावा, कनाडा) को समर्पित है जिनका डायएटम पादपवर्गिकी में बड़ा योगदान है।

Stauroneis hamiltonii Wadmare, Kociolek et B.Karthick, Fottea, Olomouc, 21(2): 226.2021(Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Kaas plateau protected area, near Satara, Maharashtra at 1224 m altitude. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). This specific epithet is dedicated to Dr. Paul Hamilton (Museum of Nature, Ottawa, Canada) for his significant work in diatom taxonomy.



स्टौरोनेइस लेटेरिटिका वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक यूरोपियन जर्नल ऑफ फायकोलॉजी <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1151 मी की ऊंचाई से महाराष्ट्र के चकेवाडी लेटेरिटिक पठार से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एचएमए) में संग्रहित किया गया है | इसके नामकरण से निवास प्रारूप स्थल (उच्च तुंगता चकेवाड़ी लेटेरिटिक पठार) का पता चलता है |

Stauroneis lateritica Wadmare, Kocielek & B. Karthick, European Journal of Phycology <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from high altitude lateritic Chalkewadi plateau, Maharashtra at 1151 m altitude. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). This specific epithet indicates the type locality (high altitude lateritic Chalkewadi plateau).

स्टौरोनेइस शोलाई वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक यूरोपियन जर्नल ऑफ फायकोलॉजी <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (बेसिलेरियोफायसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन केरल के वीमानडई चिन्नाकुलम, एराविकुलम राष्ट्रीय उद्यान से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके मूलप्ररूप को अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एचएमए) में संग्रहित किया गया है | इसके नामकरण में प्रयुक्त शब्द 'शोला' का तमिल एवं मलयालम अर्थ उष्णकटिबंधीय पर्वत वन क्षेत्र है जहां यह शैवाल प्रचुर मात्र में पाया जाता है |

Stauroneis sholaii Wadmare, Kocielek & B. Karthick, European Journal of Phycology <https://doi.org/10.1080/09670262.2021.1888390>. 2021 (Bacillariophyceae)

This new species has been discovered and described based on collection made from Veemanadai Chinnakulam, Eravikulam National Park, Kerala. Holotype is deposited in the Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (AHMA). This specific epithet derives from the term 'shola' which in Tamil and Malayalam means tropical montane forest patches, where this alga typically occurs abundantly.

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORDS

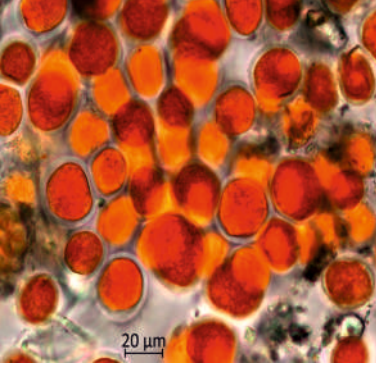


क्लोनिओफोरा प्लूमोसा (कुट्ज.) बोउर

पूर्व में बांग्लादेश, यूरोप, हवाई, जापान से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार कुमारसामी झील, कोयंबटूर, तमिलनाडु से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को मद्रास पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिणी क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु में संग्रहित किया गया है | इस शोध को विआनी अनिमिका एफ., अरोन संतोष कुमार वाई. तथा पलनिसामी एम. द्वारा नेलुम्बो 63 (1): 221. 2021 में प्रकाशित किया गया है |

Cloniophora plumosa (Kuetz.) Bourr

This species erstwhile known from Bangladesh, Europe, Hawaii, Japan has been reported for the first time from India based on the collection made from the Kumarasamy Lake, Coimbatore, Tamil Nadu. The specimen is deposited in the Madras Herbarium, Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu (MH). This study is published by Vianny Animica F., Aron Santhosh Kumar Y. and Palanisamy M. in Nelumbo 63(1): 221. 2021.

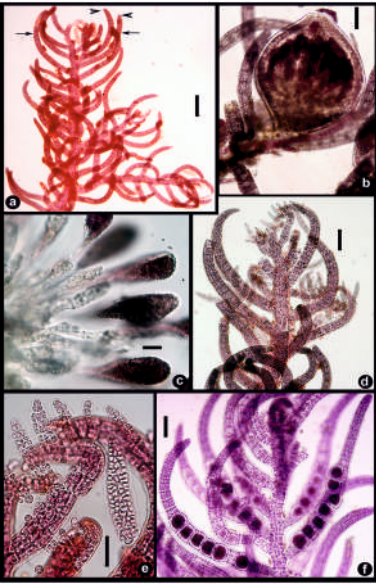


फ्लिन्टिएला संगुनेरिया एफ. डी. ओट

पूर्व में बर्ताउ जलस्रोत, टेक्सास, यू.एस.ए. से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार राजघाट, चिनसुराह, हूगली, पश्चिम बंगाल स्थित धान के खेत से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को रतुल भट्टाचर्जी, जय मल एवं जय प्रकाश केशरी द्वारा नेलुम्बो 63 (2): 12. 2020 में प्रकाशित किया गया है।

Flintiella sanguinaria F. D. Ott

This species erstwhile known from Bartou Springs, Texas, U.S.A. has been reported for the first time from India based on the collection made from the paddy fields of Rajhat, Chinsurah, Hooghly District of West Bengal. This study is published by Ratul Bhattacharjee, Jay Mal and Jai Prakash Keshri in *Nelumbo* 63 (2): 12. 2020.

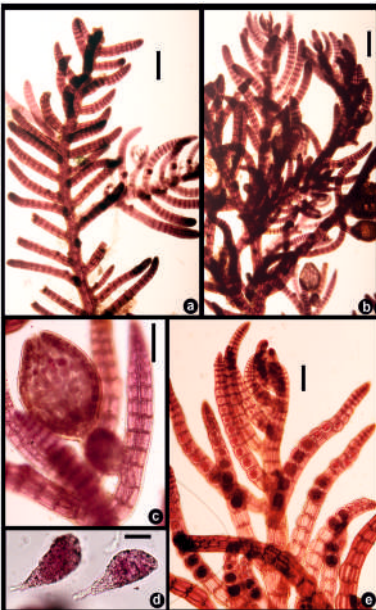


हर्पोसैफोनिया फालकाटा (कुजिंग) डी टोनी

पूर्व में दक्षिण अफ्रीका से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार थिरुमुल्लावरम, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को ग्रेस मरियम फिलिप, हन्नाह शेरिन जे., नंधिनी कान्द बक्थावचलम बाबू द्वारा इंडियन हायड्रोबायोल. 20(1): 152. 2021 में प्रकाशित किया गया है।

Herposiphonia falcata (Kutzing) De Toni

This species erstwhile known from South Africa has been reported for the first time from India based on the collection made from Thirumullavaram, Kerala. This study is published by Grace Mariam Philip, Hannah Sherine J., Nandhini Kannanand Bakthavachalam Babu in *Indian Hydrobiol.* 20 (1):152.2021.



हर्पोसैफोनिया सबडिस्टिका ओकमुरा

पूर्व में चीन एवं कोरिया से ज्ञात इस नवीन जाति का पता भारत में पहली बार थिरुमुल्लावरम, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को ग्रेस मरियम फिलिप, हन्नाह शेरिन जे., नंधिनी कान्द बक्थावचलम बाबू द्वारा इंडियन हायड्रोबायोल. 20 (1):152.2021 में प्रकाशित किया गया है।

Herposiphonia subdisticha Okamura

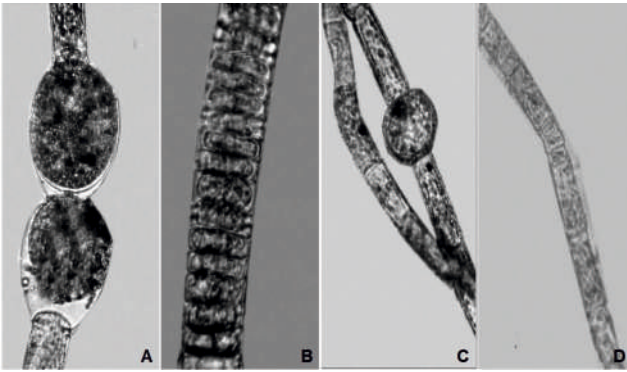
This species erstwhile known from China and Korea has been reported for the first time from India based on the collection made from Thirumullavaram, Kerala. This study is published by Grace Mariam Philip, Hannah Sherine J., Nandhini Kannanand Bakthavachalam Babu in *Indian Hydrobiol.* 20 (1):152.2021.

उडोगोनियम एम्पलियस (टायल.) टिफ.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू के कुलियान में मानसून के बाद बने एक मौसमी तालाब से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium amplius (Tayl.) Tiff.

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a seasonal pond formed after monsoon at Kuliyan, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.



उडोगोनियम अंगुस्टिस्टोमम हॉफ.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू के प्रगवाल आद्रभूमि स्थित सड़क किनारे बने गढ़ों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium angustistomum Hoff.

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from the road side ditches at Pragwal wetland, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.

उडोगोनियम सीफ कैपिलरी (एल.) कुर्ट्ज.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू के कुलियान में मानसून के बाद बने एक मौसमी तालाब से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium cf capillare (L.) Kutz.

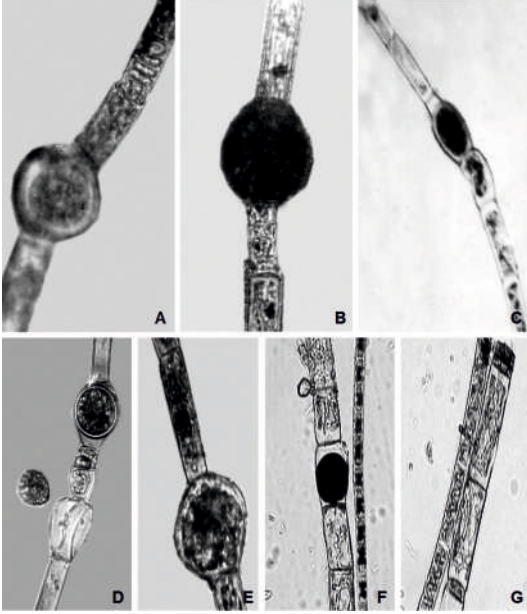
This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a seasonal pond formed after monsoon at Kuliyan, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.

उडोगोनियम स्यूडोफ्रेजाइल क्लास.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू में राजौरी के ठंडा पानी स्थित एक नदी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium pseudofragile Claass.

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a river at Thanda Pani (Rajouri), Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.



उडोगोनियम सबवाउचेरी क्लास.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू में मंसार के एक मौसमी तालाब से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium subvaucherii Claass.

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a seasonal pond from Mansar, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.

उडोगोनियम उपसलिऐंसी [वितर.] हिर्न.

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू में पूँछ के शीश महल स्थित धान के एक खेत से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium upsaliense [Wittr.] Hirn.

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a paddy field at Sheesh Mahal, Poonch, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.

उडोगोनियम विसायेंसी ब्रिटन

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू में कुलियान स्थित पेट्रोल पंप के विपरीत सड़क के बगल एक मौसमी तालाब, कठुआ के बाउली, साम्बा स्थित गढ़ों, मजालटा के मौसमी तालाब से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium visayense Britton

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a seasonal pond along the road side opposite petrol pump at Kuliyan, bouley at Kathua, ditches at Samba, seasonal pond at Majalta, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.

प्रभेदपरक अभिलेख / VARIETAL RECORD

उडोगोनियम मैगनुसी विटर. प्रभेद मेजर बॉक एवं बॉक

इस नवीन अभिलेख का अन्वेषण एवं वर्णन जम्मू के जवाहर नगर में मानसून के बाद बने एक छोटे से पोखर, कठुआ के एक छोटे से बोलि, ठंडापानी में सुस्त गति से बहने वाले झरने के बगल में बने छोटे पूलों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जामु एवं कश्मीर (जेयूएच) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को प्रिया तथा आनंद के द्वारा न्यू विज. बायोल. साई. 2 (5): 91-99. 2021. में प्रकाशित किया गया है।

Oedogonium magnusii Wittr. var. **major** Bock and Bock

This new record of algal species has been discovered and described based on the collection made from a small puddles formed after monsoon at Jawahar Nagar, Small boli at Kathua, Small pools formed along the side of slow-moving stream at Thandapani, Jammu, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in Herbarium, Department of Botany, Jammu University, Jammu and Kashmir (JUH). The study is published by Priya & Anand in New Vis. Biol. Sci. 2(5): 91-99. 2021.



कवक / FUNGI

Courtesy: U. Singh

कवक/FUNGI

दुनिया भर में व्याप्त कार्बनिक पदार्थों के विघटन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं तथा पोषण चक्र के लिए अपरिहार्य लम्बे समय से इनका उपयोग एक खाद्य स्रोत के रूप में तथा विभिन्न खाद्य सामग्रियों को किण्वित करने में होता रहा है, अब ये प्रतिजैविक के रूप में भी महत्वपूर्ण स्रोत बन गए हैं। भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 28.34 प्रतिशत हिस्सा कवकों का है। हमारी अब तक की जानकारी अनुसार भारतीय कवकों की लगभग 15602 जातियां हैं। इस प्रकार अनेकानेक जातियों का अन्वेषण एवं वर्णन अभी भी शेष है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से 06 नए वंश, 60 जातियों तथा 1 प्रभेद को विज्ञान के लिए नवीन के रूप में अन्वेषित एवं वर्णन किया गया है। राज्यवार विश्लेषण में अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से 7, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात, मिजोरम, नागालैंड, उड़ीसा, उत्तर प्रदेश एवं पंजाब राज्यों में प्रत्येक से 1, अरुणाचल प्रदेश से 5, लदाख, मध्यप्रदेश तथा तमिलनाडु राज्यों में प्रत्येक से 2, हिमाचल प्रदेश से 16, जम्मू एवं कश्मीर तथा उत्तराखंड एवं महाराष्ट्र राज्यों में प्रत्येक से 11, कर्नाटक से 4, केरल से 13, सिक्किम, पश्चिम बंगाल तथा राज्यों में प्रत्येक से 3 जातियों को अन्वेषित किया गया है। वर्ष 2021 के दौरान कुल 37 नवीन क्षेत्रात्मक वितरणपरक अभिलेखों को भारत से प्रथम बार अन्वेषित एवं वर्णन किया गया है।

Fungi distributed worldwide, perform an essential role in nature by decomposing organic matter and are indispensable in nutrient cycling. They have long been used as source of food and in fermentation of various food products and now they are an important source of antibiotics.

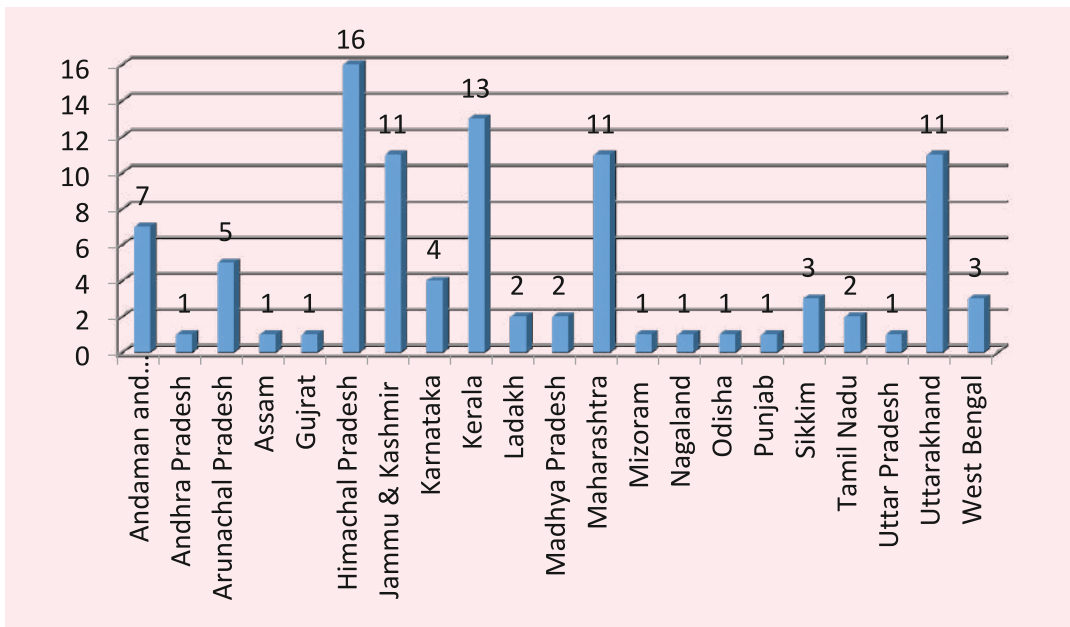
The Indian fungi account for about 28.34 per cent of the total plant species of the India.

In the present state of our knowledge India has about 15602 species of fungi.

Many more are yet to be identified and described. The collated information presented here for year 2021 includes 06 new genera 60 new species and 1 new variety from India. State wise analysis shows that

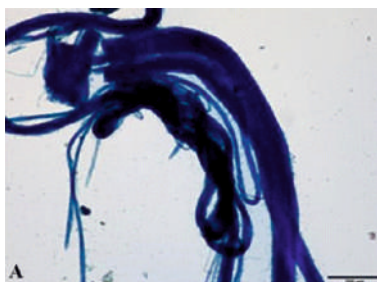
(7 from Andaman & Nicobar Islands, 1 each from Andhra Pradesh, Assam, Gujrat, Mizoram, Nagaland, Odisha, Punjab and Uttar Pradesh, 5 from Arunachal Pradesh, 2 each from Ladakh, Madhya Pradesh and Tamil Nadu, 16 from Himachal Pradesh, 11 each from Jammu & Kashmir, Maharashtra and Uttarakhand, 4 from Karnataka, 13 from Kerala, 3 each from Sikkim and West Bengal) has been discovered and described.

This includes 37 new distributional records discovered and described first time for India during the year 2021.



भारतीय राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों से अन्वेषित कवक की संख्या
NUMBER OF FUNGI DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन वंश / NEW GENERA



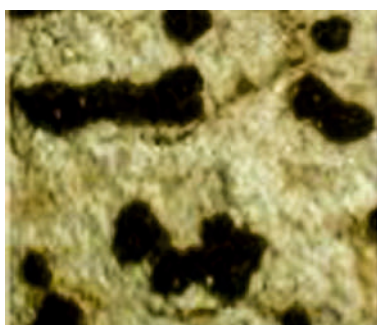
बिलिगिरिएला एस. सेनगुप्ता चट्टर्जी एवं रश्मि दुबे, जे. मायकोपैथोल. 59(3): 319. 2021.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन बिलिगिरी रंगास्वामी मंदिर वन्यजीव अभ्यारण्य, कर्नाटक से पाम के सूखे पत्तों से प्राप्त टाईप जाति *बिलिगिरिएला इंडिका* एस. सेनगुप्ता चट्टर्जी एवं रश्मि दुबे पर आधारित है | इसका विशिष्ट नाम इसके मौलिक आवास को बताता है |

Biligiriella S. Sengupta Chatterjee & Rashmi Dubey, J. Mycopathol. Res. 59(3): 319. 2021.

This new genus has been discovered and described based on type species *Biligiriella indica* S. Sengupta Chatterjee & Rashmi Dubey collected from dried

leaves of palm from Biligiri Rangaswamy Temple Wildlife Sanctuary, Karnataka. The generic epithet refers to the type locality (Biligiri Rangaswamy Temple Wildlife Sanctuary).



ब्रायकेंड्रिकिया राजं. के. वर्मा, पराशर, राजेशके., सुषमा, ए.के. गौतम एवं आर.एफ. कास्टानेडा, मायकोटैक्सन, 136: 132. 2021.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के मंडी जनपद से प्राप्त मृत एवं गिरे बांस के तनों से टाईप जाति *ब्रायकेंड्रिकिया कैटेनाटा* राजं. के. वर्मा, पराशर, राजेश के., सुषमा, ए.के. गौतम एवं आर.एफ. कास्टानेडा से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसका विशिष्ट नामकरण *हायपोमायसिस्ट पादपवर्गिकी* में योगदान देने वाले प्रो. ब्रायस केंड्रिक के सम्मान में 'ब्रायकेंड्रिकिया' रखा गया है |

Brykendirckia Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, A.K. Gautam & R.F. Castañeda, Mycotaxon, 136: 132. 2021.

This new genus has been discovered and described based on type species *Brykendirckia catenata* Rajn. K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, A.K. Gautam & R.F. Castañeda from dead and fallen bamboo culms from Mandi district, Himachal Pradesh. The generic epithet 'Brykendirckia' is in honour of Prof. Bryce Kendrick for his contribution to *hyphomycete* taxonomy.



सिलिण्ड्रोटरूला राजेशकुमार विजयाव. एवं भट, फंगल डायवर्सिटी 111.106.2021.

इस नवीन मृतजीवी वंश का अन्वेषण एवं वर्णन टाईप जाति *सिलिण्ड्रो इंडिका* राजेश कुमार, विजयाव, भ, एन. अशतेकर एवं एस. लेड पर थाने, महाराष्ट्र से प्राप्त सड़े हुए *कोकोस न्यूसिफेरा* स्पेथ से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इस वंश का नाम *टरूला* जाति के समान बेलनाकार, लम्बे, वेरुकुलोज प्राइमरी कोनिडिया एवं कोनिडियल सुंदर आकृतियों पर आधारित है |

Cylindrotorula Rajeshkumar, Wijayaw. & Bhat, Fungal Diversity 111, 106. 2021.

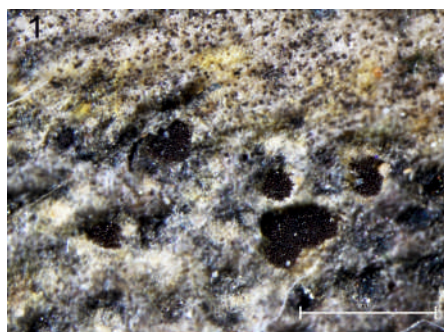
This new saprobic genus has been discovered and described based on type species *Cylindrotorula indica* Rajeshkumar, Wijayaw., Bhat, N. Ashtekar & S. Lad collected from the decaying *Cocos nucifera* spathe collected from Maharashtra. The genus is named after cylindrical, elongated, verruculose primary conidia, and conidial ornamentations similar to *Torula* species.

मारथोमामायसिस लिनी. के. मैथ्यु, जैकब एवं नीता एन. नायर, एशियन जर्नल ऑफ मायकोलॉजी 4(2): 36. 2021.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन पोन्मुडी, थिरुवनंतपुरम जनपद, केरल से प्राप्त *वेटेरिका इंडिका* एल. (डिप्टेरोकार्पेसी) के पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इस वंश का नाम शोध संस्थान, मार थोमा महाविद्यालय, थिरुवल्ला, केरल के सम्मान में किया गया है |

Marthomamyces Lini K. Mathew, Jacob Thomas and Neeta N. Nair, Asian Journal of Mycology 4(2): 36. 2021.

This new genus has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Vateria indica* L. (Dipterocarpaceae), collected from Ponmudy, Thiruvananthapuram District, Kerala. The generic epithet is in honour of the research institution, Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala.

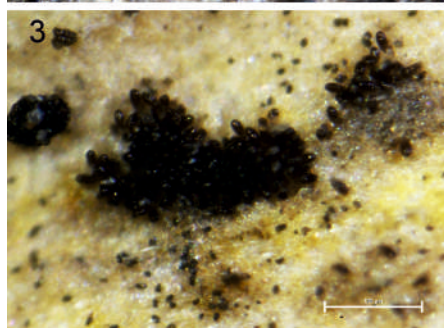


पैराडिक्टियोचेरिओस्पोरा राजेशकुमार, आर.के. वर्मा, बूमी, के.डी. हाइड, चंद्रासिरि एवं विजयाव, फायटोटैक्सा 509 (3): 262. 2021 (डिक्टियोस्पोरैसी)

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन के पंजाब विश्वविद्यालय परिसर, चंडीगढ़, पंजाब में टीक (*Tectona grandis*) से प्राप्त पत्ते एवं तने के नमूनों से प्राप्त किए गए संग्रह तथा महाराष्ट्र राज्य के थाने स्थित ग्रामीण क्षेत्र में बोरिसस फ्लेबेलिफर (टोडी पाम्स) के सड़े हुए पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसका नामकरण डिक्टियोचेरिओस्पोरा से इसके तुलनात्मक आकृतिकीय विशेषताओं को बताता है |

Paradictyocheirospora Rajeshkumar, R. K. Verma, Boonmee, K. D. Hyde, Chandrasiri & Wijayaw., Phytotaxa 509 (3): 262.2021(Dictyosporiaceae)

This new genus has been discovered and described based on the type species *Paradictyocheirospora tectonae* Rajeshkumar, R. K. Verma, Boonmee, K. D. Hyde, Chandrasiri & Wijayaw. collected from Leaf and stem litter samples from teak (*Tectona grandis*) plantations of Panjab University Campus, Chandigarh, Punjab and decaying leaves of *Borassus flabellifer* (toddy palms) from Thane rural area of Maharashtra. The generic epithet refers to the comparable morphological characters to that of *Dictyocheirospora*.



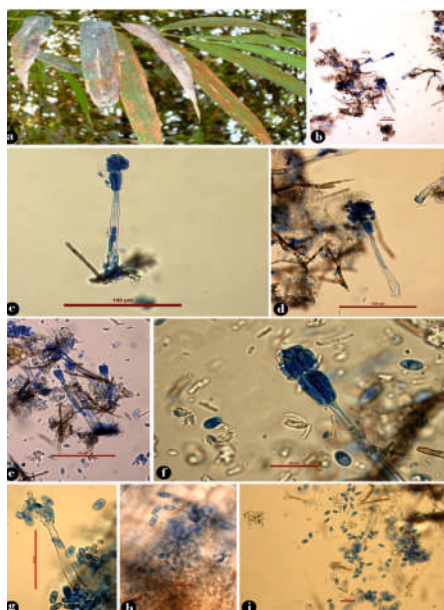
पेट्रोक्रोसिएल्ला राजेश कुमार, यु. बरुन एवं जे.जेड. ग्रोनेव, फंगल सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशन 7(1): 168. 2021.

इस नवीन वंश का अन्वेषण एवं वर्णन में तमिलनाडू के इरुट्टु पालम से प्राप्त *पोंगामिया पिनाटा* की पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसका नामकरण वेस्टर्डिजिक फंगल बायोडायवर्सिटी इंस्टिट्यूट के निदेशक तथा माइक्रोस्फेरिलिएसी के प्राधिकारी पेट्रो क्राउस के सम्मान में किया गया है |

Pedrocrousiella Rajeshkumar, U. Braun & J.Z. Groenew., Fungal Systematics and Evolution 7 (1): 168. 2021.

This new genus has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Pongamia pinnata* collected from Iruttu Palam, Tamil Nadu. The genus is named after Pedro Crous, Director of the Westerdijk Fungal Biodiversity Institute and authority on Mycosphaerellaceae.

नवीन जाति / NEW SPECIES

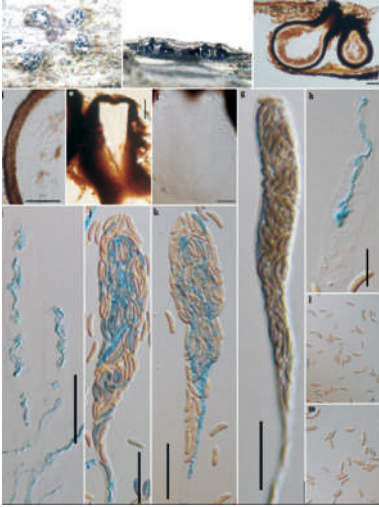


एक्रोईओस्टैकीस बम्बूसिकोला दुबे, स्पीशीज, 22(70), 319. 2021 (स्टेचिबोट्रायएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन तनसा वन्यजीव अभ्यारण्य, थाने जनपद, महाराष्ट्र से प्राप्त *बम्बूसा बंबोस* (एल.) वोस्स की पत्तियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके मूलप्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) में संग्रहित है | इसका नामकरण पोषक पौधे के नाम पर आधारित है |

Achromiostachys bambusicola Dubey, Species, 2021, 22(70), 319. 2021 (Stachybotryaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Bambusa bambos* (L.) Voss from Tansa Wildlife Sanctuary, Thane District, Maharashtra. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet is after the host plant.



एलोडिएट्रीपेला अनंथपद्मानभेइ एम. निरंजन एवं वी.वी. सर्मा, कवका 56: 105. 2021

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मोहनपुर, डिगलीपुर, उत्तर अंडमान में अपरिचित टहनी के नमूने तथा फेरारगंज, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपों में बांस के टहनियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच), अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसका नामकरण भारतीय ऐस्कोमायसायटस फंगल अनुसंधान में दिए गए योगदान के लिए डॉ. अनंथपद्मानाभन के सम्मान में किया गया है।

Allodiatrypella ananthapadmanabhae M. Niranjana & V.V. Sarma, KAVAKA 56: 105.2021

This new species has been discovered and described based on the collection made from unidentified twig sample from Mohanpur, Diglipur, North Andaman and from bamboo culms Ferrargunj, South Anadaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet is after Dr. Ananthapadmanabhan for his contribution to the Indian Ascomycetous fungal research.



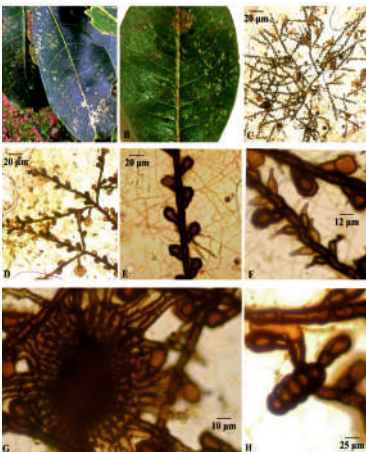
अमैनिटा परविरुफोबरुनेसेन्स ए. कुमार, वाय.पी. शर्मा, मेहमूद, नॉर्डिक ज. बॉट. ई 03141.2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन दुलिट, भलेस्सा, डोडा, जम्मू एवं कश्मीर से एबिज पिंड्रो तथा पिसिया स्मिथियाना से आच्छादित शंकुधारी वन क्षेत्र के भूमि से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (सीएएल 1831) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण में 'परवी' शब्द इसके छोटे आकार के बेसिडिओमा तथा अमैनिटा रुफोबुननेसेंस से इसके समानता को बताता है।

Amanita parvirufobrunnescens A.Kumar, Y.P. Sharma, Mehmood, Nordic J. Bot. e03141.2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from ground in coniferous forest dominated by *Abies pindrow* and *Picea smithiana* from Dulti, Bhalessa, Doda, Jammu & Kashmir. Holotype (CAL 1831) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah,

West Bengal (CAL). Specific epithet is derived from 'parvi' referring to its small basidioma and its similarity with *Amanita rufobunnescens*.

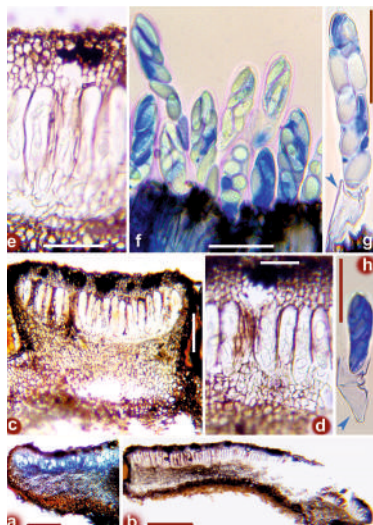


अमेजनिया ब्रेचियाटा जैकब थॉमस एवं हिना मोहम्म, फायटोटैक्सा 523(3):260. 2021 (मेलियोलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन वागमोन पहाड़ियों, केरल के इक्जोरा ब्रेशियाटा रोक्सब. (रूबिएसी) से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (एमटीसीएचटी 441) को मार थोमा विश्वविद्यालय पादपालय, तिरुवल्ला, केरल (एमटीसीएचटी) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण पोषक पौधे के नाम पर आधारित है।

Amazonia brachiata Jacob Thomas & Hina Mohamed, Phytotaxa 523 (3): 260. 2021(Meliolaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Ixora brachiata* Roxb. (Rubiaceae) from Vagamom Hills, Kerala. Holotype (MTCHT 441) is deposited in regional herbarium of Mar Thoma College Herbarium, Tiruvalla, Kerala (MTCHT). Specific epithet is after the name of host plant.



एप्लोस्पोरेला अबेक्सामिनांस संजीत, संजय एवं राघव. सिंह, फायटोटैक्सा 525 (3): 210. 2021 (एप्लोस्पोरेलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पंचमढी, मध्य प्रदेश के मुरैया कोएनिगी एल. (स्टेसी) से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एमएच 10212) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एमएच); एक्स-टाइप जीवंत कल्चर को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। समप्ररूप एमएच- बीएचयू में संग्रहित है। इसका विशिष्ट नामकरण बेगनिसिएला एक्जामिनांस से इसके समानता तथा अंतर को बताता है चूंकि लैटिन में 'एब' का अर्थ दूर होना या अलग होना है।

Aplosporella abexaminans Sanjeet, Sanjay & Raghv. Singh, Phytotaxa 525 (3): 210.2021(Aplosporellaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from the stem of *Murraya koenigii* L. (Rutaceae) from Panchmarhi, Madhya Pradesh. The holotype (AMH 10212) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), and ex-type living culture (NFCCI 5010) is preserved at National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. Isotype is in MH-BHU. Specific epithet

implies its similarity but difference to *Bagnisiella examinans* as in Latin 'ab' means 'away' or 'separation'.

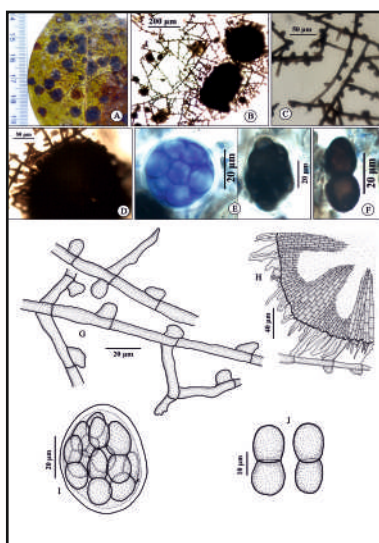


अस्टेरिना इम्बर्टीएई ए. सबीना, एच. बीजू एवं एस.एस. धनुषा, फायटोटैक्सा 505 (1): 118. 2021 (एस्टेरिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पाण्डिपथ, तिरुवनंथपुरम, केरल में गार्सिनिया इम्बर्टी बाउड (क्लूसिएसी) के पत्तियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप, समप्ररूप एवं पैराप्ररूप को पादपालय, प्लांट सिस्टमैटिक्स एंड इवोल्यूशनरी साइंस डिविजन, ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एवं रिसर्च इंस्टीट्यूट, तिरुवनंथपुरम, केरल (टीबीजीटी) में संग्रहित किया गया है।

Asterina imbertiae A. Sabeena, H. Biju & S. S. Dhanusha, Phytotaxa 505 (1): 118.2021 (Asterinaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Garcinia imbertiae* Bourd. (Clusiaceae) from Pandipath, Thiruvananthapuram, Kerala. Holotype, isotype and paratype are deposited in Herbarium, Plant Systematics & Evolutionary Science Division, Tropical Botanic Garden & Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala (TBGT). The specific epithet is named after its host species.

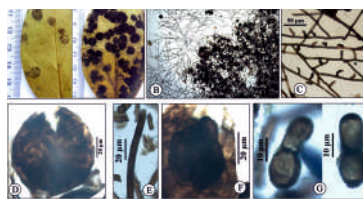


अस्टेरिना रूबिएसिरम एम.आर. भिसे, सी.आर. पाटिल, सी.बी. शलुखे एवं एस.वी. कामभर, फायटोटैक्सा 511 (3): 284. 2021 (एस्टेरिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मेचुटर- तेतावली, महाबलेश्वर, सतारा, महाराष्ट्र के कैथियम डायकोकम प्रभेद उम्बलेटम (रूबिएसी) की पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (एचसीआईओ 51666) को हरबेरियम क्रिप्टोगैमी इंडिया ओरिएंटलिस, डिविजन ऑफ प्लांट पैथोलॉजी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण इसके पोषक पौधे के कुल (रूबिएसी) पर आधारित है।

Asterina rubiacearum M.R. Bhise, C.R. Patil, C.B. Salunkhe & S.V. Kambhar, Phytotaxa 511 (3): 284. 2021 (Asterinaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Canthium dicoccum* var. *umbellatum* (Wight) Sant. & Merch. (Rubiaceae) from Machutar-Tetawali, Mahabaleshwar, Satara, Maharashtra. Holotype (HCIO 51666) is deposited in Herbarium Cryptogamae Indiae Orientalis, Division of Plant Pathology, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. The specific epithet is named after the host plant family (Rubiaceae).

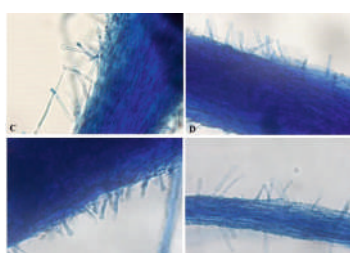


बलेडिना कैन्थिजेना एम.आर. भीसे, सी.आर. पाटिल, सी.बी. सालुंके एवं एस.वी.कामभर, फायटोटैक्सा 511 (3): 284. 2021 (एस्टेरिफेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन विल्सन पॉइंट, महाबलेश्वर, सतारा, महाराष्ट्र के कैथियम डायकोकम प्रभेद उम्बलेटम (रूबिफेसी) की पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (एचसीआईओ 51669) को हरबेरियम क्रिप्टोगैमी इंडिया ओरिएंटलिस, डिविजन ऑफ प्लांट पैथोलॉजी, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में संग्रहित किया गया है। इसका विशिष्ट नामकरण इसके पोषक पौधे पर आधारित है।

Balladyna canthiigena M.R. Bhise, C.R. Patil, C.B. Salunkhe & S.V. Kambhar, Phytotaxa 511 (3): 284. 2021(Asterinaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Canthium dicoccum* var. *umbellatum* (Rubiaceae) from Wilson point, Mahabaleshwar, Satara, Maharashtra. Holotype (HCIO 51669) is deposited in Herbarium Cryptogamae Indiae Orientalis, Division of Plant Pathology, Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. The specific epithet is named after the host genus.

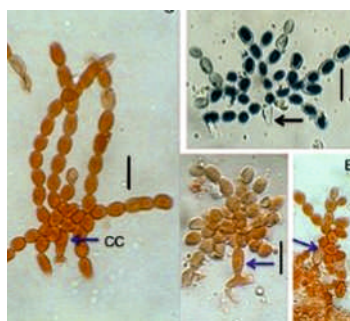


बिलिगिरिएला इंडिका एस.सेनगुप्ता चट्टर्जी एवं रश्मि दुबे, जे. मायकोपैथोल. रिज. 59 (3): 320. 2021

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन बिलिगिरी रंगास्वामी मंदिर वन्यजीव अभ्यारण्य, कर्नाटक से प्राप्त पाम के सूखे पत्तों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) में संग्रहित है। इसका विशिष्ट नाम भारत देश पर आधारित है जहां से इसे पहली बार ज्ञात किया गया है।

Biligiriella indica S. Sengupta Chatterjee and Rashmi Dubey, J. Mycopathol. Res. 59(3): 320.2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from dried leaves of palm from Biligiri Rangaswamy Temple Wildlife Sanctuary, Karnataka. The holotype is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet refers to the country from where it was first reported.

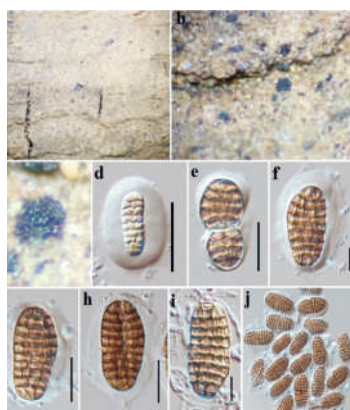


ब्रायकेंड्रिकिया कैटेनेटा राज. के. वर्मा, पराशर, राजेश के., सुषमा, ए.के. गौतम एवं आर.एफ. कास्टानेडा, मायकोटैक्सन, 136: 134. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के मंडी जनपद से प्राप्त मृत एवं गिरे बांस के तनों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएनए) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसके विशिष्ट नामकरण में 'कैटेनेटा' कैटेनेट कोनिडिया को बताता है।

Brykendirckia catenata Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, A.K. Gautam & R.F. Castañeda, Mycotaxon, 136: 134. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from dead and fallen bamboo culms from Mandi district, Himachal Pradesh. The specimens are deposited in the herbarium of the Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab (PAN). The specific epithet 'catenata' refers to the catenate conidia.

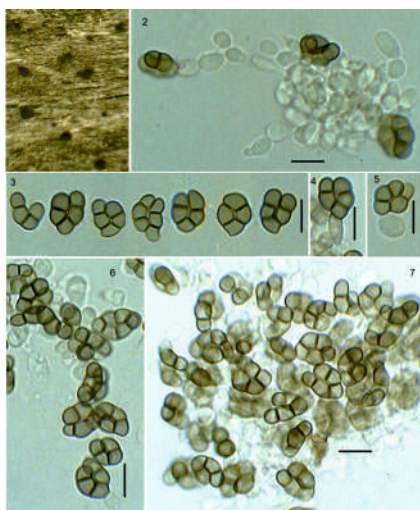


कैनलिसपोरियम कोशाबीजेई एम. निरंजन एवं वी.वी. शर्मा, कवका 56: 106. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन मोहनपुर, डिगलीपुर, उत्तर अंडमान के कैरिओटा मिटिस से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10085) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच) एवं एक्स-टाइप जीवंत कल्चर को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई 4510), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसके विशिष्ट नामकरण एस्कोस्पोरों को बताता है जिनका आवरण चिपचिपा होता है।

Canalisporium koshabeejae M. Niranjana & V.V.Sarma, KAVAKA 56: 106. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from *Caryota mitis* from Mohanpur, Diglipur, North Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10085) is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium and ex-type living culture (NFCCI 4510) is deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet refers to the ascospores containing mucilaginous sheath.



कैरोमाइसेला इंडिका वर्मा, रजनीश, पराशर, सुषमा, गौतम एवं अजय, वेजिटोस 34: 332. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन हिमाचल प्रदेश के सोलन जनपद से *पाइनस रॉक्सबर्गी* सर्ग के मृत एवं सड़े हुए काठ से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (पीएएन 32504) को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब (पीएएन) में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नाम भारत देश पर आधारित है जो इस कवक का मूल निवास स्थल है।

Cheiromycella indica Verma, Rajnish, Prasher, Sushma, Gautam & Ajay, Vegetos 34: 332. 2021.

This new species is described and illustrated based on the collection made from dead and decaying wood of *Pinus roxburghii* Sarg., collected from Solan district, Himachal Pradesh. Holotype (PAN 32504) is deposited in Herbarium of Panjab University, Chandigarh, Punjab (PAN). The species is named after India, the country where this fungus is native.

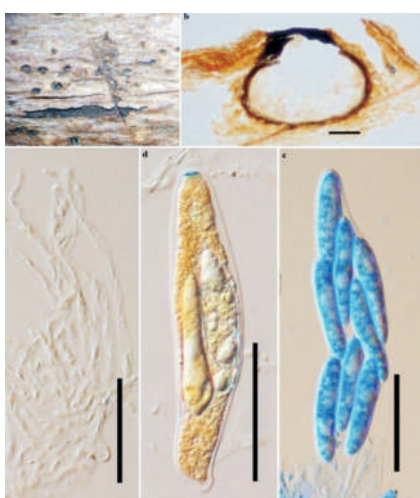


क्रौमफस हिमालयानस के. दास, हेम्ब्रम, ए. परिहार एवं विजिनि, फायटोटैक्सा 528(2): 86. 2021 (गोम्फिडिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन फायरिंग रेंज फॉरेस्ट, नाथंग, पूर्वी जनपद, सिक्किम में *एबीज* वृक्ष के नीचे कई युक्त मिट्टी से 3640 मी की ऊंचाई से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (सीएएल 1763) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल (हिमालय पर्वत श्रेणी) पर आधारित है।

Chroogomphus himalayanus K. Das, Hembrom, A. Parihar & Vizzini, Phytotaxa 528(2): 86.2021 (Gomphidiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made on the soil among mosses, under the trees of *Abies*, Firing Range Forest, Gnathang, East-district, Sikkim at 3640 m altitude. Holotype (CAL 1763) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after its type locality (Himalayan range).

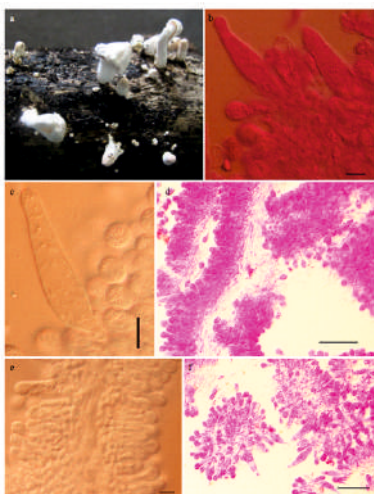


क्लिपियोफायसलोस्पोरा लोंगिस्पोरा एम. निरंजन एवं वी.वी. शर्मा, कवका 56: 107. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कलाटन, दक्षिण अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में *टर्मिनेलिया कटप्पा* के टहनी से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10199) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम, अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके लंबे एस्कोस्पोर पर आधारित है।

Clypeophysalospora longispora M. Niranjana & V.V. Sarma, KAVAKA 56: 107. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from twig of *Terminalia catappa* from Kalatan, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10199) is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet refers to the characteristic long ascospore of this novel species.



कोपरिनोप्सिस नटराजनी देवदथा, वी. कुमारसेन एवं वी.वी. सर्मा कवका 57: 24. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन वीरमपट्टिनम मैंग्रोव, पोंडिचेरी, तमिलनाडु में एविकेनिया मेरिना (एकान्थेसी) के सड़े हुए लकड़ियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10199) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम, अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसका नामकरण बेसिडियोमायकोटा में सराहनीय योगदान देने वाले सीएएस इन बॉटनी, मद्रास विश्वविद्यालय के स्व. प्रो. के. नटराजन के सम्मान में किया गया है।

Coprinopsis natarajanii Devadatha, V. Kumaresan and V. V. Sarma, KAVAKA 57: 24.2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from decaying wood of *Avicennia marina* (Acanthaceae) from Veerampattinam mangroves, Pondicherry, Tamil Nadu. The holotype (AMH 10164) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet is after late Prof. K. Natarajan of CAS in Botany, University of Madras for his contribution in Basidiomycota in India.



कोर्टिनारियस बाल्टिटोइंडिकस डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट, परसूनीया 44: 375. 2020 (कोर्टिनैरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1965 मी की ऊँचाई में टेक, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके नामकरण के प्रथम भाग में 'बाल्टिटो' शब्द इस जाति का संबंध सी. बाल्टिटोकुमैटिलिस से होने की बात करता है वहीं नामकरण का के दूसरे भाग में प्रयुक्त इंडिकस इस जाति के भारत में पाए जाने की बात करता है।

Cortinarius balteatoindicus Dima, Semwal, V. Papp, Brandrud & V.K. Bhatt, Persoonia 44: 375. 2020 (Cortinariaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Teka, Pauri Garhwal, Uttarakhand at 1965 m altitude. The etymology of the specific epithet '*balteatoindicus*' is as: the first part of the epithet '*balteato*' refers to the relationship with *C. balteatocumatilis*, the second part '*indicus*' refers to India where the species occurs.



कोर्टिनारियस इंडोपुरपुरासेन्स डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट, परसूनीया 45: 403. 2020 (कोर्टिनैरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1820 मी की ऊँचाई में मुंडनेश्वर, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके नामकरण पद्यति से भारत में इसकी उपस्थिति तथा कोर्टिनारियस पुरपुरासेन्स से इसके संबंध को बताता है।

Cortinarius indopurpurascens Dima, Semwal, V. Papp, Brandrud & V.K. Bhatt, Persoonia 45: 403.2020 (Cortinariaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Mundneshwar, Pauri Garhwal, Uttarakhand at 1820 m altitude. The etymology of the specific epithet '*indopurpurascens*' refers to the occurrence in India and the close relationship with *Cortinarius purpurascens*.

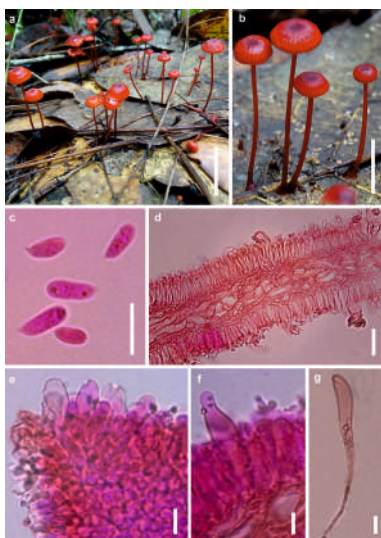


कोर्टिनारियस उलखागढ़ीएन्सिस डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट, परसूनीया 44: 377. 2020 (कोर्टिनारिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1820 मी की ऊँचाई से मुंडनेश्वर, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके नामकरण पद्यति से यह स्पष्ट होता है कि इसका मूल प्राप्ति स्थल उलखागढ़ी है जो उत्तराखंड स्थित देवी उलखेशवरी के मंदिर के लिए प्रसिद्ध है।

Cortinarius ulkhagarhiensis Dima, Semwal, V. Papp, Brandrud & V.K. Bhatt, Persoonia 44: 377.2020 (Cortinariaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Ulkhagarhi, Pauri Garhwal, Uttarakhand at 1820 m altitude. The etymology of the specific epithet '*ulkhagarhiensis*' refers to the type locality at Ulkhagarhi which is again named after the temple of the goddess Ulkeshwari in Uttarakhand.



क्रुएंटोमैसेना उत्तराखंडिना यू. सिंह एवं आर. पी. भट्ट, फंगल डायवर्सिटी 111: 258. 2021 (मैसिनेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1981 मी की ऊँचाई से चौड़ीखाल वन, पौड़ी जनपद, उत्तराखंड से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1800) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण उत्तराखंड राज्य पर आधारित है जहां से इसका संग्रह किया गया है।

Cruentomyces uttarakhandina U. Singh & R.P. Bhatt, Fungal Diversity 111: 258. 2021 (Mycenaceae)

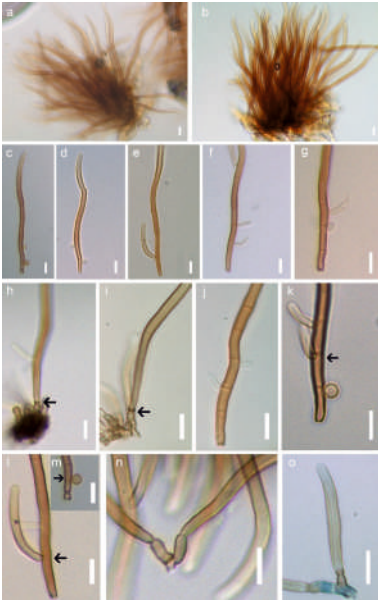
This new species has been discovered and described based on the collection made from Chaurikhal forest, Pauri district, Uttarakhand at 1981 m altitude. The holotype (CAL 1800) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is named after the state of Uttarakhand, from where this mushroom was collected.

कानिघामेला अरुणालोकेई वी. हल्लुर, एस. रुद्रमूर्थी एवं एच. प्रकाश, जर्नल ऑफ फंगी 7.8 सं. 670: 80.2021.

इस नवीन जाति को एआईआईएसएस भुवनेश्वर, उड़ीसा में नामांकन के समय गंभीर म्यूकोरमायसिस से ग्रसित रोगी के साइनो नजल ऊतक से पृथक करके प्राप्त किया गया है। इसके मूलप्ररूप के सूखे कल्चर को तथा जीवंत एक्स-टाइप कल्चर (एनसीसीपीफ 890012) को नेशनल कल्चर कलेक्शन ऑफ पैथोजेनिक फंगी, चंडीगढ़ (एनसीसीपीफ) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण अरुणालोके चक्रवर्ती के सम्मान में उनके द्वारा भारत एवं एशिया में मेडिकल मायकोलोजी के विकास में उनके अनेकों योगदान के लिए किया गया है।

Cunninghamella arunaloeki V. Hallur, S. Rudramurthy & H. Prakash, Journal of Fungi 7.8, no. 670: 8. 2021.

This new species is isolated from sino nasal tissue of a patient with chronic mucormycosis at the time of admission at AIIMS Bhubaneswar, Odisha. Holotype (NCCPF 890012) is dried culture and living ex-type culture (NCCPF 890012) deposited at the National Culture Collection of Pathogenic Fungi, Chandigarh (NCCPF). The species epithet is attributed in honor of Arunaloke Chakrabarti, for his numerous contributions to the development of medical mycology in India and Asia.

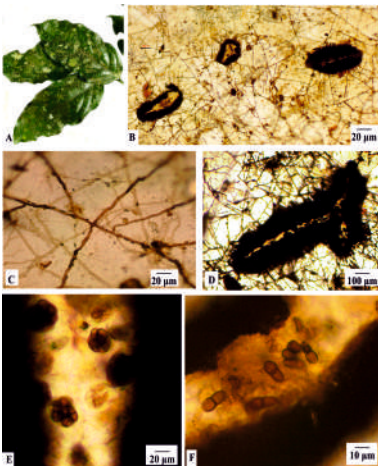


सिलिण्ड्रोटोरूला इंडिका राजेश कुमार, विजयाव, भट, एन. अशतेकर एवं एस. लैड, फंगल डायवर्सिटी 111: 106. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महाराष्ट्र से प्राप्त सड़े हुए *कोकोस न्यूसिफेरा* स्पेथ से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एमएच 10228), एक्स-एपिटाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 4836, एनएफसीसीआई 4837) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित किया गया है। इसका नाम इसके मूल प्राप्ति देश भारत पर आधारित है।

Cylindrotorula indica Rajeshkumar, Wijayaw., Bhat, N. Ashtekar & S. Lad, Fungal Diversity 111: 106. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from the decaying *Cocos nucifera* spathe collected from Maharashtra. The holotype (AMH 10228) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH); ex-type living culture (NFCCI 4836, NFCCI 4837); deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet is named after India, the country where this fungus is native.

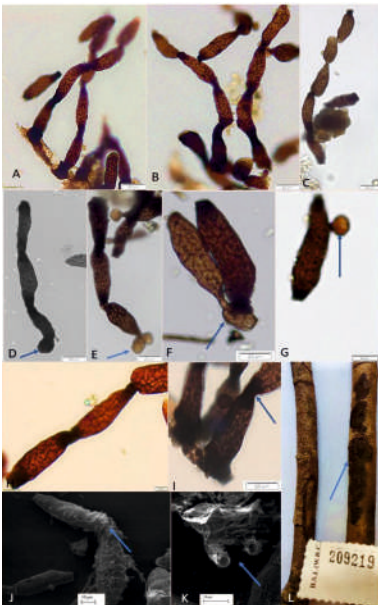


एकाइडनोडेला वेगमोनेंसिस जे. थॉमस एवं हिना, फायटोटैक्सा 496(3): 276. 2021 (लेंबोसिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1051 मी की ऊँचाई पर केरल के वेगामोन पहाड़ियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप तथा समप्ररूप मार थोमा कॉलेज पादपालय, तिरुवला, केरल (एमटीसीएचटी) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल (वागामोन पहाड़ियों) पर आधारित है।

Echinodella vagamonensis J. Thomas & Hina, Phytotaxa 496 (3): 276. 2021 (Lembosiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Vagamon Hills, Kerala at an altitude of 1051m. Holotype and isotype are deposited in regional herbarium Mar Thoma College Herbarium, Tiruvalla, Kerala (MTCHT). The specific epithet is after its type locality (Vagamon Hills).



एलोटेस्पोरा मुंबईएसिस रश्मि दुबे, फायटोटैक्सा 529(1): 176. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन येऊर पर्वतक्षेत्री, संजय गांधी राष्ट्रीय उद्यान, मुंबई, महाराष्ट्र से प्राप्त मृत टहनियों के टुकड़े से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (बीएसआई 209219) को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल पर आधारित है।

Elotespora mumbaiensis Rashmi Dubey, Phytotaxa 529 (1): 176. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from dead twig litter from Yeoor range, Sanjay Gandhi National Park, Mumbai, Maharashtra. Holotype (BSI 209219) is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet is named after the type locality.

गैनोडर्मा स्यूडोएप्पलानेटम विंजुसा एवं टि.के.ए.कुमार, मायकोलेजिया: 10.1080/00275514.2021.1974724, 8. 2021 (पोलीपोरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 14 मी की ऊँचाई से करुंगापल्ली, कोल्लम जनपद, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1847) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में 'स्यूडोएप्पलानेटम' जी. एप्पलानेटम के सदृश्य बेसिडियोमैटा को बताता है।

Ganoderma pseudoapplanatum Vinjusha & T.K.A. Kumar, Mycologia: 10. 1080/00275514.2021.1974724, 8. 2021 (Polyporaceae)

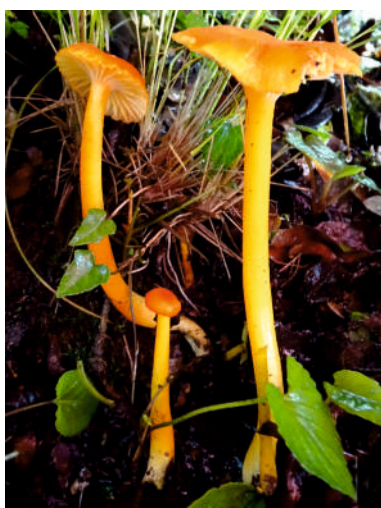
This new species has been discovered and described based on the collection made from Kollam District, Karunagapally, Kerala at 14 m altitude. The holotype (CAL 1547) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet '*pseudoapplanatum*' refers to the basidiomata resembling those of *G. applanatum*.

गैनोडर्मा केरलेन्स विंजुसा एवं टि.के.ए.कुमार, मायकोलेजिया: 10.1080/00275514.2021. 1974724, 7. 2021 (पोलीपोरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कोयिलेंडी, अरिक्कुलम, कोझिकोड जनपद, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1543) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में 'केरलेन्सी' भारत के केरल राज्य को इंगित करता है जहां से इसका संग्रह किया गया है।

Ganoderma keralense Vinjusha & T.K.A. Kumar, Mycologia: 10.1080/ 00275514.2021.1974724, 7. 2021 (Polyporaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kozhikode District, Koyilandy, Arikkulam, Kerala. The holotype (CAL 1543) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet '*keralense*' refers to the state of Kerala in India from where the species was collected.

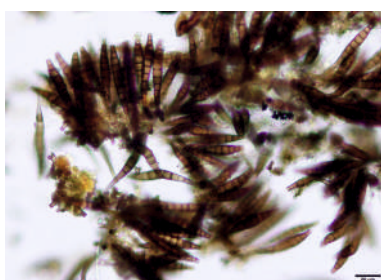


हायग्रोसायब बोर्टमनी यू. सिंह एवं आर. पी. भट्ट, फंगल डायवर्सिटी 111:247. 2021 (हायग्रोफोरेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 2653 मी की ऊँचाई से बनियाकुंड वन, रुद्रप्रयाग जनपद, उत्तराखंड से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1802) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण वन्य मशरूम के शोध में योगदान देने के लिए डैविड बोर्टमन के सम्मान में किया गया है।

Hygrocybe boertmannii U. Singh & R.P. Bhatt, Fungal Diversity 111: 247. 2021 (Hygrophoraceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Baniyakund forest, Rudraprayag district, Uttarakhand at 2653 m altitude. The holotype (CAL 1802) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet '*boertmannii*' refers to David Boertmann for his contribution to the wild mushrooms.



जेनेटिया हेटेरोस्पोरा रश्मि दुबे, जे. मायकोपैथोल. रिज. 59(3): 256. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सावंतवाड़ी, महाराष्ट्र से प्राप्त लकड़ी के डाल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके टाइप प्रतिरूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई 136437) में संग्रहित किया गया है। इसका नाम इस जाति में उपस्थित दो भिन्न प्रकार

Janetia heterospora Rashmi Dubey, J. Mycopathol. Res. 59(3): 256. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from wooden branch, Sawantwadi, Maharashtra. The type specimen (BSI 136437) is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune, Maharashtra (BSI). The specific epithet refers to the presence of two different types of spores.



किर्सस्टेनियोथेलिया शिमलाएंसिस राजन. के. वर्मा, प्राशर, राजेश के., सुषमा, गौतम एवं आर.एफ. कासटानेडा, मायकोटैक्सन, 136: 404. 2021 इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कुमारसेन, शिमला, हिमाचल प्रदेश में प्राप्त *सिडरस देवदारा* के सड़े हुए टुकड़े से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (पीएन 32504) को वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब (पीएन) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल पर आधारित है।

Kirschsteiniothelia shimlaensis Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, Gautam & R.F. Castañeda, Mycotaxon, 136: 404. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from decaying stump of *Cedrus deodara* from Kumarsain, Shimla, Himachal Pradesh. The holotype is deposited in the herbarium of the Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, India (PAN 32504). The specific epithet is after the type locality.

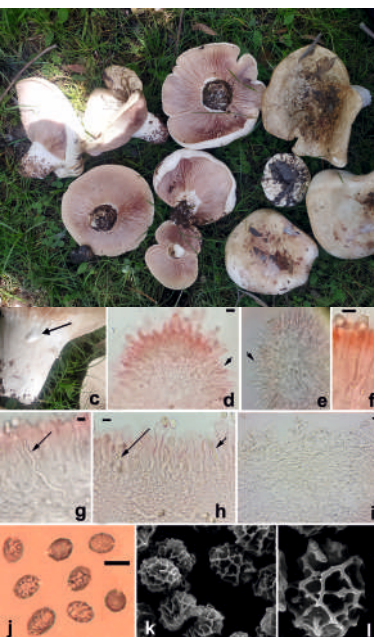


लकारिया डायोसपायरिकोला सालना नानु एवं टी.के.ए. कुमार, परसूनिया 47: 329. 2021 (हायड्रॉगिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन कोझिकोड जनपद, थुरायिलकाऊ, केरल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1771) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके विशिष्ट नामकरण में डायोसपायरिकोला इस जाती के बेसिडियोमैटा को बताता है जो *डायोसपायरस पेनीकुलाटा* के जड़ों के बीच पाया जाता है।

Laccaria diospyricola Salna Nanu & T.K.A. Kumar, Persoonia 47: 329. 2021 (Hydnangiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Kozhikode District, Thurayilkavu, Kerala. The holotype (CAL 1771) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet '*diospyricola*' refers to basidiomata (of the species) which were found among roots of *Diospyros paniculata*.



लेक्टेरियस द्रासिनस वर्मा के., उनियाल, शर्मा वाई. पी. एवं मेहमूद, फायटोटैक्सा 500 (4): 260. 2021 (रुजुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन द्रास, करगिल जनपद, लद्दाख से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1771) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति स्थल (द्रास) पर आधारित है।

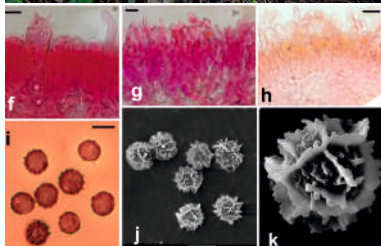
Lactarius drassinus Verma K., Uniyal, Sharma Y.P. & Mehmood, Phytotaxa 500 (4): 260. 2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Drass, Kargil district, Ladakh. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet '*drassinus*' refers to the type locality (Drass).



लेक्टेरियस सारथलेनस वर्मा के., उनियाल, शर्मा वाई. पी. एवं मेहमूद, फायटोटैक्सा 500 (4): 256.2021 (रुजुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन बनी सारथल, कठुआ जनपद, जम्मू एवं कश्मीर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त शब्द 'सारथलेनस' इसके मूल प्राप्ति स्थल सारथल को इंगित करता है।



Lactarius sarthalanus Verma K., Uniyal, Sharma Y.P. & Mehmood, Phytotaxa 500 (4): 256.2021 (Russulaceae)

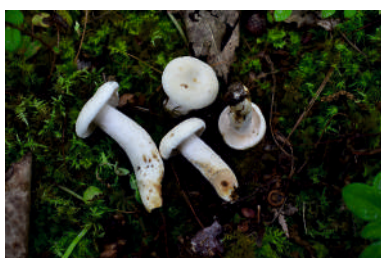
This new species has been discovered and described based on the collection made from Bani, Sarthal, Kathua district, Jammu and Kashmir. Holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'sarthalanus' refers to the type locality (Sarthal).

लेक्टेरियस शिवालिकेंसिस जे. कुमार एवं एन. एस. अतरी, नोवा हेडविगिया 112(3-4): 416.2021 (रुजुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पुरुवाला, सिरमौर, हिमाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) के पादपालय में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण पश्चिमोत्तर हिमालय क्षेत्र स्थित शिवालिक पर्वतश्रेणी पर आधारित है जो इसका मूल प्राप्ति स्थल है।

Lactarius shiwalikensis J. Kumar & N. S. Atri, Nova Hedwigia 112(3-4): 416.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Puruwalla, Sirmour, Himachal Pradesh. Holotype is deposited in Herbarium, Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). The specific epithet is after the Shiwalik range in the North West Himalayan region where the type locality is situated.



लैक्टिफ्लस कनादी आई. बेरा, ए. घोष, नुयटिंक एवं वरबेकन, परसूनिया 46: 477. 2021 (रुजुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 1982 मी की ऊँचाई से बेबर ठंका दिरांग, पश्चिम कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1826) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में 'कनादि' भारतीय हिमालय क्षेत्र में रुजुलेसी के वर्गीकरण विज्ञान के क्षेत्र में दिए गए अमूल्य योगदान के लिए कनाद दास के सम्मान में प्रयोग किया गया है।

Lactifluus kanadii I. Bera, A. Ghosh, Nuytinck & Verbeke, Persoonia 46: 477.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Bebar Thanka, Dirang, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1982 m altitude. The holotype (CAL 1826) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'kanadii' is in honour of Kanad Das for his invaluable contribution to the systematics of Russulaceae in the Indian Himalayan Region.

लेपिडोस्फेरिया स्ट्रोबेली ए.सी. लागाशेटी, डी. चौधरी एवं एस.के. सिंह, फंगल डायवर्सिटी 111(1): 99.2021

इस नवीन कवकिय अन्तः पादप बेलगाम, कर्नाटक में *सिनामोमम जायलेनिकम* (लौरिसे) के पत्तियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10126) अजरेकर मायकोलॉजिकल हर्बेरियम (एएमएच) ; एक्स-टाइप जीवंत कल्चर (एनएफसीसीआई 4579) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसका नामकरण एमएसयू यूएसए के प्रो. गैरी स्ट्रोबेल के सम्मान में उनके द्वारा अन्तः पादपीय कवक के शोध में दिए योगदानों के लिए उनके नाम पर किया गया है।

Lepidosphaeria strobilii A.C. Lagashetti, D. Choudhary & S.K. Singh, Fungal Diversity 111(1): 99. 2021.

This new fungal endophyte has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Cinnamomum zeylanicum* (Lauraceae), collected from Belgaum, Karnataka. Holotype (AMH 10126) is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), ex-type living culture (NFCCI 4579) deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet refers to Prof. Gary Strobel, MSU, USA to commemorate his immense contribution in the field of biology of endophytic fungi.

ल्यूकोएगोरिकस ब्रुनियोडिस्कस ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या, मायकोलॉजिकल प्रोग्रेस 20: 502. 2021 (एगरीकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन बर्द्धमान विश्वविद्यालय परिसर, बर्द्धमान जनपद, पश्चिम बंगाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (सीयूएच) को संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त पद 'ब्रुनियोडिस्कस' दो लैटिन शब्दों 'ब्रुनियो' तथा 'डिस्कस' से बना है जिसका अर्थ क्रमशः भूरा एवं छत्राकार डिस्क होता है जो इस नवीन जाति में उपस्थित भूरे छत्राकार डिस्क को दर्शाता है।

Leucoagaricus brunneodiscus A.K. Dutta & K. Acharya, Mycological Progress 20: 502.2021(Agaricaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Burdwan University campus, Burdwan District, West Bengal. Holotype is deposited in Herbarium, Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal (CUH). The species epithet '*brunneodiscus*' is from two Latin words, '*brunneo*' meaning brown and '*discus*' meaning pileus disc, referring to the brown pileus disc of the novel species.

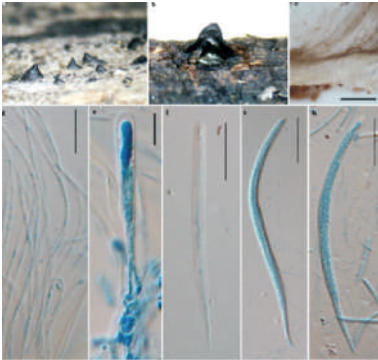


ल्यूकोएगोरिकस ट्रोपिकस ए.के. दत्ता, स्टलमैन एवं के. आचार्या, मायकोलॉजिकल प्रोग्रेस 20: 500. 2021 (एगरीकेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन काजीबाड़ी, बारासात, उत्तर 24 परगना (जनपद), पश्चिम बंगाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल (सीयूएच) को संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में प्रयुक्त पद 'ट्रोपिकस' इस जाति के इसके मूल प्राप्ति स्थल के उष्णकटिबंधीय जलवायु दशाओं को बताता है।

Leucoagaricus tropicus A.K. Dutta, Stallman & K. Acharya, Mycological Progress 20: 500.2021(Agaricaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Kazibari, Barasat, North 24 Parganas (Dist.), West Bengal. Holotype is deposited in Herbarium, Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal (CUH). The epithet '*tropicus*' refers to the tropical climatic condition of the type locality.

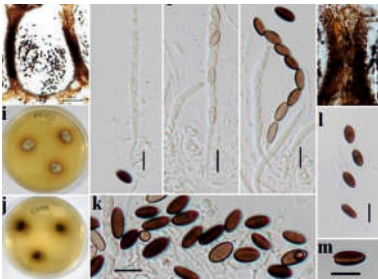


लिनोकार्पण एक्व्यूटोस्पोरा एम. निरंजन एवं वी.वी. सर्मा, कवका 56: 108. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन चिड़िया टापू आरक्षित वन, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में प्राप्त अपरिचित टहनी के सैपल से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एएमएच 10200) को अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम, अघरकर अनुसंधान केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके एस्कोस्पोर के नुकीले छोरों को इंगित करता है।

Linocarpon acutospora M. Niranjana & V.V.Sarma, KAVAKA 56: 108.2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from unidentified twig sample from Chidiya Tapu Reserve Forest, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10200) is deposited at the Ajrekar Mycological Herbarium, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet refers to the acute ends of the ascospore.

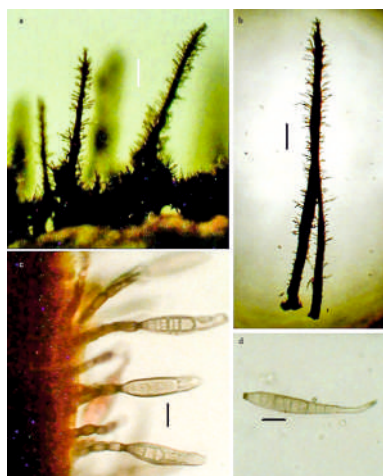


नियोथोस्टोमेला समाचेदाबिजई एम. निरंजन एवं वी.वी. सर्मा, सीआरईएएम 11 (1): 178.2021 (जायलेरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन व्यू पॉइंट, चिड़िया टापू आरक्षित वन, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में सड़े हुए टहनी के नमूने से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। पादपालय नमूने (एएमएच 10058) को अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम, अघरकर अनुसंधान केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र तथा एक्स-टाइप जीवित कलचरों (एनएफसीसी-4517) को फंगल बायोटेक्नोलॉजी लेबोरेटरी, बायोटेक्नोलॉजी विभाग, पांडिचेरी यूनिवर्सिटी में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके एस्कोस्पोरों पर आधारित है जिनमें सीधे लंबे जर्म स्लिट होते हैं।

Neoanthostomella samachedabeejiae M. Niranjana and V.V. Sarma, CREAM11(1): 178. 2021(Xylariaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from decaying twig sample from View Point, Chidiya Tapu, South Andaman, India, Andaman and Nicobar Islands. Herbarium samples (AMH 10058) have been deposited at the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. Ex type living cultures (NFCC-4517) are maintained in Fungal Biotechnology Laboratory, Department of Biotechnology, Pondicherry University. The specific epithet is after ascospores which have a straight longitudinal germ slit (*sama* = straight, *cheda* = slit, *bija* = spores).



नियोस्पोरीडेस्मियम हिमाचलेंस राजन. के. वर्मा, प्राशर, सुषमा, ए.के. गौतम, राजेश के. एवं आर.एफ. कासटानेडा, मायकोटैक्सन 136: 589. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन जलपलाखिन, बिलासपुर, हिमाचल प्रदेश से आवृत्तबीजी पादप के सड़े हुए टहनियों से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके मूलप्ररूप को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन) के पादपालय में संग्रहित किया गया है | इसका नामकरण इसके मूल प्राप्तिस्थल हिमाचल प्रदेश पर आधारित है |

Neosporidesmium himachalense Rajn. K. Verma, Prasher, Sushma, A.K. Gautam, Rajeshk. & R.F. Castaneda, Mycotaxon 136: 589. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from dead and decaying twigs of angiosperm plant from Jolplakhin, Bilaspur, Himachal Pradesh. The Holotype is deposited in the Herbarium of Panjab University, Chandigarh (PAN). The specific epithet '*himachalense*' refers to the type locality (Himachal Pradesh).

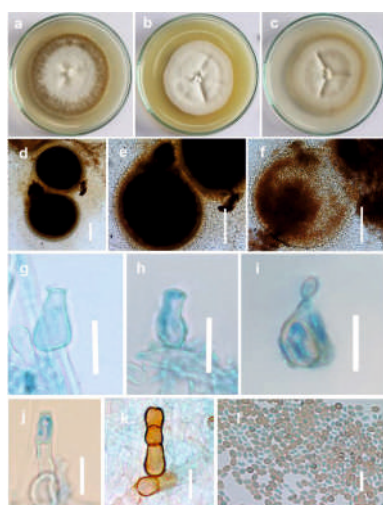


ओफिओकोर्डायसेप्स मिजोरमेंसिस जोहमेंगईहा, जोथांजामा, जे. एवं वाबेईखोखेई, जेएमसी, फायटोटैक्स 500(1): 15. 2021 (ओफिओकोर्डायसिपिटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन 88 मी की ऊंचाई से मिजोरम में कागज़ के ढेर (पोलिस्टस ओलिवेसस) से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके मूलप्ररूप को पर्यावरण विज्ञान विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय में संग्रहित किया गया है | इसका नामकरण मिजोरम राज्य पर आधारित है जहाँ इसे कागज़ के ढेर पर उगता हुआ पाया गया था |

Ophiocordyceps mizoramensis Zohmangaiha, Zothanzama, J. & Vabeikhokhei, JMC, Phytotaxa 500 (1): 15.2021 (Ophiocordycipitaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from the body of Paper wasp (*Polistes olivaceus*) from Mizoram at an altitude of 88 m. The holotype is deposited in the Department of Environmental Science, Mizoram University. The specific epithet is after the state of Mizoram, where it was found growing on a paper wasp.

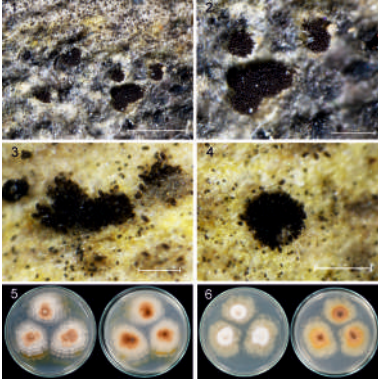


पैराकोनियोथायरम अजरेकरी एस. राणा एवं एस.के. सिंह, फंगल डायवर्सिटी 111, 42. 2021

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सिंबल, बैजनाथ, कांगड़ा जनपद, हिमाचल प्रदेश से *मेंजीफेरा इंडिका* के पत्तियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10218) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच); एक्स-टाइप जीवंत कल्चर (एनएफसीसीआई 4810) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है | इसका नामकरण भारत के प्रख्यात मायकोलॉजिस्ट तथा प्लांट पैथोलॉजिस्ट स्वर्गीय प्रो. एस.एल. अजरेकर के सम्मान में किया गया है |

Paraconiothyrium ajrekarii S. Rana & S.K. Singh, Fungal Diversity 111, 42. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from leaves of *Magnifera indica*, collected from Simbal, Baijnath, Kangra district, Himachal Pradesh. Holotype (AMH 10218) is deposited at Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), ex-type living culture (NFCCI 4810) deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra, India (NFCCI). The specific epithet honours Late Prof. S.L. Ajrekar, who was a distinguished mycologist and plant pathologist of India.

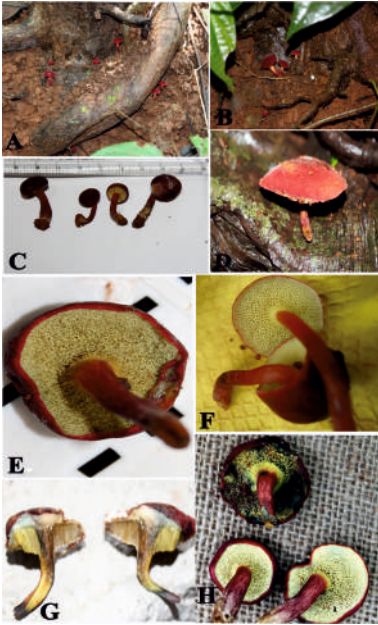


पैरडिक्टियोचेरोस्पोरा टेक्टोने राजेशकुमार, आर.के. वर्मा, बूनमी, के.डी. हायड, चंद्रासिरि एवं विजयाव, फायटोटैक्सा 509(3): 263. 2021 (डिक्टियोस्पोरिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पंजाब विश्वविद्यालय परिसर, चंडीगढ़, पंजाब से साल वृक्ष (*टेक्टोना ग्रांडिस* एल.एफ.) के छाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10218) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच) ; एक्स-टाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 4878) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसके नामकरण में 'टेक्टोने' इसके पोषित पादप *टेक्टोना ग्रांडिस* पर आधारित है।

Paradictyocheirospora tectonae Rajeshkumar, R. K. Verma, Boonmee, K. D. Hyde, Chandrasiri & Wijayaw., Phytotaxa 509 (3): 263.2021 (Dictyosporiaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from bark of teak (*Tectona grandis* L.f.) plantations of Panjab University Campus, Chandigarh, Punjab. Herbarium specimens were deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH 10218) and Ex type culture (NFCCI 4878) is preserved at National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet *tectonae* is derived from the host name *Tectona grandis*.



पारविजेरोकोमस माथेरानेंसिस पी.बी. पाटिल, सेंथिल, एस.के. सिंह एवं एस.ए. वैद्या, मायकोसाइंस 62: 245. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन माथेरन पहाड़ियों, रायगढ़ जनपद, महाराष्ट्र से 800 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 9976) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच) अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसके नामकरण में 'माथेरंसिस' इसके मूल प्राप्ति स्थल पर आधारित है।

Parvixerocomus matheranensis P.B. Patil, Senthil., S.K. Singh & S.A. Vaidya, Mycoscience 62: 245.2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from Matheran Hills, Raigad District, Maharashtra at 800 m altitude. The holotype (AMH 9976) deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The species epithet 'matheranensis' is after the type location.



फायलोपोरिया तमिलनाडेंसिस श्रीधर, पलनी एवं डेकोक, परसूनिया 47: 351. 2021 (हायमेनोचेटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन सोलिंगुर तालुक, मेट्टु कुन्नथुर गांव, रानीपेट जनपद, तमिलनाडु से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1840) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में 'तमिलनाडेंसिस' तमिलनाडु राज्य को बताता है जहाँ यह पाया गया था।

Phylloporia tamilnadensis Sridhar, Palani & Decock, Persoonia 47: 351. 2021 (Hymenochaetaeae)

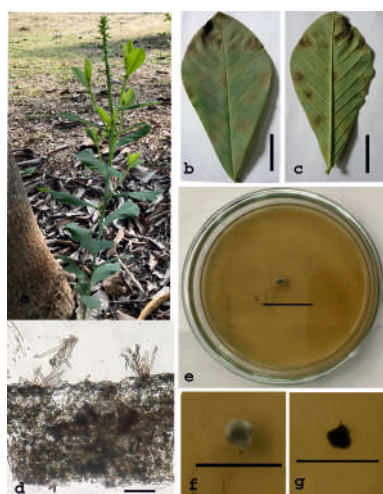
This new species has been discovered and described based on the collection made from Mettu kunnathur Village, Sholinghur Taluk, Ranipet District, Tamil Nadu. The holotype (CAL 1840) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'tamilnadensis' refers to the State of Tamil Nadu, where this fungus was found.

प्रिलिएक्स्यूजिना अपोरोसी जी. एन. गोकुल, जे. थॉमस एवं एन. मैथ्यु, फायटोटैक्सा 487(2): 177-180. 2021.

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अडावी इकोटूरिज्म पॉइंट, कोन्नी वन प्रभाग, पाथनामथिट्टा, केरल से *अपोरोसा कार्डियोस्पेर्मा* (यूफोर्बिआसी) से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (एमटीसीएचटी 229) को मार थोमा कॉलेज, थिरुवल्ला, केरल ((एमटीसीएचटी); समप्ररूप (सीएटीएच 18000) को कैथोलिकेट कॉलेज, पथानामथिट्टा, केरल (सीएटीएच) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके पोषिता पादप पर आधारित है।

Prillieuxina aporosae G.N. Gokul, J. Thomas & N. Mathew, Phytotaxa 487 (2): 177-180. 2021.

This new species has been discovered and described based on the collection made from the leaves of *Aporosa cardiosperma* (Euphorbiaceae), collected from near Adavi ecotourism point, Konni Forest division, Pathanamthitta, Kerala. Holotype (MTCHT 229) is deposited in herbarium of Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala (MTCHT); isotype (CATH 18000) is deposited in Catholicate College, Pathanamthitta, Kerala (CATH). The specific epithet is in reference to that of the host genus.

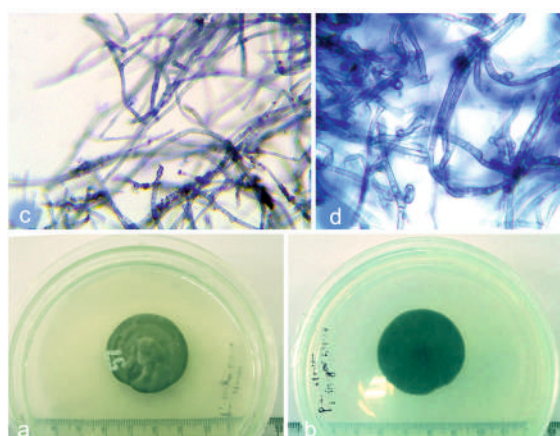


स्यूडोसर्कोस्पोरा क्रोटालेरिजेना अर्चना सिंह, पारस नाथ सिंह एवं नवल किशोर दुबे, तुर्क. जे. बॉट. 45: 173. 2021 (मायकोस्फेरेलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन वाराणसी, उत्तर प्रदेश से *क्रोटालेरिया असमिका* बेंथ. (फेबेसी) के पत्तियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10041) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच); एक्स-टाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 4441) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र, समप्ररूप को बीएचयू में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण पोषिता पादप पर आधारित है।

Pseudocercospora crotalariigena Archana Singh, Paras Nath Singh and Nawal Kishore Dubey, Turk. J. Bot. 45: 173.2021 (Mycosphaerellaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Crotalaria assamica* Benth. (Fabaceae) from Varanasi, Uttar Pradesh. Holotype (AMH 10041) is deposited at the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH) and ex-type living culture (NFCCI 4441) is deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra, isotype is in BHU. The specific epithet is after the host plant.



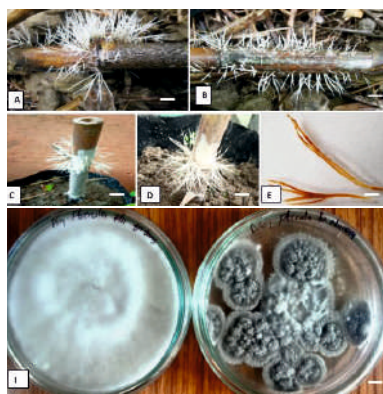
स्यूडोसर्कोस्पोरा हलदिनी संजय संजीत एवं राघव सिंह फायटोटैक्सा 501(2): 284. 2021 (मायकोस्फेरेलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन गढ़वाल, श्रीनगर, उत्तराखंड से *हलदिना कोर्डिफोलिया* (रोक्सब.) रिड्सडेल (रूबीएसी) की पत्तियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10214) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच); एक्स-टाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 4806) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र, समप्ररूप को बीएचयू में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण पोषिता वंश पर आधारित है।

Pseudocercospora haldinae Sanjay, Sanjeet & Raghv. Singh, Phytotaxa 501 (2): 284.2021 (Mycosphaerellaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Haldina cordifolia*

(Roxb.) Ridsdale (Rubiaceae) from Garhwal, Srinagar, Uttarakhand. Holotype (AMH 10214) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), and ex type living culture (NFCCI 4806) is preserved at National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet is after host genus.



प्टेरुला बंबुसिकोला वी. प्रकाश, जेएनबीआर:10 (2) 78.2021 (प्टेरुलेसी)

इस जाति का अन्वेषण एवं वर्णन असम में गेलेकी आरक्षित वन सिबसागर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया जाता है। इसके मूलप्ररूप को वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम (आरएफआरआई) के मायकोलॉजी प्रयोगशाला में संग्रहित किया गया है। इस जाति का नामकरण बंबुकोसिकोलस अर्थात बांस में उगने वाला।

Pterula bambusicola V. Parkash, JNBR :10 (2) 78.2021 (Pterulaceae)

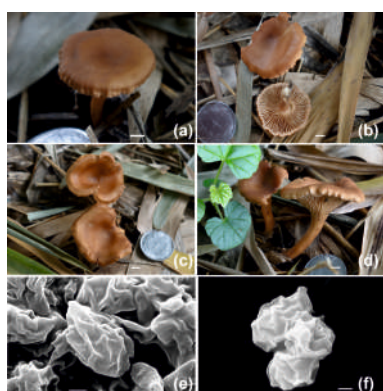
This new species has been discovered and described based on the collection made from Geleky Reserve Forest, Sibsagar, Assam. Holotype is deposited in Mycology laboratory of Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam (RFRI). The species is named after the word Bambusicolus; i.e. bamboo loving- growing on bamboos.

पायरेनिडियम डायमलेनेई वाई. जोशी, एक्ट्टा बॉटनिका हंगेरिका 63:3-4. 2021.

इस नवीन शैवाकिय जाति का वर्णन एवं सचित्र व्याख्या उत्तराखंड के चट्टानों से प्राप्त सैक्सिकोलोस लाइकेन डायमलेना ओरिएना से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को सीएसआईआर - राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में संग्रहित किया गया है।

Pyrenidium dimelaenae Y. Joshi, Acta Botanica Hungarica 63: 3-4. 2021.

The new species of lichenicolous species is described and illustrated based on collection of thalli of saxicolous lichen *Dimelaena oreina*, collected from rocks of Uttarakhand. Holotype (LWG 12335) is deposited in CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG). The specific epithet is in reference to that of the host genus.



रोडोसाइब ब्रुननियोऔरेंटिका ए.के. दत्ता, जी. गेट्स एवं के. आचार्या, नॉर्डिक जे. बॉट. e03061. 2021 (इंटोलोमेटेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन महिषांगा, बर्द्धवान जनपद, पश्चिम बंगाल में 19 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नाम में प्रयुक्त ब्रुननियोऔरेंटिका इसमें उपस्थित बेसिडियोम के भूरे-नारंगी रंग को बताता है।

Rhodocybe brunneoaurantiaca A.K. Dutta, G. Gates & K. Acharya, Nordic J.Bot. e03061.2021(Entolomataceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made near Mahishanga, Burdwan district, West Bengal at an altitude of 19 m. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of

India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'brunneoaurantiaca' refers to the brown-orange colour of the basidiome.

रोडोटोरूला संपईओआना एस. तिवारी, ए. बाघेला एवं डी. लिबकिंड, एंटोनी वान ल्यूवेनहॉक <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01597-5>

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन राजपिपला, गुजरात से प्राप्त सड़े हुए लकड़ी से किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। कई आकृतिकीय एवं शरीर-क्रियात्मक भिन्नता ने इस नवीन जाति *रोडोटोरूला संपईओआना* को वर्तमान जाति से पृथक करता है। इसका मूलप्ररूप सीआरयूबी 1124, एक्स- प्ररूप सीबीएस 10798 तथा इसका एक अतिरिक्त विकृति एनएफसीसीआई 4872 है।

Rhodotorula sampaoana S. Tiwari, A. Baghela & D. Libkind, Antonie van Leeuwenhoek <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01597-5>

A novel yeast species is isolated from gut of a xylophagous termite, feeding on a decaying wooden log were collected from Rajpipla, Gujarat. Several morphological and physiological differences from the existing species support the proposal of *Rhodotorula sampaoana* as a novel species, with CRUB 1124 as the holotype, CBS 10798 as ex-type, and NFCCI 4872 as an additional strain.



रुसुला अडवाणीटेकाई ए. घोष, के. दास एवं बुयाक, यूरो. ज. टैक्सन 782:161. 2021 (रुसुलेसी)
 इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अडवाणी-टेका वन, पौड़ी गढ़वाल, उत्तराखंड में 1989 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1821) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नामकरण में अडवाणीटेकाई इसके प्राप्ति वन स्थल अडवाणी-टेका को दर्शाता है।

Russula adwanitekae A. Ghosh, K. Das & Buyck, Eur. J. Taxon. 782: 161.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Adwani-Teka forests, Pauri Garhwal, Uttarakhand at 1989 m altitude. The holotype (CAL 1821) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet 'adwanitekae' refers to the forest locality 'Adwani-Teka'.



रुसुला इंडोइलिसिस अलताफ, ए. घोष, वर्मा के. एवं शर्मा वाई. पी., नॉर्डिक ज. बॉट. ई03452.2021 (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन अकिनगाम, अनंतनाग, जम्मू एवं कश्मीर से 1768 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1849) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके मूल प्राप्ति देश तथा *रुसुला इलिसिस* से इसके आकृतिकीय समानता पर आधारित है।

Russula indoilicis Altaf, A. Ghosh, Verma K. & Sharma Y. P., Nordic J. Bot. e03452.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Akingam, Anantnag District, Jammu and Kashmir at 1768 m altitude. The holotype (CAL 1849) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). The specific epithet is after the country of its origin and its morphological resemblance with *Russula ilicis*.



रुसुला पर्परियोजोनाटा के. दास, ए. घोष एवं बुयाक, यूरो. ज. टैक्सन 782:164.2021 (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन पूर्व जिला, मेमेंचू, सिक्किम से 3539 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1817) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके पाइलस सतह पर पाए जाने वाले गहरे बैंगनी रंग के संकेंद्रिय क्षेत्रों पर आधारित है।

Russula purpureozonata K. Das, A. Ghosh & Buyck, Eur. J. Taxon.782: 164.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from East district, Memeinchu, Sikkim at 3539 m altitude. The holotype (CAL 1817) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India,

Howrah (CAL). The specific epithet 'purpureozonata' refers to the dark purplish concentric zones on the pileus surface.

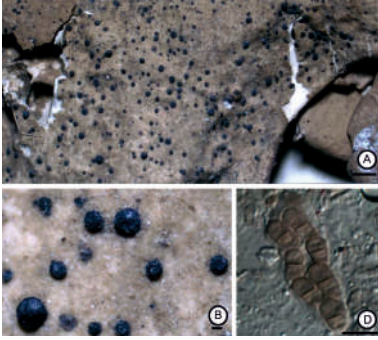


रुसुला जेरामपेलिनोइडीज के. दास, आई. बेरा, ए. घोष एवं बुयाक, क्रिप्टोग. मायकोल. 42(5): 81. 2021 (रुसुलेसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन युंथांग घाट, उत्तरी जनपद, सिक्किम से 3644 मी की ऊंचाई से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (सीएएल 1819) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इसके नाम में प्रयुक्त जेरामपेलिनोइडीज यूरोपियन *आर. जेरामपेलिना* से इसके समानता पर को बताता है।

Russula xerampelinoides K. Das, I. Bera, A. Ghosh & Buyck, Cryptog. Mycol. 42(5): 81.2021 (Russulaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from Yumthang valley, North district, Sikkim, India at 3644 m altitude. The holotype is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah (CAL 1819). The specific epithet 'xerampelinoides' refers to its similarity with European *R. xerampelina*.

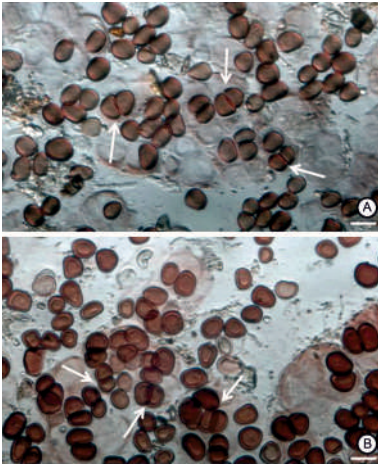


स्क्लैरोकोक्कम डेंड्रिस्कोस्टिक्टाई वाई. जोशी, एक्टा. बॉट. हंग. 63(1-2): 68. 2021 (डेक्टायलोस्पोरसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन यमुनोत्री, टेहरी गढ़वाल, उत्तराखंड के नीचे क्युरकस के छाल *स्टिक्टा नायलेंडेरियाना* (अब *डेन्ड्रिस्कोस्टिक्टा प्लेटिफायला*) से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में तथा समप्ररूप को आरयूबीएल में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके पोषिता शैवाक वंश *डेन्ड्रिस्कोस्टिक्टा* तथा *स्टिक्टा* पर आधारित है जिस पर यह कवक समूह में पनपता है।

Sclerococcum dendriscostictae Y. Joshi, Acta Bot. Hung. 63(1-2): 68. 2021 (Dactylosporaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from *Sticta nylanderiana* (now *Dendriscosticta platyphylla*) colonising bark of *Quercus*, below Jamunotri, Tehri Garhwal, Uttarakhand at an altitude of 2743m. The holotype is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and the isotype is in RUBL. The specific epithet refers to the host lichen genera *Dendriscosticta* and *Sticta* on which the fungus is colonising.

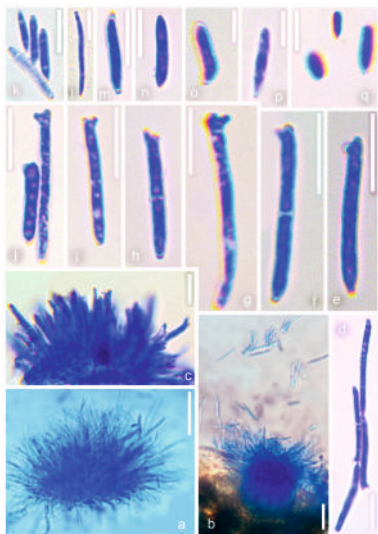


स्क्लैरोकोक्कम फिजिए वाई. जोशी एक्टा. बॉट. हंग. 63(1-2): 71. 2021 (डेक्टायलोस्पोरसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन आंध्रप्रदेश के विशाखापट्टनम में सिम्हाचालम से ३ किमी ऊपर माइक्रोवेब स्टेशन के निकट *फिजिसिया* जाति के टहनियों में थैलस से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप को सीएसआईआर- राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, लखनऊ, उत्तर प्रदेश (एलडब्लूजी) में तथा समप्ररूप को आरयूबीएल में संग्रहित किया गया है। इसका नामकरण इसके पोषिता पादप पर आधारित है।

Sclerococcum physciae Y. Joshi Acta Bot. Hung. 63(1-2):71. 2021 (Dactylosporaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from the thallus of *Physcia* sp. colonising twigs, near microwave station, 3 km above Simhachalam, Visakhapatnam, Andhra Pradesh. The holotype is deposited in Herbarium of CSIR-National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh (LWG) and the isotype is in RUBL. The specific epithet refers to the name of the host.

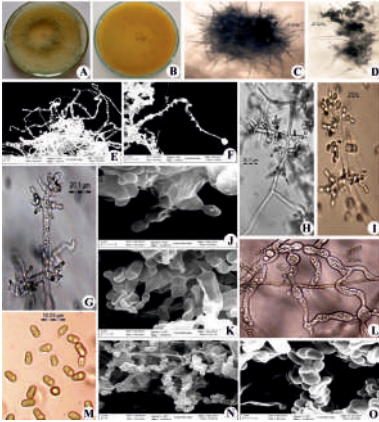


टेराटोरामुलेरिया रूमिसिस कुशवाहा, संजीत, संजय एवं राघव सिंह, फायटोटैक्सा 523(3): 212. 2021 (टेराटोस्फेरिंसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन छतरपुर, बाड़ामलेहरा दक्षिण वन, मध्यप्रदेश में *रुमेक्स क्रिसपस* एल. (पोलिगोनेसी) के जीवित पत्तियों से प्राप्त किए गए संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 9827) अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम (एएमएच); एक्स-टाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 5008) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र, समप्ररूप एमएचडीएचएसजीयू में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके पोषिता पादप के वंश पर आधारित है।

Teratoramularia rumicis Kushwaha, Sanjeet, Sanjay & Raghu. Singh, Phytotaxa 523 (3): 212.2021(Teratosphaeriaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from living leaves of *Rumex crispus* L. (Polygonaceae) from Chhatarpur, Badamlehra South Forest, Madhya Pradesh. Holotype (AMH 9827) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), and ex-type living culture (NFCCI 5008) is preserved at National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agharkar Research Institute, Pune, India. Isotype is in MH-DHSGU. The specific epithet is after the name of host genus.

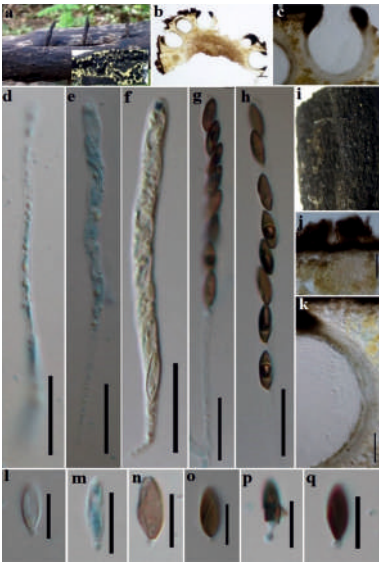


ट्राइकोडर्मा डम्बेलिफोर्मि टी. प्रमीलादेवी एवं डी. कामिल, फायटोटैक्सा 520 (3): 290.2021 (हायपोक्रिएसी)

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन दिमापुर जनपद, नागालैंड के मिट्टी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके मूलप्ररूप (आईटीसीसी 8141) तथा एक्स-प्ररूप कल्चर (आईटीसीसी 8141) को इंडियन टाइप कल्चर कलेक्शन आईसीएआर- भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली में संगृहीत किया गया है। इसका नामकरण इसके कोनिडिया के आकृति पर आधारित है।

Trichoderma dumbbelliforme T. Prameeladevi & D. Kamil, Phytotaxa 520 (3): 290. 2021 (Hypocreaceae)

This new species has been discovered and described based on the collection made from soil from Dimapur district, Nagaland. Holotype (ITCC 8141) and ex-type culture (ITCC 8141) are deposited in Indian Type Culture Collection ICAR-Indian Agricultural Research Institute, New Delhi. The specific epithet is after the shape of the conidia.



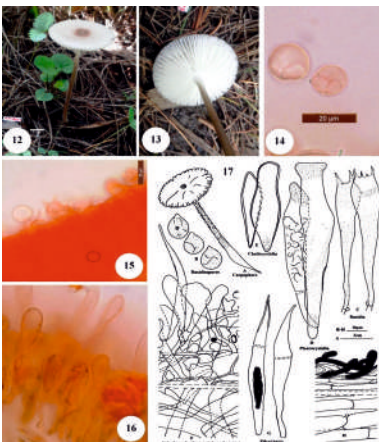
जायलेरिया एपिओस्पोरा एम. निरंजन, एवं वी.वी. सर्मा, फंगल डायवर्सिटी 111, 213.2021

इस नवीन जाति का अन्वेषण एवं वर्णन व्यू पॉइंट, चिड़िया टापू, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में सड़े हुए लकड़ी के कुंदे से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसका मूलप्ररूप (एएमएच 10071) अजरकर मायकोलॉजिकल हर्बेरियम (एएमएच); एक्स-टाइप कल्चर (एनएफसीसीआई 4370) को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन (एनएफसीसीआई), अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित है। इसका नामकरण एस्कोस्पोर्स में पायी जाने वाली एपिकल कोशिका पर आधारित है।

Xylaria apiospora M. Niranjana & V.V. Sarma, Fungal Diversity 111, 213.2021.

This new species has been discovered and described based on a collection of a decaying log, collected from View Point, Chidiya Tapu, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10071) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), ex-type living culture (NFCCI 4370) deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra. The specific epithet is in reference to the ascospores having the apical cell.

नवीन प्रभेद / NEW VARIETY



ज़ेरुला रेडिकाटा (रेल्हान) डॉर्फेल्ड प्रभेद सेटोसा मलिक एन.ए. एवं सैनी, एम.के., सीआरईएएम 11(1): 255. 2021 (फायसालेकरिएसी)

इस नवीन प्रभेद का अन्वेषण एवं वर्णन 2300 मी की ऊंचाई से वेरिनाग, अनंतनाग जनपद, जम्मू एवं कश्मीर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। मूलप्ररूप (पीयूएन 9042) को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित है। इसका नामकरण इसके पाइलस क्यूटिकल में उपस्थित सेटाए पर आधारित है।

Xerula radicata (Relhan) Dörfelt var. **setosa** Malik N.A & Saini, M. K., CREAM 11(1): 255. 2021 (Physalacriaceae)

This new variety has been discovered and described based on the collection made from Verinag, Anantnag, Jammu and Kashmir at 2300 m altitude. The holotype (PUN 9042) is deposited in Herbarium, Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). The varietal epithet is after the presence of setae in the pileus cuticle.

नवीन क्षेत्रात्मक वितरण अभिलेख / NEW DISTRIBUTIONAL RECORDS

जातिपरक अभिलेख / SPECIES RECORDS



अमानिता सिट्रिनोएनुलाटा यांग वाई. कुई, किंग काई एवं झु एल.

पूर्व में चीन से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार उत्तराखंड (रुद्रप्रयाग जनपद के चोपता-बनियोकुंड तथा बागाश्वर जनपद के ढाकुरी) तथा जम्मू एवं कश्मीर (कठुआ जनपद, बनी-सरथाल) से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर (एचबीजेयू-715) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को महमूद, शर्मा, सिंह, भट्ट तथा कुमार ने सीआरईएएम 11(1): 306.2021 में प्रकाशित किया है।

Amanita citrinoannulata Yang Y. Cui, Qing Cai & Zhu L.

The fungal species earlier known from China has been reported for the first time from India based on collection made from Uttarakhand (Chopta-Baniyakund of Rudraprayag district and Dhakuri of Bagashwar district) and Jammu & Kashmir (Kathua district, Bani-Sarthal). The specimen is deposited Herbarium of Department of Botany, University of Jammu, Jammu and Kashmir

(HBJU-715). This has been published by Mehmood, Sharma, Singh, Bhatt and Kumar in CREAM 11(1): 306.2021.



अमानिता ग्रीसियोफुसका जे. खान एवं एम. किरण

पूर्व में पाकिस्तान से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार जम्मू एवं कश्मीर के ऊधमपुर जनपद तथा डोड़ा जनपद से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को अनिल कुमार, ताहिर महमूद एवं यश पाल शर्मा ने कवका 57: 28.2021 में प्रकाशित किया है।

Amanita griseofusca J. Khan & M. Kiran

The fungal species earlier known from Pakistan has been reported for the first

time from India based on collection made from Udhampur District and Doda district of Jammu and Kashmir. This has been published by Anil Kumar, Tahir Mehmood and Yash Pal Sharma in KAVAKA 57: 28.2021.



अमानिता पाकिस्तानिका टुलोस, एस. एच. इक़बाल एवं खालिद

पूर्व में पाकिस्तान से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग जनपद तथा पौड़ी जनपद से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को महमूद, शर्मा, सिंह, भट्ट तथा कुमार ने सीआरईएएम 11(1): 308.2021 में प्रकाशित किया है।

Amanita pakistanica Tulloss, S.H. Iqbal & Khalid

The fungal species earlier known from Pakistan has been reported for the first

time from India based on collection made from Rudraprayag district and Pauri district of Uttarakhand. This has been published by Mehmood, Sharma, Singh, Bhatt and Kumar in CREAM 11(1): 308.2021.

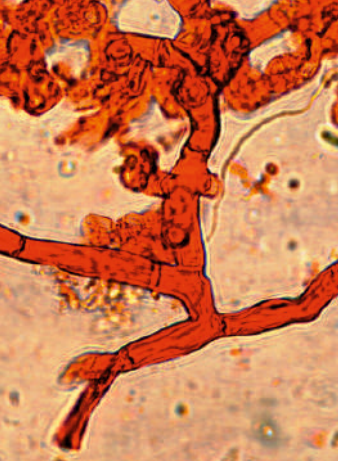


बोट्रायोबेसिडियम रोबसटियस पौजर एवं हौल.-जेक.

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार जम्मू एवं कश्मीर तथा कश्मीर में कठुआ के बिल्लावर स्थित सुकराला मार्ग पर *पाइनस रोक्सबर्घी* के ढेर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) संग्रहित किया गया है। इस शोध को ज्योति शर्मा, अवनीत पाल सिंह एवं जी.एस. ढिंगरा ने कवका 56: 85.2021 में प्रकाशित किया है।

Botryobasidium robustius Pouzar & Hol.-Jech.

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from stump of *Pinus roxburghii* on the way to Sukrala, Billawar, Kathua, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Jyoti Sharma, Avneet Pal Singh & G. S. Dhingra in KAVAKA 56: 85.2021.

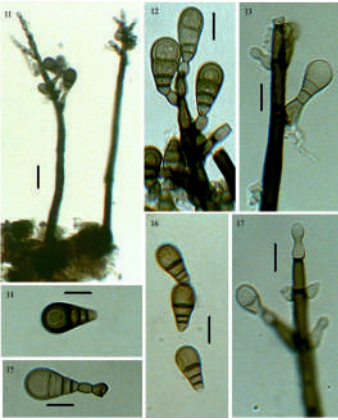


बोट्रायोहायपोकनस वेरुसिस्पोरस बर्ड्स एवं गिल्ब.

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2200 मी की ऊँचाई से हिमाचल प्रदेश में शारची गाँव के बंजार उपनुमंडल स्थित कुल्लू जनपद से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन 11163) में संग्रहित किया गया है | इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह, रमनदीप कौर एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने प्लांट आर्काइव्स 21(2): 85.2021 में प्रकाशित किया है |

Botryohypochnus verrucisporus Burds. & Gilb.

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from Kullu district, Banjar sub-division, Sharchi village, Himachal Pradesh at 2200 m altitude. The specimen (PUN 11163) is deposited at Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Ramandeep Kaur and Gulpaul Singh Dhingra in Plant Archives 21(2): 85. 2021.

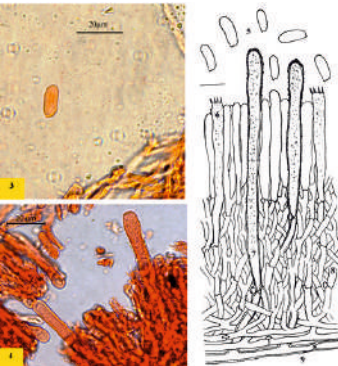


ब्रेचिस्पोरिएला पुलचरा (सबरेम.) एस. हयूज

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश में कांगड़ा जनपद के बैजनाथ में टना सिलिएटा के गिरे हुए टहनियों तथा बिलासपुर में जोप्लाखिन मार्ग पर मसौर मोड के निकट गिरे हुए बांस कल्मी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएएन 31514, पीएएन 32741) में संग्रहित किया गया है | इस शोध को आर. के. वर्मा, आई. बी. प्रशर, सुषमा एवं ए.के. गौतम ने वेजिटोस 34: 333. 2021 में प्रकाशित किया है |

Brachysporiella pulchra (Subram.) S. Hughes

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collections made from fallen twigs of Toona ciliata, Baijnath, Kangra, Himachal Pradesh and from fallen Bamboo culms near Masaur Mod on the way to Jolplakhin, Bilaspur The specimens (PAN 31514, PAN 32741) are deposited at Panjab University Chandigarh (PAN). This has been published by R. K. Verma, I. B. Prasher, Sushma and A. K. Gautam in Vegetos 34: 333.2021.



केटोडर्मैला इनक्रेसाटा (मेलनकन), के. एच. लार्स. एवं रायवर्देन

पूर्व में फ्रांस से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जनपद स्थित बंजार के टंडी में सिड्स देवदारा के ढेर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है | इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह, एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने कवका 57: 62.2021 में प्रकाशित किया है |

Chaetodermella incrassata (Malençon), K. H. Larss. & Ryvardeen

The fungal species earlier known from France has been reported for the first time from India based on collection made from stump of Cedrus deodara from Tandi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in the herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gulpaul Singh Dhingra in KAVAKA 57: 62.2021.

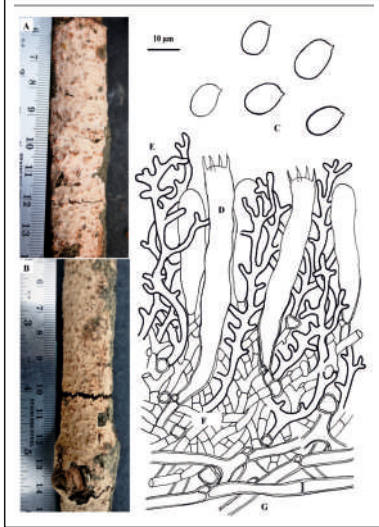


क्लेवरियाडेल्फस पाकिस्तानिकस हनिफ एवं खालिद

पूर्व में फ्रांस, जर्मनी, सर्बिया, आस्ट्रिया, इटली, पुर्तगाल, स्पेन तथा कौकेसस से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार जम्मू एवं कश्मीर तथा कश्मीर के अनंतनाग जनपद स्थित डाकसुम से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है | इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर में संग्रहित किया गया है | इस शोध को उजमा अल्लाफ, एस.ए.जे. हाशमि एवं यश पाल शर्मा ने कवका 56: 45.2021 में प्रकाशित किया है |

Clavariadelphus pakistanicus Hanif & Khalid

The fungal species earlier known from France, Germany, Serbia, Austria, Italy, Portugal Spain and the Caucasus has been reported for the first time from India based on collection made from Daksum, Anantanag, Jammu and Kashmir. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, University of Jammu, Jammu, Jammu and Kashmir. This has been published by Uzma Altaf, S.A.J. Hashmi and Yash Pal Sharma in KAVAKA 56: 45.2021.



कोर्टिसियम मेरिडियोरोसियम बोईडिन एवं लांक.

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 3223 मी की ऊँचाई से हिमाचल प्रदेश में बंजार उपअनुमंडल के कुल्लु जनपद स्थित जलोरी पास गांव से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन 11167) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह, रमनदीप कौर एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने प्लांट आर्काइव्स 21(2): 86. 2021 में प्रकाशित किया है।

Corticium meridioroseum Boidin & Lanq.

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from Kullu district, Banjar sub-division, Jalori Paas village, Himachal Pradesh, India, at 3223 m altitude. The specimen (PUN 11167) is deposited at Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Ramandeep Kaur and Gulpaul Singh Dhingra in Plant Archives 21(2): 86. 2021.

सिलिन्द्रोबेसिडियम टोरेंडी (ब्रेस.) जोर्टस्टेम

पूर्व में उत्तर अमेरिका एवं यूरोप से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार जलोरी, बंजार, कुल्लु, हिमाचल प्रदेश में टैक्सस बकाटा के छाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने कवका 57: 63. 2021 में प्रकाशित किया है।

Cylindrobasidium torrendii (Bres.) Hjortstam

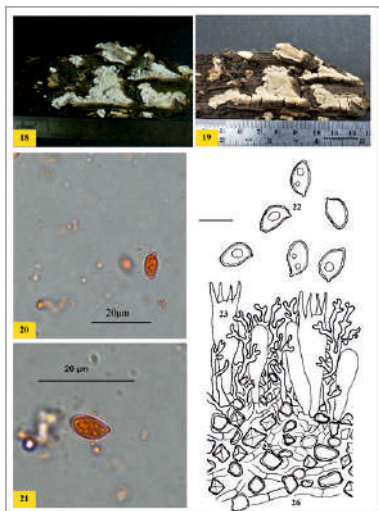
The fungal species earlier known from North America and Europe has been reported for the first time from India based on collection made from the bark of *Taxus baccata* from Jalori, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in the in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gulpaul Singh Dhingra in KAVAKA 57: 63.2021.

डेण्ड्रोथेली एमिगडालिस्पोरा जोर्टस्टेम

पूर्व में पूर्वी यूरोप से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार पलड़ी, बंजार, कुल्लु, हिमाचल प्रदेश में सिड्स देवदारा के ढेर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने कवका 57: 63. 2021 में प्रकाशित किया है।

Dendrothele amygdalispora Hjortstam

The fungal species earlier known from Eastern Europe has been reported for the first time from India based on collection made from stump of *Cedrus deodara* from Paldi, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in the in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gulpaul Singh Dhingra in KAVAKA 57: 63.2021.

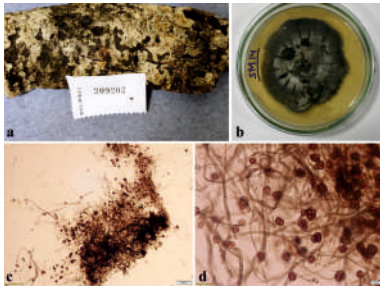


डिक्टोओचेइरोस्पोरा नाबानहीनसिस टिबप्रोमा एवं के. डी. हायड

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार महाराष्ट्र में थाने के ग्रामीण क्षेत्र में *बोरासस फ्लेबेलिफर* (टोडी पाम्स) से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को अजरेकर मायकोलोजिकल हर्बेरियम (एएमएच), तथा कल्चर को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया (एनएफसीसीआई, डब्ल्यूडीसीएम-932), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित किया गया है। इस शोध को कुंहरिमान सी. राजेश कुमार, रजनीश के. वर्मा, सरण्यफत बूनमौ, सजिनी चंद्रासिरी, केविन डी. हायड, निखिल अशतेकर, स्नेहा लद एवं नलिन एन. विजयवरदने ने फायटोटैक्सा 509 (3): 265.2021 में प्रकाशित किया है।

Dictyocheirospora nabanheensis Tibpromma & K.D. Hyde

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from the surface of *Borassus flabellifer* (toddy palms) from Thane rural area, Maharashtra. The specimen is deposited in the Ajrekar Mycological Herbarium (AMH), and culture is preserved at National Fungal Culture Collection of India (NFCCI, WDCM-932), Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. This has been published by Kunhiraman C. Rajesh kumar, Rajnish K. Verma, Saranyaphat Boonmee, Sajini Chandrasiri, Kevin D. Hyde, Nikhil Ashtekar, Sneha Lad & Nalin N. Wijayawardene in *Phytotaxa* 509 (3): 265.2021.



डीडायमोकरिया ल्यूकेनी जयासिरी, ई.बी.जी. जॉस एवं के.डी. हायड

पूर्व में थाईलैंड से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार अंबोली घाट, सिंधुदुर्ग जनपद, महाराष्ट्र से एक अपरिचित पौधे के अपघटित छाल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे, महाराष्ट्र (बीएसआई) तथा एक्स-प्रतिरूप जीवित कल्चर को (एनएफसीसीआई-4842) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को रश्मि दुबे ने मायकोएशिया 02: 4.2021 में प्रकाशित किया है।

Didymocrea leucaenae Jayasiri, E.B.G. Jones & K.D. Hyde

The fungal species earlier known from Thailand has been reported for the first time from India based on collection made from decaying bark of unidentified plant from Amboli Ghat, Sindhudurg District, Maharashtra. The specimen (BSI-209202) is deposited in Botanical Survey of India, Western Regional Centre (BSI) and Ex-type living culture (NFCCI-4842) in National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra (NFCCI). This has been published by Rashmi Dubey in *MycoAsia* 02: 4.2021.

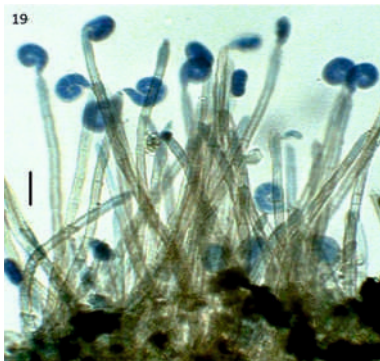


फेबोलस रोसीआस एललोयड

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 116 मी की ऊँचाई से मराठ-वाडा, औरंगाबाद जनपद, तालुका कन्नड, पुरनवाडी, महाराष्ट्र से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। गोरे वीयू, हेंब्रम एमई, घोष ए, मलई वीपी, किशकु ए वी ने चेकलिस्ट 17 (4): 1173. 2021 में प्रकाशित किया है।

Favolus roseus Lloyd

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from Marath-wada, Taluka Kannad, Puranwadi, Aurangabad district, Maharashtra at 116 m altitude. It has been published by Gore VU, Hembrom ME, Ghosh A, Mali VP, Kisku AV in *Check List* 17 (4): 1173. 2021.

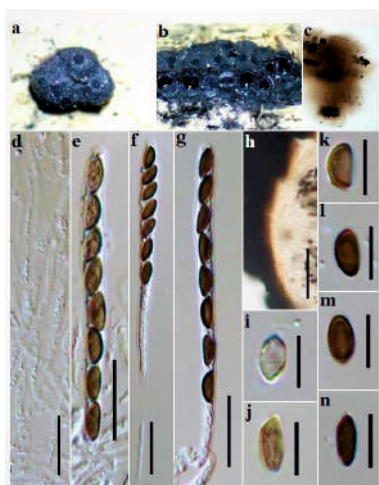


हेलिकोमा डेनिसी एम.बी.इलिस

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार बैजनाथ, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में *इक्यूलिप्टस* जाति के छाल से तथा एमएलएसएम कॉलेज के निकट सुंदर नगर में *इक्यूलिप्टस टेरैटिकोर्निस* से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ (पीएन 31515, पीएन 32755) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर. के. वर्मा, आई. बी. प्रशर, सुषमा एवं ए.के. गौतम ने वेजिटोस 34: 333. 2021 में प्रकाशित किया है।

Helicoma dennisii M.B. Ellis

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from the bark of *Eucalyptus* sp., Baijnath, Kangra, Himachal Pradesh and from the bark of *Eucalyptus tereticornis*, Sunder Nagar near MLSM College. The specimens (PAN 31515, PAN 32755) are deposited at Panjab University Chandigarh (PAN). This has been published by R. K. Verma, I. B. Prasher, Sushma and A. K. Gautam in *Vegetos* 34: 333.2021.



हायपोमोंटेग्नेला स्पोंजिफिला कुहनर्ट

पूर्व में फ्रेंच पॉलीनेशिया से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से चिड़िया टापू स्थित व्यू पॉइंट क्षेत्र में अपरिचित टहनी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (एएमएच-9985) को अजरेकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम तथा एक्स-प्ररूप जीवित कल्चर (एनएफसीसी-4378), एनएफसीसीआई, अघरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र में संग्रहित किया गया है। इस शोध को निरंजन, अनुपम डी, परिदा पी एवं सर्मा ने सीआरईएएम 11(1): 174.2021 में प्रकाशित किया है।

Hypomontagnella spongiphila Kuhnert

The fungal species earlier known from French Polynesia has been reported for the first time from India based on collection made from an unidentified twig from View Point Area, Chidiya Tapu, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The specimen (AMH-9985) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium and Ex-type living culture (NFCC-4378) is in NFCCI, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra. This has been published by Niranjana, Anupam D, Parida P and Sarma in CREAM 11(1): 174.2021.

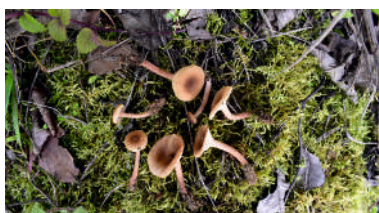


लेकटेरियस एबीटिकोला एक्स. एच. वांग

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 3619 मी की ऊँचाई से युमथांग, सिक्किम तथा अनि गोमपा, तवांग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रहों के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूपों (सीएएल 1823 तथा 1824) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इषिका बेरा, कनाद दास तथा अनिकेत घोष ने नेलुम्बो 62(2):126.2020 में प्रकाशित किया है।

Lactarius abieticola X.H. Wang

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from Yumthang, Sikkim at 3619 m altitude and from Ani Gompa, Tawang district, Arunachal Pradesh. The specimens (CAL 1823 and CAL 1824) are deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal (CAL). This has been published by Ishika Bera, Kanad Das and Aniket Ghosh in Nelumbo 62(2):126.2020.



लेकटेरियस एम्बिगुअस एक्स. एच. वांग

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 1761 मी की ऊँचाई से चुग, पश्चिम कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (सीएएल 1828) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इषिका बेरा तथा कनाद दास ने नेलुम्बो 63(1):187.2021 में प्रकाशित किया है।

Lactarius ambiguus X.H. Wang

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from Chug, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1761 m altitude. The specimen (CAL 1828) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah West Bengal (CAL). This has been published by Ishika Bera and Kanad Das in Nelumbo 63(1):187.2021.



लेकटेरियस हिर्टिपैस् जे.जेड. यिंग

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2408 मी की ऊँचाई से शेरागांव, पश्चिम कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (सीएएल 1829) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इषिका बेरा तथा कनाद दास ने नेलुम्बो 63(1):189.2021 में प्रकाशित किया है।

Lactarius hirtipes J.Z. Ying

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from Sergaon, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 2408 m altitude. The specimen (CAL 1829) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah West Bengal (CAL). This has been published by Ishika Bera and Kanad Das in Nelumbo 63(1):189.2021.



लेकटेरियस केसियाई वरबेकेन एवं के. डी. हायड

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 1968 मी की ऊँचाई से दिरांग, नामचु, पश्चिम कामेंग जनपद, अरुणाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (सीएएल 1830) को केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगल (सीएएल) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इषिका बेरा तथा कनाद दास ने नेलुम्बो 63(1):191.2021 में प्रकाशित किया है।

Lactarius kesiyae Verbeken & K.D. Hyde

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from Dirang, Namchu, West Kameng district, Arunachal Pradesh at 1968 m altitude. The specimen (CAL 1830) is deposited in Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah West Bengal (CAL). This has been published by Ishika Bera and Kanad Das in Nelumbo 63(1):191. 2021.



लेकटेरियस सिनोजोनेरियस एक्स. एच. वांग

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 12682 मी की ऊँचाई से जम्मू एवं कश्मीर तथा कश्मीर में रजौरी जनपद के दाना टोप, दारहल से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, यूनिवर्सिटी ऑफ जम्मू, जम्मू एवं कश्मीर (एचबीजेयू-614) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वर्मा के, उनियाल पी, कुमार ए एवं शर्मा वाई. पी. ने इंडियन फायटोपैथोलॉजी 74: 1157.2021 में प्रकाशित किया है।

Lactarius sinozonarius X.H. Wang

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from Rajouri district, Dana top, Darhal, Jammu & Kashmir, at 2682 m altitude. The specimen (HBJU-614) is deposited in Herbarium of Department of Botany, University of Jammu, Jammu and Kashmir (HBJU). It has been published by Verma K, Uniyal P, Kumar A & Sharma YP in Indian Phytopathology 74: 1157.2021.



लिंगनोसास राइनोसेरस (कूक) रायवर्डेन

पूर्व में ऊष्णकटिबंधीय दक्षिण चीन, थाईलैंड, मलेशिया, श्रीलंका, इंडोनेशिया, फिलिपींस, पपुआ न्यू गिनी, न्यूजीलैंड, आस्ट्रेलिया एवं ऊपोष्णकटिबंधीय जापान से ज्ञात इस जाति का पता भारत में पहली बार केरल के कौल्लम जनपद, केरल स्थित थेनमला के थेनमला वन की भूमि से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (जेडजीसीवीएन903) को जमोरिन गुरु वायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विजुसा एन एवं अरुण कुमार टी.के. ने स्टडीज इन फंगी 6(1):153.2021 में प्रकाशित किया है।

Lignosus rhinocerus (Cooke) Ryvarden

The fungal species earlier known from tropical South China, Thailand, Malaysia, Sri Lanka, Indonesia, Philippines, Papua New Guinea, New Zealand, Australia, and subtropical Japan has been reported for the first time from India based on collection made from the ground of Thenmala forest, Thenmala, Kollam district, Kerala. The specimen (ZGCVN903) is deposited in the herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by Vinjusha N and Arun Kumar TK in Studies in Fungi 6(1):153.2021.

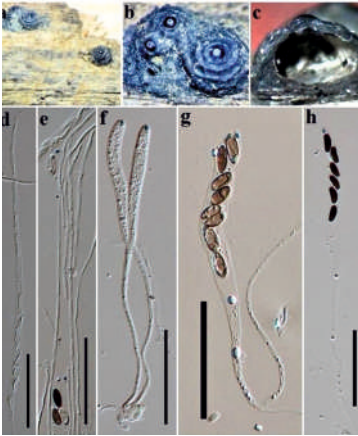


मायसेना क्लोरोफॉस (बेर्क. एवं एम.ए. कर्टिस) सैक.

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार केरल के ऊष्णकटिबंधीय सदाबहार वन से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को मायकोलॉजिकल हर्बेरियम ऑफ जवाहरलाल नेहरू ट्रॉपिकल बॉटनिक गार्डन एंड रिसर्च इंस्टिट्यूट, थिरुवनंतपुरम, केरल [टीबीजीटी (एम)] में संग्रहित किया गया है। इस शोध को आर्या सी.पी, रथीश एस., प्रदीप सी.के. ने स्टडीज इन फंगी 6(1):507.2021 में प्रकाशित किया है।

Mycena chlorophos (Berk. & M.A. Curtis) Sacc.

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from tropical evergreen forest in Kerala. The specimen deposited at the Mycological Herbarium of Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute, Thiruvananthapuram, Kerala [TBGT (M)]. It has been published by Arya CP, Ratheesh S, Pradeep CK in Studies in Fungi 6(1): 507. 2021



नेमानिया बाईपेपिलाटा (बर्क. एवं एम.ए. कूर्टिस) पौजर

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार व्यू पॉइंट के निकट, चिडिया टापू, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में *प्यरैसिया इनसिगनिस* के अपघटित टहनी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को अजरेकर मायकोलोजिकल हरबेरियम (एएमएच 10065), तथा एक्स-प्ररूप जीवित कल्चर को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया (एनएफसीसीआई 4519), अगारकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. निरंजन, डी. अनुपम, पी. परिदा एवं वी.वी. सर्मा ने सीआरईएएम 11(1): 174.2021 में प्रकाशित किया है।

Nemanium bipapillata (Berk. & M.A. Curtis) Pouzar

The fungal species has been reported for the first time from India based on a collection of a decaying twig of *Paraishia insignis*, collected from Near View Point, Chidiya Tapu, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10065) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH);

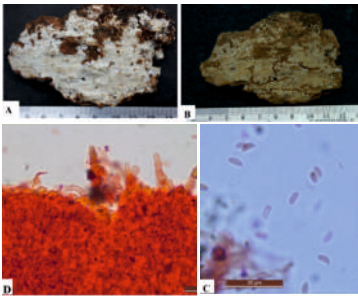
ex-type living culture (NFCCI 4519) deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra. This has been published by M. Niranjana, D. Anupama, P. Parida & VV Sarma in CREAM 11(1):174.2021.

नियोफोमिटेल्ला गुआंगज़िअनसिस बी. के. कुई एवं झिंग जी, इन जी, वु, सॉन्ग, लिउ, सी एवं कुई

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार केरल के कन्नूर जनपद, मदायी कायु में आवृत्तबीजी पेड़ के मृत शाखा से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (जेडजीसीवीएन 689) को जमोरिन गुरु वायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विंजुसा एन एवं अरुण कुमार टी.के. ने स्टडीज इन फंगी 6(1):308.2021 में प्रकाशित किया है।

Neofomitella guangxiensis B.K. Cui & Xing Ji, in Ji, Wu, Song, Liu, Si & Cui

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from the dead branch of angiosperm tree from Madayi Kavu, Kannur district, Kerala. The specimen (ZGCVN689) is deposited in the herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by Vinjusha N and Arun Kumar TK in Studies in Fungi 6(1): 308.2021.

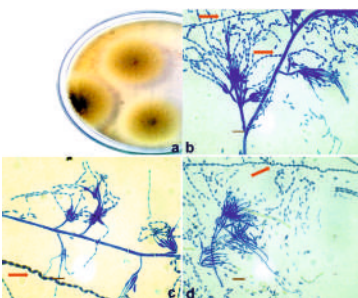


ओडोंटिसियम फ्लेबेलीरेडिएटम (जे. एरिक्स. एवं होर्तस्टम) ज़मित्र.

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 3223 मी की ऊँचाई से जलोरी, बंजार अनुमंडल, कुल्लु जनपद, हिमाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन 9563) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह रमनदीप कौर एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने प्लांट आर्काइव्स 21(2): 86. 2021 में प्रकाशित किया है।

Odontium flabelliradiatum (J. Erikss. & Hjortstam) Zmitr.

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from Kullu district, Banjar sub-division, Jalori Pass village, Himachal Pradesh at 3223 m altitude. The specimen (PUN 9563) is deposited at Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Ramandeep Kaur and Gurbal Singh Dhingra in Plant Archives 21(2): 86. 2021.



पेसिलोमायसिस फोर्मोसस सकाग., मेय. इनौ एवं टाडा एक्स हाउब्रेकेन एवं सैमसन, इन सैमसन, हाउब्रेकेन, वार्गा एवं फ्रिसवाद

पूर्व में डेनमार्क से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार केंद्रशासित प्रदेश लदाख में करगिल जनपद के सपि ला उच्चतुंगता पास से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इस शोध को स्करमा नॉजोन एवं गीता सुमबली ने जे. थ्रीटेड टैक्सा 13(13): 20120.2021 में प्रकाशित किया है।

Paecilomyces formosus Sakag., May. Inoue & Tada ex Houbraken & Samson, in Samson, Houbraken, Varga & Frisvad

The fungal species earlier known from Denmark has been reported for the first time from India based on collection made from Sapi La high-altitude pass, Kargil district, Union Territory of Ladakh. This has been published by Skarma Nonzom & Geeta Sumbali in J. Threatened Taxa 13(13): 20120.2021.



पायरेनोपॉलीपोरस हंटैरी एल्लोयड

पूर्व में घाना, अर्जेन्टीना, आस्ट्रेलिया, ब्राज़ील से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार कर्नाटक में चिक्कामगलुरु के दसराहल्ली से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय, वनस्पतिशास्त्र विभाग, कुवेम्पु विश्वविद्यालय, कर्नाटक में संग्रहित किया गया है। इस शोध को हिमानी एस एवं एम कृष्णप्पा ने कवका 56: 92.2021 में प्रकाशित किया है।

Pyrenopolyporus hunteri Lloyd

The fungal species earlier known from Ghana, Argentina, Australia, Brazil has been reported for the first time from India based on collection made from Dasarahalli, Chikkamagaluru, Karnataka. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, Kuvempu

University, Karnataka. This has been published by Himani S and M Krishnappa in KAVAKA 56: 92.2021.

राइजोक्टोनिया एमिगडालिस्पोरा (हौस्लेव, पी. रोबर्ट्स एवं ए. स्ट्रीड) ओबेर्व., आर. बौएर, गार्निका एवं आर. किश्चनर

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2400 मी की ऊँचाई से कुल्लु जनपद, बंजार अनुमंडल, साईरोपा गाँव, हिमाचल प्रदेश से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन 11169) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह, रमनदीप कौर एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने प्लांट आर्काइव्स 21(2): 87.2021 में प्रकाशित किया है।

Rhizoctonia amygdalispora (Hauerslev, P. Roberts & Å. Strid) Oberw., R. Bauer, Garnica, & R. Kirschner

The fungal species has been reported for the first time from India based on the collection made from Kullu district, Banjar sub-division, Sairopa village, Himachal Pradesh at 2400 m altitude. The specimen (PUN 11169) is deposited at Department of Botany, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). It has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Ramandeep Kaur and Gurpaul Singh Dhingra in Plant Archives 21(2): 87. 2021.

रूबेलोफोमिज सिस्टिडाएटस (बी.के. कुई एवं एम. एल. हान) बी.के. कुई एवं एम. एल. हान एवं वाई. सी. दाई

पूर्व में चीन से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार साइलेंट वैली नेशनल पार्क, पालक्कड, केरल में अपरिचित वृक्ष के मृत लकड़ी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (जेडजीसीवीएन 667) को जमोरिन गुरु वायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विंजुसा नेल्लीपुनाथ एवं टी.के. अरुण कुमार ने मायकोटैक्सन 136:663.2021 में प्रकाशित किया है।

Rubellofomes cystidiatus (B.K. Cui & M.L. Han) B.K. Cui, M.L. Han & Y.C. Dai

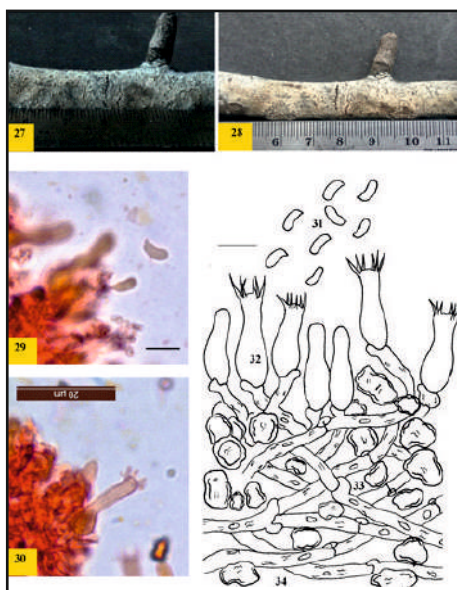
The fungal species earlier known from China has been reported for the first time from India based on collection made from the dead wood of unidentified tree from Silent Valley National Park, Palakkad, Kerala. The specimen (ZGCVN667) is deposited in the herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by Vinjusha Nellipunath & T.K. Arun Kumar in Mycotaxon, 136:663.2021.

सेबीपोरा एकुओसा मिएटिनेन, इन मिएटिनेन एवं राजचेनबार्ग

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार धोनी वन, पालक्कड, केरल में मृत लकड़ी के ढेर से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (जेडजीसीवीएन 775) को जमोरिन गुरु वायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विंजुसा नेल्लीपुनाथ एवं अरुण कुमार टी.के. ने स्टडीज़ इन फंगी 6(1): 309.2021 में प्रकाशित किया है।

Sebipora aquosa Miettinen, in Miettinen & Rajchenberg

The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from the dead wood stump from Dhoni forest, Palakkad district, Kerala. The specimen (ZGCVN775) is deposited in the herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by Vinjusha N and Arun Kumar TK in Studies in Fungi 6(1): 309.2021.



सिस्टोट्रेमा ओब्लॉंगिस्पोरम एम.पी. क्राईस्ट एवं हौर्सलेव

इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार कलवाडी, बंजार, कुल्लु, हिमाचल प्रदेश में जुगलान्स रेजिया के गिरे हुए लकड़ियों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को इल्लु राम, अवनीत पाल सिंह एवं गुरपौल सिंह ढिंगरा ने कवका 57: 64.2021 में प्रकाशित किया है।

Sistotrema oblongisporum M. P. Christ. and Hauerslev

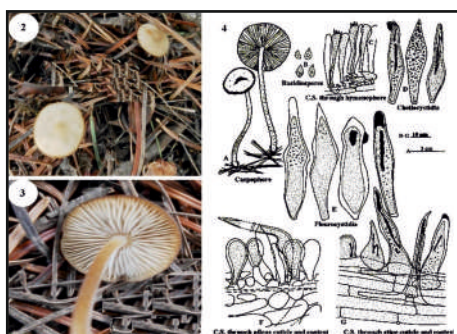
The fungal species has been reported for the first time from India based on collection made from the fallen sticks of *Juglans regia* from Kalwari, Banjar, Kullu, Himachal Pradesh. The specimen is deposited in the in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Ellu Ram, Avneet Pal Singh, Gulpaul Singh Dhingra in KAVAKA 57: 64.2021.

स्पॉनजिपोरस फ़्लोरिफॉर्मिस (कवेल.) जमित्र.

पूर्व में एशिया, उत्तरी से लेकर दक्षिणी यूरोप, बोरियल कोनिफर प्रक्षेत्र स्थित परिध्रुविय इलाके से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार पाइन वैली, वागामोन, कोट्टयम, केरल में पाइनस जाति के सड़े हुए लकड़ी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप (जेडजीसीवीएन 258) को जमोरिन गुरु वायुरप्पन महाविद्यालय, कालिकट, केरल (जेडजीसी) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को विंजुसा नेल्लीपुनाथ एवं टी.के. अरुण कुमार ने मायकोटैक्सन 136: 664.2021 में प्रकाशित किया है।

Spongiporus floriformis (Quél.) Zmitr.

The fungal species earlier known from Asia, northern to southern Europe, circumpolar in the boreal conifer zone has been reported for the first time from India based on collection made from the rotten wood of *Pinus* species from Pine Valley, Vagamon, Kottayam, Kerala. The specimen (ZGCVN258) is deposited in the herbarium of Zamorin's Guruvayurappan College, Calicut, Kerala (ZGC). This has been published by Vinjusha Nellipunath & T.K. Arun Kumar in Mycotaxon 136:664.2021.

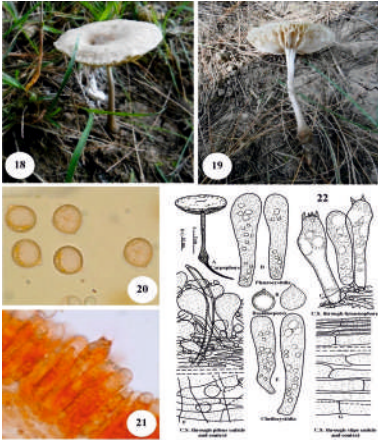


स्ट्रोबिलुरस टेनसेलुस (पर्स.) सिंगर

पूर्व में स्विट्जरलैंड (लुसर्ने) एवं यूरोप से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2750 मी की ऊँचाई से गुलमर्ग, बारामुला, जम्मू एवं कश्मीर में पाइनस के शूलों से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वानी एन ए, सैनी एमके एवं मालिक एनए ने सीआरईएएम 11(1): 252.2021 में प्रकाशित किया है।

Strobilurus tenacellus (Pers.) Singer

The fungal species earlier known from Switzerland (Lucerne), Europe has been reported for the first time from India based on collection made from needles of *Pinus* from Gulmarg, Baramulla, Jammu and Kashmir at 2750 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Wani NA, Saini MK and Malik NA in CREAM 11(1): 252.2021.

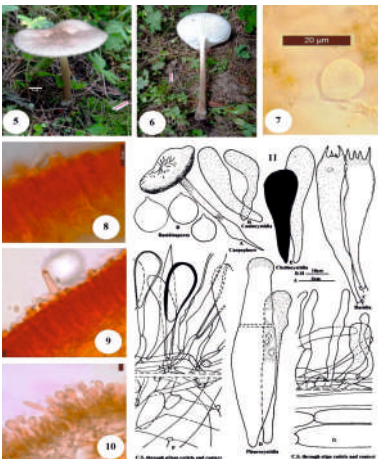


जेरुला फुर्फुरेसिया (पेक.) रेडहेड, गिन्स एवं शूमेकर

पूर्व में पूर्वी उत्तर अमेरिका से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2150 मी की ऊँचाई से खडगू मंगलू, बारामुला, जम्मू एवं कश्मीर में शंकुधारी वन के ह्यूमिकोलोस मिट्टी से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वानी एनए, सैनी एमके एवं मालिक एनए ने सीआरईएएम 11(1): 257.2021 में प्रकाशित किया है।

Xerula furfuracea (Peck.) Redhead, Ginns & Shoemaker

The fungal species earlier known from Eastern North America has been reported for the first time from India based on collection made from humicolous soil in coniferous forest from Khadgu Manglu, Baramulla, Jammu and Kashmir at 2150 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Wani NA, Saini MK and Malik NA in CREAM 11(1): 257.2021.

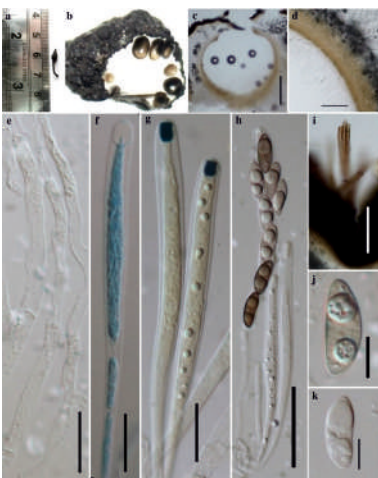


जेरुला केनियई आर.एच. पीटरसन

पूर्व में केन्या से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार 2300 मी की ऊँचाई से वेरिनाग, जम्मू एवं कश्मीर में पाइनस वालिचियाना से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को पादपालय वनस्पतिशास्त्र विभाग, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब (पीयूएन) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को वानी एनए, सैनी एमके एवं मालिक एनए ने सीआरईएएम 11(1): 253.2021 में प्रकाशित किया है।

Xerula kenyaensis R.H. Petersen

The fungal species earlier known from Kenya has been reported for the first time from India based on collection made from leaf litter of *Pinus wallichiana* from Verinag, Anantnag Jammu and Kashmir at 2300 m altitude. The specimen is deposited in herbarium of Botany Department, Punjabi University, Patiala, Punjab (PUN). This has been published by Wani NA, Saini MK and Malik NA in CREAM 11(1): 253.2021.



जायलेरिया हेमोरहोईडेलिस बर्क. एवं ब्रूम.

पूर्व में माउंट हेरिएट, दक्षिण अंडमान, अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह से ज्ञात इस कवक जाति का पता भारत में पहली बार में अपघटित लकड़ी के कुंदे से प्राप्त संग्रह के आधार पर किया गया है। इसके प्रतिरूप को अजरेकर मायकोलोजिकल हर्बेरियम (एएमएच 10070), तथा एक्स-प्ररूप जीवित कल्चर को नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया (एनएफसीसीआई 4369), अगर्कर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र (एनएफसीसीआई) में संग्रहित किया गया है। इस शोध को एम. निरंजन, एवं वी.वी. सर्मा ने करंट रिसर्च इन फंगल डायवर्सिटी 111(1): 217. 2021 में प्रकाशित किया है।

Xylaria haemorrhoidalis Berk. & Broome.

The fungal species has been reported for the first time from India based on a collection of a decaying log, collected from Mount Harriet, South Andaman, Andaman and Nicobar Islands. The holotype (AMH 10070) is deposited in Ajrekar Mycological Herbarium (AMH); ex-type living culture (NFCCI 4369) deposited in National Fungal Culture Collection of India (NFCCI), Agarkar Research Institute, Pune, Maharashtra,. This has been published by M. Niranjana and V.V. Sarma in Current Research in Fungal Diversity 111(1): 217. 2021.



जीवाणु / MICROBES

Courtesy: Internet

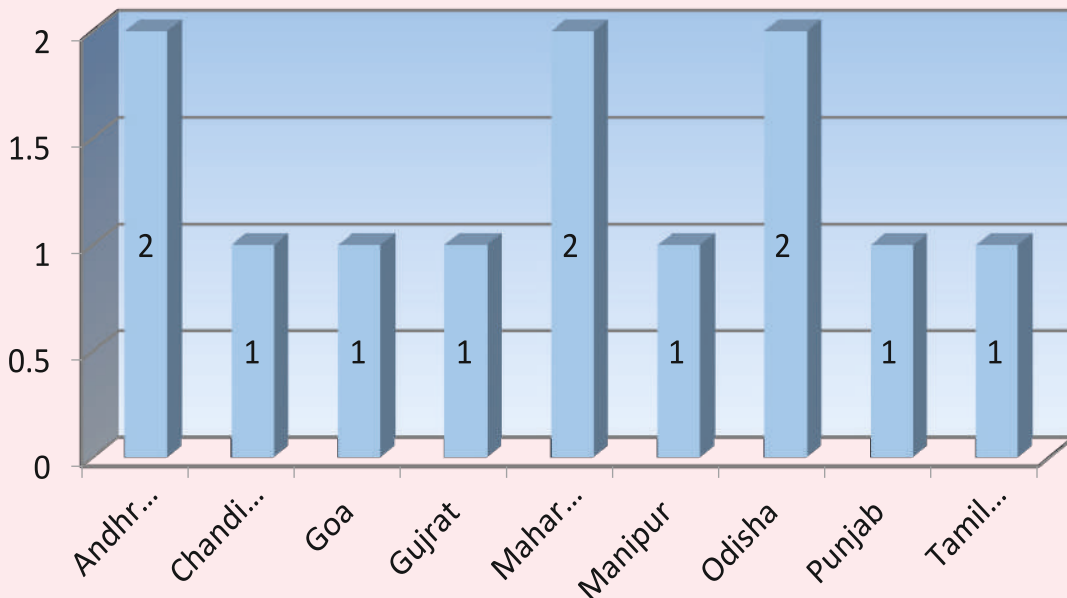
जीवाणु/ MICROBES

जीवाणु सूक्ष्मजीवीय पारिस्थितिक विज्ञानियों ने जीवाणुओं एवं आर्किया की आण्विक आधार पर गणना हेतु 16एस आरआरएनए जीन अनुक्रमण की विधि को अपनाया है। हाल ही में किए गए शोध के अनुसार कुल 14,11,234 जीवाणुओं तथा 53,546 आर्किया जातियों के विस्तृत जीन अनुक्रमों की पहचान कर ली गई है, जिसमें भारत से लगभग 1269 जातियों को पृथक किया जा चुका है। भारतीय पर्यावरण में जीवाणुओं तथा आर्किया की विविधता एवं जैव विविधता के संवर्धन और रखरखाव में उनकी भूमिका को समझना बहुत आवश्यक है। हमारी अब तक की जानकारी के अनुसार भारतीय वनस्पतिजात में लगभग 2.31 प्रतिशत हिस्सा जीवाणुओं का है। इस क्रमवार सूचना में वर्ष 2021 के दौरान भारत से 12 नई जातियों का विज्ञान के लिए अन्वेषित एवं वर्णित किया गया है। राज्यवार विश्लेषण में आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र तथा उड़ीसा राज्यों में प्रत्येक से 2, चंडीगढ़, गोवा, गुजरात, मणिपुर, पंजाब एवं तमिलनाडु राज्यों में प्रत्येक से 1 जाति का अन्वेषण किया गया है।

Microbial ecologist now adopted 16S rRNA gene sequencing for developing molecular census database of bacteria and archaea. In recent studies total 14,11,234 bacterial and 53,546 archaeal full-length sequences has been observed worldwide from which 1269 species have been isolated from India.

It is necessary to understand the diversity of bacteria and archaea present in a great variety of Indian environments, and understand their role in biodiversity maintenance. In the present state of our knowledge, Indian microbes Represents about 2.31 per cent of the total plant species of India.

The collated information presented here for year 2021 includes 12 new species of microbes (2 each from Andhra Pradesh, Maharashtra and Odisha, 1 each from Chandigarh, Goa, Gujrat, Manipur, Punjab and Tamil Nadu) discovered and described as new to science from India.



भारतीय राज्यों एवं संघ-क्षेत्रों से अन्वेषित जीवाणुओं की संख्या
NUMBER OF MICROBES DISCOVERED FROM INDIAN STATES AND UTs

नवीन जाति / NEW SPECIES

एकिनेटोबैक्टर कनूनगोनिस् लिपिका दास, सुशांता देब एवं सुब्रता के दास, इं. ज. सिस्ट. इवॉल माइक्रोबायोल 71 (6): 004833. 2021 (मोराक्जेलेसी)
इस नवीन ग्राम-अग्राही, वायुजीवी, अगतिशील जीवाणुपरक विकृति को पीएस-1 टी के रूप में नामांकित किया गया है। इसे ओड़िशा स्थित महानदी के अलवणित जल में पाए जाने वाली पफरफिश (*Tetraodon cutcutia*) के त्वचा से पृथक कर संग्रहित किया गया है। यह विशिष्ट विकृति व नवीन जीवाणु प्रभेद पीएस -1 टी (=जेसीएम 34131 टी =एनसीआईएमबी 15260 टी) इस जीवाणु विकृति का नाम जैविक विज्ञान संस्थान, भुवनेश्वर के संस्थापक प्रोफेसर मधु सुदान कनूनगो के सम्मान में रखा गया है तथा यह वही संस्थान है जहाँ इस जीवाणु को पृथक किया गया था।

Acinetobacter kanungonis Lipika Das, Sushanta Deb and Subrata K. Das, Int. J. Syst. Evol. Microbiol.71 (6): 004833 2021(Moraxellaceae)

A novel, coccoid shaped, Gram-negative, aerobic, non-motile bacterial strain, designated as PS-1T, isolated from skin of fresh water pufferfish (*Tetraodon cutcutia*) collected from Mahanadi River, Odisha. The type strain is PS-1T (=JCM 34131T=NCIMB 15260T). The bacterial strain is named in honour of Prof. Madhu Sudan Kanungo, the founder of the Institute of Life Sciences, Bhubaneswar, where the organism was isolated.

एक्विस्फेइरा इंसुलेई गौरव कुमार, खोंगसाई एल. लिंगजाकिम, जगदीश्वरी उप्पड़ा, शब्बीर अहमद, धाणेश कुमार, गुलाम मोहम्मद काशिफ़, चिंतालापति ससिकला एवं चिंतालापति वेंकटरमण, एंटीनी वान ल्यूनहॉक एचटीटीपीएस://डीओआई ओआरजी/10.1007/एस 10482-021-01615-6

इस नवीन गोलाकार से अंडाकार, ग्राम अग्राही, वायुजीवी, हल्के गुलाबी वर्णयुक्त, अगतिशील, सोडियम क्लोराइड विकर्षी जीवाणुपरक विकृति को जेसी669टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे मणिपुर स्थित लोकटक झील के तैरता हुआ द्वीप से पृथक कर प्राप्त किया गया है। इसके मूल विकृति को जेसी669टी (=केसीटीसी 72672टी =एनबीआरसी 114306टी) कहा जाता है। इस नवीन उपजाति का नाम भारत में मणिपुर स्थित लोकटक झील के तैरता हुआ द्वीप से इसके पृथक कर प्राप्ति को दर्शाता है।

Aquisphaera insulae Gaurav Kumar , Khongsai L. Lhingjakim , Jagadeeshwari Uppada , Shabbir Ahmad , Dhanesh Kumar , Gulam Mohammad Kashif ,Chintalapati Sasikala and Chintalapati Venkata Ramana, Antonie van Leeuwenhoek <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01615-6>

A novel spherical to oval-shaped, Gram negative, aerobic, light pink-coloured, non-motile, NaCl intolerant bacterial strain, designated as JC669T isolated from a floating island of Loktak lake, Manipur. The type strain is JC669T (= KCTC 72672T = NBRC 114306T). The species name indicates the isolation of the type strain from floating island of Loktak Lake, Manipur.

अरेनीबैक्टर अमायलोलायटिकस चांदनी सिधु, मोहित कुमार सैनी, नागा राधा श्रीनिवास तनुकु तथा अनिल कुमार पिन्नाका इं. ज. सिस्ट. इवॉल माइक्रोबायोल 71 (3): 004664. 2021 (फ्लेवोबैक्टेरिएसी)

इस नवीन वक्रित छड़नुमाकार, ग्राम-अग्राही, अगतिशील जीवाणुपरक विकृति को एके53टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे बंगाल की खाड़ी, विशाखापट्टनम, आन्ध्र प्रदेश से संग्रहित गहरे जल के नमूने से पृथक किया गया है। यह नवीन जीवाणु प्रभेद एके53टी (=एमटीसीसी 12004टी =जेसीएम 19206टी =केसीटीसी 62553 टी) है। इस नवीन जीवाणु प्रभेद के नाम से इसके स्टार्च जलीय विघटन गुण का पता चलता है।

Arenibacter amyolyticus Chandni Sidhu, Mohit Kumar Saini, Naga Radha Srinivas Tanuku and Anil Kumar Pinnaka, Int. J. Syst. Evol. Microbiol.71 (3): 004664. 2021(Flavobacteriaceae)

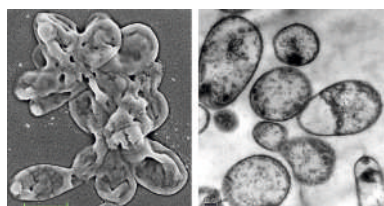
A novel, curved rod-shaped, Gram-negative, non-motile bacterial strain, designated as AK53T, isolated from depth water sample collected from Bay of Bengal, Visakhapatnam, Andhra Pradesh. The type strain is AK53T (= MTCC 12004T = JCM 19206T = KCTC 62553T). The species name indicates the starch hydrolysing property of the bacterium.

कैंडिडेटस फायटोप्लाज्मा सेकरी किर्दत एवं अन्य., इं. ज. सिस्ट. इवॉल माइक्रोबायोल 71 (1): 004591. 2021.

इस नवीन कोशिकाभित्ति रहित, निरुत्पादित, किट-स्थानांतरित, मूलतः जीवाणुपरक पादप रोगजनक को विकृति एससीजीएस के रूप में पुणे, महाराष्ट्र में प्राप्त गन्ने (विचित्र घांसदार टहनी सादृश्य लक्षणों) से प्राप्त संग्रह के आधार पर वर्णन किया गया है। तुलनात्मक जीनोम विशेषताओं तथा इसके सर्वाधिक निकट फायटोटैक्सा के साथ रोगाणुजनक विश्लेषण के आधार पर ही *कैंडिडेटस फायटोप्लाज्मा सेकरी* को नवीन टैक्सन के रूप में स्वीकार किया गया है। इसके विशिष्ट नामकरण में 'सकारी' *सकारम ऑफिसिनेरम* एल. नामक पादप से लिया गया है जहाँ यह पाया जाता है।

Candidatus Phytoplasma sacchari Kirdat et al., Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 71(1):004591.2021.

A novel cell wall-less, not-yet-cultivated, insect-transmitted, obligate bacterial plant pathogen with reference strain SCGS is described from sugarcane (exhibiting Typical Grassy Shoot Symptoms) collected from Pune, Maharashtra. Based on comparative genome features and phylogenetic analyses with its closely related phytoplasma taxa support the proposal of *Candidatus Phytoplasma sacchari* as a novel taxon. The epithet 'sacchari' comes from *Saccharum officinarum* L., referring to host plant (Sugercane).



क्रेटेरिफोर्मा स्पोंजिई गौरव कुमार, धाणेश कुमार, यू. जगदीश्वरी, पि. के. श्रेया, ए. शब्बीर, सीएच. ससिकला, सीएच. वी. रमणा, एंटोनी वान ल्यूनहॉक 114:350. 2021.

इस नवीन नाशपति से अण्डाकार, ग्राम अग्राही, वायुजीवी, फुल्लिका का निर्माण करने वाले प्यालानुमा आकृति युक्त जीवाणु को जेसी647टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे भारत के दक्षिणी पूर्वी तट से संबंध रखने वाले रामेश्वरम, तमिलनाडु के समुद्र तट से प्राप्त संग्रह वंश स्पोंजिया के स्पोंज प्रतिरूप से पृथक किया गया है। यह विशिष्ट विकृति जेसी647टी (=केसीटीसी72176टी =एबीआरसी 114068टी) है। इस उपजाति का नाम यह दर्शाता है कि इसे वंश स्पोंजिया से पृथक किया गया है।

Crateriforma spongiae Gaurav Kumar, Dhanesh Kumar, U. Jagadeeshwari, P. K. Sreya, A. Shabbir, Ch. Sasikala, Ch. V. Ramana, Antonie van Leeuwenhoek 114:350.2021.

A novel pear to oval shaped, Gram-negative, aerobic, rosette forming bacterium with crateriform structures, designated as JC647T isolated from a sponge specimen belonging to the genus Spongia from the sea shore of Rameswaram, Tamil Nadu. The type strain is JC647T (= KCTC 72176T = NBRC 114068T). The species name indicates isolation of the species from the genus Spongia.

हल्लोमोनास इकरेई कुप्पुसामी पांडियान, प्रीति कुशवाहा, समाधान वाई. बागुल, हिलोल चकदार, मुनुसामी मधईयान, श्रीनिवासन कृष्णमूर्थी, प्रवीण कुमार, ननजप्पन कार्थिकियन, अर्जुन सिंह, मुरुगन कुमार, उदय भान सिंह तथा अनिल कुमार सक्सेना इं. ज. सिस्ट. इवॉल माइक्रोबायोल 71 (1): 004611. 2021 (हाल्लोमोनेडेसी)

इस नवीन कोकुनाकार या छड़नुमाकार, ग्राम- अग्राही जीवाणुपरक विकृति को डी 1-1 टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे पेंथा समुद्रतट, उड़ीसा से संग्रहित मिट्टी के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति डी 1-1 टी (=जेसीएम 33602 टी =केएसीसी 21317टी =एनएआईएमसीसी-बी-2254टी) है। इस नवीन जीवाणुपरक विकृति का नाम कृषिजन्य महत्वपूर्ण सूक्ष्मजीव राष्ट्रीय ब्यूरो के मूल संगठन भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) पर रखा गया है जहाँ इसके विकृति को लक्षणात्मक रूप से ज्ञात किया गया था।

Halomonas icaræ Kuppusamy Pandiyan, Prity Kushwaha, Samadhan Y. Bagul, Hillol Chakdar, Munusamy Madhaiyan, Srinivasan Krishnamurthi, Pravin Kumar, Nanjappan Karthikeyan, Arjun Singh, Murugan Kumar, Udai Bhan Singh and Anil Kumar Saxena, Int. J. Syst. Evol. Microbiol.71 (1): 004611.2021(Halomonadaceae)

A novel cocci or rod shaped, Gram-negative bacterial strain, designated as D1-1T, isolated from soil sampled at Penth beach, Odisha. The type strain is D1-1T (=JCM 33602T=KACC 21317T=NAIMCC-B- 2254T). The bacterial strain is named after Indian Council of Agricultural Research (ICAR), the parent organization of National Bureau of Agriculturally Important Microorganisms, where the strain was characterized.

मरिनोबैक्टेरियम अल्कलिटोलेरेंस अनिल कुमार पिन्नाका, नागा राधा श्रीनिवास, तनुकू, वसुंधरा गुप्ता, गुंजन वासुदेवा, सुधारानी पायडी, निशांत कश्यप, स्वर्णपर्वा बेहरा, संपथ कुमार गन्टा एंटोनी वान ल्यूनहॉक एचटीपीएस://डीओआई ओआरजी/10.1007/एस 10482-021-01582-वाई

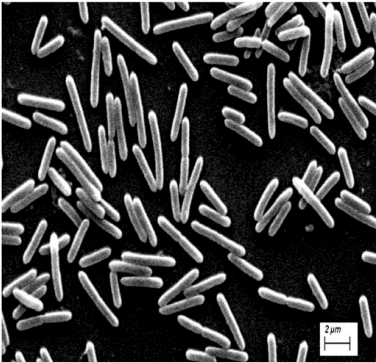
इस नवीन छड़नुमाकार, ग्राम-अग्राही, गतिशील जीवाणु को एके62टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे सल्टपन, काकिनाड़ा, आंध्र प्रदेश से संग्रह किए गए हरित शैवाल पट्टी से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति एके62टी (=एमटीसीसी 12102टी =जेसीएम 31159टी =केसीटीसी 52667टी) है। इस नवीन उपजाति का नाम इसके क्षारीय-सहनशीलता को दर्शाता है।

Marinobacterium alkalitolerans Anil Kumar Pinnaka, Naga Radha Srinivas Tanuku, Vasundhara Gupta, Gunjan Vasudeva, Sudharani Pydi, Nishant Kashyap, Swarnaprava Behera, Sampath Kumar Ganta, Antonie van Leeuwenhoek <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01582-y>

A novel rod shaped, Gram-negative, motile bacterium designated as AK62T, was isolated from the green algal mat collected from saltpan, Kakinada, Andhra Pradesh. The type strain is AK62T (= MTCC 12102T = JCM 31159T = KCTC 52667T). The species name indicates alkali-tolerating nature of the bacterium.

सकारिबैसिलस अल्कलीटोलेरेंस हिमांशु दार्जी, नेहा वर्मा, योगिता लुगनी, प्रियम मेहरोत्रा, देव कांत सिंधु, वेंकटा रमणा वेमुलुरी एंटोनी वान ल्यूनहॉक एचटीपीएस://डीओआई ओआरजी/10.1007/एस 10482-021-01575-5 एक्स

सेलुलोज उत्पन्न करने वाले, ग्राम-अग्राही, छड़नुमाकार, अंतर्बीजाणु निर्माता, केटालेज के लिए उपयुक्त, ऑक्सीकारक एवं यूरियाकारक, लवणसह, गतिशील एवं विशेष अवायुजिवी लक्षण युक्त इस नवीन जीवाणु को वीआर-एम 41टी (=केसीटीसी 43183टी =एनबीआरसी 114337टी) के रूप में नामांकित किया गया है और इसे चंडीगढ़ के खुले हवा में पड़े सब्जी एवं फल बाजार से पृथक किया गया था। इसका मूलप्ररूप वीआर-एम 41टी (=केसीटीसी 43183टी =एनबीआरसी 114337टी) है। इस उपजाति का नाम इसके क्षारीय सहनशीलता के प्रवृत्ति को दर्शाता है।



Saccharibacillus alkalitolerans Himanshu Darji, Neha Verma, Yogita Lugani, Priyam Mehrotra, Dev Kant Sindhu, Venkata Ramana Vemuluri, Antonie van Leeuwenhoek <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01575-x>

A novel cellulase producing, Gram-negative rod shaped, endospore forming, positive for catalase, oxidase and urease, halotolerant, motile and facultative anaerobe bacterium designated as VR-M41T was isolated from an open-air vegetable and fruit market, Chandigarh. The type strain is VR-M41T (= KCTC 43183T=NBRC 114337T). The species name indicates alkali-tolerating nature of the bacterium.

सेवेजिया सर्पेंटिस विकास सुधाकर पाटिल, योगिता लुगनी, रविंद्र देवराम चौधरी, प्राची प्रमोद करोदी, प्रमोद चंद्रकांत मने, प्रियम मेहरोत्रा, श्रीकांत प्रकाश पवार, योगेश श्रीपद शाउचे, वेंकटा रमणा वेमुलुरी एंटोनी वान ल्यूनहॉक एचटीपीएस://डीओआई ओआरजी/10.1007/एस 10482-021-01549-जेड

इस नवीन छड़नुमाकार, ग्राम-अग्राही, अंतर्बीजाणु निर्माता, अगतिशील, जीवाणुपरक विकृति को एसएन6टी के रूप में नामांकित किया गया है। इसे शिव छत्रपति महाविद्यालय, जुन्नर, पुणे, महाराष्ट्र परिसर में अल्पजहरीले साँप (*Ahaetulla nasuta*) के अवशेष से प्राप्त संग्रह से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति एसएन6टी (=केसीटीसी 33546टी =सीसीयूजी 6786टी) है। इस उपजाति का नाम उस स्रोत को दर्शाता है जहाँ से इसके मूल विकृति को पृथक किया गया है।

Savagea serpentis Vikas Sudhakar Patil, Yogita Lugani, Ravindra Deoram Chaudhari, Prachi Pramod Karodi, Pramod Chandrakant Mane, Priyam Mehrotra, Shrikant Prakash Pawar, Yogesh Shripad Shouche, Venkata Ramana Vemuluri, Antonie van Leeuwenhoek <https://doi.org/10.1007/s10482-021-01549-z>

A novel rod shaped, Gram-positive, endospore forming, non-motile, rod shaped bacterial strain, designated as SN6T isolated from scats of a mildly venomous vine snake (*Ahaetulla nasuta*) from college campus of Shiv Chhatrapati College, Junnar, Pune, Maharashtra. The type strain is SN6T (= KCTC 33546T = CCUG 6786T). The species name indicates source of isolation of the type strain.

जान्थोमोनस सॉन्टी कनिका बंसल, अमनदीप कौर, समृति मिधा, संजीत कुमार, सुरेश कोरपोले एवं प्रभु बी. पति एंटोनी वान ल्यूनहॉक 114:1935- 1947. 2021.

इस नवीन छड़नुमाकार, पीले वर्णयुक्त, ग्राम-अग्राही, वायुजीवी, गतिशील जीवाणुपरक विकृति को पीपीएल1टी, पीपीएल2 तथा पीपीएल3 के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे फाजिल्का, पंजाब से प्राप्त किए गए स्वस्थ बासमति चावल के बीज से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति पीपीएल1टी (जेसीएम 33631टी =सीएफबीपी8688टी =आईसीएमपी 23426टी =एमटीसीसी 12491) है तथा पीपीएल2 (जेसीएम 33632 =सीएफबीपी8689 =आईसीएमपी 23427 =एमटीसीसी 12492) एवं पीपीएल3 (जेसीएम 33633 =सीएफबीपी8690 =आईसीएमपी 23428 =एमटीसीसी 12493) इस जाति के अन्य विकृति हैं। इस जाति का नामकरण प्रख्यात भारतीय जीवाणु एवं पादप मोलिक्युलर जेनेटिसिस्ट रमेश वी. सॉन्टी के सम्मान में किया गया है।

Xanthomonas sontii Kanika Bansal, Amandeep Kaur, Samriti Midha, Sanjeet Kumar, Suresh Korpole & Prabhu B. Pati, Antonie van Leeuwenhoek 114: 1945.2021.

A novel rod-shaped, yellow-pigmented, Gram-negative, aerobic, motile bacterial isolates designated as PPL1T, PPL2, and PPL3 isolated from healthy basmati rice seeds collected from Fazilka, Punjab. The type strain is PPL1T (JCM 33631T = CFBP 8688T = ICMP 23426T = MTCC 12491T). PPL2 (JCM 33632 = CFBP 8689 = ICMP 23427 = MTCC 12492) and PPL3 (JCM 33633 = CFBP 8690 = ICMP 23428 = MTCC 12493) are the other strains of the species. The species is named in honour of Ramesh V. Sonti, a renowned Indian bacterial and plant molecular geneticist.

जायलेनिमोनस ओलेईट्रोफिका प्रदन्या डी. नागकिर्ति, अनुपमा एस. इंजिनियर प्रशांत के, ढाकेफलकार, एंटोनी वान ल्यूनहॉक 114:135. 2021.

इस नवीन छड़नुमाकार, ग्राम-ग्राही, वायुजीवी, बीजाणुरहित जीवाणुपरक विकृति को पीडब्लू21टी के रूप में नामांकित किया गया है तथा इसे लिम्बोदरा, गुजरात के तेल भंडार से प्राप्त जल के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति पीडब्लू21टी (=केसीटीसी 49338टी =जेसीएम 33,795टी =एमसीसी 3936टी) है। इस उपजाति का नाम यह दर्शाता है कि इसे तेल-संदूषित क्षेत्र से पृथक किया गया है।

Xylanimonas oleitrophica Pradnya D. Nagkirti, Anupama S. Engineer, Prashant K, Dhakephalkar, Antonie van Leeuwenhoek 114:135.2021.

A novel rod-shaped, Gram-positive, aerobic, non-spore-forming, bacterium designated as PW21T was isolated from produced water sampled from an oil reservoir in Limbodara, Gujarat. The type strain is PW21T (= KCTC 49,338T = JCM 33,795T = MCC 3936T). The species name indicates that it was isolated from oil-contaminated region.

यांगिया मैंग्रोव आशीष वर्मा, शिवा एस. सुंदरम, यश पाल, भावना बिष्ट, पूजा यादव एवं श्रीनिवासन कृष्णमूर्थी, इं. ज. सिस्ट. ईवॉल माइक्रोबायोल 71(9): 005021. 2021 (रोडोबैक्टेरेसी)

इस नवीन छड़नुमाकार, ग्राम-अग्राही जीवाणुपरक विकृति को एसएओएस 153डी टी के रूप में नामांकित किया गया है और इसे सलीम अली पक्षी अभयारण्य, पंजी, गोवा से प्राप्त मैंग्रोव मिट्टी के नमूने से पृथक किया गया है। इसका मूल विकृति 153डी टी (=जेसीएम 31345टी =केसीटीसी 52280टी =एमटीसीसी 12749टी) है। इस उपजाति का नाम यह दर्शाता है कि इस उपजाति को मैंग्रोव के अवसादी मिट्टी से पृथक किया गया है।

Yangia mangrove Ashish Verma, Shiva S. Sundharam, Yash Pal, Bhawana Bisht, Pooja Yadav and Srinivasan Krishnamurthi, Int. J. Syst. Evol. Microbiol. 71 (9): 005021.2021 (Rhodobacteraceae)

A novel rod shaped, Gram-negative bacterial strain, designated as SAOS 153DT, isolated from mangrove soil sampled at the Salim Ali Bird Sanctuary located in Panaji, Goa. The type strain is SAOS 153DT (=JCM 31345T=KCTC 52280T=MTCC 12749T). The species name indicates the isolation of the type strain from the sediment soil of mangrove.

वनस्पति अन्वेषण में प्रयुक्त पादपालयों के संक्षिप्त नामों की व्याख्या / Acronym of Herbaria used in Plant Discoveries

AHMA	अगरकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
AILS	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, अभिलाषी जीव विज्ञान संस्थान, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Department of Botany, Abhilashi Institute of Life Sciences, Mandi, Himachal Pradesh
AMH	अगरकर मायकोलॉजिकल हरबेरियम पुणे, महाराष्ट्र	Agharkar Mycological Herbarium, Pune, Maharashtra
APRFH	पादपालय, अंबिका प्रसाद अनुसंधान फाउंडेशन, उड़ीसा	Herbarium of Ambika Prasad Research Foundation, Odisha
ARUN*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अरुणाचल प्रदेश क्षेत्रीय केंद्र, ईटानगर, अरुणाचल प्रदेश	Herbarium, Botanical Survey of India, Arunachal Pradesh Regional Centre, Itanagar, Arunachal Pradesh
AL	पादपालय, एल्गेयर विश्वविद्यालय, एल्गेरिया	Herbarium, University of Algiers, Algeria
ASSAM*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पूर्वी क्षेत्रीय केंद्र शिलांग, मेघालय	Botanical Survey of India, Eastern Regional Centre, Shillong, Meghalaya
AUMH	पादपालय, अभिलाषी विश्वविद्यालय, मंडी, हिमाचल प्रदेश	Herbarium, Abhilashi University, Mandi, Himachal Pradesh
AUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, आंध्र प्रदेश, विशाखपट्टनम, आंध्र प्रदेश	Department of Botany, Andhra University, Visakhapatnam, Andhra Pradesh
AURO	शक्ति नर्सरी एवं पादपालय, औरोवेल्ली	Shakti Nursery and Herbarium, Auroville
BAM	बिशप अब्राहम मेमोरियल कॉलेज, थुरुहटिकड, केरल	Bishop Abraham Memorial College, Thuruhticad, Kerala
BAMU	पादपालय, डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर मराठवाड़ा विश्वविद्यालय, औरंगाबाद, महाराष्ट्र	Dr. Babasaheb Ambedkar Marathwada University herbarium, Aurangabad, Maharashtra
BARO	पादपालय, वनस्पतिविज्ञान विभाग, महाराजासायजी राव यूनिवर्सिटी ऑफ बरौदा, वडोदरा, गुजरात	Herbarium, Department of Botany, Maharaja Sayajirao University of Baroda, Vadodra, Gujarat
BLAT	ब्लाटर पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेंट जेवियर कॉलेज, मुंबई, महाराष्ट्र	Blatter Herbarium, Botany Department, St. Xavier's College, Mumbai, Maharashtra
BM	पादपालय, ब्रिटिश संग्रहालय, लंदन, यू.के.	British Museum and Herbarium, London, UK
BF	पादपालय, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Herbarium, Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam
BRIT	पादपालय, टेक्सास वनस्पति अनुसंधान संस्थान, टेक्सास	Herbarium, Botanical Research Institute of Texas
BSA*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, मध्य क्षेत्रीय केंद्र, इलाहाबाद	Herbarium of Botanical Survey of India, Central Regional Centre, Allahabad
BSD*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र, देहरादून, उत्तराखंड	Herbarium of Botanical Survey of India, Northern Regional Centre, Dehradun, Uttarakhand
BSHC*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, सिक्किम हिमालय क्षेत्रीय केंद्र, गंगटोक, सिक्किम	Herbarium of Botanical Survey of India, Sikkim Himalayan Regional Centre, Gangtok
BSI*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केंद्र, पुणे (बीएसआई)	Herbarium of Botanical Survey of India, Western Regional Centre, Pune
BSID*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्कन क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना	Herbarium of Botanical Survey of India, Deccan Regional Centre, Hyderabad, Telangana
BSJO*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण शुष्क क्षेत्रीय केंद्र, जोधपुर, राजस्थान	Herbarium, Botanical Survey of India, Arid Zone Regional Center, Jodhpur, Rajasthan
BU	पादपालय, वनस्पतिविज्ञान विभाग, बोडोलैंड विश्वविद्यालय, कोकराझर, असम	Herbarium, Department of Botany, Bodoland University, Kokrajhar, Assam
BUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, भारतियार विश्वविद्यालय, कोयंबटूर, तमिलनाडु	Herbarium Department of Botany, Bharathiar University, Coimbatore, Tamil Nadu
BURD	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, बर्द्धमान विश्वविद्यालय, बर्द्धमान पश्चिम बंगाल	Herbarium, Department of Botany, Burdwan University, Burdwan WB

CAL*	केंद्रीय राष्ट्रीय पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, हावड़ा, पश्चिम बंगाल	Central National Herbarium, Botanical Survey of India, Howrah, West Bengal
CALI	कालीकट विश्वविद्यालय, मल्लापुरम, केरल	Herbarium, Department of Botany, Calicut University, Malappuram, Kerala
CANA	अनुसंधान एवं संग्रहण अनुभाग, कनेडियन म्यूजियम ऑफ नेचर ओटावा, ओंटारियो, कनाडा	Research and Collections Division, Canadian Museum of Nature, Ottawa, Ontario, Canada
CATH	चार्ल्स ए. टेलर पादपालय, साउथ डाकोटा स्टेट विश्वविद्यालय, संयुक्त राजी अमेरिका	Charles A. Taylor Herbarium, South Dakota State University, USA
CMPR	पादपालय, सेंटर फॉर मेडिसिनल प्लांट रिसर्च, केरल	Centre for Medicinal Plant Research, Kerala
CMS	पादपालय, क्रिश्चियन मिशनरी सोसायटी कॉलेज, कोट्टायम, केरल	Christian Missionary Society College, Kottayam, Kerala
COGCEHR	पादपालय, सेंटर फॉर ऑर्किड जीन कंजर्वेशन फॉर ईस्टर्न हिमालयन रीजन, हेंगबुग, मणिपुर	Herbarium of Centre for Orchid Gene Conservation for Eastern Himalayan Region, Hengbung, Manipur
COLO	पादपालय, कोलेराडो विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium of University of Colorado, USA
CUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कलकत्ता विश्वविद्यालय, कोलकाता, पश्चिम बंगाल	Herbarium, Botany Department, Calcutta University, Kolkata, West Bengal
DD*	पादपालय, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून, उत्तराखंड	Forest Research Institute(FRI) Dehradun, Uttarakhand
DUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय	Herbarium, Dept. of Botany, Delhi University
E	पादपालय रॉयल वनस्पति उद्यान, इडनबर्ग, स्कॉटलैंड	Herbarium of Royal botanical Garden, Edinburgh, Scotland
ERRCH	पादपालय, पर्यावरण संसाधन अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Herbarium, Environment Resource Research Centre, Thiruvananthapuram, Kerala
FRLH	पादपालय, फाउंडेशन ऑफ रिविटलाइजेशन ऑफ लोकल हेल्थ ट्रेडिशन, बंगलुरु, कर्नाटक	Herbarium of Foundation of Revitalisation of Local Health Tradition, Bengaluru, Karnataka
G	पादपालय, कंजर्वेटरी एट जार्डिन बोटेनिक डे ला वेल्ली डे जेनेवे, जेनेवा	Herbarium Conservatoire et Jardin botaniques de la Ville de Genève, Genève, Switzerland
GBPUH	पादपालय, गोविंद बल्लभ पंत विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखंड, भारत	Govind Ballabh Pant University Herbarium Pantnagar, Uttarakhand, India
GENT	पादपालय वनस्पति विज्ञान विभाग, गेंट विश्वविद्यालय, गेंट, बेलजियम	Department of Biology, Gent University, Gent, Belgium
GUBH	पादपालय, गोवाहाटी विश्वविद्यालय, गोवाहाटी, असम	Herbarium, Gauhati University, Guwahati, Assam
GUH	पादपालय, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर गढ़वाल विश्वविद्यालय	Herbarium, H.N.B. Garhwal University, Srinagar Garhwal, Uttarakhand
H	वनस्पति संग्रहालय, फिनिश म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फिनलैंड	Finnish Museum of Natural History, Botanical Museum, Finland
HBARC	पादपालय, भाभा परमाणु अनुसंधान केंद्र, महाराष्ट्र	Herbarium, Bhabha Atomic Research Centre, Maharashtra
HBJU	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर	Department of Botany, University of Jammu, Jammu & Kashmir
HCIO*	पादपालय, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, क्रिप्टोगैमी इंडियाई ओरिएंटालिस, नई दिल्ली	Herbarium of Indian Agriculture Research Institute, Cryptogamae Indiae Orientalis, New Delhi
HIFP	पादपालय, फ्रेंच संस्थान, पोण्डिचेरी	Herbarium, French Institute of Pondicherry, Pondicherry
HUH	पादपालय, हार्वर्ड विश्वविद्यालय, कैम्ब्रिज, यूएसए	Harvard University Herbaria, Cambridge, USA
IBSD	पादपालय, जैवसंसाधन एवं सतत विकास संस्थान, इंफाल, मणिपुर	Institute of Bioresources and Sustainable Development Takyelpat, Imphal, Manipur
IBUG	पादपालय, द ग्वाडालाजारा विश्वविद्यालय, मेक्सिको	Herbarium, The University of Guadalajara, Mexico
IPUH	पादपालय गुरु गोविंद सिंह, इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय, द्वारका, दिल्ली	Herbarium, Guru Govind Singh, Indraprastha University, Dwaraka Delhi
JCH	जेनेट कोश पादपालय, वोल्लॉंगऑंग विश्वविद्यालय, आस्ट्रेलिया	Janet Cosh Herbarium, University of Wollongong, Australia
JCB	पादपालय, भारतीय विज्ञान संस्थान, बंगलुरु, कर्नाटक	Herbarium, Indian Institute of Sciences, Bangalore, Karnataka

JE	पादपालय, हाउस्सकनेक्ट, जेना, जर्मनी	Herbarium Haussknecht, Jena, Germany
JUH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर	Herbarium, Dept. of Botany, Jammu University, Jammu & Kashmir
K	रॉयल वानस्पतिक उद्यान, क्यू, यू.के.	Herbarium of Royal Botanic Garden, Kew, U.K.
KASH	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, कश्मीर विश्वविद्यालय, जम्मू एवं कश्मीर	Herbarium, Botany Department, Kashmir University, Jammu & Kashmir
KATH	नेशनल हरबेरियम एंड प्लांट लेबोरेटरीज, काठमांडू, नेपाल	National Herbarium & Plant Laboratories, Kathmandu, Nepal
KFRI	केरल वन अनुसंधान संस्थान, पीची (केएफआरआई)	Herbarium of Kerala Forest Research Institute, Peechi, Kerala
KUBH	पादपालय, केरल विश्वविद्यालय, तिरुवनंतपुरम, केरल	Herbarium, University of Kerala, Thiruvananthapuram, Kerala
LWG*	पादपालय, राष्ट्रीय वनस्पति अनुसंधान संस्थान, उत्तर प्रदेश	Herbarium of National Botanical Research Institute, Lucknow, Uttar Pradesh
LWU	लखनऊ विश्वविद्यालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, लखनऊ, उत्तर प्रदेश	Herbarium of Botany Dept., University of Lucknow, Uttar Pradesh
MBGH	पादपालय, मालाबार वानस्पतिक उद्यान, कोझिकोड, केरल	Herbarium, Malabar Botanical Garden, Kozhikode, Kerala
MEL	नेशनल हरबेरियम ऑफ विक्टोरिया, रॉयल वनस्पति उद्यान	National Herbarium of Victoria, Royal Botanic Gardens Melbourne, Australia
MH*	भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, दक्षिण क्षेत्रीय केंद्र, कोयंबटूर, तमिलनाडु	Botanical Survey of India, Southern Regional Centre, Coimbatore, Tamil Nadu
MH-DHSGU	मायकोलॉजिकल हरबेरियम, वनस्पति विज्ञान विभाग, डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश	Mycological Herbarium of the Department of Botany of Dr. Harisingh Gour University, Sagar, Madhya Pradesh
MICH	पादपालय, मिशिगन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका	Herbarium, Michigan University, USA
MO	पादपालय, मिस्सौरी वानस्पतिक उद्यान, सेंट लुईस, मिस्सौरी संयुक्त राज्य अमेरिका	Missouri Botanical Garden Herbarium, St. Louis, Missouri, USA
MSSRF	पादपालय, एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन, पुथुरवयल, केरल	Herbarium, M. S. Swaminathan Research Foundation, Puthurvayal, Kerala
MTCHT	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मार थोमा कॉलेज, थिरुवेला, केरल	Herbarium, Department of Botany, Mar Thoma College, Thiruvalla, Kerala
MUBL	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, मद्रास विश्वविद्यालय, चेन्नई, तमिलनाडु	Herbarium, Dept. of Botany, Madras University, Chennai, Tamil Nadu
NBU	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, नॉर्थ बंगाल विश्वविद्यालय, सिल्लिगुडी, पश्चिम बंगाल	Herbarium, Department of Botany, North Bengal University, Siliguri, West Bengal
NGCPR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च (एनजीसीपीआर), महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre For Plant Research (NGCPR), Maharashtra
NFCCI	नेशनल फंगल कल्चर कलेक्शन ऑफ इंडिया, अग्रकर अनुसंधान संस्थान, पुणे, महाराष्ट्र	National Fungal Culture Collection of India, Agharkar Research Institute, Pune, Maharashtra
NGPGR	नैरोजी गोदरेज सेंटर फॉर प्लांट रिसर्च, शिरवाल, सतारा, महाराष्ट्र	Naoroji Godrej Centre for Plant Research, Shirwal, Satara, Maharashtra
NWU	उत्तर-पश्चिम विश्वविद्यालय, पोश्चेफस्ट्रोम, साउथ अफ्रिका	North-West University, Potchefstroom, South Africa
PAN	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़, पंजाब	Department of Botany, Panjab University, Chandigarh, Punjab
PBL*	पादपालय, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, अंडमान एवं निकोबार क्षेत्रीय केंद्र, पोर्ट ब्लेयर, अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह	Herbarium, Botanical Survey of India, Andaman & Nicobar Regional Centre, Portblair, Andaman & Nicobar Islands
PC	पादपालय, नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, फ्रांस	Herbarium of National Museum of Natural History, France
PH	प्राकृतिक विज्ञान अकादमी, फिलाडेल्फिया, यूएसए	Academy of Natural Sciences, Philadelphia, USA
PRFH	पादपालय, पतंजलि अनुसंधान फाउंडेशन, हरिद्वार, उत्तराखंड	Patanjali Research Foundation Herbarium, Haridwar, Uttarakhand.
PUN	पादपालय, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला, पंजाब	Punjabi University Herbarium, Patiala, Punjab
RFRI*	पादपालय, वर्षा वन अनुसंधान संस्थान, जोरहाट, असम	Herbarium of Rain Forest Research Institute, Jorhat, Assam

RHT	रापिनाट पादपालय एवं सेंटर ऑफ मोलिक्युलर सिस्टैमैटिक्स, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु	Rapinat Herbarium and Centre for Molecular Systematics, Tiruchirappalli, Tamil Nadu
RRLH	जानकी अम्मल पादपालय, भारतीय इंटीग्रेटिव मेडिसिन संस्थान, जम्मू-तवी, जम्मू एवं कश्मीर	Janaki Ammal Herbarium, Indian Institute of Integrative Medicine, Jammu-Tawai, Jammu & Kashmir
RUBL	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर, राजस्थान	Herbarium, Department of Botany, University of Rajasthan, Jaipur, Rajasthan
S	स्वीडन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, स्वीडन	Swedish Museum of Natural History, Sweden
SCCN	पादपालय, स्कॉट क्रिश्चियन कॉलेज, नागरकोइल, केरल	Herbarium of Scott Christian College, Nagercoil, Kerala
SESH	पादपालय, स्कूल ऑफ इनवायरमेंटल साइंसेस, महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोट्टायम, केरल	Herbarium, School of Environmental Sciences, Mahatma Gandhi University, Kottayam, Kerala
SKU	पादपालय, श्रीकृष्णा कॉलेज गुरुवयुर, केरल	Herbarium of Srikrishna Collegem Guruvayur, Kerala
SNMH	पादपालय, श्री नारायणा कॉलेज, कोल्लम, केरल	Sree Narayana College Herbarium, Kollam, Kerala
SPPU	पादपालय, सावित्री फुले पुणे विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	Herbarium, Savitribai Phule Pune University, Maharashtra
SUK	शिवाजी विश्वविद्यालय, कोल्हापुर, महाराष्ट्र	Shivaji University, Kolhapur, Maharashtra
T	जॉन टी. वाटरहाउस पादपालय, न्यू साउथ वेल्स विश्वविद्यालय, सिडनी, आस्ट्रेलिया	John T. Waterhouse Herbarium, University of New South Wales, Sydney, Australia
TAIF	पादपालय, ताइवान वन अनुसंधान संस्थान, ताइवान	Herbarium of Taiwan Forestry Research Institute, Taiwan
TBGT	ट्रोपिकल वानस्पतिक उद्यान एवं अनुसंधान संस्थान, तिरुवनंतपुरम, केरल	Jawaharlal Nehru Tropical Botanic Garden and Research Institute Herbarium, Thiruvananthapuram, Kerala
THIM	राष्ट्रीय पादपालय, राष्ट्रीय जैव विविधता केंद्र, भूटान	National Herbarium, National Biodiversity Centre, Bhutan
TUH	पादपालय, तेजपुर विश्वविद्यालय, नपाम, सोनितपुर, असम	Tezpur University, Napaam, Sonitpur, Assam
UASB	पादपालय, कृषि विज्ञान विश्वविद्यालय, बंगलुरु, कर्नाटक	Herbarium, University of Agricultural Sciences, Bengaluru, Karnataka
UCBD	यूनिवर्सिटी कॉलेज, तिरुवनंतपुरम, केरल	University College, Thiruvananthapuram, Kerala
VKPO	पादपालय, वनस्पति विज्ञान विभाग, वाघिरे कॉलेज, सास्वद, ताल-पुरंदर, महाराष्ट्र	Herbarium of Department of Botany, Waghire College, Saswad, Tal-Purandar, Maharashtra
W	पादपालय, वियाना म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री, आस्ट्रिया	Herbarium of Vienna Museum of Natural History, Austria
Z	पादपालय, ज्यूरिक विश्वविद्यालय, स्विट्जरलैंड	Herbarium of University of Zurich, Switzerland
ZGC	पादपालय, जमोरिन गुरुवायुनप्पन कॉलेज, केरल	Herbarium, Zamorin's Guruvayurappan College, Kerala

* These are designated as National Repositories vide order no.26-15/2007-CSC, dated 28 Aug 2008 by Ministry of Environment, Forest and Climate Change, Govt. of India.

एकेरोस्पोरा कोटिगुआ एच. मैग्न.	61	<i>Acarospora contigua</i> H. Magn.	61
एसीटाबुलेरिया जलकन्याकेड सैनी, मधु, कोहली एवं अन्य सभी	71	<i>Acetabularia jalakanyakae</i> Saini, Madhu, Kohli et al.	71
एक्रोईओस्टेकीस बम्बूसिकोला दुबे	84	<i>Achroistachys bambusicola</i> Dubey	84
एकिनेटोबैक्टर कनूनगोनिस लिपिका दास, सुशांता देब एवं सुब्रता कु. दास	115	<i>Acinetobacter kanungonis</i> Lipika Das, Sushanta Deb and Subrata K. Das	115
एकोनिटम सिक्कीमेंसिस हर्ष सिंह, आदित्य प्रधान व डी. अधिकारी	3	<i>Aconitum sikkimensis</i> Harsh Singh, Aditya Pradhan & D. Adhikari	3
एरोफायलम चक्रवर्ती एवं मुखर्जी	71	<i>Aerofilum</i> Chakraborty et Mukherjee	71
एरोफायलम फासिकुलेटम चक्रवर्ती एवं मुखर्जी	71	<i>Aerofilum fasciculatum</i> Chakraborty et Mukherjee	71
ऐस्कन्थस लाइनीएटस क्रेब	37	<i>Aeschynanthus lineatus</i> Craib	37
एग्लोनेमा मानबेन्द्रे डी.के. रॉय, एन ऑड्यो, आर. लिटन व ए.ए.माओ	3	<i>Aglaonema manabendrae</i> D.K. Roy, N. Odyuo, R. Lytan & A.A. Mao	3
एग्रोस्टिस डसहंगेरिका(ताजवेल्च)ताजवेल्च	38	<i>Agrostis dshungarica</i> (Tzvelev) Tzvelev	38
एलियम नेगियानाम ए. पांडे, के एम. राय, मालव एवं एस. राजकुमार	4	<i>Allium negianum</i> A.Pandey, K.M.Rai, Malav & S.Rajkumar	4
एलोडिएट्रीपेला अनंथपद्मानभेड एम. निरंजन एवं वी.वी. सर्मा	85	<i>Allodiatrypella ananthapadmanabhae</i> M. Niranjana & V.V.Sarma	85
अल्टरनेन्थेरा कन्हयी ए.जी. वंजारा, आई. कटारा एवं पी.एस. नागर	4	<i>Alternanthera kanhae</i> A.G.Vanzara, I. Katara & P.S. Nagar	4
एलॉसीकार्पस टेट्रागोनोलोबस एड्यू	34	<i>Alysicarpus tetragonolobus</i> Edgew. var. <i>falcatum</i> Dalavi, Bramhad., P.R.Mane & S.R.Yadav	34
प्रभेद फालकेटस दालावी, ब्रह्महद, पीआर माने एवं एस आर यादव	34	<i>Alysicarpus tetragonolobus</i> Edgew. var. <i>micranthus</i> Dalavi, Mane, & S.R.Yadav	34
एलॉयसीकार्पस टेट्रागोनोलोबस एड्यू	34	<i>Amanita citrinoannulata</i> Yang Y. Cui, Qing Cai & Zhu L	103
प्रभेद माइक्रेन्थस दालावी, माने एवं एस आर यादव	103	<i>Amanita griseofusca</i> J. Khan & M. Kiran	103
अमानिता सिट्रिनोएनुलाटा यांग वाई. कुई,किंग काई एवं झुएल	103	<i>Amanita pakistanica</i> Tulloss, S.H. Iqbal & Khalid	103
अमानिता ग्रीसियोफुसका जे. खान एवं एम. किरण	103	<i>Amanita parvirufobrunnescens</i> A.Kumar, Y.P Sharma, Mehmood	85
अमानिता पाकिस्तानिका टुलोस, एस. एच. इक्रबाल एवं खालिद	85	<i>Amazonia brachiata</i> Jacob Thomas & Hina Mohamed	85
अमानिता परविरुफोब्रुनेसेन्स ए. कुमार, वाय.पी. शर्मा, मेहमूद	85	<i>Anadendrum latifolium</i> Hook.f.	38
अमेजनिया ब्रेचियाटा जैकब थॉमस एवं हिना मोहम्म	38	<i>Anemone pindariensis</i> Harsh Singh & S.K. Barik	4
एनाडेंड्रम लेटिफोलियम हुक.एफ.	4	<i>Aplosporella abexaminans</i> Sanjeet, Sanjay & Raghv. Singh	86
एनेमोन पिंडारिएंसिस हर्ष सिंह एस.के. बारिक	86	<i>Aquisphaera insulae</i> Gaurav Kumar & al.	115
एप्लोस्पोरेला अबेक्सामिनांस संजीत, संजय एवं राघव. सिंह	115	<i>Arenibacter amylolyticus</i> Chandni Sidhu & al.	115
एक्विस्फेइरा इंसुलेई गौरव कुमार एवं अन्य	115	<i>Argostemma quarantena</i> Balan & Robi	5
अरेनीबैक्टर अमायलोलोलायटिकस चांदनी सिधु एवं अन्य	5	<i>Argyreia sharadchandrajii</i> Lawand & Shimpale	5
एग्रोस्टेमा क्वारान्टेना बालन व रॉबी	5	<i>Artabotrys sericeus</i> Sujana & Vadhyar	5
अरगेरिया शरदचंद्रजी लवंड व शिम्पाले	5	<i>Arthonia atra</i> (Pers.) A. Schneid.	61
आर्टाबोट्रेस सेरीसस सुजाना व वाध्यार	61	<i>Arthonia cyanea</i> Müll. Arg.	62
आर्थोनिया एट्रा (पर्स.) ए. स्निड	62	<i>Arthonia mira</i> R. Sant.	62
आर्थोनिया सिएनिया मुल्ल. अर्ग.	62	<i>Asterina imbertiae</i> A. Sabeena, H. Biju & S. S. Dhanusha	86
आर्थोनिया मिरा आर. संत	62	<i>Asterina rubiacearum</i> M.R. Bhise, C.R. Patil, C.B. Salunkhe & S.V. Kambhar	86
अस्टेरीना इम्बर्टीएई ए. सबीना, एच. बीजू एवं एस.एस. धनुषा	86	<i>Astrothelium alboverrucoides</i> Aptroot	62
अस्टेरीना रूबिएसिरम एम.आर. भिसे, सी.आर. पाटिल, सी.बी. शलुंखे एवं एस.वी. कामभर	86	<i>Balladyna canthiigena</i> M.R. Bhise, C.R. Patil, C.B. Salunkhe & S.V. Kambhar	87
एस्ट्रोथेलियम एलबोवेरुकोईडिज एप्टरूट	62	<i>Bambusa daporijoeana</i> Naithani and Kandwal	6
बलेडिना कैन्थिजेना एम.आर. भीसे, सी.आर. पाटिल, सी.बी. सालुंके एवं एस.वी. कामभर	87	<i>Begonia ahoensis</i> P.L.Sherpa, Aditya Pradhan & Arun Chettri	6
बंबुसा दापोरिजोआना नैथानी व कंडवाल	6	<i>Begonia arunachalensis</i> D.Borah & Wahlsteen	6
बेगोनिया अहूंसिस पी.एल.शेरपा, आदित्य प्रधान एवं अरुण चेत्री	6	<i>Begonia kekarmonyngensis</i> Taram, D.Borah & M.Hughes	7
बिगोनिया अरुणाचलेंसिस डी.बोरा व वहलस्टीन	6	<i>Begonia limprichtii</i> Irmsch.	38
बिगोनिया केकरमोनिंगेंसिस तारम, डी.बोराह व एम. ह्यूजेस	7	<i>Begonia pasighatensis</i> D.Borah, Taram & Wahlsteen	7
बिगोनिया लिमप्रिचती इम्र्स	38	<i>Biligiriella indica</i> S. Sengupta Chatterjee and Rashmi Dubey	87
बिगोनिया पासीघाटेंसिस डी.बोराह, ताराम और वाह्लस्टीन	7	<i>Biligiriella</i> S. Sengupta Chatterjee & Rashmi Dubey	83
बिलिगिरिएला इंडिका एस.सेनगुप्ता चट्टर्जी एवं रश्मि दुबे	87	<i>Botryobasidium robustius</i> Pouzar & Hol.-Jech.	103
बिलिगिरिएला एस. सेनगुप्ता चट्टर्जी एवं रश्मि दुबे	83	<i>Botryohypochnus verrucisporus</i> Burds. & Gilb.	104
बोट्रायोबेसिडियम रोबसटियस पौजर एवं होल.-जेक.	103	<i>Brachysporiella pulchra</i> (Subram.) S. Hughes	104
बोट्रायोहायपोकनस वेरुकिस्पोरस बर्ड्स एवं गिल्ब.	104	<i>Brachystelma ananthagiriense</i> L. Paramesh, K. Prasad, Sadas. & A. Vijaya Bhasker Reddy	7
ब्रेकिस्पोरिएला पुलचरा (सबरेम.) एस. हयूज	104	<i>Brachystelma maculatum</i> Hook.f. var. <i>breviflorum</i> Nagendra, V.Nagaraju, A.M.Reddy & K.Prasad	34
ब्रेचिस्टेलमा अनंतगिरिएन्से एल. परमेश, के. प्रसाद, सदास व ए. विजय, भास्कर रेड्डी	7		

ब्रेकीस्टेलम मेकुलेटम हुक. एफ. प्रभेद ब्रेवीफ्लोरम नागेंद्र, वी. नागराजू, ए.एम. रेड्डी और के.प्रसाद	34	Brachystelma tumakurense Gundappa, Sringsesw., Vishwan. & Venu	8
ब्रेचिस्टेलमा तुमाकुर्सेस गुन्डप्पा, श्रीगैश्यू विश्वान. एवं वेणु	8	Bromus husainii P. Agnihotri & R. Yadav	87
ब्रोमुस हुसैनी पी. अग्निहोत्री व एस.आर. यादव	8	Brykendirckia catenata Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, A.K. Gautam & R.F. Castañeda	83
ब्रायकेंड्रिकिया कैटेनेटा राज. के. वर्मा, पराशर, राजेश के., सुषमा, ए.के. गौतम एवं आर.एफ. कास्टानेडा	87	Brykendirckia Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, A.K. Gautam & R.F. Castañeda	83
ब्रायकेंड्रिकिया राज. के. वर्मा, पराशर, राजेश के., सुषमा, ए.के. गौतम एवं आर.एफ. कास्टानेडा	83	Bulbophyllum karbianglongensis K.Gogoi & R.Hondiqui	8
बल्बोफाइलम कारबियांगलोंगेंसिस के. गोगोई व आर. होन्डीक	8	Bulbophyllum reflexipetalum J. D. Ya, Y. J. Guo & C. Liu	39
बुल्बफिल्लम रिफ्लेक्सिपेटलम जे. डी. या, वाई. जे. गुओ व सी. लियू	39	Burmanna munnarensis Dani &	9
बर्मानिया मुन्नारेंसिस दानी व नेम्पी	9	Byssoloma discordans (Vain.) Zahlbr.	62
बायसोलोमा डिस्कोडॉस (वैन.) झालबर	62	Calamagrostis nandadeviensis P. Agnihotri & D. Prasad	9
कैलामाग्रोस्टिस नंदादेवियेंसिस पी. अग्निहोत्री व डी. प्रसाद	9	Calamus arborescens Griff.	39
कैलामस आर्बोरेंसिस ग्रिफ.	39	Canalisporium koshabeejae M. Niranjana & V.V.Sarma	87
कैनालिस्पोरियम कोशाबीजेई एम. निरंजन एवं वीवी. शर्मा	87	Candidatus Phytoplasma sacchari Kirdat et al.	116
कैंडिडेटस फायटोप्लाज्मा सचारी, किर्दत एवं अन्य.	116	Capillipedium mistryi A. P. Tiwari & S. N. Landge	9
केपिलपेडियम मिस्त्री ए.पी. तिवारी एवं एस.एन. लांडगे	9	Capillipedium yashwantraoi Tarbej & Potdar	10
केपिलीपेडियम यशवंतराई तरबेज व पोतदार	10	Cautleya gracilis (Sm.) Dandy	
कॉटलेया ग्रेसीलिस प्रभेद हिस्पिडा ऐश्वर्या एवं एम. साबू	35	var. hispida Aishwarya & M.Sabu	35
सेफालाथेरा ऐक्टा (थन्ब.) ब्लूम		Cephalanthera erecta (Thunb.) Blume	
प्रभेद ओनांसीओलाटा एन. पीयर्स एवं पी.जे. क्रीब	48	var. oblancoolata N. Pearce & P.J. Cribb	48
सेराटोस्टाइलिस स्यामैंसिस रॉल्फ एक्स डाउनी	39	Cerastostylis siamensis Rolfe ex Downie	39
सेरोपीजिया अंसारियाना मुर्गु. व ए.ए. माओ	10	Ceropegia ansariana Murug. & A.A. Mao	10
केरोडमैला इनक्रेसाटा मेलनकन, के. एच. लार्स. एवं रायवर्देन	104	Chaetodermella incrassata (Malençon), K. H. Larss. & Ryvardeen	104
कैरोमाइसेला इंडिका वर्मा, रजनीश, पराशर, सुषमा, गौतम एवं अजय	88	Cheiromyella indica Verma, Rajnish, Prasher, Sushma, Gautam & Ajay	88
चिलोस्चिस्ता कन्फ्यूसा एम. जे. मैथ्यू. जे. मैथ्यू. पी. एम. सलीम व स्लेक.	10	Chiloschista confusa M. J. Mathew, J.Mathew, P. M. Salim & Szlach.	10
क्रुगैमफस हिमालयानस के. दास, हेमन्त्रम, ए. परिहार एवं विजिनि	88	Chroogomphus himalayanus K. Das, Hembrom, A. Parihar & Vizzini	88
क्लेवरियाडेलफस पाकिस्तानिकस हनिफ एवं खालिद	104	Clavariadelphus pakistanicus Hanif & Khalid	105
क्लोनिओफोरा प्लूमोसा (कुटज.) बोअर	76	Cloniophora plumosa (Kuetz.) Bourr	76
क्लिपियोफायसलोस्पोरा लॉगिस्पोरा एम. निरंजन एवं वीवी. शर्मा	88	Clypeophysalospora longispora M. Niranjana & V.V. Sarma	88
कामेलीना इरेक्टा एल.	40	Commelina erecta L.	40
कॉसट्रिक्विटफायलम चावदर एवं अन्य सभी	71	Constrictifilum Chavadar et al.	71
कॉसट्रिक्विटफायलम कारादेन्स चवादार एवं अन्य सभी	72	Constrictifilum karadense Chavadar et al.	72
कोपरिनोप्सिस नटराजनी देवदथा, वी. कुमारसेन एवं वी.वी. सर्मा	89	Coprinopsis natarajanii Devadatha, V. Kumaresan and V. V. Sarma	89
कोर्टिसियम मेरिडियोरसियम बोईडिन एवं लांक.	105	Corticium meridioroseum Boidin & Lanq.	105
कोर्टिनारियस बाल्टिटोइडिकस डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट	89	Cortinarius balteatoindicus Dima, Semwal, V. Papp, Brandrud & V.K. Bhatt	89
कोर्टिनारियस इंडोपुरपुरासेन्स डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट	89	Cortinarius indopurpurascens Dima, Semwal, Brandrud, V. Papp & V.K. Bhatt	89
कोर्टिनारियस उलखागद्वीएन्सिस डिमा, सेमवल, वी. पप्प, ब्रांदरूद एवं वी.के. भट्ट	90	Cortinarius ulkhagarhiensis Dima, Semwal, V. Papp, Brandrud & V.K. Bhatt	90
कॉरीनेंद्रा तेलंगानान्सिस जे. स्वामी व रासिंगम	11	Corynandra telanganensis J. Swamy & Rasingam	11
क्रेटरिफोर्मा स्पॉंजिएई गौरव कुमार एवं अन्य	116	Crateriforma spongiae Gaurav & al.	116
क्रेमेन्थोडियम इंडिकम डी. बोरा, आर. कुमार सिंह थुंगन	11	Cremanthodium indicum D.Borah, R.Kr.Singh & Thungon	11
क्रोटालारिया लेमेल्लीफोर्मिस पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगांधर व एल.जे. सिंह	12	Crotalaria lamelliformis P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar & L.J. Singh	11
क्रोटॉन चक्रवर्तयी धाबक व नंदीकर	90	Croton chakrabartyi Dhabak & Nandikar	12
क्रुएंटोमायकेना उत्तराखंडिना यू. सिंह एवं आर. पी. भट्ट	72	Cruentomycena uttarakhandina U. Singh & R.P. Bhatt	90
क्रिप्टोमोनास इंडिका गुसेव, बी. कार्थिक, मार्टीनेको, शकुनीना एवं कुलीकोव्स्की	90	Cryptomonas indica Gusev, B. Karthick, Martynenko, Shkurina et Kulikovskiy	72
कानिंधामेला अरुणालोकेई वी. हल्लुर, एस. रुद्रमूर्थी एवं एच. प्रकाश	12	Cunninghamella arunalokei V. Hallur, S. Rudramurthy & H. Prakash	90
सायनोटिस डेकेनेंसिस पी. युगांधर, पी. शिवरामकृष्ण, एन. सविथार व एल.जे. सिंह	105	Cyanotis deccanensis P. Yugandhar, P. Sivaramakrishna, N. Savithramma & L.J. Singh	12
सिलिन्ड्रोबेसिडियम टॉरेंडी (ब्रेस.) जोर्टस्टेम	91		
सिलिण्ड्रोडोरूला इंडिका राजेश कुमार, विजयाव, भट्ट, एन. अशतेकर एवं एस. लैड	83		
सिलिण्ड्रोडोरूला राजेशकुमार विजयाव. एवं जैकब थॉमस एवं भट्ट, एन. अशतेकर एवं एस. लैड	12		
साइपरस निकोबारिकस वी.पी. प्रसाद			

सिटोसिया इन्टिग्रा (रॉल्फ एक्स डाउनी) गैरे	40	<i>Cylindrobasidium torrendii</i> (Bres.) Hjortstam	105
डेंड्रोबियम गोपालानी एम. सुलेमान व मुर्गन	13	<i>Cylindrotorula indica</i> Rajeshkumar, Wijayaw., Bhat,	91
डेंड्रोफथोई लालजड़ पी. शिवरामकृष्ण, पी. युगांधर व जी.ए. इक्का	13	N. Ashtekar & S. Lad	
डेण्ड्रोथेली एमिगडालिस्पोरा जोर्टस्टेम	105	<i>Cylindrotorula</i> Rajeshkumar, Wijayaw. & Bhat	83
डेंटेल्ला सिल्विड्रिका एम.सी. नायक व एल.जे. सिंह	13	<i>Cyperus nicobaricus</i> V.P. Prasad	12
डेस्मोडियम हेटरोकार्पन एल. डिस्सी.		<i>Cyrtosia integra</i> (Rolfe ex Downie) Garay	40
उपजाति ओवलीफोलियम (प्रेन) एच. ओहासी 47		<i>Dendrobium gopalanii</i> M.Sulaiman & Murugan	13
डायकेंथिम केरीकोसम (एल.) ए. केमस प्रभेद बाइलोवम वाई महेश,	35	<i>Dendrophthoe laljii</i> P. Sivaramakrishna, P. Yugandhar &	13
रासिंगम व जेय. स्वामी		G.A. Ekka	
डिक्रिटओचेईरोस्पोरा नाबानहीनिस टिबप्रोमा एवं के.डी.हायड	106	<i>Dendrothele amygdalispora</i> Hjortstam	105
डीडायमोक्रिया ल्यूकेनी जयासिरी, ई.बी.जी. जॉस एवं के.डी. हायड	106	<i>Dentella cylindrica</i> M.C. Naik & L.J. Singh	13
डॉयोस्कोरिया ड्यूमेटोरम (कुंथ) टी. डूरंड व एच. शिन्ज़	40	<i>Desmodium heterocarpon</i> L. DC.	
दीपकादि जानै-श्रीरंगी चंदोर, बोस्डे, भालेकर, माधव व गोसावी	14	subsp. <i>ovalifolium</i> (Prain) H. Ohashi	47
डिप्लेसियोलेज्यूनिया (स्पूस) सिफिन.	56	<i>Dichanthium caricosum</i> (L.) A. Camus	
डिप्लेसियोलेज्यूनिया कैविफोलिया स्टेफ.	56	var. <i>bilobum</i> Y. Mahesh, Rasingam & J. Swamy	35
डिप्लेसियोलेज्यूनिया कोबरेंसिस गॉटस्चे एक्स स्टेफ.	57	<i>Dictyocheirosora nabanheensis</i> Tibpromma & K.D. Hyde	106
डिडिमिया जीवै करुण्ण एवं वी.रविच	14	<i>Didymocrea leucaenae</i> Jayasiri, E.B.G. Jones & K.D. Hyde	106
ड्रायोपेटेरिस लुनानेसिस (क्राइस्ट) सी. चर.	52	<i>Dioscorea dumetorum</i> (Kunth) T. Durand & H. Schinz.	40
एकाइडनोडेला वेग्मोनेसिस जे. थॉमस एवं हिना	91	<i>Dipcadi janae-shrirangii</i> Chandore, Borude, Bhalekar,	14
एलियोकार्पस गाडगिलाई.एम. माया, वी. सुरेश व के. एम. पी. कुमार	14	Madhav & Gosavi	
एलोटेस्पोरा मुंबईएंसिस रश्मि दुब	91	<i>Diplasiolejeunea</i> (Spruce) Schifffn.	56
इंटैरोग्राफा बार्टलेटी सिरस	63	<i>Diplasiolejeunea cavifolia</i> Steph.	56
एथिथेमिया अघरकरी ए. विगणेश्वरन, जेपी. कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	72	<i>Diplasiolejeunea cobrensis</i> Gottsche ex Steph.	57
एरियोकॉलन मीनाचिलेसे अनूप व रॉबी	15	<i>Drimia jeevae</i> Karupp. & V. Ravich.	14
एरियोकॉलन संज्जापाई एम. के. अखिल व नेम्पी	15	<i>Dryopteris lunanensis</i> (Christ) C. Chr.	52
एरियोक्लोआ मेघेरियाना (नीस) पिल्लज.	41	<i>Echidnodella vagamonensis</i> J. Thomas & Hina	91
यूजेनिया पोक्कुदानी ए.एम. माया, के.एम. प्रभुकुमार व वी. सुरेश	15	<i>Elaeocarpus gadgilii</i> A.M. Maya, V.Suresh & K.M.P.Kumar	14
यूफोरबिया लक्ष्मीनरसिम्हानी मालपुरे, चंदोर, पी.एस. राउत व बी. डीजोंग	16	<i>Elotespora mumbaiensis</i> Rashmi Dubey	91
यूफोरबिया सह्याद्रिका सरदेसाई और मालपुरे	16	<i>Enterographa bartlettii</i> Sérus.	63
यूरीहेलिनेमा पालुस्ट्रिस चक्रवर्ती एवं मुखर्जी	72	<i>Epithemia agharkarii</i> A. Vigneshwaran, J.P. Kocielek & B. Karthick	72
फेगोपायरम यूरोफायलम ब्यूरो एवं फ्रांच.) एच. ग्रेस	41	<i>Eriocaulon meenachilense</i> Anoop & Robi	15
फेबोलस रोसस एललोयड	106	<i>Eriocaulon sanjappae</i> M. K. Akhil & Nampy	15
फाइकस जोहानिस बोइस		<i>Eriochloa meyeriana</i> (Nees) Pilg.	41
उपजाति अफगानिस्तानिका (वर्ब) ब्रोविकज़.	47	<i>Eugenia pokkudanii</i> A.M. Maya, K.M. Prabhukumar & V. Suresh	15
फाइकस वारेन्स आइटन		<i>Euphorbia lakshminarasimhanii</i> Malpure, Chandore,	16
प्रभेद डिस्पसा चान्टारस.	48	P. S. Raut and B.DeJong	
फिम्ब्रिस्टाइलस सुनीली सनीलकुमार एवं नित्या	16	<i>Euphorbia sahyadrica</i> Sardesai & Malpure	16
फिलिन्टिएला संगुनेरिया एफ. डी. ओट	77	<i>Euryhalinema pallustris</i> Chakraborty & Mukherjee	73
फोस्काओलिया विरिडिस एहरेनब एक्स वेब	41	<i>Fagopyrum urophyllum</i> (Bureau & Franch.) H.Gross	41
फ्रूलानिया बोलांडेरी ऑस्टिन	57	<i>Favolus roseus</i> Lloyd	106
गैनोडर्मा केरलेसी विंजुसा एवं टि.के.ए.कुमार	92	<i>Ficus johannis</i> Boiss.	
गैनोडर्मा स्यूडोएण्प्लानेटम विंजुसा एवं टि.के.ए.कुमार	92	subsp. <i>afghanistanica</i> (Warb.) Browicz	47
गार्सिनिया सिबेश्वरी पी. एस. शमीर, जे. सरमा, एन. मोहनन व ए. बेगम	17	<i>Ficus virens</i> Aiton	
गैस्ट्रोचिलस येई जे.डब्ल्यू.ली व एक्स.एच. जिन	42	var. <i>dispersa</i> Chantaras.	48
जेंटियाना प्रेटीकोला फ्रैंचेट	42	<i>Fimbristylis sunilii</i> Sanilkumar & Nithya	16
जैन्सियनैला देवेन्ड्रे एम. शबीर व जे.के. तिवारी	17	<i>Flintiella sanguinaria</i> F. D. Ott	77
जेंटियानोप्सिस पेलूडोसा (हुक. एफ.) मा		<i>Forsskaolea viridis</i> Ehrenb. ex Webb	41
प्रभेद अल्पिना टी. एन. एचओ	48	<i>Frullania bolanderi</i> Austin	57
गिंगनटोक्लोआ गंगासिधियाना नैथानी, चंद्रा, नेगी व जिनवाल	17	<i>Ganoderma keralense</i> Vinjusha & T.K.A. Kumar	92
ग्लाइकोस्मिस नेल्लीयमपैथिणिसिस जबीना व माया	18	<i>Ganoderma pseudoapplanatum</i> Vinjusha & T.K.A. Kumar	92
ग्लाइपोक्लोआ एक्यूमिनाटा (हेक.) क्लेटॉन		<i>Garcinia sibeswari</i> P. S. Shameer, J. Sarma,	17
प्रभेद लैविस अभिजीत एवं कृष्णमूर्ति	35	N. Mohanan & A. Begum	
		<i>Gastrochilus yei</i> J.W. Li & X.H. Jin	42
		<i>Gentiana praticola</i> Franchet	42
		<i>Gentianella devendrae</i> M. Shabir & J. K. Tiwari	17
		<i>Gentianopsis paludosa</i> (Hook.f.) Ma	
		var. <i>alpina</i> T.N.Ho	48

ग्लाइफोक्लोआ श्रीरांगी के. प्रसाद, एस. नागराजू व चोरघे	18	<i>Gingantochloa gangasinghiana</i> Naithani, Chandra, Negi & Ginwal	17
ग्राफिस ब्रेविकार्पा एम. नकन, काशीव एवं के.एच. मून	63	<i>Glycosmis nellyampathiensis</i> Jabeena & Maya	18
जिमनोकोलिया डुमोर्ट. (डुमोर्ट.)	56	<i>Glyphochloa acuminata</i> (Hack.) Clayton	
जिमनोकोलिया इन्फ्लटा (हुड्स.) डुमोर्ट	57	var. <i>laevis</i> Abhijit & Krishnamurthy	35
हलोमोनास इकरेई कुप्पुसामी पांडियान एवं अन्य	116	<i>Glyphochloa shrirangii</i> K. Prasad, S. Nagaraju & Chorgha	18
हेलिकोमा डेनिसी एम.बी.इलिस	106	<i>Graphis brevicarpa</i> M. Nakan., Kashiw. & K.H. Moon	63
हेन्केलिया दासी ताराम, डी. बोराह, आर. कुमार सिंह व टैग	18	<i>Gymnocolea</i> (Dumort.) Dumort.	56
हैकिलिया लालाएनि तारम, डी. बोराह, टैग व आर.कुमार सिंह	19	<i>Gymnocolea inflata</i> (Huds.) Dumort.	57
हर्पोसिफोनिया फालकाटा (कुजिंग) डी टोनी	77	<i>Halomonas icarae</i> Kuppasamy Pandiyan & al.	116
हर्पोसिफोनिया सबडिसटिका ओकमुरा	77	<i>Helicoma dennisii</i> M.B. Ellis	106
हेरपोथालॉन क्वीन्सलैंडीकम (एलिक्स) एलिक्स	63	<i>Henckelia dasii</i> Taram, D.Borah, R.Kr.Singh & Tag	18
हिप्टेज लेक्सिफ्लोरा सुजाना एवं वाध्यार	19	<i>Henckelia lallanii</i> Taram, D.Borah, Tag & R.Kr.Singh	19
होया ओरियोजेना केर	42	<i>Herposiphonia falcata</i> (Kutzing) De Toni	77
हायग्रोसायब बोएर्टमनी यू. सिंह एवं आर. पी. भट्ट	92	<i>Herposiphonia subdisticha</i> Okamura	77
हाइपनिया बुलाटा पी. कुंडु एवं एफ. बास्ट	73	<i>Herpothallon queenslandicum</i> (Elix) Elix	63
हाइपनिया इंडिका पी. कुंडु एवं एफ. बास्ट	73	<i>Hiptage laxiflora</i> Sujana & Vadhyar	19
हायपोमोंटेगनेला स्पोंजिफिला कुहनर्ट	107	<i>Hoya oreogena</i> Kerr	42
इपेशिएन्स अच्युदानंदनी कुमार वी.एस.ए., एम.जी. गोविंद एवं सिंधु आर्या	19	<i>Hygrocybe boertmannii</i> U. Singh & R.P. Bhatt	92
इपेशिएन्स डानी एम जी गोविंद, सिंधु आर्या, वी. सुरेश एवं कुमार वी. एस. ए.	20	<i>Hypnea bullata</i> P. Kundu et F. Bast	73
इपेशिएन्स शैलजेई सिंधु आर्या एवं कुमार वी. एस. ए.	20	<i>Hypnea indica</i> P. Kundu et F. Bast	73
इम्पेसेन्स वैयापुरी करुण. एवं वी. रविच.	21	<i>Hypomontagnella spongiphila</i> Kuhnert	107
इंडिगोफेरा जैसलमेरिका सी.एस. पुरोहित व आर.एन. कुल्लोली	21	<i>Impatiens achudanandanii</i> Kumar V.S.A., M.G. Govind & Sindhu Arya	19
इनिगैनेमा सहयाद्रेंसिस वाई. माल्टसेव एवं कुलिकोवस्की	73	<i>Impatiens danii</i> M.G. Govind, Sindhu Arya, V. Suresh & Kumar V.S.A.	20
इस्चैमम एम्बोलिऐन्स एस.ए. बोक्लि, दातार व आर.के.चौधरी	21	<i>Impatiens shailajae</i> Sindhu Arya & Kumar V.S.A	20
इस्चैमम मिश्रत्राई एस. एन. लान्जे व शिन्डे	22	<i>Impatiens vaiyapuri</i> Karupp. & V. Ravich	21
जैक्वेमोंटिया टैमिनफोलिया (एल.) ग्रिसेब.	42	<i>Indigofera jaisalmerica</i> C.S. Purohit et R.N. Kulloli	21
जेनेटिया हेटेरोस्पोरा रश्मि दुबे	92	<i>Iningainema sahyadrensis</i> Y.Maltsev & Kulikovskiy	73
जैपविएला प्रिंटजेन	61	<i>Ischaemum amboliense</i> S.A.Bokil, Datar & R.K.Choudhary	21
जैपविएला तवारोसिआना (एच. मैम.) प्रिंटजेन	63	<i>Ischaemum mistryi</i> S. N. Landge & Shinde	22
किर्सस्टेनियोथेलिया शिमलाएंसिस राजन. के. वर्मा, प्राशर, राजेश के., सुषमा, गौतम एवं आर.एफ. कासटानेडा	93	<i>Jacquemontia tamnifolia</i> (L.) Griseb.	42
कुमानोआ चौगुलेई जयलक्ष्मी एवं जोस जॉन	74	<i>Janetia heterospora</i> Rashmi Dubey	92
लकारिया डायोसपायरिकोला सालना नानु एवं टी.के.ए. कुमार	93	<i>Japewiella</i> Printzen	61
लेकटेरियस एबीटिकोला एक्स. एच. वांग	107	<i>Japewiella tavaresiana</i> (H. Magn.) Printzen	63
लेकटेरियस एम्बिगुअस एक्स. एच. वांग	107	<i>Kirschsteiniothelia shimlaensis</i> Rajn.K. Verma, Prasher, Rajeshk., Sushma, Gautam & R.F. Castañeda	93
लेकटेरियस ट्रासिनस वर्मा के., उनियाल, शर्मा वाई. पी एवं मेहमूद	93	<i>Kumanoa chaugulei</i> Jayalakshmi & Jose John	74
लेकटेरियस हिरतिपिज जे.जेड. यिंग	107	<i>Laccaria diospyricola</i> Salna Nanu & T.K.A. Kumar	93
लेकटेरियस केसियाई वरबेकन एवं के. डी. हायड	108	<i>Lactarius abieticola</i> X.H. Wang	107
लेकटेरियस सारथलेनस वर्मा के., उनियाल, शर्मा वाई. पी एवं मेहमूद	94	<i>Lactarius ambiguus</i> X.H. Wang	107
लेकटेरियस शिवालिकेंसिस जे. कुमार एवं एन. एस. अतरी	94	<i>Lactarius drassinus</i> Verma K., Uniyal, Sharma Y.P & Mehmood	93
लेकटेरियस सिनोजोनेरियस एक्स. एच. वांग	108	<i>Lactarius hirtipes</i> J.Z. Ying	107
लैक्टिफ्लस कनादी आई. बेरा, ए. घोष, नुयटिक एवं वरबेकन	94	<i>Lactarius kesiyae</i> Verbeke & K.D. Hyde	108
लेपिडोस्फेरिया स्ट्रोबेली ए.सी. लागेशेट्टी, डी. चौधरी एवं एस.के. सिंह	94	<i>Lactarius sarthalanus</i> Verma K., Uniyal, Sharma Y.P & Mehmood	94
ल्यूकोएगोरियस ब्रुनियोडिस्कस ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या	95	<i>Lactarius shiwalikensis</i> J. Kumar & N. S. Atri	94
ल्यूकोएगोरियस ट्रोपिकस ए.के. दत्ता एवं के. आचार्या	95	<i>Lactarius sinozonarius</i> X.H. Wang	108
लिंगनोसास राइनोसेरस (कूक) रायवर्डेन	108	<i>Lactifluus kanadii</i> I. Bera, A. Ghosh, Nuytinck & Verbeke	94
लिनोकार्पण एक्वटोस्पोरा एम. निरंजन एवं वी.बी. सम्रा	95	<i>Lepidosphaeria strobellii</i> A.C. Lagashetti, D. Choudhary & S.K. Singh	94
लिस्टिया अनामलघाना रोबी एवं उदायन	22	<i>Leucoagaricus brunneodiscus</i> A.K. Dutta & K. Acharya	95
लोफोपोगोन प्रसन्नै के. प्रसाद, नागराजू ए. नाराय, ए.एम. रेड्डी, शंकर राव एवं बी.आर.पी. राव	22	<i>Leucoagaricus tropicus</i> A.K. Dutta, Stallman & K. Acharya	95
लिसियनोटस जिरोनेसिस नेम्पी, निखिल, अमृता एवं अखिल	23	<i>Lignosus rhinocerus</i> (Cooke) Ryvarden	108
मधुका बालाकृष्णनी ई.एस.एस. कुमार, शैलजाकुमारी एवं शरीफ	23	<i>Linocarpon acutospora</i> M. Niranjana & V.V.Sarma	95
		<i>Litsea anamalayana</i> Robi & Udayan	22
		<i>Lophopogon prasannae</i> K. Prasad, Nagaraju, A. Naray., A.M. Reddy, Sankara Rao & B.R.P. Rao	22

मेसा मेम्ब्रानेसिया अल्फोंस डी कैंडोले	43	<i>Lysionotus ziroensis</i> Nampy, Nikhil, Amrutha & Akhil	23
मालमिडीया ट्रेटियाना काल्ब एवं मोंगक	64	<i>Madhuca balakrishnanii</i> E.S.S.Kumar, Shailajakumari & Shareef	23
मरिनोबैक्टेरियम अल्कलिटोलेरेंस अनिल कुमार पिन्नाका एवं अन्य	117	<i>Maesa membranacea</i> Alphonse de Candolle	43
मारथोमामायसिस लिनी. के. मैथ्यु, जैकब एवं नीता एन. नायर	83	<i>Malmidea tratiana</i> Kalb & Mongk.	64
मेमेसिलॉन पेचाईमलयानम आर. राजेश, एमबी विश्वान व आर. सीलमबरासन	23	<i>Marinobacterium alkalitolerans</i> Anil Kumar & al.	117
मेमेसिलॉन विश्वनाथनी आर. राजेश पी. शक्तिदासन व सी. राजसेकर	24	<i>Marthomamyces</i> Lini K. Mathew, Jacob Thomas and Neeta N. Nair	83
माइकेरिया इरेटिका (कोर्ब.) हर्टेल, रामबोल्ड एवं पिट्सचम	64	<i>Memecylon pachaimalayanum</i> R. Rajesh, M.B. Viswan. & R. Silambarasan	23
मरडेनिया ट्राइक्वेट्रा प्रभेद आहुचावलेंस कांगकन पागग एवं शशिन कुमार बोरठाकुर	36	<i>Memecylon viswanathanii</i> R.Rajesh, P.Sakthidhasan & C. Rajasekar	24
मायसेना क्लोरोफॉस (बेर्क. एवं एम.ए. कुर्टिस) सैक.	108	<i>Micarea erratica</i> (Körb.) Hertel, Rambold & Pietschm.	64
नेनोटिस प्रभुई सुनील, सलीम व रतीशा	24	<i>Murdannia triquetra</i> (Wall. ex C.B.Clarke) G.Brückn. var. <i>ahuchawlense</i> Kangkan Pagag & Sashin Kumar Borthakur	36
नेमानिया बाईपेपिलाटा (बेर्क. एवं एम.ए. कुर्टिस) पौजर	109	<i>Mycena chlorophos</i> (Berk. & M.A. Curtis) Sacc.	108
नियोएथोस्टोमेल्ला समाचेदाबिजई एम. निरंजन एवं वी.वी. सर्मा	95	<i>Neanotis prabhuii</i> Sunil, Salim & Ratheesh	24
निओफोमिटेला गुआंगज़िसिस बी. के. कुई एवं झिंग जी, इन जी, वु, सॉन्ग, लिउ, सी एवं कुई	109	<i>Nemania bipapillata</i> (Berk. and M.A. Curtis) Pouzar	109
नियोपिक्रोसिजा मिनिमा आर.आर. मिल	43	<i>Neoanthostomella samachedabeejae</i> M. Niranjan and V.V. Sarma	95
नियोस्पोरीडेस्मियम हिमाचलेंसी राजन. के. वर्मा, प्राशर, राजेश के., सुषमा, गौतम एवं आर.एफ. कासटानेडा	96	<i>Neofomitella guangxiensis</i> B.K. Cui & Xing Ji, in Ji, Wu, Song, Liu, Si & Cui	109
ओबीरोनिया सिमिलिपलेंस एस. मिश्रा	24	<i>Neopicrorhiza minima</i> R.R. Mill	43
ओसेलुलेरिया अल्बोमैकुलाटा हेल	64	<i>Neosporidesmium himachalense</i> Rajn. K. Verma, Prasher, Sushma, A.K. Gautam, Rajeshk. & R.F. Castaneda	96
ओसेलुलेरिया एस्कीडीओडिया हेल	65	<i>Oberonia similipalense</i> S. Misra	24
ओसेलुलेरिया कन्नेलिफ़िसिस हेल	65	<i>Ocellularia albomaculata</i> Hale	64
ओसेलुलेरिया मोनोस्पोरोडीज (नील.)	65	<i>Ocellularia ascidioidea</i> Hale	65
ओसेलुलेरिया पेट्टसरीफ़ोर्मिस (लेट.) जाल्बर.	66	<i>Ocellularia kanneliyensis</i> Hale	65
ओसेलुलेरिया रिक्नोपोरा हेल	66	<i>Ocellularia monosporoides</i> (Nyl.) Hale	65
ओडिशा बोनाकॉर्डेसिस के. प्रसाद, जे. जलाल व डी.के. अग्रवाल	25	<i>Ocellularia pertusariiformis</i> (Leight.) Zahlbr.	66
ओडॉटिकम फ्लेबेलीरिडिएटम (जे. एरिक्स. एवं होर्तस्टम) ज्मिन्न.	109	<i>Ocellularia rhicnopora</i> Hale	66
उडोगोनियम एम्पलिस (टायल.) टिफ.	78	<i>Odisha bonaccordensis</i> K. Prasad, Jalal & Agrawala	25
उडोगोनियम अंगुस्टिस्टोमम हॉफ.	78	<i>Odontium flabelliradiatum</i> (J. Erikss. & Hjortstam) Zmitr.	109
उडोगोनियम कैफ कैपिलरी (एल) कुर्टज़.	78	<i>Oedogonium amplius</i> (Tayl.) Tiff.	78
उडोगोनियम मैगनुसी विटर प्रभेद मेजर बॉक एवं बॉक	80	<i>Oedogonium angustistomum</i> Hoff.	78
उडोगोनियम स्यूडोफ्रेजाइल क्लास.	78	<i>Oedogonium cf capillare</i> (L) Kutz.	78
उडोगोनियम सबवाउचेरी क्लास.	79	<i>Oedogonium magnusii</i> Wittr. var. <i>major</i> Bock and Bock	80
उडोगोनियम उपसलिफ़ेसी [विटर.] हिर्न	79	<i>Oedogonium pseudofragile</i> Claass.	78
उडोगोनियम विसायेंसी ब्रिटन	79	<i>Oedogonium subvaucherii</i> Claass.	79
ओपेग्राफा हेलियाब्रवोआ हेंरा-कंपोस एवं लुकिंग	66	<i>Oedogonium upsaliense</i> [Wittr.] Hirn.	79
ओफिओकोर्डायसेप्स मिजोरमेंसिस जोहमेंगईहा, जोथांजामा, जे. एवं एवं वाबेईखोखेई, जेएमसी	96	<i>Oedogonium visayense</i> Britton	79
ओफियोग्लोसम जयकृष्णोई एस. एम. पाटिल, एस.के. पटेल, रावले एवं के.एस. राजपूत	51	<i>Opegapha heliabravo</i> Herrera-Campos & Lüking	66
ओफियोग्लोसम त्रिलोकिनाथी बी.एल. यादव, एम.के. मेघवंशी, के. मीणा एवं सी.बी. गेना	51	<i>Ophiocordyceps mizoramensis</i> Zohmangaiha, Zothanzama, J. & Vabeikhokhei, JMC	96
ओरोबैंक कुमाना वालरोथ	43	<i>Ophioglossum jaykrishnae</i> S. M. Patil, S. K. Patel, Raole & K. S. Rajput	51
ऑक्सिनेमा एस्टुएरी चक्रवर्ती एवं मुखर्जी	74	<i>Ophioglossum trilokinathii</i> B L Yadav, M K Meghvansi, K Meena & C B Gena	51
पेसिलोमायसिस फोमॉसस सकाग., मेघ. इनौ एवं टाडा एक्स हाउब्रेकेन एवं सैमसन	109	<i>Orobanche cumana</i> Wallroth	43
पैराकोनिओथायरम अजरेकरी एस. राणा एवं एस.के. सिंह	96	<i>Oxynema aestuarii</i> Chakraborty & Mukherjee	74
पेराडिक्टियोकैरोस्पोरा राजेश कुमार, आर.के. वर्मा, बूमी, के.डी. हाइड, चंद्रासिरि एवं विजयाव	84	<i>Paecilomyces formosus</i> Sakag., May. Inoue & Tada ex Houbraken & Samson, in Samson, Houbraken, Varga & Frisvad	109
पेराडिक्टियोकैरोस्पोरा टेक्टोने आरके. वर्मा, बूनमी, के.डी. हायड, चंद्रासिरि एवं विजयाव	97	<i>Paraconiothyrium ajrekarii</i> S. Rana & S.K. Singh	96
पारविजेरोकोमस माथेरानेंसिस पी.बी. पाटिल, सेंथिल, एस.के. सिंह एवं एस.ए. वैद्या	97	<i>Paradictyocheirospora</i> Rajeshkumar, R. K. Verma, Boonmee, K. D. Hyde, Chandrasiri & Wijayaw.	84
पेट्रोक्रोसिएल्ला राजेश कुमार, यु. बरुन एवं जे.जेड. प्रोनेव	84		

पर्दुसरिया साइकाट्रायकोसा		Paradictyocheirospora tectonae Rajeshkumar, R. K. Verma,	97
प्रभेद डेफिसिअस ए.डब्लू. आर्चर, एलिकस एवं स्ट्रेमम	68	Boonmee, K. D. Hyde, Chandrasiri & Wijayaw	
फालेनोपिसस विल्सोनी रॉल्फ	43	Parvixerocomus matheranensis P.B. Patil, Senthil., S.K. Singh &	97
फ्लोगाकान्थस चांगलेंजेंसिस पी. लुंगापी, ए.वी. सिंह व ए.पी. दास	25	S.A. Vaidya	
फौवें निकोबारिका रासिंगम, एल.जे. सिंह व कार्थि	25	Pedrocrousiella Rajeshkumar, U.Braun & J.Z.Groenew.	84
फाइलेन्थस पालकोन्डेन्सिस राजा कुलैइसव. व सरोजिन.	26	Pertusaria cicatricose Mull. Arg.	
फाइलेन्थस सनातनधर्मी जे. मेथ्यू व योहान्न	26	var. deficiens A.W. Archer, Elix & Streimann	68
फायलोपोरिया तमिलनाडेंसिस श्रीधर, पलनी एवं डेकॉक	97	Phalaenopsis wilsonii Rolfe	43
प्लेजियोचिला डेंपाएन्सिस सुशील कु. सिंह एवं के. के. रावत	55	Phlogacanthus changlangensis P.Lungphi, A.V.Singh & A.P. Das	25
प्लेजियोचिला मिज़ोरमेन्सिस सुशील कु. सिंह एवं के. के. रावत	55	Phoebe nicobarica Rasingam, L.J. Singh & Karthig	25
प्लेजियोनियम इंसिग्नी (मिट.) टी. जे. कोप.	58	Phyllanthus palakondensis Raja Kullayisw. & Sarojin.	26
पोगोस्टेमॉन जैतपुरेन्सिस चंदेरे व एस. आर. यादव	26	Phyllanthus sanatanadharmae J.Mathew & Yohannan	26
पोहलिया ल्यूकोस्टोमा (बोस्च एवं संडे लेक.) एम. फ्लिस्च	58	Phylloporia tamilnadensis Sridhar, Palani & Decock	97
पॉलीकारपिया पालक्काडेन्सिस वी.एस.ए.कुमार, एस. आर्य एवं सुरेश	27	Plagiochila dampansensis Sushil K. Singh & K. K. Rawat	55
पोरिना एक्सर्टा मूल. अर्ग.	66	Plagiochila mizoramensis Sushil K. Singh & K. K. Rawat	55
पोरिना साइमॅन्सिस पी.एम. मैकार्थी	67	Plagiomnium insigne (Mitt.) T. J. Kop.	58
पोरिना सबर्गिलेसिया (मूल. अर्ग.)	67	Pogostemon jaitapurensis Chandore & S.R.Yadav	26
प्रेमना मित्रंथा शांअर	44	Pohlia leucostoma (Bosch & Sande Lac.) M. Fleisch.	58
प्रिलिएक्यूजिना अपोरेसी जी.एन. गोकुल, जे. थॉमस एवं एन. मैथ्यू	98	Polycarpaea palakkadensis V.S.A Kumar, S. Arya & Suresh	27
स्यूडोसर्कोस्पोरा क्रोटालेरिजेना अर्चना सिंह, पारस नाथ सिंह एवं नवल किशोर दुबे	98	Porina exserta Müll. Arg.	66
स्यूडोसर्कोस्पोरा हलदिनी संजय एवं राघव सिंह	98	Porina siamensis P. M. McCarthy	67
स्यूडोक्सीटेननथेरा माधवी पी. टेताली, दातार, एस. टेताली, मुरलीधरन व	27	Porina subargillacea Müll Arg.	67
आर. के. चौधरी		Premna micrantha Schauer	44
प्टेरुला बंबुसिकोला वी. प्रकाश	99	Prillieuxina aporosae G.N. Gokul, J. Thomas & N. Mathew	98
पायरेनिडियम डायमलेनेई वाई.जोशी	99	Pseudocercospora crotalariigena Archana Singh,	98
पायरेनोपॉलीपोरस हंटरी एल्लोयड	110	Paras Nath Singh and Nawal Kishore Dubey	
पायरेनुला डिसिमुलांस (मूल. अर्ग.) आर.सी. हैरिस	67	Pseudocercospora haldinae Sanjay, Sanjeet & Raghv. Singh	98
पायरेनुला पायरेनेस्ट्रोस्पोरा एण्टूट	67	Pseudoxytenanthera madhavii P.Tetali, Datar, S.Tetali,	27
पायरेनुला राइनोडाइनोस्पोरा एण्टरूट	68	Muralidharan & R.K.Choudhary	
पाइरोस्टीरिया लालजी एम.सी. नाइक अर्जोला व एम. भीमलिंगप्पा	27	Pterula bambusicola V. Parkash	99
पायरोजिया सारथालेंसिस सुमित सिंह, स्नेहा एवं बिकर्मा सिंह	51	Pyrenidium dimelaenae Y. Joshi	99
पायक्सिन स्मिदूति वैन.	68	Pyrenopolyporus hunteri Lloyd	110
रेहडेरॉडेंड्रोन हू	37	Pyrenula dissimulans (Mull. Arg.) R.C. Harris	67
रेहडेरॉडेंड्रोन माइक्रोकॉरपम के.एम. फेंग पूर्व टी.एल. मिंग	44	Pyrenula pyrenastrospora Aptroot	67
राइजोक्टाोनिया एमिगडालिस्पोरा (हौस्लेव, पी. रोबर्ट्स एवं ए. स्ट्रीड) ओबेर्व., आर.		Pyrenula rinodinospora Aptroot	68
बौए, गर्निका एवं किश्चनर	110	Pyrostria laljii M.C. Naik, Arriola & M. Bheemalingappa	27
रोडोसाइब ब्रुननियोऑरिंटिका ए.के. दत्ता, जी. गेट्स एवं के. आचार्या	99	Pyrrosia sarthalensis Sumit Singh, Sneha & Bikarma Singh	51
रोडोटोरूला संपईओआना ए. बाघेला एवं डी. लिबकिंड	99	Pyxine schmidtii Vain.	68
रिक्सीया केरलेंसिस मंजु. चांदीनी, सुशील, के. सिंह एवं के. पी. राजेश	55	Rehderodendron Hu	37
रोटाला जूनीपेरिना ए.फर्न	44	Rehderodendron microcarpum K.M. Feng ex T.L. Ming	44
रोट्टबोलिया हुसैनी पी. अग्निहोत्री एवं एस. त्रिपाठी	28	Rhizoctonia amygdalispora (Hauerslev, P. Roberts & Å. Strid)	110
रूबेलोफोमिज सिस्टिडाएटस बी.के. कुई, एम. एल. हान एवं वाई. सी. दाई	110	Oberw., R. Bauer, Garnica, & R. Kirschner	
रुसुला अडवाणीटेकाई ए. घोष, के. दास एवं बुयाक	100	Rhodocybe brunneoaurantiaca A.K. Dutta, G. Gates & K. Acharya	99
रुसुला इंडोइलिसिस अल्लाफ, ए. घोष वर्मा के. एवं शर्मा वाई. पी.	100	Rhodotorula sampaoana S. Tiwari, A. Baghela & D. Libkind	99
रुसुला पर्यरियोजोनाटा के. दास, ए. घोष एवं बुयाक	100	Riccia keralensis Manju, Chandini, Sushil, K.Singh & K. P. Rajesh	55
रुसुला जेरामपेलिनोइडीज के. दास, आई. बेरा, ए. घोष एवं बुयाक	100	Rotala juniperina A.Fern.	44
सचारिबैसिलस अल्कलीटोलेरेंस हिमांशु दार्जी एवं अन्य	117	Rottboellia husainii P. Agnihotri & S. Tripathi	28
सौरौमैटम अरुणाचलेन्से यू.एल. तिवारी, आर. मैती एवं एस.एस. दास	28	Rubellofomes cystidiatus (B.K. Cui & M.L. Han)	110
सेवेजिया सर्पेंटिस विकास सुधाकर पाटिल एवं अन्य	117	B.K. Cui, M.L. Han & Y.C. Dai	
सक्लेरोकोकम डेंड्रिस्कोस्टिक्टाई वाई. जोशी	101	Russula adwanitakeae A. Ghosh, K. Das & Buyck	100
सक्लेरोकोकम फिजिए वाई. जोशी	101	Russula indoilicis Altaf, A. Ghosh, Verma K. & Sharma Y. P.	100
		Russula purpureozonata K. Das, A. Ghosh & Buyck	100
		Russula xerampelinoides K. Das, I. Bera, A. Ghosh & Buyck	100
		Saccharibacillus alkalitolerans Himanshu Darji & al.	117
		Sauromatum arunachalense U.L. Tiwari, R. Maity & S.S. Dash	28
		Savagea serpentis Vikas Sudhakar Patil & al.	117

सेबीपोरा एकुओसा मिप्टिनेन एवं राजचेनबार्ग	110	<i>Sclerococcum dendriscostictae</i> Y. Joshi	101
सिडेंफिया मणिकठिला जे. मैथ्यु. पी एम सलीम एवं स्ला.	28	<i>Sclerococcum physciae</i> Y. Joshi	101
सेप्टेमरेंथस एल. जे. सिंह	3	<i>Sebipora aquosa</i> Miettinen, in Miettinen & Rajchenberg	110
सेप्टेमरान्थस निकोबारिकस एल. जे. सिंह	29	<i>Seidenfia manikathila</i> J.Mathew, P.M. Salim & Szlach.	28
साइडा केरलेंसिस ई. एस. एस. कुमार, शैलजा, श्रीकला, पार्थिपन एवं आर. प्रकाशकुमार	29	<i>Septemeranthus</i> L.J. Singh	3
सिलीन इन्कुरविफोलिया कार. एवं किर.	45	<i>Septemeranthus nicobaricus</i> L.J. Singh	29
सिस्टोट्रेमा ओब्लॉगिस्पोरम एम.पी. एम.पी. क्रिस्ट एवं हौसलेव	111	<i>Sida keralensis</i> E.S.S.Kumar, Shailaja, Sreekala, Parthipan & R. Prakashkumar	29
सोलेनम पुलनेएंसिस सूसैराज	29	<i>Silene incurvifolia</i> Kar. & Kir.	45
सोनेरिला कांजीलासेरिएंसिस अरुणराज, आर.रेशमा व विष्णुप्र.	30	<i>Sistotrema oblongisporum</i> M. P. Christ. and Hauerslev	111
सोनेरिला लॉन्गिपेडनकुलाटा रेस्मी व नेम्पी	30	<i>Solanum pulneyensis</i> Soosairaj	29
स्पैथोग्लॉटिस एफिनिस डे व्रीसे	45	<i>Sonerila kanjilasseriensis</i> Arunraj, R.Reshma & Vishnupr.	30
स्पैरेन्थस गोम्फ्रेनोइड्स हॉफमैन	45	<i>Sonerila longipedunculata</i> Resmi & Nampy	30
स्पॉनजिपोरस फ़्लोरिफॉर्मिस (क्वेल.) जमित्र.	111	<i>Spathoglottis affinis</i> de Vriese	45
स्टैडिओचिलस बर्मानिकस आर. एम. एस. एम.	46	<i>Sphaeranthus gomphrenoides</i> Hoffmann	45
स्टैडिओचिलस आर. एम.स्मिथ	37	<i>Spongiporus floriformis</i> (Quél.) Zmitr.	111
स्टारोनेइस बाहल्सी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	74	<i>Stadiochilus burmanicus</i> R. M. Sm.	46
स्टारोनेइस बर्ती वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	75	<i>Stadiochilus</i> R. M. Sm.	37
स्टारोनेइस दातरी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	75	<i>Stauroneis bahlsii</i> Wadmare, Kociolek et B.Karthick	74
स्टारोनेइस हेमिल्टनी वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	75	<i>Stauroneis bartii</i> Wadmare, Kociolek & B. Karthick	75
स्टारोनेइस लेटेरिटिका वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	76	<i>Stauroneis datarii</i> Wadmare, Kociolek et B.Karthick	75
स्टारोनेइस शोलाई वाडमरे, कोकिओलेक एवं बी. कार्थिक	76	<i>Stauroneis hamiltonii</i> Wadmare, Kociolek et B.Karthick	75
स्ट्रोगुला मैक्रोकार्पा वैन.	68	<i>Stauroneis lateritica</i> Wadmare, Kociolek & B. Karthick	76
स्ट्रोबिलांथेस प्रदीपियाना बी. मणि, सिंज. थॉमस व ब्रिटो	30	<i>Stauroneis sholaii</i> Wadmare, Kociolek & B. Karthick	76
स्ट्रोबिलांथेस पुष्पागिरिएंसिस समीर पाटिल	31	<i>Strigula macrocarpa</i> Vain.	68
स्ट्रोबिलैन्थेस रेप्टन (जी.फॉरस्ट.) मोयलन एक्स. वाई.एफ.डेंग एवं जे.आर.आई.वुड	46	<i>Strobilanthes pradeepiana</i> B. Mani, Sinj. Thomas & Britto	30
स्ट्रोबिलुरस टेनसेलास (पर्स.) सिंगर	111	<i>Strobilanthes pushpagiriensis</i> Sameer Patil	31
स्वर्टिया पटनीटोपियनसिस बिकर्मा सिंह	31	<i>Strobilanthes reptans</i> (G.Forst.) Moylan ex Y.F.Deng & J.R.I.Wood	46
टेराटोरामुलेरिया रूमिसिस कुशवाहा, संजीत, संजय एवं राघव सिंह थोटिया शिवराजनी	101	<i>Strobilurus tenacellus</i> (Pers.) Singer	111
प्रभेद अनमल्लयाना ए. नजरुदीन, जी. राज कुमारेत, एम.एलिस्टर	36	<i>Swertia patnitopiansis</i> Bikarma Singh	31
टिनोस्पोरा मेरिलियाना डायल्स	46	<i>Teratoramularia rumicis</i> Kushwaha, Sanjeet, Sanjay & Raghv. Singh	101
टोरेनिया सिलीगुरेंसिस ए. पाल व एम. चौधरी	31	<i>Thottea sivarajanii</i> E.S.S Kumar, A.E.S Khan & Binu var. <i>anamalaiana</i> A. Nazarudeen , G. Rajkumaret M. Alister	36
ट्राईकोडर्मा डम्बेलिफॉर्मि टी. प्रमीलादेवी एवं डी. कामिल	102	<i>Tinospora merrilliana</i> Diels	46
ट्राइप्टोप्सिस पिर्पान्जलेन्सिस डी. प्रसाद एवं पी. अग्निहोत्री	32	<i>Torenia siliguriensis</i> A. Pal & M. Chowdhury	31
तज्वेल्वियोकलोआ यादवी डी. प्रसाद व पी. अग्निहोत्री	32	<i>Trichoderma dumbbelliforme</i> T. Prameeladevi & D. Kamil	102
वेरोनिका प्लेबीया आर. बीआर	46	<i>Trisetopsis pirpanjalensis</i> D. Prasad & P. Agnihotri	32
वाइकोआ सैह्यात्रिका नंदीकर व सरदेसाई	32	<i>Tzveleviochloa yadavii</i> D. Prasad & P. Agnihotri	32
जान्थोमोनस सॉटी कनिका बंसल एवं अन्य	118	<i>Veronica plebeia</i> R. Br	47
जेरुला फुर्फुरेसिया (पेक.) रेडहेड, गिन्स एवं शूमेकर	112	<i>Vicoa sahyadrica</i> Nandikar & Sardesai	32
जेरुला केन्याई आर.एच. पीटरसन	112	<i>Xanthomonas sontii</i> Kanika Bansal & al.	118
जेरुला रेडिकाटा प्रभेद सेटोसा मलिक एन.ए. एवं सैनी, एम.के.	102	<i>Xerula furfuracea</i> (Peck) Redhead, Ginns & Shoemaker	112
जायलेनिमोनस ओलेईट्रोफिका प्रदन्या डी. नागकिर्ति एवं अन्य	118	<i>Xerula kenyae</i> R.H. Petersen	112
जायलेरिया एपिओस्पोरा एम. निरंजन, एवं वी.वी. सर्मा	102	<i>Xerula radicata</i> (Relhan) DÖrfelt var. <i>setosa</i> Malik N.A & Saini, M. K.	102
जायलेरिया हेमोरहोईडैलिस बर्क. एवं ब्रूम	112	<i>Xylanimonas oleitrophica</i> Pradnya D. Nagkirti & al.	118
यांगिया मैंग्रोव आशीष वर्मा एवं अन्य	118	<i>Xylaria apiospora</i> M. Niranjana & V.V. Sarma	102
जिंजिबर केम्पानुलेटम टी. जयकर., ए. जोय., हेश व एम. साबू	33	<i>Xylaria haemorrhoidalis</i> Berk. & Broome.	112
जिंजिबर कोर्नीजीरम टी. जयकर., ए. जो., हेश व एम. साबू	33	<i>Yangia mangrove</i> Ashish Verma & al.	118
जिंजिबर नियोट्रुकेटम	36	<i>Zingiber campanulatum</i> T.Jayakr., A.Joe, Hareesh & M.Sabu	33
प्रभेद रामसामी लालरामन	36	<i>Zingiber cornigerum</i> T.Jayakr., A.Joe, Hareesh, & M.Sabu	33
		<i>Zingiber neotruncatum</i> T.L.Wu, K.Larsen & Turland	
		var. <i>ramsawmii</i> Lalramngh.	36

F. No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 12th September, 2012

ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, and in continuation of this Ministry's Order dated 28th August, 2008, the Ministry of Environment & Forests, Government of India, hereby designates the National Bureau of Agriculturally Important Insects as the repository under the Act for agriculturally important insects, mites and spiders.

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repository shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repository shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. This order issues with the approval of the competent authority.



(Hem Pande)

Joint Secretary to the Government of India

To

1. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Insects (NBAIL), P.O. No. 2491, H.A. Farm Post, Bellary Road, Bangalore-560 024
2. Directors of institutions designated as repositories vide order dated 28.8.12:
 - i. The Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
 - ii. The Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
 - iii. The Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
 - iv. The Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.

- v. The Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
- vi. The Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
- vii. The Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
- viii. The Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
- ix. The Director, Wildlife Institute of India, P.B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
- x. The Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
- xi. The Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
- xii. The Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
- xiii. The Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi- 110012.

Copy to:

- i. The Chairman, National Biodiversity Authority, Chennai
- ii. The Secretary, National Biodiversity Authority, Chennai

No.26-15/2007-CSC
Government of India
Ministry of Environment and Forests

Paryavaran Bhawan,
CGO Complex, Lodhi Road,
New Delhi – 110 003.

Dated the 28th August, 2008

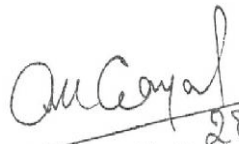
ORDER

Subject :- Designation of repositories under the Biological Diversity Act, 2002

In exercise of the powers conferred by sub-section(1) of Section 39 of the Biological Diversity Act, 2002, read with sections 6 and 12 of Notification S.O. 1911(E), dated 8th November, 2006, the Ministry of Environment and Forests, Govt. of India, hereby designates the following institutions to act as repositories under the Act for different categories of biological resources:

S.No.	Name of the Institution	Category of biological resource
1.	Botanical Survey of India, Kolkata	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
2.	National Bureau of Plant Genetic Resources, New Delhi	Plant genetic resources
3.	National Botanical Research Institute, Lucknow	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae)
4.	Indian Council of Forestry Research and Education, Dehradun (Forest Research Institute, Dehra Dun; Institute of Forest Genetics and Tree Breeding, Coimbatore; and Tropical Forest Research Institute, Jabalpur)	Flora (Angiosperms, Gymnosperms, Pteridophytes, Bryophytes, Lichens, Macrofungi, Macroalgae). For TFRI only - Fauna (termites, butterflies, moths)
5.	Zoological Survey of India, Kolkata	Fauna
6.	National Bureau of Animal Genetic Resources, Karnal, Haryana	Genetic resources of domestic animals
7.	National Bureau of Fish Genetic Resources, Lucknow, U.P.	Fish genetic resources
8.	National Institute of Oceanography, Goa	Marine flora and fauna
9.	Wildlife Institute of India, Dehradun	Faunal resources in Protected Areas
10.	National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Mau Nath Bhanjan, U.P.	Agriculturally important micro-organisms
11.	Institute of Microbial Technology, Chandigarh	Microorganisms
12.	National Institute of Virology, Pune	Viruses
13.	Indian Agricultural Research Institute, New Delhi	Microbes/Fungi

2. In accordance with sub-section (2) of Section 39 of the Act, the designated repositories shall also keep in safe custody the representative samples, as voucher specimens of the biological material accessed in accordance with the provisions of Section 19 of the Act, alongwith relevant information related to the material, such as DNA fingerprints, if so required by the National Biodiversity Authority (NBA).
3. The designated repositories at serial No.1,3,4,5,10,11,12 and 13 shall also keep in safe custody the type specimen deposited by any person who discovers a new taxon, in accordance with sub-section (3) of Section 39 of the Act.
4. This order issues with the approval of the competent authority.


 28.08.08
 (A.K. Goyal)

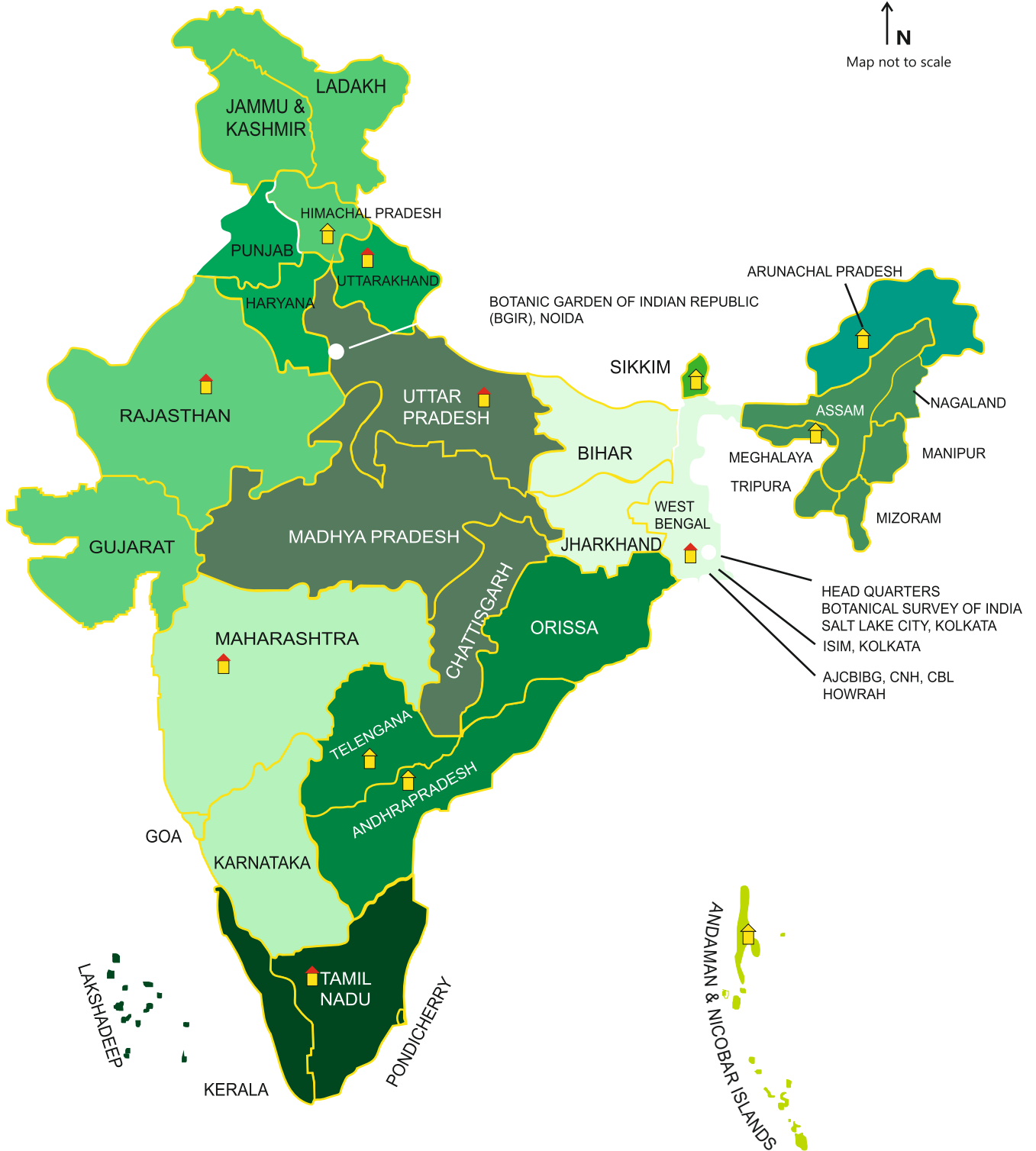
Joint Secretary to the Government of India

To

1. Director, Botanical Survey of India, CGO Complex, 3rd MSO Building, Block F, DL Block, Sector 1, Salt Lake City, Kolkata – 700 064.
2. Director, Zoological Survey of India (ZSI), Prani Vigyan Bhawan, M- Block, New Alipore, Kolkata - 700 053.
3. Director, National Bureau of Plant Genetic Resources, Pusa Campus, New Delhi-110 012.
4. Director, National Botanical Research Institute, Rana Pratap Marg, P. B. No. 436, Lucknow – 226 001, U.P.
5. Director General, Indian Council of Forestry Research & Education, P. O. New Forests, Dehradun – 248 006, Uttarakhand.
6. Director, National Bureau of Animal Genetic Resources, Makrampur Campus, G.T. Road Bye Pass, Near Basant Vihar, P.O. Box 129, Karnal (Haryana)-132001.
7. Director, National Bureau of Fish Genetic Resources, Canal Ring Road, P.O. Dilkusha, Telibagh, Lucknow- 226 002, Uttar Pradesh.
8. Director, National Institute of Oceanography, Dona Paula – 403 004, Goa.
9. Director, Wildlife Institute of India, P. B. No. 18, Chandrabani, Dehradun –248 001, Uttarakhand.
10. Director, National Bureau of Agriculturally Important Micro-organisms, Kusmaur (Post Bag Kaithauli), Post Box. No. 6, Mau Nath Bhanjan, Uttar Pradesh- 275 101.
11. Director, Institute of Microbial Technology, Sector 39-A, Chandigarh – 160 036.
12. Director, National Institute of Virology, 20-A, Dr. Ambedkar Road, P.B.No.11, Pune- 411 001.
13. Director, Indian Agricultural Research Institute, Pusa Road, New Delhi.

Copy to the Chairman, National Biodiversity Authority, 475, 9th South Cross Street, Kapaleeswarar Nagar, Nelankarai, Chennai-600 04.

↑ N
Map not to scale



NORTHERN CIRCLE
DEHRADUN, UTTRAKHAND

ARID ZONE CIRCLE
JODHPUR, RAJASTHAN

WESTERN CIRCLE
PUNE, MAHARASHTRA

SOUTHERN CIRCLE
COIMBATORE, TAMIL NADU

DECCAN CIRCLE
HYDERABAD, ANDHRA PRADESH

CENTRAL NATIONAL HERBARIUM
HOWRAH, WEST BENGAL

CENTRAL CIRCLE
ALLAHABAD, UTTAR PRADESH

EASTERN CIRCLE
SHILLONG, MEGHALAYA

ARUNACHAL PRADESH CIRCLE
ITANAGAR, ARUNACHAL PRADESH

SIKKIM HIMALAYAN CIRCLE
GANGTOK, SIKKIM

ANDAMAN & NICOBAR CIRCLE
PORT BLAIR, ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS

HIGH ALTITUDE WESTERN HIMALAYAN
REGIONAL CENTRE, SOLAN, HIMACHAL PRADESH



CIRCLE OFFICE



CIRCLE OFFICE WITH A SALE COUNTER OF
BSI PUBLICATIONS

ISBN 819563541-5



9 788195 635412